वार्षिक प्रतिवेदन
2017-18

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत स्थापित

बिलासपुर, (छत्तीसगढ़) भारत

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

प्रशासनिक भवन

वार्षिक प्रतिवेदन

(01.04.2017 से 31.03.2018 तक)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर-495009, छत्तीसगढ़, भारत
दूरभाष –07752-260209, फैक्स :07752-260154
वेबसाईट : www.ggv.ac.in ई-मेल : centralggv@ggu.ac.in

INTERNATIONAL CONFERENCE

प्रो. अंजिला गुप्ता
कुलपति

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)495009, भारत
e-mail vcpaggu@yahoo.com
फोन : 07752-260283, 260481
फैक्स 07752 - 260148

आमुख

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का '**वार्षिक प्रतिवेदन 2017—18**' प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। इस प्रतिवेदन में इस वर्ष के सभी अकादमिक और सह—पाठ्यचर्या गतिविधियों को तथ्यपूर्वक तरीके से संजोया गया है। यह प्रतिवेदन इस विश्वविद्यालय का केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के बाद के निरंतर विकास को सार पूर्वक हमारे सामने प्रस्तुत करता है।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने द्रुत गति से अध्ययनशालाओं एवं अधोसंरचना का विस्तार किया है। इस प्रतिवेदन में दिए गए तथ्य एवं सूचना विगत शैक्षणिक वर्ष के दौरान संपादित गहन शोध अभिरुचि संबंधी गतिविधि, प्रकाशन एवं सेमिनार में प्रस्तुत शोध पत्रों का विवरण है जो विश्वविद्यालय के अकादमिक और पेशेवर निकायों एवं इसकी बहुमुखी क्षमताओं का सकारात्मक प्रमाण है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और केंद्र सरकार के अन्य विभागों द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं को लागू करने के लिए सफल प्रयास किए गए हैं जैसे लुप्तप्राय भाषाओं, उद्योग इंटरफेस सेल, उत्पाद विकास कक्ष और उन्नत भारत अभियान सेल एवं 'ज्ञान' के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों को चलाया जा रहा है।

विश्वविद्यालय परिसर को सुरक्षित, गतिशील एवं हरा—भरा बनाये रखने के लिए अनेक सकारात्मक प्रयास किए गए हैं। छात्रों के अंदर छिपे शैक्षणिक एवं सृजनात्मक प्रतिभाओं को उभारने एवं सही दिशा देने के लिए विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। छात्र परिषद् के चुनाव के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्कृति स्थापित करने का सफलतापूर्वक प्रयास किया गया। छात्रों में सामाजिक बुराई के खिलाफ लड़ने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना समेत समुदाय—केंद्रित गतिविधियों में भाग लेने और आसपास के गांवों के दौरे के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। उम्मीद है कि ये पहल आने वाले वर्षों में एक संरचनात्मक और संकेंद्रित विश्वविद्यालय —समाज इंटरफेस की ओर अग्रसर होंगी।

मैं उन सभी लोगों के लिए ईमानदारी से धन्यवाद व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने विश्वविद्यालय के विकास के लिए बहुत मेहनत और प्रभावी ढंग से काम किया है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्था के रूप में स्थापित होगा और सामाजिक एवं आर्थिक चुनौतियों के क्षेत्र में समावेशी शैक्षणिक विकास का प्रतिमान स्थापित करेगा।

(प्रो. अंजिला गुप्ता)

विश्वविद्यालय : दृष्टि एवं उद्देश्य

दृष्टि

18 वीं शताब्दी के महान सतनामी संत गुरू घासीदास के विचारों एवं शिक्षा से प्रेरित होकर गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा की सहायता से सामाजिक सशक्तिकरण, विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण हेतु प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का मुख्य ध्यान विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के उभरते अंतर–अनुशासनात्मक क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण नवीन अकादमिक पाठ्यक्रम को उपलब्ध कराने एवं इसे सुदृढ़ करने पर है, जिससे न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि अकादमिक जगत के ज्ञान भण्डार का भी निरंतर विकास हो। विश्वविद्यालय का उद्देश्य मूल्य आधारित संपूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जिससे मानवता की सेवा हेतु सुशिक्षित समुदाय की अभिवृद्धि एवं विकास किया जा सके।

उद्देश्य

- निर्देशात्मक एवं शोध सुविधाओं के माध्यम से ज्ञान का विकास एवं प्रसार।
- मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के शैक्षणिक कार्यक्रमों में एकीकृत पाठ्यक्रम हेतु विशेष प्रावधान।
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया एवं अंतर–अनुशासनात्मक अध्ययन तथा शोध में नवीन ज्ञान को प्रोत्साहित करने हेतु यथोचित उपाय।
- राष्ट्र के विकास हेतु मानव शक्ति का शिक्षण एवं प्रशिक्षण।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास हेतु उद्योगों से संबंध स्थापित करना।
- ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों का निरूपण एवं आरंभ, जो व्यक्तियों, विशेषतः आवश्यक सुविधा से वंचित व्यक्तियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार कर सके तथा उनके बौद्धिक, अकादमिक व सांस्कृतिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर सके।

प्रेरणास्रोत

गुरु घासीदास

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का नामकरण दूरदर्शी समाज सुधारक संत गुरु घासीदास (1756–1836 ई.) के नाम पर हुआ है, जिन्होंने तत्कालीन भेदभाव पूर्ण सामाजिक व्यवस्था को चुनौती दी और शोषण मुक्त एवं वंशानुगत जाति–व्यवस्था का खंडन कर सामाजिक समरसता को महत्व प्रदान किया। गुरु घासीदास जी ने सर्वग्राही दृष्टि एवं चरणबद्ध सुधार के माध्यम से प्रचलित सामाजिक अन्याय एवं असमानता को दूर करने में योगदान दिया। सतनाम पंथ 'सत्य ही ईश्वर है' में विश्वास करता है जो निर्गुण निराकार और अनन्त है। उनके द्वारा मदिरा–मांस के निषेध द्वारा आत्मशुद्धि का प्रयास किया गया । गुरु घासीदास के सिद्धांतों में चर–अचर के प्रति प्रेम एवं प्राणी मात्र के प्रति हिंसा निषेध प्रमुख है। सतनाम पंथ के अनुयायी सैकड़ों वर्षो से इन उपदेशों का अनुकरण करते आ रहे हैं। केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के उपरांत गुरूजी के विचारों को जीवन में उतारने के लिये विश्वविद्यालय प्रशासन ने अनेक कदम उठाये हैं। वर्तमान में हमारा विश्वविद्यालय परिसर मदिरा एवं तम्बाकू से पूर्णतः मुक्त है। गुरुजी की शिक्षाओं के अनुरूप भारत भर से आये विभिन्न वर्गों एवं जातियों के विद्यार्थियों को समानता धर्मी वातावरण विश्वविद्यालय के जीवंत परिसर में उपलब्ध है।

कुलगीत

गुरु कृपा के पुण्य परस से, विद्या का वरदान है।
घासीदास विश्वविद्यालय, हम सब का अभिमान है।

महानदी, शिवनाथ, नर्मदा, हसदो पावन धारा है।
अंतःसलिला अरपा का, सतत् प्रवाह हमारा है।
छत्तीसगढ़ की माटी का, यह अभिषेक महान है।

भोरमदेव, सरगुजा, शिवरी, रतनपुर, मल्हार यहीं।
कालीदास का आम्रकूट है, अमर काव्य श्रृंगार यहीं।
धरती, गगन, सघन वन गूंजे, जीवन का नवगान है।

शस्य श्यामला धरती है, खेतों में हरियाली है।
नये भगीरथ कोरबा जैसी, लोक–शक्ति की लाली है।
जाग उठे हैं गांव हमारे, जागे सभी किसान हैं।

ज्ञान सभ्यता से आलोकित, विद्वत्जन सम्मान यहां।
माधव, लोचन, मुकुटधर पाण्डेय, बख्शी जी अरू भानु यहां।
राव, विप्र, रविशंकर, छेदी, कुंवर वीर का गान है।

मानव मूल्यों का सृजन करें हम, समता, ममता, शांति भरे।
हर्षित, पुलकित हो भारत माँ, सुख–समृद्धि सर्वत्र झरे।
विद्या–मंदिर के प्रांगण से, नव–युग का अभियान है।

गुरु कृपा के पुण्य परस से ....

(यह कुलगीत प्रसिद्ध राजनेता, साहित्यकार एवं कवि स्वर्गीय पं. राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल, प्रथम अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा रचित है।)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

INTERNATIONAL CONFERENCE
BHARAT REJUVENATION
भारत नवोन्मेष
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
Bhartiya Shikshan Mandal
IIM
RAIPUR

INTERNATIONAL CONFERENCE

दीक्षांत समारोह

15 अक्टूबर 2017, रविवार को विश्वविद्यालय द्वारा 6 वाँ दीक्षांत समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रशासनिक भवन के पास वाले मैदान में किया गया। डॉ. सत्यपाल सिंह, जी माननीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे एवं दीक्षांत भाषण दिया। श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय, माननीय मंत्री,उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़ सरकार, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अंजिला गुप्ता, कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने की।

कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। अतिथियों के द्वारा शोध की उपाधि, प्रदत्त पदक एवं विभिन्न परीक्षाओं में अर्जित प्रथम पुरस्कार विद्यार्थियों को दिए गए। साथ ही 2013–14, 2014–15 एवं 2015–16 में विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधि एवं डिप्लोमा प्रदान किया गया है।

विवरण निम्नानुसार

क्रमांक	विवरण	2013-14	2014-15	2015-16	कुल
1.	शोध उपाधि	23	09	43	78
2.	स्वर्ण पदक (विश्वविद्यालय प्रदत्त पदक)	60	65	63	188
3.	विद्यार्थियों की अनुपस्थिति में दिए गए उपाधि एवं डिप्लोमा	1650	1630	1680	4964

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर (बी.एस.एम.) के संयुक्त तत्वावधान में 25–17 अक्टूबर 2017 को भारत नवोन्मेष 'वैभवशाली अतीत से आधुनिक अभ्युदय तक' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। डॉ. सत्यपाल सिंह जी, माननीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में 15 अक्टूबर 2017 को कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय, माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़ सरकार एवं

प्रो. बी.बी. कुमार, अध्यक्ष, आइ.सी.एस.एस.आर. इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अंजिला गुप्ता, कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने की। भारत एवं विश्व के अन्य देशों के लगभग 560 शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, शोधार्थी एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया। विदेशी वक्ता के रूप में डॉ. डेविड फ्राले, डॉ. फ्रांसिस गौतियर, एवं श्री गौरांग वैष्णव ने इस संगोष्ठी में भाग लिया। गौरांग वैष्णव ने संगोष्ठी में बीज वक्तव्य दिया। तीनों प्रतिभागी अमेरिका से थे।

17 अक्टूबर 2017 को समापन समारोह आयोजित किया गया। श्री गौरांग वैष्णव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री सतीश दुबे को कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री मुकल कानिटकर, भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर ने समापन सत्र को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अंजिला गुप्ता, कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने की।

शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग द्वारा फरवरी 23–25, 2018 तक गणितीय विज्ञान एवं एप्लीकेशन पर अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन

शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग द्वारा एनालयसीस एलजेब्रा, ज्योमेट्ररी, फजी लॉजिक एण्ड उनके एप्लीकेशंस विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेन्स दिनांक 23–25 फरवरी, 2018 तक आयोजन कया गया। अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेन्स में भारत के अग्रणी संस्थानों आईआईटी, एनआईटी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय, एन,बी,एच,एम, यूएमडीईईसीएसआर, मुम्बई, डीआरडीओ, नई दिल्ली, भारत के डीम्ड विश्वविद्यालयों के अलावा सिओल राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, साऊथ कोरिया, टेक्सास ए एण्ड एम टेक्सॉस, यूएसए के विख्यात गणितज्ञों ने भाग लिया एवं शोधार्थियों द्वारा कांफ्रेन्स के मुख्य उद्‌देश्य एवं रिसर्च पेपर प्रस्तुत कर विस्तृत चर्चा की गई एवं नयी पीढ़ी द्वारा गणित के उपयोग एवं उसे नये आयाम देने पर भी विस्तृत चर्चा हुई। गणितीय विद्वानों ने चर्चा उपरान्त काफ्रेन्स के मूल उद्‌देश्य एवं नवाचार के बढ़ावे पर बात की। विदेशों से आये हुए गणितीय विद्वानों ने भी अपने विचार रखे जिससे इस क्षेत्र एवं प्रदेश के शोधार्थी एवं गणितीय विद्वान लाभाविन्त हुये। अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेन्स कार्यक्रम का उद्‌घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता ने किया एवं कांफ्रेन्स के समन्वयकगण प्रो. ए.एस.रणदिवे एवं डॉ. पी.पी. मूर्ती रहे।

संपादन समिति

प्रो. अनुपमा सक्सेना अधिष्ठाता, समाज विज्ञान अध्ययनशाला	अध्यक्ष
प्रो. मनीष श्रीवास्तव अधिष्ठाता, कला अध्ययनशाला	अध्यक्ष (अंग्रेजी संपादन समिति)
डॉ.रमेश कुमार गोहे सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी विभाग अध्यक्ष, हिंदी विभाग	अध्यक्ष (हिन्दी संपादन समिति)
डॉ. आदित्य विक्रम सिंह सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग	सदस्य
डॉ. कृष्ण कुमार पासवान सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग	सदस्य
श्रीमती कादम्बिनी मिश्रा सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग	सदस्य
डॉ. अमिता सहायक प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	सदस्य
श्री अखिलेश तिवारी हिन्दी अधिकारी	सदस्य

आंकड़ा संकलन

श्री एस. लोनारे सहायक कुलसचिव, विकास शाखा	संयोजक
डॉ. रानू शुक्ला परियोजना अधिकारी, विकास शाखा	सदस्य
श्री प्रशांत जायसवाल, तकनीकी सहायक, विकास शाखा	सदस्य

छायांकन

श्री सत्येश भट्ट जनसंपर्क अधिकारी	सदस्य

अनुक्रमणिका

भाग–1

1. प्रस्तावना

1.1 विश्वविद्यालय : एक दृष्टि 20
1.2 शैक्षणिक पाठ्यक्रम 22

2. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग

2.1 अध्ययनशालाएँ 26
2.1.1 कला 26
2.1.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी 32
2.1.3 विधि 42
2.1.4 जीव विज्ञान 45
2.1.5 प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययन 57
2.1.6 गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान 60
2.1.7 प्राकृतिक संसाधन 62
2.1.8 भौतिकीय विज्ञान 75
2.1.9 सामाज विज्ञान 82
2.2 सूचना संचार तकनीकी एवं अभिकलन सुविधाएँ 90
2.3 मानव संसाधन विकास केंद्र 92
2.4 राष्ट्रीय त्वरक आधारित राष्ट्रीय शोध केंद्र 95
2.5 लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र (CEL) 99

3. मानव संसाधन

3.1 शिक्षक सदस्य 102
3.2 गैर–शैक्षणिक कर्मचारी 102

4. वित्तीय संसाधन

4.1 वित्तीय विवरण 104
4.2 आय – व्यय विवरण 104
4.3 अनुसूची 3 : चालू देयताएं एवं प्रावधान 105
4.4 अनुसूची 3(अ) : प्रायोजित परियोजनाएँ 106
4.5 अनुसूची 3(ब) : प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्तियाँ 106
4.6 अनुसूची 3(स) : भारत सरकार, यूजीसी एवं राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान 116
4.7 प्राप्ति एवं भुगतान 117

5. छात्र सांख्यिकी एवं सुविधाएँ

5.1	छात्र संख्या	120
5.1.1	कुल छात्र संख्या	120
5.1.2	नए नामांकन	120
5.1.3	विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग की छात्र संख्या	120
5.2	परीक्षा परिणाम, विभूषित उपाधि एवं पत्रोपाधि	127
5.2.1	संपूर्ण परिणाम	127
5.2.2	विभूषित उपाधि एवं पत्रोपाधि	127
5.2.2.1	कला अध्ययनशाला	127
5.2.2.2	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला	128
5.2.2.3	विधि अध्ययनशाला	128
5.2.2.4	जीव विज्ञान अध्ययनशाला	129
5.2.2.5	प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला	129
5.2.2.6	गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला	129
5.2.2.7	प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला	129
5.2.2.8	भौतिकीय विज्ञान अध्ययनशाला	130
5.2.2.9	सामाज विज्ञान अध्ययनशाला	130
5.2.2.10	चिकित्सा विज्ञान अध्ययनशाला	130
5.2.3	कुल जारी उपाधि	130
5.2.4	कुल द्वितीय प्रति अंक–पत्र जारी	131
5.2.5	कुल ट्रांसक्रिप्ट जारी	131
5.2.6	कुल प्रव्रजन प्रमाण पत्र जारी	131
5.2.7	कुल अस्थायी उपाधि प्रमाण पत्र जारी	131
5.2.8	कुल अभिप्रमाणन	131
5.2.9	कुल विभूषित शोध उपाधि	131
5.3	छात्र सुविधाएँ	133
5.3.1	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	133
5.3.2	कुलानुशासक मण्डल	138
5.3.3	अध्येतावृत्ति	139
5.3.3.1	शोध अध्येतावृत्ति	139
5.3.3.2	शिक्षकों एवं विद्यार्थियों हेतु अवमुक्त अनअसाइंड अनुदान	139
5.3.4	आवासीय सुविधाएँ	140
5.3.5	व्यायामशाला	143
5.3.6	केन्द्रीय स्थानन प्रकोष्ठ	143

5.3.7 उड़ान 145
5.3.8 तरंग 146
5.3.9 राष्ट्रीय सेवा योजना 147

6. सामान्य सुविधाएँ

6.1 आवासीय सुविधाएँ 152
6.2 सम्मेलन कक्ष एवं प्रेक्षागृह 152
6.3 केन्द्रीय ग्रंथालय 153
6.4 कैफेटेरिया 155
6.5 केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग 155
6.6 स्वास्थ्य केन्द्र 156
6.7 आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ 156
6.8 मीडिया प्रकोष्ठ 156
6.9 राजभाषा प्रकोष्ठ 157
6.10 डाकघर एवं बैंक 157
6.11 मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र 157
6.12 सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ (आर.टी.आई.) 158
6.13 एस.टी.डी./पी.सी.ओ./फोटोकापी कार्नर 158
6.14 अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ 158
6.15 यातायात सुविधाएँ 159
6.16 खेलकूद सुविधाएँ 159
6.17 विश्वविद्यालय मुद्रणालय 160
6.18 बच्चों का पार्क 160
6.19 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग फेलोशिप 160

7. यूजीसी/एमएचआरडी निर्देशित विविध योजनाएँ/परियोजनाएँ/प्रकोष्ठ

7.1 एलुमनी जीजीवी 162
7.2 एंटी रैगिंग समिति 162
7.3 भेदभाव निवारण प्रकोष्ठ 163
7.4 एपेक्स शिकायत समिति (ACC) 163
7.5 एक भारत श्रेष्ठ भारत 164
7.6 समान अवसर प्रकोष्ठ 166
7.7 जेंडर चैम्पियंस 167
7.8 ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडेमिक नेटवर्क्स (GIAN) 168
7.9 इन्क्यूबेटर सेल 168
7.10 इन्डस्ट्री इंटरफेस सेल (IIC) 169

7.11	मैसिव ओपन ऑनलाईन पाठ्यक्रम	170
7.12	राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार	170
7.13	विद्यार्थी शिकायत निवारण प्रकोष्ठ	170
7.14	कौशल विकास	170
7.15	नवाचार क्लब	172
7.16	उन्नत भारत अभियान	173
7.17	युवा संसद	175
7.18	केन्द्रीय विश्वविद्यालय एकीकृत पोर्टल	176

भाग दो : परिशिष्ट

परिशिष्ट –1 विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय

अ. विश्वविद्यालय सभा 178
ब. कार्यपरिषद् 178
स. विद्यापरिषद् 179
द. वित्त समिति 182
ई. सत्र के दौरान आहूत बैठकें 183

परिशिष्ट – 2 विश्वविद्यालय के अधिकारी

अ. विश्वविद्यालय के अधिकारी 184
ब. अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाता 184
स. विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी 184
द. विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष 185

परिशिष्ट – 3 विश्वविद्यालय के शिक्षक (31.03.2018 की स्थिति में) 186

परिशिष्ट – 4 विश्वविद्यालय के शिक्षकों का अकादमिक योगदान

अ. प्रकाशन 198
ब. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता 202
स. शोध परियोजनाएँ
i. संचालित शोध परियोजनाएँ 208
ii. स्वीकृत शोध परियोजनाएँ 212
iii. प्रस्तुत शोध परियोजनाएँ 213
द. एकस्व अधिकार 214

परिशिष्ट – 5 विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

अ. परिसर चयन 215
ब. विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ 218

भाग—1

प्रस्तावना
शैक्षणिक अंग
मानव संसाधन
वित्तीय संसाधन
छात्र सांख्यिकी एवं सुविधायें
सामान्य सुविधायें
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन

1. प्रस्तावना

1.1 विश्वविद्यालय : एक दृष्टि

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, सन् 1983 में स्थापित एक आवासीय विश्वविद्यालय है। 18 वीं सदी के महान सतनामी संत गुरु घासीदास के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय का उन्नयन, केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में, ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत हुआ। यह भारतीय विश्वविद्यालय संघ और कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन का सक्रिय सदस्य है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा बी 'B' मान्यता प्राप्त है।

बिलासपुर बहु–संस्कृतियों वाला नगर है जो न्यायधानी तथा संस्कार धानी के नाम से लोकप्रिय है। यहां दक्षिण–पूर्व–मध्य रेलवे और दक्षिण–पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड के मुख्यालय हैं। विश्वविद्यालय का आरंभ कुछ विभागों के साथ, बिलासपुर नगर के अस्थायी भवनों में, बहुत सामान्य–सी स्थितियों में हुआ। तदुपरांत, यह कोनी क्षेत्र में स्थित द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान निर्मित आर्मी बैरकों में स्थानांतरित हुआ जो कि अरपा नदी के बायीं ओर स्थित है। विश्वविद्यालय परिसर 656 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है। परिसर प्राकृतिक रूप से हरा–भरा, जलस्त्रोतों एवं अनुपम हरियाली के कारण अप्रतिम सौंदर्यशाली है।

विश्वविद्यालय युवा प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करता है और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को सरलता पूर्वक कौशल संपन्न करने के साथ–साथ ज्ञान की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण पर जोर देता है। विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी संस्थान सन्निहित है। विश्वविद्यालय में 32 शिक्षण विभाग हैं। यह कई स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के साथ–साथ डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित करता है। इन सभी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। प्रौद्योगिकी संस्थान एवं प्रबंध अध्ययन विभाग में प्रवेश क्रमशः ऑल इंडिया इंजीनियरिंग इंट्रेंस एक्जामिनेशन (एआईईईई) और कॉमन मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट (सीमैट) के माध्यम से होता है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों में 6861 विद्यार्थी पंजीकृत हुए।

छत्तीसगढ़ लंबे समय से पिछड़ा क्षेत्र रहा है। वर्तमान में यह देश के सर्वाधिक तेजी से विकास कर रहे राज्यों में से है। इस राज्य को बड़ी संख्या में कौशल संपन्न मानव संसाधन की आवश्यकता है। इस क्षेत्र के लोग गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं प्रशिक्षण के माध्यम से इस अवसर का लाभ बेहतर ढ़ंग से प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय वर्तमान में वैश्विक मानकों के अनुरूप, शिक्षण एवं सीखने की प्रक्रिया को, बनाने के लिए कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय शिक्षण की गुणवत्ता वृद्धि हेतु, राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त, नए शिक्षक सदस्यों की नियुक्ति कर रहा है। विश्वविद्यालय विद्यार्थी –शिक्षक अनुपात को आदर्श स्थिति में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। अध्ययन कक्षों को अच्छे फर्नीचर, आवश्यकतानुसार वातानुकूलन तथा एल सी डी प्रोजेक्टर जैसी सुविधाओं से आधुनिकीकृत किया गया है। विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन, आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा, असाइनमेंट और सेमेस्टर परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पारदर्शिता हेतु कक्षाओं में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा की उत्तर–पुस्तिकाओं को दिखाया जाता है एवं विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार हेतु उनकी सहायता की जाती है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की क्षमता की अभिवृद्धि के लिए समुचित सुविधा उपलब्ध कराता है जिसमें छात्रावास, कैफेटेरिया, व्यायामशाला, एमीनिटी सेंटर, वाई–फाई आदि हैं। विश्वविद्यालय विभिन्न उपचारात्मक कक्षाओं, स्पोकन इंग्लिश, व्यक्तित्व विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण के माध्यम से पराम्परागत रूप से पिछड़े अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सौहार्द्रपूर्ण एवं उपयुक्त वातावरण के लिए आवश्यक कदम उठाए गये हैं। केन्द्रीय ग्रंथालय में एक लाख से अधिक पुस्तकों के संस्करण उपलब्ध हैं और अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं की खरीदी की गयी है। केन्द्रीय ग्रंथालय के अतिरिक्त ज्यादातर विभागों के पास अपना पुस्तकालय है। परिसर एवं छात्रावास में बेहतरीन खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की योजना एक नये स्टेडियम, तरणताल और टेनिस कोर्ट के निर्माण के द्वारा खेलकूद सुविधाओं में वृद्धि की है। परिसर को जीवन्त रखने के लिए वर्ष पर्यन्त गतिविधियाँ आयोजित की गयी जिसमें गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस,

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, शिक्षा दिवस, विवेकानंद जयंती, शिक्षक दिवस, गुरू घासीदास जयंती आदि प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय में खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ–साथ विद्यार्थियों को सामाजिक–सामुदायिक भागीदारी हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। इन गतिविधियों के द्वारा विद्यार्थी जीवन की प्रतियोगी संस्कृति के अभ्यस्त होते हैं। समय–समय पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण व्यक्तियों के विभिन्न जीवानानुभवों संबंधी नए विचार प्राप्त होते हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों द्वारा विद्यार्थियों के प्रायोगिक ज्ञान के लिए फील्ड वर्क, औद्योगिक इकाइयों की यात्रा एवं शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु विश्वविद्यालय ने छात्र परिषद् का गठन सफलतापूर्वक किया। छात्र परिषद् विश्वविद्यालय के सभी छात्रों का प्रतिनिधित्व करता है और निर्णयगत प्रक्रियाओं में विद्यार्थियों के स्वर के रूप में काम करता है।

विकासगत प्रक्रियाओं की चुनौतियों का सामना करने के लिए विश्वविद्यालय समुदाय गुणवत्तायुक्त शोध एवं विकास के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से बेहतर सामाजिक योगदान के लिए तत्पर है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, वन्य प्रबंधन और विकासगत नीतियां प्रमुख हैं। शिक्षकों की अभिवृद्धि के लिए यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र नियमित ढ़ंग से उन्मुखीकरण एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन करता है। इन पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सहायता ली जाती है।

यह विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में राज्य–विश्वविद्यालय के लिए आदर्श प्रस्तुत करने हेतु सकारात्मक रूप से क्रियाशील है तथा इस क्षेत्र के क्षमतावान विद्यार्थियों के विकास हेतु शैक्षणिक अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रीय ज्ञान आयोग के दो महत्वपूर्ण उद्देश्यों ''उच्च शिक्षा को ज्ञान–समाज की आवश्यकताओं एवं अवसरों के अनुरूप प्रासंगिक '' तथा ''उच्च शिक्षा को समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए सर्वग्राह्य '' बनाने की ओर विश्वविद्यालय सतत् अग्रसर है।

1.2 शैक्षणिक पाठ्यक्रम

प्रतिवेदन वर्ष में विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों में विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जो इस प्रकार हैं –

विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

संकाय / अध्ययनशाला	विभाग	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	अवधि (वर्ष में)
कला	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	एकीकृत स्नातक / परास्नातक*	60	05
		एम.ए.	40	02
		डिप्लोमा इन फ्रेंच लैंग्वेज	25	01
		डिप्लोमा इन जर्मन लैंग्वेज	25	01
		पीएच.डी.		
	हिन्दी	एकीकृत स्नातक / परास्नातक*	60	05
		एम.ए.	20	02
		पीएच.डी.		
	पत्रकारिता एवं जनसंचार	एकीकृत स्नातक / परास्नातक*	60	05
		पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर	20	02
		पीएच.डी.		
	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	बी.लिब.एण्ड आई.एससी.	60	01
		एम.लिब.एण्ड आई.एससी.	50	01
		पीएच.डी.		
	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	बी.पी.एड	50	02
		एम.पी.एड.	40	02
		पीएच.डी.		
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी	रासायनिक अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	04
		एम.टेक.	18	02
		पीएच.डी.		
	सिविल अभियांत्रिकी	बी.टेक	40	04
		पीएच.डी.		
	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	04
		पीएच.डी.		
	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड संचार अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	04
		पीएच.डी.		
	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	04
		पीएच.डी.		
	सूचना अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	04
	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	04
		एम.टेक	18	02
विधि	विधि	एकीकृत बी.ए.–एलएल.बी.	60	05
		एकीकृत बी.कॉम.–एलएल.बी.	60	05

जीव विज्ञान	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	60	05
		एम.ए./एम.एससी.	30	02
		पीएच.डी.		
	जैव प्रौद्योगिकी	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	60	05
		एम.एससी.	30	02
		पीएच.डी.		
	वनस्पतिशास्त्र	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	60	05
		एम.एससी.	30	02
		पीएच.डी.		
	न्यायालयिक विज्ञान	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	30	05
		एम.एससी.	20	02
	प्राणी विज्ञान	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	60	05
		एम.एससी.	30	02
		पीएच.डी.		
प्रबंध एवं वाणिज्य	वाणिज्य	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	120	05
		पीएच.डी.		
	प्रबंध अध्ययन	एम.बी.ए.	60	02
		पीएच.डी.		
गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	60	05
		एम.एससी. (सी.एस.)	15	02
		एम.सी.ए.	60	03
		पीएच.डी.		
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	60	05
		एम.एससी.	15	02
		पीएच.डी.		
प्राकृतिक संसाधन	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	स्नातक (बी.एससी.)	60	04
		परास्नातक (एम.एससी.)	30	02
		पीएच.डी.		
	भैषजिक विज्ञान	डिप्लोमा इन फार्मेसी	60	02
		बी.फार्मा	60	04
		एम.फार्मा	36	02
		पीएच.डी.		
	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	60	05
		परास्नातक (एम.एससी.)	15	02
		पीएच.डी.		
भौतिकीय विज्ञान	रसायन	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	60	05
		एम.एससी.	15	02
		पीएच.डी.		
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	एकीकृत स्नातक/परास्नातक* (भौतिकी)	60	05
		एकीकृत स्नातक/परास्नातक* (इलेक्ट्रॉनिक्स)	60	05
		एम.एस.सी (भौतिकी)	15	02
		एम.एस.सी. (इलेक्ट्रॉनिक्स)	15	02
		पीएच.डी.		

समाज विज्ञान	अर्थशास्त्र	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	60	05
		एम.ए.	20	02
		पीएच.डी.		
	शिक्षाशास्त्र	बी.एड.	50	02
		बी.एड.(एस.एच.आई.)	30	02
		बी.एड.(एस.एल.डी.)	30	02
		एम.एड.	50	02
		पीएच.डी.		
	इतिहास	एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	60	05
		एम.ए.	20	02
		पीएच.डी.		
	राजनीति विज्ञान	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक*	60	05
		एम.ए. राजनीति विज्ञान	20	02
		पीएच.डी.		
	समाजकार्य	बी.एस.डब्ल्यू. एकीकृत स्नातक/परास्नातक*	30	05
		एम.एस.डब्ल्यू.	30	02
		पीएच.डी.		

* निकास विकल्प के साथ

** शोध नामांकन रिक्तियाँ एवं अवधि विश्वविद्यालय के नियमानुसार

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग

2. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग

2.1 विश्वविद्यालय की अध्ययनशालाएँ

विश्वविद्यालय में 09 अध्ययनशालाओं के 32 विभागों के माध्यम से अनेक पाठ्यक्रमों का संचालन होता है। अध्ययनशालाओं और विभागों की वर्तमान संरचना इस प्रकार है

2.1.1 कला अध्ययनशाला

कला अध्ययनशाला के अंतर्गत 5 विभाग हैं, अंग्रेजी, हिन्दी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान तथा शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद विभाग। अध्ययनशाला के अंतर्गत विभिन्न विभाग संबंधित विषयों के क्षेत्र में व्यापक पाठ्यक्रम एवं शोध रूचियों को शामिल करते हैं। विभिन्न विभागों की मुख्य गतिविधियों, संचालित पाठ्यक्रमों एवं उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार है।

आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग

1990 में स्थापित आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग विद्यार्थियों को पठन–पाठन के सौहार्दपूर्ण वातावरण में अंग्रेजी पढ़ाई हेतु एक ठोस आधार प्रदान कराता आ रहा है। विद्यार्थियों की अंग्रेजी की अध्ययन में रूचि इस बात में परिलक्षित होती है कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी अंग्रेजी को स्नातक स्तर पर मुख्य अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में लेते हैं। अंग्रेजी में स्नातकोत्तर डिग्री के इच्छुक विद्यार्थी अंग्रेजी साहित्य के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं से परिचित होते हैं। हम शोध के महत्व से भी अवगत हैं। तदनुसार, हमारे पाठ्यक्रमों में साहित्यिक अध्ययन एवं शोध के नवीनतम पक्षों को रखा गया हैं जिससे कि विद्यार्थी अच्छी तरह से शोध एवं शिक्षण के लिए तैयार हो सकें।

विभाग में स्फूर्तिदायक परिवेश, नियमित संगोष्ठियां, समनुदेशन, एवं पाठ्यक्रम के विशेष अंशों पर विशेष आमंत्रित व्याख्यान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य को आगे बढ़ाते हैं। इनके अलावा, गद्य का पाठ, समूह चर्चा, एवं साहित्यिक पाठ्यक्रमेत्तर गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। इन सबका साथ देने हेतु सुसंचयित विभागीय ग्रंथालय, प्रतिष्ठित जर्नल्स, एवं उच्च गति इंटरनेट की पहुँच की उपलब्धता के साथ विभाग गतिविधियों का केंद्र बना रहता है। विद्यार्थी सक्रिय रूप से पाठ्यक्रमेत्तर गतिविधियों में भाग लेते हैं एवं हर वर्ष एक नाटक उत्सव '**अभिनय**' भी आयोजित करते हैं।

विभागीय शिक्षकों की अकादमिक श्रेष्ठता उनके निरंतर प्रकाशनों एवं राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं में सहभागिता में परिलक्षित होती है। विद्यार्थी भी संगोष्ठियों में शोधपत्र प्रस्तुत करते आ रहे हैं और सराहे गए हैं। UGC नेट उत्तीर्ण करने वाले हमारे छात्रों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है। शिक्षकों का फुलब्राइट योजना के अन्तर्गत शैक्षणिक उद्देश्य से अमेरिका अवागमन हो चुका हैं। विभाग विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से विद्वानों के आदान–प्रदान एवं आने–जाने हेतु आगे भी सहयोग की इच्छा रखता है। हमारी हाल की गतिविधियों में MHRD योजना के अन्तर्गत अंग्रेजी एवं सम्प्रेषण कौशल पर एक कार्यशाला आयाजित की गई। MHRD योजना के अन्तर्गत साहित्य के पठन एवं सराहना पर एक कोर्स आयोजित है। विभाग

अन्य विभागों के छात्रों को अंग्रेजी एवं सम्प्रेषण कौशल के शिक्षण, सुधारात्मक अंग्रेजी (Remedial English) शिक्षण के साथ ही UGC नेट, UPSC एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में शिक्षण एवं अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों हेतु विशेष कक्षाओं में शिक्षण की भी व्यवस्था करता है।

हमारा प्लेसमेंट रिकॉर्ड श्रेष्ठ है। हमारे अधिकतर भूतपूर्व छात्र देश के प्रतिष्ठित विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षण कार्य कर रहे हैं। साथ ही, हमारे अनेक भूतपूर्व छात्र प्रशासन, मीडिया, एनीमेशन, एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे पदों पर कार्यरत हैं।

विभाग को सतत विकास, विशेषज्ञता, एवं प्रासंगिक शोध के केंद्र के रूप में स्थापित करना एवं भाषा एवं साहित्य और आलोचनात्मक समझ एवं प्रभावी लेखन की गहरी समझ को विकसित करना विभाग के लक्ष्य हैं। छात्रों में अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना, पाठ्यक्रम में विश्व साहित्य की कृतियों को शामिल कर, नए एवं अंतर्विषयक शोध को बढ़ावा दे कर पठन–पाठन प्रक्रिया में एक व्यापक दृष्टिकोण को समाहित करना, विभाग एवं कक्षाओं को अकादमिक क्रियाओं का केंद्र बनाना एवं छात्रों की संभावनाओं को मुक्त कर उनके व्यक्तित्व को विकसित करना, अन्वेषण कर शिक्षाविदों एवं संस्थानों तक शोध एवं शैक्षणिक कार्यकलापों हेतु पहुँच बनाना, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक उपज के प्रकारों के बीच अंतःक्रिया विकसित करना, छात्रों की अंग्रेजी भाषा पर पकड़ बढ़ाना, एवं विदेशी भाषाओं में रूचि एवं सीखने का विकास करना भी विभाग के लक्ष्य हैं।

विभागीय गतिविधियाँ

अंग्रेजी एवं अन्य विदेशी भाषा विभाग द्वारा 7 से 15 नवंबर तक छात्रों, शोधार्थियों, एवं शिक्षकों के लिए एक आठ दिवसीय कार्यशाला ''कॉमिक बुक्स, ग्राफिक नॉवेल्स और इमेजिनेशन ऑटोनॉमीज एंड सिनर्जिस'' का आयोजन किया गया। कार्यशाला मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय की ज्ञान (GIAN) योजना के अंतर्गत आयोजित हुई। कार्यशाला में 57 प्रतिभागी थे जिनमें स्नातक, स्नातकोत्तर छात्र, शोध छात्र एवं अध्यापक भी सम्मिलित हुए। विशेषज्ञ के रूप में कोलोराडो विश्वविद्यालय, अमेरिका के प्रोफेसर विलियम कस्किन एवं कलकत्ता विश्वविद्यालय में सह–प्राध्यापक श्री पिनाकी डे थे। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को कॉमिक्स एवं ग्राफिक नॉवेल्स, दृश्य कलाओं एवं इन विधाओं से सम्बंधित सुपरहीरोज, स्त्री–आधारित कॉमिक्स, इन विधाओं को समझना एवं आलोचनात्मक दृष्टिकोण रखने के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने शोधार्थियों से कॉमिक्स एवं ग्राफिक नॉवेल्स के क्षेत्र में शोध के बारे में भी विचार–विमर्श किया।

विभागीय सदस्यों की उपलब्धियाँ

- प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने मानव संसाधन विकास केंद्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 18 वें उन्मुखीकरण कार्यक्रम में 23 मई 2017 को कम्युनिकेशन स्किल्स विषय पर व्याख्यान दिया।
- प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने अक्टूबर 15–17, 2017 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''भारत नवोन्मेष'' के एक सत्र की अध्यक्षता की।
- प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने छ.ग. रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''रीसेंट डेवलपमेंट इन डिजिटल लिटरेचर एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन द रिसर्चेस इन हयूमैनिटिज'' में 26 नवंबर 2017 को अध्यक्षीय उद्बोधन दिया।
- डॉ. अनुराग चौहान ने 20 फरवरी 2017 को डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग में ''एस्थेटिक्स एंड सिनेमा'' विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रसेनजित पांडा ने अंग्रेजी भाषा एवं भाषा विज्ञान पर वर्ल्ड अकादमी ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग, एंड टेक्नोलॉजी द्वारा बाली, इंडोनेशिया में 23–24 अक्टूबर 2017 को आयोजित 19वी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र ''फ्रॉम मेडउमन इन द एटिक टू ए फेयरी लैंड ए कन्वर्सेशन विथ एंटोनेटे इन जीन हाईस वाइड सरगासो सी '' पढ़ा। इस शोधपत्र को संगोष्ठी के सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र का पुरुस्कार मिला।

छात्रों की उपलब्धियाँ

अंग्रेजी की शोध छात्रा मैत्रेयी मिश्रा ने ओवियाडो विश्वविद्यालय,स्पेन में 3–7 अप्रैल 2017 तक आयोजित EACLALA ट्रियंनिअल संगोष्ठी में अपना शोध पत्र '' ओपन सिटीज, क्लोज्ड माइंडस इम्मीग्रेंट्सिस एक्सपीरियंस ऑफ रेस, अरबानिटी एंड निगरपोलितानिस्म इन चिमामंदा नागोजी अदिचिस अमेरीकाना पढ़ा।

हिन्दी विभाग

हिन्दी विभाग की स्थापना वर्ष 1987 में की गई । अध्ययन सत्र के दौरान विभाग में हिन्दी भाषा एवं साहित्य के विकास तथा प्रसार हेतु विविध कार्यक्रमों यथा काव्य गोष्ठी, साहित्य परिचर्चा एवं साप्ताहिक साहित्य वार्ता जैसे शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है । इसके साथ ही विभागीय विद्यार्थियों को सक्रिय कार्यक्रमों के संचालन से अध्ययन सत्र के दौरान साहित्य के महत्व से अवगत कराया जाता है । राष्ट्रीयता एवं कैरियर के महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में हिन्दी भाषा के महत्व एवं उदेश्य को आत्मसात करने की पूर्ति हेतु विभाग सतत् प्रयत्नशील है।

विभागीय गतिविधियाँ

- सत्र 2017–18 में प्रत्येक सप्ताह (साहित्य वार्ता) का आयोजन किया गया । जिसमें विभिन्न विषयों पर विभाग के शिक्षकों द्वारा व्याख्यान दिये गये एवं विद्यार्थियों द्वारा शोध पत्र/आलेख प्रस्तुत किए गए ।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. रमेश कुमार गोहे, सहायक प्राध्यापक हिन्दी, जो कि रा.से.यो. कला अध्ययनशाला इकाई के कार्यक्रम अधिकारी भी हैं, इनके द्वारा विश्वविद्यालय के गोद ग्राम उमरिया दादर में 10–16 मार्च तक रासेयो सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया।
- डॉ. रमेश कुमार गोहे, सहायक प्राध्यापक हिन्दी को विश्वविद्यालय की उन्नत भारत अभियान समिति का सदस्य बनाया गया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- स्नातक/परास्नातक के छात्र/छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना में प्रतिभागिता।
- शोधार्थी पल्लवी रिनाहिते का 'अक्सर' पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित ।
- शोधार्थी पल्लवी रिनाहिते ने तीन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं तीन राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किए।
- शोधार्थी प्रदीप कुमार का एक शोध पत्र प्रकाशित।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की स्थापना 1988 में हुई। यह विभाग पीएच.डी. (शोध) के साथ–साथ परास्नातक पाठ्यक्रम एम.ए. एवं पांच वर्षीय एकीकृत स्नातक/परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित करता है। अपने आरंभिक चरण में विभाग द्वारा स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम बी.जे.एम.सी.(बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन) संचालित किया जाता था, लेकिन वर्ष 2002 से यू.जी.सी. निर्देशों के अनुरुप स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम एम.एम.सी.जे. शुरू किया गया। इस पाठ्यक्रम का निरूपण विद्यार्थियों में मीडिया (प्रिण्ट, इलेक्ट्रानिक एवं न्यू मीडिया), पत्रकारिता एवं जनसंचार, विकास संचार, संचार शोध, विज्ञापन, जनसम्पर्क एवं कौशल के विकास को ध्यान में रखकर किया गया है। विभाग विभिन्न अवसरों पर बुलेटिन, न्यूज लेटर, हाउस–जर्नल, मैग्जीन और वृत्तचित्र आदि भी तैयार करता है।

विभाग का उद्देश्य

मीडिया शिक्षण एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण की व्यवस्था देना, छत्तीसगढ़ के सम्पूर्ण विकास के लिए परम्परागत एवं जनमाध्यमों का उपयोग तथा उसका अध्ययन करना, छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रांतीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान देने के लिए सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन एवं दृश्य–श्रव्य कार्यक्रमों के उत्पादन के लिए सम्पर्क केन्द्र के रुप में कार्य करना एवं क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के लिए मीडिया स्रोत एवं अनुसंधान केन्द्र के रुप में कार्य करना।

अधोसंरचना

विभाग में एक मीडिया लैब है, जिसमें इंटरनेट की सुविधा सहित 10 कम्प्यूटर, एलसीडी टीवी, प्रोजेक्टर, स्टिल एवं वीडियो कैमरा, साउंड रिकॉर्डर, साउंड सिस्टम इत्यादि सुविधाएं उपलब्ध हैं।

विभागीय गतिविधियाँ

- विभाग में स्वच्छता पखवाड़ा पर दिनांक 25.09.2017 को स्वच्छता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- विभाग में अध्ययनरत बी.ए.–पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रायपुर) का दिनांक 11.11.2017 को आयोजन किया गया।
- विभाग में अध्ययनरत एम.ए.–प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, बिलासपुर) का दिनांक 16.11.2017 को आयोजन किया गया।
- विभाग में दिनांक 16.11.2017 को प्रेस दिवस मनाया गया।
- विभाग में दिनांक 13.02.2018 को विश्व रेडियो दिवस मनाया गया, जिसमें विभाग के विद्यार्थियों ने समूह चर्चा, टॉक शो, समाचार बुलेटिन, नाटक एवं एंकरिंग की प्रस्तुति दी।
- विभाग में दिनांक 08.03.2018 को विश्व महिला दिवस मनाया गया।

आई.एन.एच.टीवी चैनल, रायपुर, शैक्षणिक भ्रमण

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. गोपा बागची, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष को जबलपुर मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित साउथ एशिया जर्नल ऑफ मल्टीडिसीपिलेनरी स्टडीज' शोध–पत्रिका में मेंबरशिप प्राप्त हुई।
- डॉ. गोपा बागची, विभागाध्यक्ष को दिनांक 19.11.2017 को द प्रेस क्लब ऑफ ओडिशा, भुवनेश्वर में आयोजित समारोह में भारत विकास अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- डॉ. गोपा बागची ने डोंगरगढ़ शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ में 24 से 25 फरवरी, 2018 तक 'जन–समस्या निवारण में प्रशासन की भूमिका (छ.ग. के संदर्भ में)'आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 25.02.2018 को एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की ।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- श्री आशुतोष मण्डावी, पीएच.डी. शोधार्थी ने जनवरी, 2018 में पीएच.डी. खुली मौखिकी परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया।
- श्री राकेश कुमार, पीएच.डी. शोधार्थी ने नवम्बर, 2017 में आयोजित यूजीसी–नेट (NET) परीक्षा उत्तीर्ण की।
- श्रीदाम धाली, एम.ए.(जेएमसी)–चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र ने एम.ए.(जेएमसी)–प्रथम सेमेस्टर एवं एम.ए.(जेएमसी)–द्वितीय सेमेस्टर में संकाय स्तर पर उच्चतम अंक अर्जित किये। उनकी इस उपलब्धी पर विश्वविद्यालय द्वारा गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर दिनांक 18.12.2017 को दस हजार रूपये नकद देकर सम्मानित किया गया।
- वर्षा दुबे, छात्रा, एम.ए.(जेएमसी)–चतुर्थ सेमेस्टर का गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के जेण्डर चैंपियन की टीम में सदस्य के रूप में चयन हुआ।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की स्थापना 27 सितम्बर, 1985 में की गई थी। इस अंचल में यह अपनी तरह का प्राचीनतम विभाग है, जो व्यापक छात्र समूह को ज्ञान प्रदान करने की दिशा में कार्यरत है। प्रारंभिक सीमित संसाधनों के साथ शुरूआत करते हुये विभाग ने उत्तरोत्तर विभिन्न आयामों में प्रगति की है। हमारा आदर्श वाक्य केवल आवश्यकता आधारित शिक्षा प्रदान करना नहीं है अपितु विभिन्न आधुनिक कुशलताओं व दक्षताओं के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाना है। हम ऐसा वातारण विकसित करने में सफल हुये हैं जहां छात्र अध्ययन हेतु प्रेरित हैं। अद्यतन व प्रासंगिक वैज्ञानिक

साहित्य के लिये एक व्यापक संग्रह से युक्त कार्यात्मक पुस्तकालय और पूरी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला हमारी प्रमुख शक्तियों में से है। छात्रों के संचार कौशल के विकास करने व विभिन्न संगोष्ठियों में भाग लेने के लिये हम उनकी सहायता करते हैं जिससे वे सभी उद्देश्यों के साथ अपने विचारों व अनुभवों को साझा कर सकें। अत्यंत प्रेरित व समर्पित शिक्षकों के माध्यम से अपने व्यवसाय के क्षेत्र में एक आदर्श के रूप में सेवा करना हमारा लक्ष्य है।

उद्देश्य

- विभाग का मुख्य उद्देश्य सभी छात्रों को बिना किसी भेद–भाव के उनकी आवश्यकता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
- बेहद सक्षम, नैतिकतापूर्ण पुस्तकालय एवं सूचना के रूप में शिक्षित करना।
- नई तकनीकों की खोज एवं उससे जोड़कर उन्नत मेधा को उत्पन्न करना एवं उसे उन्नत व्यवसायिक व्यवहार में प्रयोग करना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग को ज्ञान के अन्य सीमाओं से जोड़कर उन्नत बनाना।
- क्षेत्र समुदाय एवं विश्व की सूचना के माध्यम से सेवा करना।
- सूचनाओं के संगठन, प्रबंधन, प्रसार एवं संरक्षण के लिए कुशल मानव शक्ति उत्पन्न करना।
- सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग व सूचना प्रबंध को सुविधाजनक बनाने में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका स्पष्ट करना।

विभाग की उपलब्धियाँ

- सत्र 2017–18 (जून–दिसम्बर 2017) में तीन छात्रों ने सीबीएससी, यूजीसी–नेट (NET) की परीक्षा उत्तीर्ण की जिसमें से एक छात्र ने जेआरएफ (JRF) उत्तीर्ण किया।
- विभिन्न अकादमिक पुस्तकालयों में पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शिक्षण विभागों में सहायक प्राध्यापक के रूप में चयन हुआ।
- विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न संगोष्ठियों में भाग लिया गया।
- विभाग के 06 छात्रों का चयन महाविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर जो कि प्रथम श्रेणी राजपत्रित पद है, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयन हुआ है।
- एक छात्र का चयन हायर सेकेन्डरी स्कूल पुस्तकालयाध्यक्ष के रूप में आरएसएमएसएस, जयपुर के द्वारा चयन हुआ।
- 2017 में कुल 09 विद्यार्थियों ने यूजीसी–नेट (NET) परीक्षा उत्तीर्ण की।

शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद विभाग

शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद विभाग की स्थापना गणुवत्तायुक्त शिक्षा और संबंधित क्षेत्र में विशेषज्ञता प्रदान करने के उद्देश्य से सन् 1985 में की गयी। वर्तमान में विभाग में दो वर्षीय (4 सेमेस्टर) बी.पी.एड. और दो वर्षीय (4 सेमेस्टर) एम.पी.एड. पाठ्यक्रम संचालित हैं। विभाग के पास अपना पूर्ण विकसित खेल मैदान है जिसमें दुधिया प्रकाश से युक्त दो बास्केटबाल कोर्ट एवं बहुकेन्द्रीय व्यायामशाला है। एनसी.टी.ई. के मानदण्डों के अनुरूप आधारभूत संरचना का विकास किया गया है। सक्षम शिक्षकों के

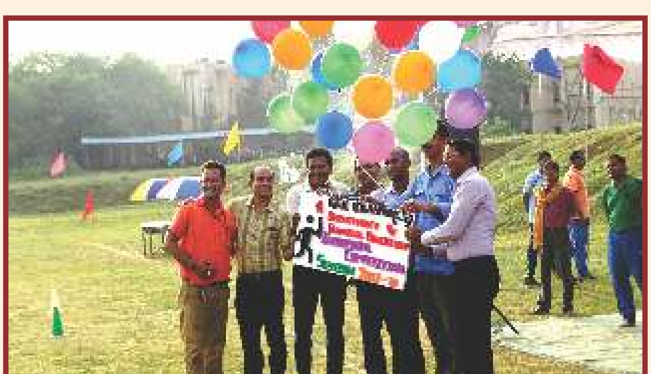

समूह द्वारा प्रशिक्षण और शैक्षणिक प्रकल्प तैयार कर छात्रों के खेल एवं शिक्षा के स्तर को बढ़ाया जाता है। अंतर विश्वविद्यालय, अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के पूर्व खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उन्नयन हेतु विभाग विभिन्न खेलों में कौशलवृद्धि हेतु प्रशिक्षण शिविरों की भी सुविधा प्रदान करता है। विभिन्न खेलों में पूर्वी क्षेत्र/अखिल भारतीय/अंतरर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में 17 टीमों को प्रशिक्षित कर भेजा गया जिसमें 121 छात्र एवं 36 छात्रओं ने भाग लिया। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में विश्वविद्यालय के छात्र श्री संदीप गुप्ता ने तृतीय स्थान हासिल किया।

विभागीय गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी

- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन योग प्रतियोगिता (पुरुष/महिला, के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर, ओडिशा में भागीदारी की।
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) जूडो चैम्पियनशिप प्रतियोगिता पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में भागीदारी की।
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता (पुरुष), वी.टी.यू. बेलागवी, कर्नाटक में भागीदारी की।
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन भारोत्तोलन (पुरुष) प्रतियोगिता पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब विश्वविद्यालय में भागीदारी की।

- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन टाईक्वान्डो (पुरुष) प्रतियोगिता जी एन डी यू, अमृतसर, पंजाब, विश्वविद्यालय में भागीदारी की।
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (महिला) बास्केटबाल प्रतियोगिता, एम.जी.काशी विद्यापीठ वाराणसी, उत्तरप्रदेश में भागीदारी की।
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) बैडमिंटन प्रतियोगिता के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर, ओडिशा में भागीदारी की।
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) बास्केटबाल प्रतियोगिता, के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर, ओडिशा में भागीदारी की।
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष/महिला) शतरंज प्रतियोगिता के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर, ओडिशा में भागीदारी की।
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) हेन्डबाल प्रतियोगिता टी.एम. भागलपुर, बिहार में भागीदारी की।
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) हॉकी प्रतियोगिता उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिसा में भागीदारी की।

- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) कबड्डी प्रतियोगिता एल.एन.एम. विश्वविद्यालय दरभंगा बिहार में भागीदारी की।
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) खो–खो प्रतियोगिता वी.बी.एस. पूर्वांचल विश्वविद्यालयीन उत्तरप्रदेश में भागीदारी की।
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) फूटबाल प्रतियोगिता आर.जी. विश्वविद्यालय अरूणाचल प्रदेश में भागीदारी की।
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) क्रिकेट प्रतियोगिता के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर, ओडिशा में भागीदारी की।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय श्री संदीप गुप्ता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- विभाग के 10 छात्रों यूजीसी–नेट (NET) परीक्षा और 01 जूनियर रिसर्च फैलोशिप जेआरएफ (JRF) परीक्षा उत्तीर्ण की है।
- विभाग के 6 छात्रों ने सेट (SET) परीक्षा उत्तीर्ण की है।

2.1.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला

प्रौद्योगिकी संस्थान

प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना वर्ष 1997 ई. में तकनीकी शिक्षा के प्रोत्साहन के स्वरूप हुई जिससे पेशेवर और प्रतिस्पर्धी चुनौतियों से निपटने हेतु योग्य अभियंताओं को तैयार किया जा सके। योग्य और अनुभवी शिक्षकों, आधुनिक शिक्षण प्रणाली, सुसज्जित पुस्तकालय, उपकरणों से युक्त प्रयोगशाला, संगणक सुविधा तथा अन्य आवश्यक निर्मितियों की सहायता से यह संस्थान तकनीकी रूप से योग्य स्नातकों को तैयार करता है।

प्रौद्योगिकी संस्थान कई केन्द्रीय सुविधाओं से युक्त है, जैसे केन्द्रीय पुस्तकालय, प्रशिक्षण एवं संस्थापन प्रकोष्ठ, ई–क्लासरूम तथा इंटरनेट सुविधा आदि। संस्थान, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, कोलकाता तथा इण्डियन सोसायटी फॉर टेक्निकल एजुकेशन का आजीवन सदस्य है।

वर्तमान में संस्थान सात मांग आधारित विषयों में बी.टेक. डिग्री कार्यक्रमों का संचालन करता है।

- बी.टेक. इन केमिकल इंजीनियरिंग
- बी.टेक. इन सिविल इंजीनियरिंग
- बी.टेक. इन कम्प्युटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग
- बी.टेक. इन इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग
- बी.टेक. इन इण्डस्ट्रियल एण्ड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग
- बी.टेक. इन इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी
- बी.टेक. इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग

बी.टेक. पाठ्यक्रम में प्रवेश सेंट्रल सीट एलोकेशन बोर्ड के द्वारा संयुक्त प्रवेश परीक्षा की मुख्य श्रेष्ठता सूची के आधार पर होता है। अत्याधुनिक विकास एवं अंतरराष्ट्रीय तकनीकी परिदृश्य में परिवर्तनों के आधार पर समस्त शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों को लगातार व्यवस्थित किया जाता है।

संस्थान के द्वारा वर्तमान में केमिकल इंजीनियरिंग तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में एम.टेक. (स्नातकोत्तर) कार्यक्रम का संचालन किया जाता है। प्रौद्योगिकी के पांच अलग अलग शाखाओं में शोध कार्य प्रस्तावित है, जैसे – सिविल इंजीनियरिंग

कम्प्युटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इंडस्ट्रियल एण्ड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग।

संस्थान में एक ''गाइडेन्स एण्ड काउन्सलिंग'' संचालित है जो संस्थान और उद्योगों के जीवन्त संपर्क बनाए रखने के साथ छात्र–छात्राओं के लिए उपयोगी सेवा केन्द्र के रूप में भी कार्य करता है।

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला के पहले पहल स्थापित विभागों में से एक रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1997 में हुई। विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. (डॉक्टरेट) स्तर की शिक्षा प्रदान की जाती है। विभाग का लक्ष्य छात्रों को रासायनिक अभियांत्रिकी का विषय ज्ञान प्रदान करने के साथ–साथ उनको रासायनिक अभियांत्रिकी के विभिन्न चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों जैसे ठोस अपशिष्ट के लिए फ्लुडाईजेशन, प्रक्रिया तीव्रीकरण के लिए उत्प्रेरक का विकास, फलों के रस एवं अन्य खाद्य पदार्थों के संरक्षण को बेहतर बनाने के लिए मेम्ब्रेन तकनीक का प्रयोग, जैव ईंधन से ऊर्जा, उद्योगों से निकलने वाली गैसों से कार्बनडाई आक्साईड का पृथकीकरण आदि क्षेत्रों में शोध हेतु प्रोत्साहित करना भी है।

केम–ओ–फिलिया क्विज

विभाग अपनी स्वयं की एक छात्र संस्था – केमिकल इंजीनियरिंग स्टूडेन्ट सोसाइटी (चेस) संचालित करता है। इस संस्था का उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास एवं कौशल विकास हेतु एक साझा मंच प्रदान करना है। चेस ने अपना स्वयं का एक पुस्तक क्लब भी प्रारंभ किया है एवं अपनी एक ई–पुस्तक 'रसायन' भी प्रारंभ करने जा रहा है। विभाग छात्रों की शोध कार्यों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।

विभाग के छात्र समय–समय पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गैर शैक्षणिक गतिविधियों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते रहते हैं।

विभाग के पूर्व छात्र आज बहुत से प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे डूपोंट, रिलायंस, एस्सार ऑयल, सहारा (संयुक्त अरब अमीरात), जिंदल, बाल्को, एच.डी.एफ.सी. आदि में अच्छे पदों पर सुशोभित हैं। साथ ही साथ कई पूर्व छात्रों ने स्वयं का उद्योग स्थापित करते हुए सफल उद्यमी के रुप में अपनी पहचान बनाई है।

विभागीय गतिविधियाँ

- एस.जी.एस.आई.टी.एस. उज्जैन के पूर्व अधिष्ठाता एवं शैक्षणिक समन्वयक डॉ. आशीष गोमे ने 28 अगस्त 2017 को 'रासायनिक अभियांत्रिकी का भविष्य' पर एक विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्रों को रासायनिक उद्योग एवं शोध के क्षेत्र में विभिन्न अवसर के बारे में जानकारी दी।

- आई.आई.टी. मुम्बई के प्रौद्योगिक उत्सव 'एजियोट्रॉपी' के अंतर्गत आई.आई.टी. मुम्बई के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर के प्रश्नोत्तर कार्यक्रम 'केमोफिलिया' का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 11 अक्टूबर 2017 को विभाग में भी इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कैम्पस प्लेसमेंट

- विभाग द्वारा द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र–छात्राओं को औद्योगिक भ्रमण हेतु सिरगिट्टी बिलासपुर स्थित बी.ई.सी. फार्टिलाईजर्स ले जाया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्र–छात्राओं के रासायनिक अभियांत्रिकी की विभिन्न प्रक्रियाओं

एवं उद्योगों के व्यावहारिक ज्ञान में बढ़ोतरी करना था।

- विभाग के अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं के लिए परिसर स्थानन का आयोजन किया गया। वाईब्रेन्ट एकेडमी (कोटा) ने 6 छात्र–छात्राओं का और मिडकेम टेक्नालॉजी मुंबई ने अंतिम वर्ष के 4 छात्र–छात्राओं का चयन किया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- प्रो. एस. एन. साहा ने 15 से 17 अक्टूबर 2017 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारत नवोन्मेश' में एक सत्र 'सतत् विकास की भारतीय अवधारणा' की अध्यक्षता की।
- प्रो. एस. एन. साहा ने 15 से 17 अक्टूबर 2017 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारत नवोन्मेश' में 'टेक्नीकल इंस्टीट्यूट एंड इंडस्ट्री इंटरएक्शन थ्रू टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट–ए रिजूवेनेट एप्रोच'शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रो. एस. एन. साहा ने मानव संसाधन विकास केंद्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा आयोजित उन्नीसवें उन्मुखीकरण कार्यक्रम में 24 नवंबर 2017 को 'हायर एजुकेशन–रोल ऑफ टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट' विषय में व्याख्यान दिया।
- प्रो. एस. एन. साहा ने मानव संसाधन विकास केंद्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा आयोजित बीसवें उन्मुखीकरण कार्यक्रम में 21 फरवरी 2018 को 'रासायनिक अभियांत्रिकी का इतिहास एवं उसका भारत एवं पूरी दुनिया में महत्व' विषय में व्याख्यान दिया।
- विभाग के तीन सहायक प्राध्यापक श्री नीरज चंद्राकर, श्रीमती अनुराधा नानेवार जोशी एवं श्री गौतम प्रसाद देवांगन विभाग में ही अपना शोध कार्य (पीएच.डी.) कर रहे हैं।
- प्रो. एस. एन. साहा को ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा 19 एवं 21 जनवरी 2018 को दुर्ग में सीमैट/जीपैट परीक्षा के आयोजन हेतु पर्यवेक्षक के रुप मनोनीत किया गया।
- प्रो. एस. एन. साहा ने 16–18 फरवरी 2018 को चंडीगढ़ में आयोजित अभियांत्रिकी/प्रबंध/भैषजिक महाविद्यालय के प्रांरभ या फिर बंद करने की स्वीकृति हेतु आयोजित जांच समिति की बैठक में बतौर विशेषज्ञ सदस्य भाग लिया।
- प्रो. एस.एन.साहा ने बतौर ए.आई.सी.टी.ई. विशेषज्ञ सदस्य 19.22 मार्च 2018 को मुंबई, लखनऊ, कानपुर एवं फारुखाबाद में अभियांत्रिकी/प्रबंध/भैषजिक महाविद्यालयों का निरीक्षण किया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- अंतिम वर्ष के छात्र हिमांशु मंडल का चयन क्यूंग ही विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया में विजिटिंग छात्र के रुप में हुआ। 1 दिसंबर, 2017 से 5 जनवरी, 2018 तक हिमांशु क्यूंग ही विश्वविद्यालय के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के शोध समूह में शामिल हुआ। इस दौरान उसने अति सूक्ष्म चुंबकीय कण एवं चांदी पट्टिका को बनाने के लिए माइक्रोफ्लूडिक प्रवाह नियंत्रण प्रणाली पर अनुसंधान किया।
- षष्ठ्म सेमेस्टर की छात्राओं सुश्री आयुशी झा एवं साक्षी कुमारी ने 7 एवं 8 अक्टूबर, 2017 को एन.आई.टी. राउरकेला में छात्रों के तेरहवें वार्षिक अधिवेशन केमिकल इंजीनियरिंग कांग्रेस – भोमकॉन 2017 में हिस्सा लिया और सर्वश्रेष्ठ पेपर का खिताब जीता। उनके शोध पत्र का शीर्षक था – 'सोनोकैटेलिटिक डिग्रेडेशन ऑफ मेथिलीन ब्लू यूसिंग जैक
- 12 छात्रों ने गेट (GATE) – 2018 की परीक्षा उत्तीर्ण की।
- षष्ठ्म सेमेस्टर के छात्र नीतीश कुमार कौशिक एवं हिमांशु गुप्ता ने उनके द्वारा किए गए कार्य के लिए भारतीय पेटेंट कार्यालय में आवेदन दिया। उनके कार्य का विषय 'ए हाइड्रोजिनेशन कैटालिस्ट एंड प्रोसेस देयर ऑफ' था, उन्होंने यह

कार्य अपने वोकेशनल प्रशिक्षण के दौरान (VNIT) नागपुर के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग में किया था।

- षष्ठम सेमेस्टर के छात्र धीरज राज ने 9 से 12 फरवरी 2018 के दौरान (IIT) भुवनेश्वर द्वारा आयोजित टेकफेस्ट अद्वैत 2k18 के विभिन्न तकनीकी स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। उसने बोट सूमो स्पर्धा एवं ड्रोन स्पर्धा क्वाडकॉप्टर– होवरकोर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं रोबो रेस–डर्ट ट्रश में तृतीय स्थान प्राप्त किया। उक्त छात्र ने ही श्री शंकराचार्य तकनीकी परिषद, भिलाई द्वारा आयोजित टेकफेस्ट सम्विद 2k18 में हिस्सा लिया और ड्रोन स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही उसने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनफारमेशन टेक्नालॉजी, जबलपुर के टेकफेस्ट अभिकल्पन के वाटर रॉकेट स्पर्धा में हिस्सा लिया और प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- षष्ठम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रंजीता दास ने इक्विलीब्रिओ 2k18 के दौरान 'जॉब फैन्टसी' स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए उसे पुरस्कार राशि के अलावा टाईम समूह की ओर से एम.बी.ए. प्रवेश परीक्षा कोचिंग के लिए 100% छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

- चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र विशाल श्रीवास्तव, स्वदेश कुमार श्रीवास्तव एवं आदित्य सुनील झल्के ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित इक्विलीब्रिओ 2k18 के दौरान केम–ई–कार स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए उन्हें 8000 रूपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग, प्रौद्योगिकी संस्थान

वर्ष 2008 से सिविल इंजीनियरिंग विभाग में 40 छात्रों की प्रवेश क्षमता के साथ, बी.टेक. पाठ्यक्रम द्वारा संचालित किया जा रहा है। विभाग में पीएच.डी. कार्यक्रम भी संचालित है।

ज्ञान पाठ्यक्रम–उद्घाटन

विभाग द्वारा सरकारी, निजी एवं सार्वजनिक उपक्रमों हेतु सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में परीक्षण एवं परामर्श संबंधी सेवा प्रदान कराई जा रही है।

विभाग की उपलब्धियाँ

विभाग द्वारा 'एडवांसेस इन इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन दिनांक 05 जून से 24 जून 2017 तक किया गया। विभाग द्वारा "Repair,Rehabilitation & Strengthening of Concrete Structures Using High Performance Cement based Materials" विषय पर पांच दिवसीय GIAN कोर्स का आयोजन दिनांक 13 फरवरी से 17 फरवरी तक किया गया जिसमें प्रोफेसर नेम कुमार बांडिया, ब्रिटिश कोलम्बिया विश्वविद्यालय वैनकुवर कनाडा द्वारा उपरोक्त विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिसमें कुल 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- विभाग के आचार्य प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार को एल्सेवियर जैसी अंतरराष्ट्रीय शोध प्रत्रिका में बतौर समीक्षक, आमंत्रित किया गया।

- विभाग के सह–आचार्य एम.सी.राव को एल्सेवियर जैसी अंतरराष्ट्रीय शोध प्रत्रिका में बतौर समीक्षक, आमंत्रित किया गया।

- प्रो. शैलेन्द्र कुमार बतौर परियोजना सह–अन्वेषक, भारतीय

ज्ञान पाठ्यक्रम समापन समारोह

प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के सिविल विभाग को MHRD द्वारा आयोजित संयुक्त शोध कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं।

- विभाग द्वारा "Repair, Rehabilitation & Strengthening of Concrete Structures Using High Performance Cement based Materials" विषय पर पांच दिवसीय ज्ञान कोर्स का आयोजन दिनांक 13 फरवरी से 17 फरवरी तक किया गया जिसमें प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार एवं डॉ.व्ही.व्ही.एस.एस.के. दादी ने उपरोक्त विषय पर व्याख्यान दिया।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- गेट–2018 की परीक्षा में शामिल बी.टेक. के 34 विद्यार्थियों में से 17 ने अर्हता अर्जित की है।
- विभाग के दो शिक्षक श्री आर.के.चौबे एवं श्री निखिल कुमार वर्मा, विभाग में पीएच.डी. कर रहे हैं।

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना सन् 1997 में हुई थी। इस विभाग में संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बी. टेक. और पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित हैं। विभाग में डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग लैब, डीएलडी लैब, नेटवर्किंग लैब, नेटवर्क सिक्यूरिटी लैब, प्रोजेक्ट लैब, बेसिक प्रोग्रामिंग लैब, एडवांस प्रोग्रामिंग लैब, डाटाबेस लैब, ग्राफिक्स लैब व आपरेटिंग सिस्टम लैब जैसी विशेष प्रयोगशालाएँ हैं। विभाग में डीबी 2 यूनिवर्सल डाटाबेस की लाइसेंस्ड प्रतियाँ, जावा के लिए विजुअल एज और वेब सर्वर अनुप्रयोग की भी सुविधा है। यह विभाग, शिक्षकों एवं उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों के संयुक्त मार्गदर्शन में परियोजनाओं पर कार्य करने के लिए अवसर प्रदान करता है।

संगणक प्रयोगशाला में छात्र कार्य करते हुए

यह विभाग प्रतिष्ठित शासकीय एवं सार्वजनिक क्षेत्रों जैसे डीआरडीओ दिल्ली, माइक्रोसॉफ्ट हैदराबाद, सीएमसी कोलकता, आर्बिट आईटी हैदराबाद, एसईसीएल, बीएसएनएल, भारतीय रेल्वे, बोकारो स्टील प्लांट, भिलाई स्टील प्लांट आदि में विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है। इंफोसिस, विप्रो, पर्सिस्टेंट, इन्टरनेशनल बिजनेस मनीष (आईबीएम), टीसीएल, महिन्द्रा बीटी, सिंटेल, सत्यम बीएसएनएल, एनटीपीसी एवं इनफलीबनेट जैसी प्रतिष्ठित निजी, सार्वजनिक एवं शासकीय संस्थानों में यहां के छात्र नियोजित किए गए हैं।

शोध क्षेत्र

विभाग के वर्तमान शोध क्षेत्र में शामिल है–

(अ) **एलगोरिदम एण्ड कॉम्पलेक्सिटी**

- कम्प्यूटेशनल ज्यामिती, डिजिटल ज्यामिती, क्वांटम कम्प्यूटिंग एवं कम्प्यूटेशनल कॉम्पलेक्सिटी सिद्धान्त के मूल क्षेत्रों में शोध की सुविधा है।

(ब) **समानांतर एवं वितरित कम्प्यूटिंग**

- समानांतर एवं वितरित कम्प्यूटिंग, शोध के लिए विभाग में उभरता हुआ क्षेत्र।

संगणक प्रयोगशाला में छात्र कार्य करते हुए

(स) **सुरक्षा और क्रिप्टोग्राफी**

- सुरक्षा और क्रिप्टोग्राफी, शोध के लिए ऐसे क्षेत्र में जिसमें विभाग द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नेटवर्क में सुरक्षा अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए विभाग सुविधा प्रदान करता है।

साफ्टवेयर एण्ड सिस्टम इंजीनियरिंग

- साफ्टवेयर इंजीनियरिंग, विभाग में शोध का पारम्परिक क्षेत्र रहा है। डाटाबेस व नेटवर्क सहित सिस्टम से संबंधित क्षेत्र भी इसमें शामिल है।

विभाग के उद्देश्य

- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में व्यावसायिक रूप से सक्षम जनशक्ति तैयार करना।
- संगणक विज्ञान व तकनीकी एवं छात्रवृत्ति के अन्य क्षेत्रों के लिए विद्यार्थियों को शिक्षित करना, ताकि वे 21 वीं शताब्दी में देश और विश्व की बेहतर सेवा कर सकें।
- कम्प्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शिक्षा/प्रशिक्षण प्रदान के लिए सुविधा प्रदान करना।
- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बहुविषयी पाठ्यक्रम संचालित करना।

विभाग में उपलब्ध प्रमुख शोध सुविधाएँ–

- आई– सिक्यूरिटी की नेटवर्क सिक्यूरिटी
- लेन (LAN) ट्रेनर किट
- माइक्रोप्रोसेसर किट
- डीएलडी (DLD) किट
- हमेज प्रसंस्करण किट
- विभाग में 150 कम्प्यूटर
- विभाग में डीओटी, नेट, सी शार्प, जावा, डाटाबेस साफ्टवेयर, सी, सी ++ जैसे नवीनतम साफ्टवेयर एवं नवीनतम आपरेटिंग सिस्टम हैं।

परीक्षाओं (गेट, केट,जीआरई, यूपीएससी, बैंक आदि) में छात्रों द्वारा अर्जित उपलब्धियाँ

- सत्र 2017–18 मे 16 विद्यार्थियों ने गेट (GATE) में सफलता प्राप्त की। (विवरण संलग्नक –V में)
- 4 विद्यार्थियों ने कैट में (CAT) सफलता अर्जित की।

स्थानन

- 1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 के दौरान विभाग के छात्रों का स्थानन।
- प्रशिक्षण एवं स्थानन प्रकोष्ठ में 24 विभिन्न स्थाननों की सूचना दी गई।
- परिसर में आयोजित ई–लिटमस परीक्षा में रिकार्ड 19 विद्यार्थी शामिल हुए।

इलेक्ट्रानिक एवं संचार अभियांत्रिकी

इलेक्ट्रानिक एवं संचार अभियांत्रिकी की स्थापना वर्ष 1998 में हुई। अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया में नए विचारों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ यह विभाग विद्यार्थियों के स्वरोजगार स्थापित करने एवं आत्मनिर्भर टेक्नोक्रेट बनाने के लिए सतत् प्रयत्नशील है।

विभाग में बेसिक इलेक्ट्रानिक्स, एनालॉग सर्किट्स, सिग्नल एण्ड सिस्टम, स्विचिंग एण्ड पल्स थ्योरी, लीनियर इंटीग्रेटेड सर्किट्स एण्ड एप्लीकेशन, इलेक्ट्रानिक मेजरमेंट एण्ड इन्स्ट्रमेंटेशन, कम्युनिकेशन सिस्टम, माइक्रोप्रोसेसर– 8085, माइक्रोप्रोसेसर–8086, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग, वीएचडीएल डिजाइन, डाटा कम्युनिकेशन, माइक्रोवेव, सर्किट सिमुलेशन, आप्टिकल कम्युनिकेशन एवं कम्प्यूटर प्रयोगशाला के प्रायोगिक उपकरणें से सुसज्जित प्रयोगशाला है। विभाग में बीएचडीएल प्रयोगशाला के लिए जिलिंक्स आईएसई (25 उपयोगकर्ता), मैटलैब, स्पेक्ट्रम विश्लेषक जैसे नवीनतम सॉफ्टवेयर एवं उपकरण भी उपलब्ध है। विद्यार्थियों में अंतर्निहित कौशल का विकास करने के लिए विभाग संगोष्ठी, अभिरूचि परीक्षण, प्रश्नोत्तरी आदि पाठ्येत्तर गतिविधियों का आयोजन करता है। विभाग के पूर्व छात्र (एलुमनी) विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों एवं अग्रणी सरकारी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में कार्यरत है। बीएलएसआई, डीएसपी, एन्टेना तार बेतार संचार (वायरलेस कम्यूनिकेशन) विभाग के प्रमुख शोध क्षेत्र हैं। तकनीकी में तेजी से हो रहे परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए विभाग के पाठ्यक्रम को समय–समय पर अद्यतन किया जाता है।

विभाग के शिक्षकों ने भारत और विदेश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत किया एवं विभिन्न प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में अपने शोध पत्र का प्रकाशन कराया। यहां के छात्रों के स्थानन की स्थिति बहुत अच्छी है। छात्रों का विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों, बहु राष्ट्रीय कम्पनियों, साफ्टवेयर कम्पनियों के लिए चयन हुआ है। गेट (GATE) 2018 में दो विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय स्तर पर 06 एवं 56 वां रैंक प्राप्त किया। कई अन्य विद्यार्थियों ने गेट/केट/जीआरई परीक्षा में सफलता प्राप्त की। वे देश एवं विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं। विभाग ने छात्रों के भीतर छिपी हुई प्रतिभा को निखारने के लिए विभिन्न अल्पकालीन पाठ्येत्तर गतिविधियों का आयोजन किया।

विभागीय गतिविधियाँ

- वर्चुअल प्रयोगशाला पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 05.04.2017 को किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- आईआईटी खड़गपुर द्वारा छत्तीसगढ़ में वर्चुअल प्रयोगशाला के लिए श्री निपुण कुमार मिश्रा, सहायक प्राध्यापक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- श्री शशि भूषण सिंह (2016 बैच) एवं पी. कृष्णा चैतन्य (2017 बैच) ने गेट (GATE) – 2018 में अखिल भारतीय स्तर पर क्रमशः 06 एवं 56 वां स्थान प्राप्त किया।
- 2018 बैच के 22 विद्यार्थियों ने गेट–2018 की परीक्षा में अर्हता प्राप्त की।
- आईआईआईटी रायपुर द्वारा आयोजित टेकफेस्ट में जी. विवेक चारी एवं सुनंदा बाग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- आईआईआईटी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित टेकफेस्ट में जी. विवेक चारी एवं सुनंदा बाग ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- एसजीआइएस, भिलाई द्वारा आयोजित टेकफेस्ट में जी.विवेक चारी एवं सुनंदा बाग ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- एनआईटी, रायपुर द्वारा टेकफेस्ट में आयोजित मेज रनर प्रतियोगिता में बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्रों ने भाग लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया।

औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग

औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1997 में हुई। विभाग में योग्यता प्राप्त शिक्षक एवं प्रशिक्षित कर्मचारी हैं। विभाग में 08 नियमित शिक्षक, 02 तदर्थ शिक्षक एवं 04 गैर शैक्षणिक कर्मचारी हैं। छात्रों के लिए विभाग में अच्छी तरह सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। अंतिम वर्ष एवं पूर्व– अंतिम वर्ष के छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बीएचईएल भेल, बाल्को, जिंदल, सीएसईबी आदि विद्युत संयत्रों ओर अन्य सार्वजनिक एवं निजी कम्पनियों में व्यवस्था की जाती है।

अंतरव्यक्तिक दक्षता विकसित करने एवं प्रदान करने के लिए विभाग में संगोष्ठी, अतिथि व्याख्यान, अभिरूचि परीक्षण, प्रश्नोत्तरी जैसी अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक वर्ष लगभग 10 छात्र राष्ट्रीय स्तर की गेट परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं। यहां से उत्तीर्ण छात्र विभिन्न कम्पनियों रिलायंस एनर्जी लिमिटेड, बाल्को, जिदंल, सीएसईबी, एचएएल एवं भारतीय रेलवे में नौकरी कर रहे हैं। विभाग का प्राथमिक उद्देश्य मेटल कटिंग, मशीन टूल्स, सीएडी–सीएएम, रोवोटिक्स, औद्योगिक अभियांत्रिकी, प्रबंधन, वित व गुणवता नियंत्रण, उन्नत निर्माण प्रक्रिया, एडवांस मटेरियल्स व उसकी विशेषताओं में विशेषज्ञता के साथ उत्पादन के व्यापक क्षेत्र में शिक्षण एवं अनुसंधान है। यह विभाग देश भर के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण इंजीनियरिंग शिक्षा प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित उत्कृष्ट केन्द्र स्थापित करने के लिए प्रयासरत हैं। साथ ही वृत्तिक एवं समुदाय को उत्कृष्ट शोध एवं सेवा उपलब्ध कराने, श्रेष्ठ प्रोडक्शन इंजीनियर बनाने एवं कार्यक्रमों के प्रसार एवं गुणवत्ता सुधार के सिद्धातों को लागू करने के लिए भी विभाग प्रयासरत हैं। भारतीय एवं बहुराष्ट्रीय उद्योगों/कम्पनियों की आवश्यकता के अनुरूप सफल करियर के लिए छात्रों को तैयार करना, छात्रों में मजबूत तकनीकी एवं गैर तकनीकी दक्षता (समस्याओं के निराकरण के लिए कम्प्यूटर संचालन का ज्ञान) का विकास और शैक्षणिक/अनुसंधान संबंधी विभिन्न कार्यों के लिए छात्रों में योग्यता का विकास भी विभाग का उद्देश्य है। यह विभाग औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी के क्षेत्र में गहन ज्ञान प्रदान करने के लिए उत्कृष्ट केन्द्र बनेगा। साथ ही समर्पित शिक्षकों, सुविधाओं एवं अधोसंरचना के माध्यम से व्यावसायिक मूल्यों को आत्मसात करता है।

विभाग की गतिविधियाँ

- औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ ने इण्डस्ट्रियल एवं मेकेनिकल इंजीनियरिंग में कैरियर मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं समकालीन कार्य पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 26 से 27 मार्च, 2018 तक किया गया।
- विभाग शिक्षकों की देख–रेख में समय–समय पर स्थानीय विभिन्न उत्पादन इकाइयों में औद्योगिक प्रशिक्षण/अवलोकन कार्यक्रम का भी आयोजन करता है।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- प्रत्येक वर्ष कई छात्र राष्ट्रीय स्तर की गेट परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हैं। यहां से उत्तीर्ण छात्र कई प्रतिष्ठित कम्पनियों जैसे– रिलायंस एनर्जी लिमिटेड, बाल्को, जिंदल स्टील, सीएसईबी, डीआरडीओ, इसरो, एचएएल एवं भारतीय रेलवे से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2000 में हुई। विभाग का उद्देश्य शिक्षा एवं अनुसंधान के माध्यम से उच्च स्तरीय अभियंता तैयार कर राष्ट्र का निर्माण करना है। पिछले एक दशक के दौरान विभाग ने अन्य शैक्षणिक संस्थानों की तुलना में बेहतर करते हुए विभिन्न स्तरों पर समाज को प्रभावित किया है। यहां से निकलने वाले छात्र देश के सर्वाधिक सफल औद्योगिक घरानों में से हैं और शैक्षणिक एवं औद्योगिक अनुसंधान जगत के कई अग्रणी यहां से स्नातक हैं। विभाग सोच, समस्याओं के समाधान, विश्लेषण, डिजाइन, शोध, सामूहिक कार्य, संचार कौशल और आजीवन सीखने की तत्परता के लिए प्रणाली विकसित करने एवं इसे मजबूत करने पर जोर देता है। विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों में परस्पर संवादात्मक व्याख्यान, निर्देशित प्रकरण अध्ययन, साहित्यिक सर्वेक्षण और परियोजना कार्य की मिली–जुली तकनीक का उपयोग किया जाता है, जिसके लिए सामूहिक कार्य और

उन्नत प्रोग्रामिंग प्रयोगशाला

आलोचनात्मक व रचनात्मक सोच आवश्यक है। यह स्नातक पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ–साथ स्नातक के दौरान अनुसंधान गतिविधियों पर जोर देता है। हमारी नीति उत्कृष्टता के वैश्विक मानकों का अनुशीलन का प्रयास एवं स्व मूल्यांकन एवं सतत् प्रयास द्वारा इसे बनाए रखना है।

अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों की टीम के माध्यम से, यह विभाग प्रयोगशाला एवं परियोजना के कार्यों को विशेष महत्व देता है। प्रयोगशालाओं का प्रयोग कौशल विकास एवं विभिन्न अवधारणाओं, उपकरणों एवं तकनीकी को लागू करने के लिए भी किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रयोगात्मक एवं सहयोगात्मक अधिगम के माध्यम से मूल तकनीकी के साथ–साथ सामान्य व्यावसायिक दक्षता विकसित करना है। प्रयोगशालाओं का मुख्य उद्देश्य प्रयोगों की डिजाइनिंग एवं संचालन, संग्रहण, विश्लेषण एवं आंकड़ों की व्याख्या के लिए सामूहिक एवं व्यक्तिगत योग्यता का विकास करना है। साथ ही रिपोर्टिंग एवं संचार कौशल का विकास भी है। सूचना और प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम, आपरेटिंग सिस्टम, डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली, नेटवर्किंग के साथ–साथ सिस्टम एनालिसिस एण्ड डिजाइन, आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस, ईआरपी व कम्प्यूटर ग्राफिक जैसे अत्याधुनिक विषयों के लिए विद्यार्थियों को उचित पृष्ठभूमि प्रदान करता है। सूचना प्रौद्योगिकी में डिजिटल कम्प्यूटर की डिजाइन, इम्प्लीमेंटेशन एवं प्रोग्रामिंग सूचना सिद्धांत एवं संचार प्रणाली शामिल है।

विभाग का उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावसायिक रूप से दक्ष एवं सक्षम जनशक्ति तैयार करना है। विभाग में 110 कम्प्यूटर हैं, साथ ही लेन ट्रेनर किट, माइक्रोप्रोसेसर किट, डीएलडी किट आदि अनुसंधान सुविधाएँ हैं। विभाग में डाटा, नेट, मैटलैब जैसे आधुनिक साफ्टवेयर एवं आधुनिक आपरेटिंग सिस्टम है।

प्रोग्रामिंग प्रयोगशाला

विभाग की उपलब्धियाँ

विभाग ने साक्षात्कार कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 02.11.2017 से 11.11.2017 तक किया। साथ ही पूर्व छात्र सम्मेलन कार्यक्रम (एलुमनी) का आयोजन दिनांक 24.12.2017 को किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

मानव संसाधन विकास केन्द्र गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 05–06–.2017 से 24–06–2017 तक आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम में श्री संतोष सोनी, श्री अभिषेक जैन, श्री अग्निवेश पाण्डेय, श्री पंकज चंद्रा, श्री दीपक कांत नेताम, श्री सुहैल अहमद, श्री आनंद प्रकाश रावल एवं श्रीमती आंकाक्षा गुप्ता ने भाग लिया ।

छात्रों की उपलब्धियाँ

विभाग के दो छात्रों का राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों जैसे, हेल्थ आन रेन्ट,एवं होलिडे वेगन में चयन हुआ। नौ छात्र गेट 2018 एवं एक छात्र कैट की परीक्षा में सफल हुए।

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

प्रौद्योगिकी संस्थान के अन्तर्गत 60 सीटों के साथ, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की मान्यता मिलने पर यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2006 में हुई। विभाग का उद्देश्य ऐसे स्नातक मेकेनिकल इंजीनियर तैयार करना है, जो नवीनतम् सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान से अवगत हों एवं शासकीय विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों एवं उद्योगों में चुनौतीपूर्ण कार्य

करने के लिए तत्पर हों। विभाग छात्रों को ऐसे प्रशिक्षण पर काफी जोर देता है, जिससे उनकी भीतर छिपी क्षमता को बाहर लाया जा सके एवं उनका सर्वागींण विकास हो सके। छात्रों के व्यक्तिगत् प्रशिक्षण पर भी पर्याप्त जोर दिया जाता है, जिसके लिए विभाग में मशीनों के सिद्धान्त, द्रव्य की मजबूती, ऊष्मा एवं ताप संचारण, प्रशीतन व वातानुकूलन के लिए पूर्ण सुसज्जित प्रयोगशाला एवं केन्दीय कर्मशाला है। पिछले पांच वर्षों से विभाग मशीन डिजाइन पर एमटेक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इसमें सिर्फ गेट अर्हता प्राप्त छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। विभाग में पीएच.डी. कार्यक्रम भी उपलब्ध है।

आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. राजेश कुमार भूषण ने निम्नांकित आमंत्रित व्याख्यान दिया

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के मानव संसाधन विकास केन्द्र में आयोजित अभिमुखी कार्यक्रम एवं सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी, रायपुर में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता

डॉ. राजेश कुमार भूषण निम्न तकनीकी समितियों के सदस्य हैं

(अ) पदार्थ विज्ञान एवं तकनीकी पर द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी, आकलैण्ड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नालॉजी दिनांक 20–22 अप्रैल, 2017

(ब) पदार्थ विज्ञान एवं नव तकनीकी पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, चेंगहू, चीन दिनांक 29 मार्च– 01 अप्रैल, 2018.

डॉ. राजेश भूषण निम्नांकित अन्तरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के समीक्षक हैं

- एप्लाइड एनर्जी, साइंस डायरेक्ट
- एनर्जी कन्वर्सन एण्ड मैनेजमेंट, साइंस डायरेक्ट
- एनर्जी, साइंस डायरेक्ट
- मटेरियल साइंस एण्ड इंजीनियरिंग बी, साइंस डायरेक्ट
- जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, साइंस डायरेक्ट
- मटेरियल लेटर्स, साइंस डायरेक्ट
- कम्पोजिट पार्ट बी, साइंस डायरेक्ट
- सस्टेनेबल मटेरियलस एण्ड टेक्नालाजीस, साइंस डायरेक्ट
- जर्नल ऑफ द ताइवान इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स, साइंस डायरेक्ट
- रोबोटिक्स एण्ड कम्प्यूटर इंटीग्रेटेड मेनुफैक्चरिंग, साइंस डायरेक्ट
- जर्नल ऑफ मेनुफैक्चरिंग साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, एएसएमई
- मशीनिंग साइंस एण्ड टेक्नालॉजी, टेलर एण्ड फ्रांसिस
- इन्टरनेशलन जर्नल ऑफ एडवान्स्ड मेनेफेक्चरिंग टेक्नालॉजी, स्प्रिंगर
- पर्टिकुलेट साइंस एण्ड टेक्नालॉजी, टेलर एण्ड फ्रांसिस

- जर्नल ऑफ महैरियल डिजाइन एण्ड एप्लीकेशंस, सेज पब्लिकेशन
- सर्नल ऑफ इंजीनियरिंग मेनुफेक्चर, सेज पब्लिकेशन
- जर्नल साइंटिफिका रिसर्च एण्ड एसेज, एकेडमिक जर्नल्स
- ट्राइबोलॉजी एन इण्डस्ट्री
- जर्नल ऑफ मेकेनिकल इंजीनियरिंग साइंस, सेज पब्लिकेशन
- इन्टरनेशलन जर्नल ऑफ मिनरल्स, मेटलर्जी एण्ड मटेरियल्स, स्प्रिंगर

प्रयोगशाला की स्थापना

विभाग में सीएडी (CAD) प्रयोगशाला स्थापित की गई।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- आकाश शर्मा ने पीएच.डी. के लिए आईआईटी, इंदौर में प्रवेश लिया।
- विट्ठल मनोहर खटिक ने पीएच.डी. के लिये आईआईटी, कानपुर में प्रवेश लिया।
- अनिकेत नागरजी ने इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फर्मेशन टेक्नालॉजी डिजाइन एण्ड मैनुफेक्चरिंग,जबलपुर में अध्येतावृत्ति प्राप्त की।
- 38 विद्यार्थियों ने गेट–2018 में अर्हता प्राप्त की।
- 03 विद्यार्थियों ने कैट (CAT) 2017 में अर्हता प्राप्त की।
- 01 विद्यार्थी ने (XAT) 2017 में सफलता प्राप्त की।
- 01 विद्यार्थी ने (IIFT) 2018 में सफलता प्राप्त की।

2.1.3 विधि अध्ययनशाला

विधि विभाग एक विशेष विभाग है।

विधि विभाग

विश्वविद्यालय के नवीनतम विभागों में से एक विधि विभाग की स्थापना वर्ष 2012 में हुई थी। विभाग का उद्देश्य विधि के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान एवं ज्ञान के प्रचार–प्रसार की प्रगति के लिए प्रेरित करना है। विभाग अपने क्षेत्र में सफलता के शिखर पर पहुंचने की आकांक्षा रखने वाले विद्यार्थियों के व्यावसायिक कौशल का सम्मान करता है। चाहे वह वकालत हो या फिर शैक्षणिक, न्यायिक सेवा, विद्यार्थी प्रारूपण, प्रशासन प्रबंधन या कार्पोरेट सलाह का क्षेत्र हो। विभाग ऐसे लोगों को तैयार करता है, जो समाज के विकास में योगदान दे सकते हैं और अपने क्षेत्र विशेष में श्रेष्ठ हो सकते हैं। विभाग में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के युवा एवं बेहद प्रेरित शिक्षक हैं। यह गर्व का विषय है कि उत्साह के साथ किए गए सामूहिक प्रयास से लगातार काफी संख्या में अच्छे छात्र तैयार हो रहे हैं। विभाग में दो पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम बी.ए. एलएलबी एवं बी.कॉम.एलएलबी संचालित हैं। यह कार्यक्रम कुल दस सेमेस्टर का है, जिसमें प्रत्येक वर्ष दो सेमेस्टर का होता है। विद्यार्थियों के कुछ मूल प्रश्नपत्र भाषा का प्रश्नपत्र, अनिवार्य विधि प्रश्नपत्र एवं वैकल्पिक विधि प्रश्नपत्र लेना पड़ता है। विभाग में सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त पूर्णतः सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित ग्रंथालय है, जहां किताबों, विधि प्रतिवेदनों, शोध पत्रिकाओं एवं नियमावली की विविधतायुक्त श्रृंखला है।

दृष्टिकोण

विभाग को इस प्रकार विकसित किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण विधिक शिक्षा प्रदान किया जा सके, इन्हें नवीन चीजों को सीखने का अवसर दिया जा सके तथा उनके कौशल, बुद्धिमता का इस प्रकार बहुआयामी विकास हो, जिससे वे व्यावसायिक, अकादमिक तथा सामाजिक सरोकारों से संबंधित चुनौतियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर सकें। विभाग का उद्देश्य ऐसा मंच प्रदान करना है, जो सूचना एवं विचारों का आदान–प्रदान शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं पाठ्येत्तर व अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों के माध्यम से कौशल विकास है।

विभाग का प्रयास है

- विधि के ज्ञान व शिक्षा एवं विधिक प्रक्रिया एवं राष्ट्र के विकास में इसके योगदान को आगे बढ़ाना एवं प्रसार करना।
- विधिक ज्ञान को बढ़ावा देना एवं सामाजिक विकास के लिए विधि एवं विधिक प्रक्रिया को सक्षम उपकरण बनाना।
- वकालत, न्यायिक सेवा, विधि निर्माण, न्यायिक सुधार आदि से संबंधित कौशल का विकास करते हुए छात्रों एवं शोध छात्रों में विधि के क्षेत्र में समाज सेवा की भावना विकसित करना।
- ऐसे भावी अधिवक्ताओं को तैयार करना, जो कि देश ही नहीं, अपितु सीमा पर भी व्यावसायिक विधि, बौद्धिक सम्पदा अधिकार, सायबर विधि एवं व्यापार विधि के क्षेत्र में कार्य कर सकें।
- विधि के शिक्षकों न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं विधि के क्षेत्र में कार्य करने या रूचि रखने वालों को प्रशिक्षण प्रदान करना एवं उनके लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन करना।
- समुदाय में विधिक जागरूकता को बढ़ाना और समाज के वंचित समूहों को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए विधिक सहायता प्रदान करना।

विभाग की गतिविधियाँ

- साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम ''लेक्स इग्निशिया–2017'' का 9–10 अप्रैल, 2017 को आयोजन।
- 05 सितम्बर, 2017–नई शिक्षा नीति पर समूह चर्चा छात्रों के साथ–साथ शिक्षकों ने भी भाग लिया।
- 03 नवम्बर, 2017 वाद–विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता सतर्कता सप्ताह मनाया गया।
- 10 नवम्बर, 2017 विधिक प्रश्नोत्तरी–60 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- 15 नवम्बर, 2017 मूट कोर्ट–6 दलों ने भाग लिया।
- 17 नवम्बर, 2017 श्री विवेक कुमार तिवारी, सदस्य सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर एवं श्री अभिषेक शर्मा, उप सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर ने अतिथि व्याख्यान दिया।
- 26 नवम्बर, 2017 संविधान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री रणवीर सिंह मरहास मुख्य वक्ता थे।
- 10 जनवरी, 2018 को मानव अधिकार पर एक दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री टी.बी.राधाकृष्णन, मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय थे।

विद्यार्थियों की गतिविधियाँ

- 09–10 अप्रैल, 2017 को लेक्स इग्नीशिया का आयोजन वाद–विवाद विजेता हर्षवर्धन पाण्डेय बी.ए.एलएलबी VI सेमेस्टर

- प्रश्नोत्तरी– हर्षवर्धन पाण्डेय, बी.ए.एलएलबी VI सेमेस्टर
- मूट कोर्ट सर्वश्रेष्ठ वक्ता– हर्षवर्धन पाण्डेय, बी.ए.एल.एल.बी. IV सेमेस्टर
- 26 से 27 अगस्त 2017 को छततीसगढ़ युवा संसद का आयोजन किया गया, जिसमें प्रांजल सिंह, बी.कॉम एलएलबी चौथा सेमेस्टर, आयुष ताम्रकार, बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, पलक द्विवेदी बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, पारूल सिंह, बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, सुमेधा भट्टाचार्य बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, अदिति राय बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, शिवांगी जिंदल बी.ए.एलएलबी तीसरा सेमेस्टर, सुमन शर्मा बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, राज उपाध्याय बी. कॉम. एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, शुभम् शर्मा बी.कॉम. एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, राजमनी बेक बी.कॉम. एलएलबी पहला सेमेस्टर, शिवांगी अग्रवाल बी.ए.एलएलबी चौथा सेमेस्टर ने भाग लिया।
- 05.09.2017 नई शिक्षा नीति पर चर्चा–श्री अंशुमान दुबे, कु. अंशुली चतुर्वेदी, कु. प्रीति झा।
- 05.09.2017 कटक राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, उड़ीसा ने राष्ट्रीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें बी.ए.एलएलबी छठवें सेमेस्टर के छात्र हर्षवर्धन पाण्डेय ने भाग लिया।
- 06.09.2017 –राष्ट्रीय युवा संसद–दूसरा, तीसरा एवं चौथा स्थान प्राप्त किया।
- 15.09.2017– ये मेरा इंडिया है–श्री अंशुमान दुबे बी.ए.एलएलबी चौथा सेमेस्टर।
- 30.09.2017– मानवीय मूल्यों के अंतरराष्ट्रीय संगठन पर आयोजित कार्यशाला में शिवानी पाठक, बी.कॉम. एलएलबी दसवें सेमेस्टर ने भाग लिया।
- 07.08.2017– मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया गया, जिसमें प्रांजल सिंह, बी.कॉम. एलएलबी चौथा सेमेस्टर, निधि गिरी, बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, पलक द्विवेदी बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, अदिति राय बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, राज उपाध्याय बी.कॉम. एलएलबी दूसरा सेमेस्टर एवं शुभम् शर्मा बी.कॉम. एलएलबी दूसरा सेमेस्टर ने भाग लिया।
- 22.10.2017 को आयोजित सायबर अपराध पर कार्यशाला में मधुरंतिका तिवारी बी.ए.एलएलबी दसवां सेमेस्टर, अनामिका तिवारी बी.ए.एलएलबी दसवां सेमेस्टर, प्रज्ञा सिंह बी.कॉम. एलएलबी दसवां सेमेस्टर, शिवानी पटनायक बी. कॉम. एलएलबी दसवां सेमेस्टर, प्राची सिंह बी.कॉम. एलएलबी दसवां सेमेस्टर एवं हर्षवर्धन पाण्डेय बी.ए.एलएलबी छठवां सेमेस्टर ने भाग लिया।
- 03.11.2017 को आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में राशिका सोनी, बी.ए.एलएलबी दसवां सेमेस्टर विजेता एवं प्राची जायसवाल बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर ने भाग लिया।
- 03.22.2017 को आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में शैलेष पाण्डेय बी.कॉम. एलएलबी आठवां सेमेस्टर विजेता एवं राबिन लाल बी.कॉम. एलएलबी दूसरा सेमेस्टर (रनर अप)
- 10.11.2017 को विधिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया एवं इसमें कई छात्रों ने भाग लिया।
- 15.11.2017 को आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में श्री हर्षवर्धन पाण्डेय बी.ए.एलएलबी छठवां सेमेस्टर (सर्वश्रेष्ठ वक्ता), श्री शैलेष कुमार पाण्डेय बी.कॉम. एलएलबी आठवां सेमेस्टर (रनर अप, बेस्ट मेमोरियल), श्री सूर्यप्रकाश मौर्य, बी.ए. एलएलबी आठवां सेमेस्टर (रनर अप), श्री प्रांजल सिंह बी.कॉम. एलएलबी चौथा सेमेस्टर (रनर अप), श्री हर्ष देव बी.ए. एलएलबी चौथा सेमेस्टर, शिवांगी जिंदल बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, सुमन शर्मा बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर, प्राची जायसवाल बी.ए.एलएलबी दूसरा सेमेस्टर एवं मीनल साहू बी.ए.एलएलबी चौथा सेमेस्टर ने भाग लिया।
- 16.11.2017 को भारत में पर्यटन उद्योग का विकास पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बी.ए.एलएलबी, चौथे सेमेस्टर की छात्रा शिवांगी अग्रवाल ने पेपर प्रस्तुत किया।

- 26.11.2017 को छततीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित आशु प्रतियोगिता में बी.कॉम. एलएलबी चौथे सेमेटर के छात्र श्री प्रांजल सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

- 12.12.2017 को आयोजित जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में बी.कॉम. एलएलबी आठवें सेमेस्टर के छात्र श्री शैलेष पाण्डेय विजेता रहे।

- 4–5 जनवरी, 2018 को बिलासपुर यूनिवर्सिटी द्वारा भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता वृद्धि पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बी.ए.एलएलबी छठवें सेमेस्टर के छात्र श्री हर्षवर्धन पाण्डेय ने भाग लिया एवं उन्हें सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए पुरस्कृत किया गया।

- 10.01.2018 को मानवाधिकार पर एक दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के अनेक छात्रों ने भाग लिया।

- 15–19 जनवरी, 2018 को विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित खेल–कूद के विभिन्न कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने विभाग का प्रतिनिधित्व किया।

- 19.01.2018 को इन्टरप्रेन्यूरल स्किल कोशेंट इक्वीलीब्रियों 2018 में बी.ए.एलएलबी चौथे सेमेस्टर की छात्रा शिवांगी अग्रवाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

- 16–19 फरवरी, 2018 को आयोजित जेएलयू मूट कोर्ट स्पर्धा में प्रियंका गोयनका, बी.ए.एलएलबी छठवें सेमेस्टर एवं आदित्य वर्मा बी.कॉम. एलएलबी आठवें सेमेस्टर ने भाग लिया।

2.1.4 जीव विज्ञान अध्ययनशाला

जीव विज्ञान अध्ययनशाला के अन्तर्गत पांच प्रमुख विभाग संचालित हैं। ये विभाग अपने संबंधित क्षेत्रों में विश्वविद्यालय के सामान्य उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आपसी सामंजस्य के साथ काम करते हैं। इन विभागों में मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास, जैव प्रौद्योगिकी, वनस्पति विज्ञान, न्यायालयिक विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान है। इस अध्ययनशाला के अंतर्गत आने वाले विभाग प्रायोगिक विषयों एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्य कर रहे हैं।

मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग

मानव विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 1989 में हुई। यह विश्वविद्यालय के प्रारंभिक विभागों में से एक है। यह विभाग छत्तीसगढ़ राज्य में जीवंत भूमिका निभाता है, क्योंकि इस राज्य में विविध संस्कृतियों से युक्त पर्याप्त जनजातीय जनसंख्या है। लोगों के विज्ञान के रूप में मानव विज्ञान, राज्य और साथ ही देश के समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण एवं उनके समग्र विकास के लिए पूर्णतः सक्षम है।

विभाग में सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक संग्रहालय है। यहाँ संचालित पाठ्यक्रम में मानव अधिकार और विकास के विभिन्न आयाम एवं मुद्दे शामिल हैं। विभाग सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों पर कार्य करता है। विभाग ने पुनर्वास एवं विस्थापन, पहाड़ी कोरवा की पोषण की स्थिति, आदिवासियों की ऋणग्रस्तता, प्रबंध एवं ग्राम्य अध्ययन पर काफी संख्या में शोध परियोजनाएँ पूर्ण की हैं। विभाग, स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों का घनिष्ठता के साथ सहयोग लेकर उपयोगी शोध एवं विकास के लिए कार्य करता है। विभाग के पुस्तकालय में 900 से अधिक किताबें हैं प्रयोगशाला की अधोसंरचना के उन्नयन के साथ ही विभाग ने विद्यार्थियों की राष्ट्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम में संशोधन किया है।

विभाग का मुख्य उद्देश्य योग्य, दक्ष एवं प्रतिबद्ध मानव विज्ञानी तैयार करना है, जो जनजातीय विकास, सशक्तिकरण और जनजातीय स्वास्थ्य से संबंधित मामलों में नीति निर्माताओं के सामाजिक सलाहकार के रूप में उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकें। साथ ही भूख एवं कुपोषण के उन्मूलन के संबंध में उपचारात्मक उपायों का अध्ययन कर सुझाव दे सकें, जिससे छत्तीसगढ़ के आदिवासी और गैर आदिवासी आबादी में मृत्यु दर एवं बीमारी के मामले में कमी आएगी। विभाग का उद्देश्य भारत के संविधान में निहित जनजातीय अधिकारों के संबंध में छत्तीसगढ़ के जनजातीय समाज को जागरूक करना भी है।

विभागीय गतिविधियाँ

विभाग ने ग्रामीणों की संस्कृति व उससे जुड़े विभिन्न मुद्दों को समझने एवं उनके कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रति उन्हें जागरूक करने हेतु मानव जाति विज्ञान, जनसांख्यिकी व मानवशास्त्रीय आंकड़े जुटाने एवं अध्ययन करने के लिए दिनांक 12–21 मार्च, 2018 तक विश्वविद्यालय परिसर से लगे ग्राम बिरकोना में संरचनात्मक फील्ड कार्य किया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग– मानव संसाधन विकास केन्द्र (एचआरडीसी), गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 22.06.2017 को सुबह 10:30 से 12:00 बजे तक शोध प्रविधि पर आयोजित शार्ट टर्म कोर्स में डॉ0 नीलकंठ पाणीग्रही ने ''भारत में सामाजिक अनुसंधानः एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण '' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने ''सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में जातीय–प्रविधि का महत्व'' पर भी व्याख्यान दिया।

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग– मानव संसाधन विकास केन्द्र (एचआरडीसी), गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 22.06.2017 को अपरान्ह 12:15 से 01:45 बजे तक शोध प्रविधि पर आयोजित शार्ट टर्म कोर्स में डॉ. नीलकंठ पाणीग्रही ने ''इंप्रोटेंट ऑफ इथनोंमेथडोलॉजी इन सोशल साइंस रिसर्च'' विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. नीलकंठ पाणीग्रही ने जनजातीय मंत्रालय के सहयोग से जनजातीय अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केन्द्र, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला द्वारा 22–23 अप्रैल, 2017 को आयोजित जनजातीय सम्मेलन 2017 में ''जनजातीय पहचान, आजीविका एवं विकासः भूतलक्षी एवं भावी दृष्टिकोण'' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- डॉ. नीलकंठ पाणीग्रही ने लुप्तप्राय भाषा केन्द्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के समन्वयक के रूप में 15–16 फरवरी 2018 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

- डॉ. नीलकंठ पाणीग्रही ने राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में 19 से 23 मार्च, 2018 तक आयोजित फाइन 2018 के पोस्टर प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।

- डॉ. सुबल दास ने यूजीसी–एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर, छ0ग0 भारत द्वारा ''भारतीय समाज में परिवर्तन'' पर 15 मई से 3 जून, 2017 तक आयोजित 3 सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- डॉ. सुबल दास ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर (महाराष्ट्र) के सहयोग से '' भारत नवोन्मेष (वैभवशाली अतीत से वर्तमान अभ्युदय तक)'' 15 से 17 अक्टूबर, 2017 तक आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिवेदक के रूप में कार्य किया।

शोध छात्रों की उपलब्धियाँ

- शोध छात्रा सुश्री मनीषा घृतलहरे ने मानव विज्ञान विभाग, डॉ0 हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश द्वारा ज्ञान (ग्लोबल इनीशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क) के तहत ओबेसिटी एण्ड लांगेविटी न्यू पैराडाइम ऑफ पापुलेशन ट्रांजिशन' विषय पर 13–18 नवम्बर, 2017 को आयोजित पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- शोध छात्रा मनीषा घृतलहरे ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में 15–17 अक्टूबर, 2017 को 'भारत नवोन्मेष' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में ''मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में भारत की जनजातियों की चुनौतियां'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

- शोध छात्रा मनीषा घृतलहरे को बाहय विशेषज्ञों के समक्ष पिछले दो वर्ष में सफलतापूर्वक किए गए शोध की प्रगति प्रस्तुत करने पर 16.11.2017 को यूजीसी नेट जेआरएफ को एसआरएफ में अपग्रेड किया गया।

- शोध छात्र श्री सौरभ चौरसिया ने मध्यप्रदेश सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, द्वारा 13 से 22 जून, 2017 द्वारा ''सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान प्रविधि'' पर आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार एवं जेन्डर चैम्पियन चयन समिति की अनुशंसा के अनुसार एमए चौथे सेमेस्टर की छात्रा सुश्री ग्लैडीस मैथ्यू को 14 जनवरी, 2018 को सत्र 2017–18 के लिए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में महिला जेंडर चैम्पियन चुना गया।
- एमएससी चौथे सेमेस्टर के छात्र श्री अमन पार्कर ने जून 2017 एवं दिसम्बर 2017 को यूजीसी नेट लेक्चररशिप में सफलता प्राप्त की।
- बीएससी चौथे सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शिफा सईद ने इक्वीलीब्रियो 18 के कार्यक्रम, मिक्स एन मैच प्रतियोगिता में भाग लिया एवं प्रथम स्थान (महिला) प्राप्त किया।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

विभाग का दृष्टिकोण

जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं प्रशिक्षित जैव प्रौद्योगिकीविद तैयार करने के लिए जीव विज्ञान अध्ययनशाला के अंतर्गत जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1996 में की गई। विभाग में जैव प्रौद्योगिकी में दो वर्षीय एम.एससी एवं पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई होती है। साथ ही यूजीसी विनियम् 2009 के अनुसार कोर्स वर्क के माध्यम से पीएच.डी. पाठ्यक्रम भी है।

विभाग के प्रेरणादायक माहौल में नियमित रूप से संगोष्ठी, कार्यशाला, निर्दिष्ट कार्य एवं शोध कार्य पर आमंत्रित व्याख्यान के आयोजन से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं शोध के लिए वातावरण तैयार करने का उद्देश्य पूरा होता है। यहाँ के छात्र अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेते हैं और साथ ही प्रति वर्ष 'विज्ञान उत्सव' का आयोजन करते हैं। विभाग के शिक्षकों की अकादमिक उत्कृष्टता लगातार शोध पत्र प्रकाशित कराने एवं राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं में भाग लेने एवं आयोजित करने से परिलक्षित होती है। विद्यार्थियों को भी शोध कार्यों के परिणाम पर आधारित शोध पत्र तैयार कर सम्मेलनों एवं संगोष्ठियों में प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

प्रतियोगी परीक्षाओं जीआरई, टॉफेल, सीएसआईआर–यूजीसी, नेट जेआरएफ, आईसीएमए, डीबीटी–बीईटी, सीजी–सेट, सीजी–पीएससी में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस विभाग के पूर्व छात्र वर्तमान में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित विभिन्न संस्थानों में कार्यरत हैं। इन संस्थानों में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान बेथेस्डा, मेरीलैंड, यूएसए, यूनिवर्सिटी ऑफ हीडनबर्ग जर्मनी, शिकागो स्टेट यूनिवर्सिटी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डिया लिमिटेड, हन्टेरोवायरस रिसर्च सेंटर आईसीएमआर, रोश डायग्नोस्टिक्स, एपेनड्राफ कम्पनी, जी.ई.हेल्थकेयर आदि हैं।

विभागीय गतिविधियाँ

उद्यमिता जागरूकता शिविर– छत्तीसगढ़ औद्योगिक एवं तकनीकी परामर्श केन्द्र (सीटकॉन) रायपुर एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एनएसटीईडीबी) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस शिविर का आयोजन 21–23 अगस्त, 2017 को किया गया। स्नातकोत्तर छात्रों ने इसमें भाग लिया, जहां बदलते वैश्विक परिदृश्य में उद्यमिता एवं कौशल विकास से होने वाले लाभों की जानकारी दी गई।

ज्ञान कार्यक्रम एमएचआरडी के ग्लोबल इनीशिएटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) के तहत अमेरिका से पधारे डॉ.मनोज मिश्रा ने ''कैंसर स्वास्थ्य असमानता'' विषय पर 18–22 दिसम्बर, 2017 को व्याख्यान दिया। साथ ही प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया गया। देश के विभिन्न भागों से 30 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया।

कार्यशाला जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने दिनांक 18 से 24 जनवरी, 2018 तक 'एनिमल टिशु कल्चर' पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। देश के विभिन्न भागों से बीस शिक्षकों/छात्रों ने इसमें भाग लिया। देश के विभिन्न भागों से 20 शिक्षकों/विद्यार्थियों ने कार्यशाला में भाग लिया। प्रतिभागियों ने इन विशेषज्ञों के व्याख्यान का लाभ लिया–प्रो.आलोक चन्द्रा भारती दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. कल्पना पाई, प्राणीशास्त्र विभाग बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, डॉ. योगेन्द्र पाड़वाड वरिष्ठ वैज्ञानिक आईएचबीटी, डॉ.पी.जयमूर्ति वैज्ञानिक एनआईआईएसटी, प्रो. पी.के.पात्रा अधिष्ठाता, सिम्स (छत्तीसगढ़) डॉ. आरती पाण्डेय, आचार्य ईएनटी विभाग सिम्स, बिलासपुर (छत्तीसगढ़), डॉ. ए.के.दीक्षित सह आचार्य, वनस्पतिशास्त्र विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, डॉ. बी.एन.त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, डॉ. एस.के. पाण्डेय,सहायक प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, डॉ. रोहित सेठ, सह आचार्य, प्राणीशास्त्र विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, डॉ. एस.के.निराला, सहायक प्राध्यापक, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, डॉ. राकेश राय,पोस्ट डाक्टोरलर फेलो बीएचयू, डॉ. सुभाष सी सोनकर, पोस्ट डाक्टोरल फेलो, वर्धमान मेडिकल कॉलेज, डॉ. मृगेन्द्र द्विवेदी शास.साइंस कॉलेज छत्तीसगढ़, डॉ. रेणु भट्ट विभागाध्यक्ष जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं विभाग के समस्त शिक्षक। कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. रेणु भट्ट के पर्यवेक्षण में कार्यशाला एवं पाठ्यक्रम संयोजक, डॉ. एन.विश्वकर्मा एवं डॉ. धनंजय शुक्ला द्वारा एनिमल सेल कल्चर पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न एनिमल सेल लाइन्स, माइक्रोस्कोपी सेल कल्चर रख–रखाव सेल प्रथक्करण व अस्थि मज्जो आदि की जानकारी दी।

विभागीय भ्रमण

विज्ञान महाविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के बी.एससी (जैव प्रौद्योगिकी आनर्स) के विद्यार्थियों ने विभागीय प्रयोगशाला का भ्रमण किया और विभाग के शिक्षकों एवं शोध छात्रों से मुलाकात कर ज्ञानार्जन किया। उन्होंने प्रयोगशाला में उपलब्ध सुविधाओं एवं उपकरणों की मूल अवधारणा की जानकारी प्राप्त की।

आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. विपिन कुमार, अधिष्ठाता, रासायनिक विज्ञान एवं भेषजी विज्ञान अध्ययनशाला एवं डॉ.जोगेश्वर पाणीग्रही, आचार्य वनस्पति विज्ञान विभाग, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने विभाग में व्याख्यान दिया।

नई शिक्षा नीति

शिक्षक दिवस (5 सितम्बर, 2017) के अवसर पर विभाग ने 'नई शिक्षा नीति' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें जीव विज्ञान अध्ययनशाला के विभिन्न विषयों के छात्रों ने भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए।

स्वच्छता ही सेवा

22 सितम्बर, 2017 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सभी छात्रों एवं शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में सक्रियतापूर्वक भाग लेते हुए विभागीय उद्यान, कक्षाओं, बरामदा, प्रयोगशाला आदि की साफ–सफाई की।

स्वच्छ भारत अभियान

दिनांक 26 सितम्बर, 2017 को विभाग ने 'स्वच्छ भारत अभियान' से संबंधित परस्पर संवाद सत्र का आयोजन किया, जिसमें जैव प्रौद्योगिकी के छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किए। यह सत्र काफी ज्ञानवर्धक रहा।

पूर्व छात्र आगमन

पूर्व छात्र डॉ. सूर्या पाण्डेय, पोस्ट डाक्टोरल फेलो, शिकागो स्टेट यूनिवर्सिटी ने विभाग के छात्रों से मुलाकात की एवं छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र एवं भावी संभावनाओं पर चर्चा की।

नशा मुक्ति शपथ

जनवरी, 2018 में विभाग के सभी विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने नशा मुक्ति की शपथ ली। विद्यार्थियों को नशा से होने वाले नुकसान एवं इसके अवगुणों की जानकारी दी गई।

विभागीय पुस्तकालय

विभागीय पुस्तकालय को 82 नई किताबें मिलीं।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. रेणु भट्ट (विभागाध्यक्ष,सह आचार्य), डॉ.डी.शुक्ला (सहायक प्राध्यापक) एवं डॉ. एन. विश्वकर्मा (सहायक प्राध्यापक) ने ''इन वाइट्रो सेल लाइन्स स्टडी फॉर ड्रग डिस्कवरी एण्ड डेवलपमेंट'' विषय पर कोलम्बिया इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, रायपुर (छ.ग.) में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. रेणु भट्ट (विभागाध्यक्ष, सह आचार्य) ने कोलम्बियां इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, रायपुर (छ.ग.) में दिनांक 23–24 सितम्बर, 2017 को 'फार्म–साइंस–2017' पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर प्रस्तुतीकरण सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. रेणु भट्ट ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ0ग0) द्वारा दिनांक 15–17 अक्टूबर, 2017 को 'भारत नवोन्मेष अतीत से वर्तमान तक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर प्रस्तुतीकरण सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. रेणु भट्ट (विभागाध्यक्ष, सह आचार्य), कैंसर स्वास्थ्य विषमता पर एमएचआरडी (MHRD) के पांच दिवसीय ज्ञान कार्यक्रम की पाठ्यक्रम समन्यक थीं।
- डॉ. रेणु भट्ट, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'नेशनल एनीमल टिशु कल्चर' पर आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला की संयोजक थीं
- डॉ. रेणु भट्ट (विभागाध्यक्ष, सह आचार्य), छत्तीसगढ़ औद्योगिकी एवं तकनीकी परामर्श केन्द्र (सिटकॉन) रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर की संयोजक थीं।
- परामर्श सेवा के लिए डॉ. एच.झा (सहायक प्राध्यापक) एवं मेको टेक्नालॉजी लिमिटेड के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया।
- डॉ. डी.के. परिहार (सहायक प्राध्यापक) सिटकॉन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर के पाठ्यक्रम समन्वयक थे।
- डॉ. एन. विश्वकर्मा (सहायक प्राध्यापक) एवं धनंजय शुक्ला (सहायक प्राध्यापक), नेशनल टिशु कल्चर पर (18–24 जनवरी, 2017) गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

- डॉ. अर्चना भास्कर एवं डॉ. अर्चना कुमारी, सहायक प्राध्यापक अस्थायी ने 'नेशलन एनिमल टिशु कल्चर' पर आयोजित कार्यशाला (18–24 जनवरी, 2017) में विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- स्नातक/स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने अक्टूबर, 2017 में भारत नवोन्मेष पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- श्री आशुतोष शुक्ला (एम.एससी) ने वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 'प्लान्ट एण्ड माइक्रोबियल प्रोडक्ट्स आईपीआर एवं इथिकल इशूज' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्त किया।
- एम.एससी के पूर्व विद्यार्थियों चुनमुन सिंह एवं मीतेश पटेल ने छत्तीसगढ़ स्लेट 2018 में सफलता प्राप्त की।
- सुश्री वैशाली नितिन पॉल (जेआरएफ, डीबीटी विल्डर) प्रशासनिक प्रबंधन महाविद्यालय, बेंगलुरु (भारत) में व्याख्याता के रूप में कार्य प्रारंभ किया।
- एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर जैव प्रौद्योगिकी छठवें सेमेस्टर के छात्र श्री उदयन शर्मा, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय छात्र परिषद् के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।
- एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर जैव प्रौद्योगिकी के छात्र श्री नेपाल सिंह ध्रुव, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय की पत्रिका 'उड़ान' के सदस्य हैं (डिजाइनिंग बोर्ड के कार्यवाहक सह–समन्वयक)

पीएच.डी. छात्रों की उपलब्धियाँ

- पीएच.डी कर रहे शोध छात्रों ने अक्टूबर, 2017 में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 'भारत नवोन्मेष : गौरवशाली अतीत से वर्तमान अभ्युदय तक' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- श्रीमती पल्लवी सिंह (पीएच.डी. अध्येता) एवं श्री लोहित राज शिवांसी (एम.एससी. के पूर्व छात्र) ने दुर्ग विश्वविद्यालय एवं सीकॉस्ट, रायपुर द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 16वाँ छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2018 प्राप्त किया।
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 22 दिसम्बर, 2017 को ''कैंसर स्वास्थ्य असमानता'' पर आयोजित ज्ञान (GIAN) कार्यक्रम में सुश्री सीमा मण्डावी ने भाग लिया।
- श्री महेन्द्र साहू एवं श्री अमिताभ अहिरवार ने वनस्पति विज्ञान विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 7–9 फरवरी, 2018 को ''प्लांट एण्ड माइक्रोबियल प्रोडक्ट्स प्रोग्रेस, पोटेन्शियल्स एण्ड आईपीआर इशुज'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया एवं श्री महेन्द्र साहू (पीएच.डी अध्येता) ने उल्लेखनीय शोध कार्य के लिए श्रेष्ठता प्रमाण–पत्र प्राप्त किया।
- श्रीमती रूपल पुरैना ने 27–28 फरवरी, 2018 को ''फ्रैक्शनेशन, कैरेक्टराइजेशन एण्ड इन वाइट्रो एंटीऑक्सीडेंट एण्ड एंटी कैंसर एक्टिविटी ऑफ आइसोलेटेड फ्रैक्शन्स फ्राम इम्स्लीका ऑफिशिनलीज हाइड्रो 16वाँ युवा वैज्ञानिक कांग्रेस में मौखिक प्रस्तुति दी।
- श्री विवेक सोनी ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) कोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ (भारत) द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय पशु उत्तक संवर्धन कार्यशाला में निर्देशक के रूप में कार्य किया।
- श्री विवेक सोनी, श्री महेन्द्र साहू, सुश्री सीमा मण्डावी एवं श्रीमती आकांक्षा जैन ने छत्तीसगढ़ सेट 2017–18 में अर्हता प्राप्त की।
- सुश्री वैशाली नितिन पॉल (जेआरएफ, डीबीटी बिल्डर) ने प्रशासनिक प्रबंधन महाविद्यालय, बेंगलुरू, भारत में ख्याख्याता

के रूप में कार्य प्रारंभ किया।

- श्रीमती सुचित्रा पाणीग्रही ने पीएच.डी की शोध पूर्व प्रस्तुति दी।
- श्रीमती पल्लवी सिंह ने अपना शोध प्रबंध जमा किया और वह मौखिकी के लिए प्रतीक्षारत् है।

विभाग की अधोसंरचना/प्रयोगशाला सुविधाएँ

- विभाग में जीसी/एमएस ए क्रोमेटोग्राफिक उपकरण स्थापित किया गया। जीसी/एमएस के अनुप्रयोग प्रबंधक श्री वरूण ने उपकरण के उपयोग की जानकारी देते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया।
- कक्ष क्रमांक 21 को सम्मेलन कक्ष (स्मार्ट क्लास) बनाने के लिए मरम्मतीकरण का कार्य प्रारंभ हुआ।

वनस्पति शास्त्र विभाग

स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करने एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए वनस्पति शास्त्र विभाग की स्थापना सन् 2009 में की गई। पादप विज्ञान में उच्च शिक्षा एवं शोध के लिए मान्यता प्राप्त केन्द्र के रूप में इस विभाग की पहचान बनी है। पादप के सभी आयामों की जानकारी रखने वाले आवश्यक विशेषज्ञ विभाग में हैं। विभाग में वनस्पति शास्त्र में एकीकृत पांच वर्षीय स्नातक –स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (स्नातकोत्तर में पार्श्व प्रवेश एवं स्नातक के बाद पढ़ाई छोड़ने के विकल्प के साथ) एवं पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित हैं। विभाग में 2000 से अधिक किताबों एवं लगभग 150 ऑनलाइन विज्ञान शोध पत्रिकाओं से समृद्ध पुस्तकालय हैं, जो शिक्षक एवं विद्यार्थियों की अनुसंधान संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। शिक्षण रूप से पिछड़े आदिवासी राज्य छत्तीसगढ़ को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के उद्देश्य में यह विभाग पूरी तरह सफल है। विभाग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित कई शोध परियोजनाओं का संचालन किया जा रहा है। विभाग के शिक्षकों के शोध पत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। स्थापना के बाद से विभाग द्वारा 300 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए गए। यहाँ के शिक्षकों की माइक्रोबायलॉजी, स्ट्रेस फिजियोलॉजी, बायोटेक्नालॉजी, पर्यावरणीय प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी, इथनोबॉटनी, बायो नैनो टेक्नालॉजी, सेल एवं मालीक्यूलर बायलॉजी, जीवाणु विज्ञान आदि में विशेषता है। विभाग की अनुसंधानात्मक गतिविधियाँ नौ प्रयोगशालाओं में विस्तारित है। प्रत्येक शिक्षक एवं प्रयोगशाला की देख–रेख करते हैं। इन प्रयोगशालाओं में काम करने के लिए 23 डाक्टोरल विद्यार्थियों एवं एक पोस्ट डाक्टोरल फेलो का कोर समूह है।

एन.सी.पी.एम.पी. 2018 स्मारिका का विमोचन

पूर्व आचार्य आर.वी.शुक्ला मशरूम आईडेन्टीफिकेशन का प्रदर्शन करते हुए

विभाग की अधोसंरचना/प्रयोगशाला सुविधाएँ

विभागीय प्रयोगशालाएँ गैस क्रोमेटोग्राफ, लाइका (DM200) फोटो–माईक्रोस्कोपी, माइक्रोस्कोप, पीसीआर थर्मो सायकलर, केल्धल फायटोट्रान आदि उन्नत उपकरण एवं सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा विभाग में आरटी–पीसीआर, केमी–डॉक एक्सआरएस, एचपीएलसी, एलसी–एमएस/एमएस एवं परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर आदि की सुविधा भी है। हाल ही में विभाग

जीव विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ. रेणू भट्ट
मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देते हुए

डॉ. एस.के.साही द्वारा छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्वास्थ्य लाभ कराने वाले वरिष्ठ को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र प्रदान करते हुए

में प्लांट टिशु कल्चर, प्लांट सेल, आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशाला एवं ब्राडबैण्ड इन्टरनेट सुविधा से जुड़े कम्प्यूटरों से युक्त बायोइन्फर्मेटिक्स प्रयोगशाला स्थापित किया गया है। विभाग की योजना विश्वविद्यालय परिसर में करीब 20 एकड़ क्षेत्र में वनस्पतिक उद्यान व 2 एकड़ क्षेत्र में नर्सरी स्थापित करने की है। स्नातकोत्तर एवं शोध छात्रों के प्रयोग के लिए इस उद्यान में छत्तीसगढ़ की स्थानीय, दुर्लभ औषधीय पौधे होंगे।

शोध क्षेत्र

विभाग में शोध के चार विशेष क्षेत्र हैं–क्रियात्मक पादप जीव विज्ञान, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरणीय जीव विज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग, इथो बॉटनी, फार्मेकोग्नॉसी एवं माइक्रोबायलॉजी।

विभाग की उपलब्धियाँ

- 22–24 सितम्बर, 2017 को न्यूट्रास्यूटिकल मशरूम तकनीक पर उद्यमिता पर कार्यशाला का आयोजन।
- 01 अक्टूबर, 2017 में डोंगानाला, पाली स्थित हर्बल उद्योग का भ्रमण।
- सितम्बर, 2017 में छततीसगढ़ मशरूम, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण।
- 01–22 दिसम्बर, 2017 को वनस्पति शास्त्र में 18 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम। दिसम्बर, 2017 में औषधीय पादप संरक्षण क्षेत्र चैतुरगढ़ का भ्रमण।
- 07–09 फरवरी, 2018 के '8 प्लांट एण्ड माइक्रोवियल प्रोडक्ट्स प्रोग्रेस, पोटेन्शियल एण्ड आईपीआर इशुज '' पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. एस.के.शाही ने 22–24 सितम्बर, 2017 को न्यूट्रास्यूटिकल मशरूम तकनीकी में उद्यमिता विकास पर कार्यशाला का आयोजन किया।
- डॉ. एस.के शाही ने 01–22 दिसम्बर, 2017 को समन्वयक के रूप में वनस्पति विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया।
- डॉ. एस.के.शाही ने 01–22 दिसम्बर, 2017 को यूजीसी, एचआरडीसी, जीजीवी बिलासपुर में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में दो व्याख्यान दिये।
- डॉ. एस.के.शाही ने प्लान्ट एण्ड माइक्रबियल प्रोडक्ट्स प्रोग्रेस, पोटेन्शियल एण्ड आईपीआर इशुज पर 07–09 फरवरी, 2018 के राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

मसरूम कल्चर संबंधी सूचना ग्रहण करते विद्यार्थी

- डॉ. एस.के.शाही ने यूजीसी, एचआरडीसी, जीजीवी बिलासपुर में 20 वें अभिमुखी कार्यक्रम में दो व्याख्यान दिया।
- डॉ एस.के.शाही ने 29–30 मार्च, 2018 को पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी, बिलासपुर में जल संरक्षण पर आयोजित छात्रों के श्रेष्ठ मॉडल का मूल्यांकन किया।
- डॉ. ए.के.दीक्षित ने 13 मार्च, 2018 में बाजीरावजी करेनजेकर कॉलेज ऑफ फार्मेसी, साकोली, भंडारा, महाराष्ट्र द्वारा औषधीय और सुगंधित पौधों के संरक्षण और खेती द्वारा उद्यमिता विकास पर आयोजित संगोष्ठी में '' पारम्परिक औषधीय ज्ञान और भविष्य की संभावित दवाओं '' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ए.के.दीक्षित ने 07 मार्च, 2018 को यूजीसी–एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर में आयोजित बीसवें उन्मुखीकरण कार्यक्रम में दो विषयों पर व्याख्यान दिया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- जागृति चन्द्राकर ने बिलासपुर में 15–17 अक्टूबर, 2017 को आयोजित 'भारत नवोन्मेष' (गौरवशाली अतीत से आधुनिक युग तक) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'फार्माकोग्नोस्टिकल, फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग और कॉर्डिया माकलोडी हुक. एफ एंड थॉमस की पात्तियो के एंटीमायक्रोबियल अध्ययन' पर पोस्टर प्रस्तुत किया।
- दीपक कुमार सोनी ने बिलासपुर में 22–24 सितंबर, 2017 को आयोजित न्यूट्रास्यूटिकल्स मशरूम प्रौद्योगिकी फंक्शन फूड के रूप में तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।
- दीपक कुमार सोनी ने बिलासपुर में 07–09 फरवरी, 2018 को आयोजित 'प्लांट्स और माइक्रोबियल प्रोडक्ट्स प्रगति, क्षमता और आईपीआर मुद्दे' राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति का पुरस्कार प्राप्त किया।
- प्रमिला खंडेल ने बिलासपुर में 22–24 सितंबर, 2017 को आयोजित 'न्यूट्रास्यूटिकल्स मशरूम प्रौद्योगिकी उद्यमी प्रशिक्षण में भाग लिया।
- प्रमिला खंडेल ने बिलासपुर में 07–09 फरवरी, 2018 को आयोजित 'प्लांट्स और माइक्रोबियल प्रोडक्ट्शन प्रगति, क्षमता और आईपीआर मुद्दे (एनसीपीएमपी–2018)' राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कवक कर्वुलेरिया प्रजाति से नैनो–चांदी का माइकोजेनेसिस और इसकी एंटीमाइक्रोबायल और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधियो' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- रवि कुमार यादव ने बिलासपुर में 22–24 सितंबर, 2017 को आयोजित न्यूट्रास्यूटिकल्स मशरूम प्रौद्योगिकी उद्यमी विकास फंक्शन फूड के रूप में तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।
- रवि कुमार यादव ने बिलासपुर में 07–09 फरवरी, 2018 को आयोजित 'प्लांट्स और माइक्रोबियल प्रोडक्ट्सन प्रगति, क्षमता और आईपीआर मुद्दे' राष्ट्रीय सम्मलेन में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रस्तुति का पुरस्कार प्राप्त किया।
- लीलाधर कँवर ने बिलासपुर में 15–17 अक्टूबर, 2017 को आयोजित भारत नवोन्मेष (आईसीबीआर 2017) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'लाइकेन एवर्नियास्ट्रम प्रजाति के मेटाबोलाइट प्रोफाइलिंग और उनकी एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधियो' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- लीलाधर कँवर ने जम्मू में 16–18 नवंबर, 2017 को आयोजित फंगल जीव विज्ञान हालिया प्रवृत्तियों और भविष्य की संभावनाओं" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'जैव–संभावित अनुप्रयोग के लिए लाइकेन लेप्टोजियम

ट्राइकोफोरम से द्वितीयक मेटाबोलाइट्स का जीसी–एमएस आधारित विश्लेषण' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- लीलाधर कँवर ने बिलासपुर में 07–09 फरवरी 2018 को आयोजित 'प्लांट्स और माइक्रोबियल प्रोडक्ट्शन प्रगति, क्षमता और आईपीआर मुद्दे' राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'लाइकेन परमोट्रेमा प्रजाति से द्वितीयक मेटाबोलाइट्स का जीसी–एमएस के माध्यम से आकलन' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- लीलाधर कँवर ने बिलासपुर में 07–09 फरवरी, 2018 को आयोजित 'प्लांट्स और माइक्रोबियल प्रोडक्ट्शन प्रगति, क्षमता और आईपीआर मुद्दे' राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक शोधपत्र प्रस्तुति का पुरस्कार प्राप्त किया।
- नौरीन सबा खान ने बिलासपुर में 02–03 दिसंबर, 2017 को आयोजित 'जुलोजिकल सोसायटी ऑफ छत्तीसगढ़ ऑन प्रोस्पेक्टस ऑफ इनोवेशन इन लाइफ साइंस एंड सोसिओ–इकोनोमिक चेलेंजेस के तीसरे सम्मेलन में भाग लिया तथा 'फायटोननोफैक्टरीज धातु नैनोपार्टिकल संश्लेषण और अनुप्रयोगों का ग्रीन दृष्टिकोण पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- नौरीन सबा खान ने बिलासपुर में 15–17 अक्टूबर, 2017 को आयोजित 'भारत नवोन्मेष' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा भारत में नैनोकणों के अतीत और भविष्य विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

न्यायालयिक विज्ञान विभाग

न्यायालयिक विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2012 में हुई। न्यायालयिक विज्ञान एक अंतरविषयक विज्ञान है जिसमें सामाजिक व्यवहार एवं मनोवैज्ञानिक अध्ययन के अलावा मूल एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान की सभी शाखाएँ भौतिकी, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग शामिल हैं। इसे अब एक अनुप्रयुक्त विषय के रूप में जाना जाता है एवं इसीलिए लगातार शोध एवं विकास के प्रयासों के माध्यम से इसे अद्यतन किए जाने की आश्यकता होती है। विभाग की स्थापना के उपरांत अब तक विभागीय शिक्षकों के 120 गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

कौशल विकास कार्यशाला

विभाग का उद्देश्य ब्लू कॉलर अपराधों एवं सफेदपोश अपराधों के उभरते परिदृश्य के मद्देनजर आपराधिक न्याय व्यवस्था में सहायता प्रदान करना, आधुनिक प्रबंधन अवधारणा का कियान्वयन, न्यायालयिक नेटवर्क का विस्तार एवं न्यायालयिक विज्ञान के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास पर जोर देना है।

विभाग की गतिविधियाँ

- न्यायालयिक विज्ञान विभाग एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर ने संयुक्त रूप से दो दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया। दिनांक 06–07 सितम्बर, 2017 को आयोजित कार्यशाला का विषय था साइबर अपराध और रोकथाम इस कार्यशाला का उद्देश्य वर्तमान परिदृश्य में तेजी से बढ़ रहे साइबर कानून, साइबर अपराध व साइबर सुरक्षा के उपायों एवं साइबर स्पेस को प्रभावित करने वाले न्याय विज्ञान की पहचान है। कुल दो सौ विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। मुख्य अतिथि श्री जी.पी.सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, रायपुर ने कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में व्याख्यान दिया। विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री मयंक श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक बिलासपुर थे। साइबर अपराध विशेषज्ञ श्री प्रभाकर तिवारी एवं श्री शिशिर केशरवानी निदेशक, वायस समूह ने आमंत्रित व्याख्यान दिया एवं कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों से चर्चा की।

विभागीय गतिविधियाँ

- न्यायालयिक विज्ञान विभाग एवं विश्वविद्यालय के कौशल विकास प्रकोष्ठ ने 30.01.2018 से 03.02.2018 तक पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य न्यायालयिक विज्ञान के स्नातकोत्तर छात्रों में व्यावहारिक कौशल का विकास करना है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में एसएफएसएल रायपुर के संयुक्त निदेशक डॉ. आर.के.गुप्ता एवं क्षेत्रीय एफएसएल बिलासपुर के प्रभारी श्री पी.एस.भगत ने व्याख्यान दिया। कार्यशाला के समापन समारोह में डॉ. सुजीत नायक, विभागाध्यक्ष सायकेट्री, डॉ. सुधान्शु भट्ट काउंसलर, डॉ. एस.एन.गोले फोरेंसिक मेडिसिन विभाग सिम्स बिलासपुर, फोरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. सुनंदा ढेंगे ने व्याख्यान दिया।
- पांच दिवसीय कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला रायपुर, क्षेत्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, बिलासपुर का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने भर्नी बिलासपुर स्थित सीपीआरएफ कैम्प का दौरा किया और वहाँ विभिन्न प्रकार के बारूद के हथियारों की कार्यप्रणाली एवं क्रियाविधि की जानकारी ली।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- दिनांक 23 दिसम्बर, 2017 को शासकीय न्यायालयिक विज्ञान संसाधन के न्यायालयिक विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में पोस्टर प्रस्तुतीकरण श्रेणी के अन्तर्गत एम.एससी.द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री अम्बाती रमेश बाबू ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। सेमिनार का विषय था 'फोरेंसिक साइंस एन इन्टरफेस विट्विन साइंस, ला एण्ड जस्टिस'।
- एम.एससी चौथे सेमेस्टर के छात्र श्री आशीष कुमार प्रधान ने यूजीसी नेट लेक्चररशिप परीक्षा नवम्बर, 2017 में सफलता प्राप्त की।
- एम.एससी चौथे सेमेस्टर की छात्रा कु. रामेश्वरी ने यूजीसी नेट जेआरएफ नवम्बर 2017 में सफलता प्राप्त की।
- एम.एससी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. माधवी गुप्ता ने अंतर विश्वविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने अंतर क्षेत्रीय अखिल भारतीय महिला शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेकर नौवां स्थान प्राप्त किया।

प्राणीशास्त्र विभाग

वर्ष 2009 में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के उपरान्त प्राणी विज्ञान विभाग सबसे पहले खुलने वाले विभागों में से एक विभाग है। 08 वर्षों के अल्प अवधि में विभाग ने जीव विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में खुद को अग्रणी साबित किया है। विभाग ने आधुनिक जीव विज्ञान के क्षेत्र में नवीन शोध एवं शिक्षण केन्द्र के रूप में स्वतंत्र पहचान बनायी है। विभाग का उद्देश्य प्राणीशास्त्र से संबंधित समस्त शाखाओं में शोध एवं शिक्षण के माध्यम से ऐसे दक्ष विद्यार्थी तैयार करना है, जो समाज एवं अंतरराष्ट्रीय समुदाय में उचित योगदान कर सकें।

इस विभाग की पाठ्यक्रम संरचना एवं प्रारूप पारस्परिक ज्ञान तथा शोध विवरण हेतु पर्याप्त अवसर प्रदान करने वाला है इस विभाग की शिक्षण व्यवहार की योजना में अनेक नवीनतम तकनीकों की झलकियाँ देखने को मिलती है। सेमिनार, संगोष्ठी मध्य एवं अन्य सत्र परीक्षण, मासिक परीक्षण आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को सतत् मूल्यांकन किया जाता है। विभाग स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा जीवंत प्रयोगों के माध्यम से प्रायोगिक कौशल के विकास पर संकेन्द्रित है।

विभाग द्वारा कठिन परिश्रम पूर्वक सभी जीवधारियों में आणविक एवं कोशिकीय संरचना के एक रूप सिद्धांत शिक्षण पाठ्यक्रम को

विकसित किया गया है। प्राणी शास्त्रियों को इसका संपूर्ण अध्ययन उनके विषय के चिकित्सकीय पक्ष को समझने में पर्याप्त सहायता प्रदान करेगा।

वर्तमान में विभाग में सात शिक्षक हैं, जो अपने विशेषज्ञता क्षेत्र में शोध कार्यों में संलग्न हैं। प्राणीशास्त्र विभाग में प्रजनन कार्यिकी, अंतःस्रावी विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, विष विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, आणविक विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, कीट विज्ञान, पर्यावरण का विशेष अध्ययन/शिक्षा प्रदान की जाती है।

विभाग की प्रयोगशाला आवश्यक उपकरणों और पाठ्यक्रम के अनुरूप सैद्धान्तिक व प्रायोगिक उपकरणों की आवश्यकताओं को पूर्ण करती है। विभाग के उपकरण कक्ष में सभी आवश्यक अति विशिष्ट उपकरण उपलब्ध हैं, जिसे शोध कार्य में प्रयोग किया जाता है। विभागीय पुस्तकालय में प्राणीशास्त्र के सभी पाठ्यक्रमों से संबंधित विभिन्न प्रकार की 1400 पुस्तकें हैं। विभागीय संग्रहालय सभी जन्तुसंघों के विभिन्न नमूनों से परिपूर्ण है, जो अकशेरूकीय तथा कशेरूकीय की प्रायोगिक शिक्षण हेतु उपयोग है इसके अलावा विद्यार्थी एवं शिक्षक अपने आवश्यकता अनुरूप केन्द्रीय ग्रंथालय का भी उपयोग करते हैं।

विभागीय गतिविधियाँ

- डॉ. मोनिका भदौरिया द्वारा दिनांक 18.08.2017 से 08.09.2017 तक सांपों से बचाव एवं जागरूकता पर कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- डॉ. रोहित सेठ ने दिनांक 09 से 10 अक्टूबर, 2017 को एम.एससी के छात्रों के लिए रेशम के कीड़ों के पालन एवं देख–रेख पर दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया।
- डॉ. मोनिका भदौरिया के निर्देशन में पीएच.डी. कर रहे प्राणी शास्त्र विभाग के शोध छात्र श्री कोमल सिंह सुमन एवं श्री तनवीर अहमद मलिक ने अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया।
- डॉ. सीमा रॉय के निर्देशन में द्वितीय बैच के शोध छात्र श्री मुद्दशीर बशीर को 03 जनवरी, 2018 को खुली मौखिकी के पश्चात् पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- विभाग के शिक्षकों के शोध कार्य विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए एवं उन्होंने कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। ये उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं:
- डॉ. रोहित सेठ, ने 06 फरवरी, 2018 को डीबी कन्या महाविद्यालय में 'आयुर्वेद ट्रेस इलीमेंट्स एण्ड बिहेवियर' एवं 03 दिसम्बर, 2017 को सीएमडी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज बिलासपुर में 'न्यूरल कंट्रोल ऑफ आबेसिटी'' पर व्याख्यान दिया। यूनिवर्सिटी ऑफ टोलेडो, टोलेडो के साथ संयुक्त रूप से शोध करने के लिए उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण तकनीकी फैलोशिप प्राप्त हुई।
- डॉ. सीमा रॉय ने बायोवेद रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नालॉजी एण्ड साइंसेज इलाहाबाद द्वारा 17–18 फरवरी, 2018 को आयोजित भारतीय कृषि वैज्ञानिक एवं किसान कांग्रेस की बीसवीं बैठक में 'आयुर्वेद एन अल्टरनेट स्विच ओवर टू डबल द इन्कम ऑफ फार्मरर्स' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। न्यूरोएन्डोक्रिनोलॉजी एवं टिप्रोडक्टीव बायोलॉजी के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें डॉ. एस.एल.मिश्रा अवार्ड–2018 से सम्मानित किया गया।
- डॉ.मोनिका भदौरिया ने 03 दिसम्बर, 2017 को सीएमडी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'प्रोपोलिस फ्यूचर कन्टेन्डर फॉर हेपाटो प्रोटेक्शन' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- रावेन्शा यूनिवर्सिटी, कटक उड़ीसा में 29–31 अक्टूबर, 2017 को इण्डियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज एवं ट्रान्सलेशनल न्येरोसाइंस एवं मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा में इसके अनुप्रयोग पर आयोजित 35 वां अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. संतोष सिंह ने '' प्रोफाइल ऑफ ओक्सीडेटीव एण्ड निट्रोसेटिव फैक्टर इन द ब्रेन ऑफ मिनिमल हेपेटिक इनसेफेलोपेथी रेट्स'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। इन्हें '' डिफेरेंसियल पैटर्न ऑफ सोटटर्म वसेज लॉग टर्म

क्रोनिक लिवल फेलियोर लीड मिनिमल हेपेटिक इनसेफेलोपेथी इन रेट्स आर एसोसियेटेट विथ डिफरेसियल रेगुलेशन ऑफ निरोलन निट्रीक ऑक्साइड सेंथिस इन सेरेबरल करटैक्स एण्ड मेरेडेलम '' विषय पर प्रस्तुत पोस्टर के लिये 16 नवम्बर 2017 को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला।

- एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरू द्वारा 29–30 मार्च, 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्हें सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए अवार्ड दिया गया। डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने 25–26 मार्च, 2018 को मानव कल्याण के लिए पर्यावरणीय, शैक्षणिक एवं जीव विज्ञानी शोध पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज, बिलासपुर (छ.ग.) में 23 फरवरी, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में इन छात्रों को मौखिक प्रस्तुती पर श्रेष्ठ अवार्ड प्रदान किया गया – श्री मुद्दशीर बशीर, श्री युनूस अहमद हज्जाम।

2.1.5 प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य एवं सम्बद्ध विषयों के क्षेत्र में शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में स्वयं को विकसित करने के लिए सन् 1986 में वाणिज्य विभाग की स्थापना की गई। यह विश्वविद्यालय के प्राचीनतम् शिक्षण विभागों में से एक है। विभाग सेमिनार एवं सामूहिक चर्चा आयोजित कर छात्रों और शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें अवसर प्रदान करता है। सत्र 2017–18 के लिए वाणिज्य में पांच वर्षीय एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए सीटों की संख्या 120 थी एवं वाणिज्य में पीएच.डी. के लिए 05 शोध छात्रों का पंजीयन किया गया है।

प्रबंध अध्ययन विभाग

प्रबंध अध्ययन विभाग द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के लिए परिवर्तन और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए सन 1988 में प्रबंध अध्ययन विभाग की स्थापना की गयी। विभाग नये आर्थिक युग में विद्यार्थियों को प्रभावशाली प्रबंधक बनाने हेतु प्रयासरत है और सदैव गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने एवं उनके उद्यमी व जिज्ञासु प्रवृत्ति पर जोर देता है । विभाग भारत के अग्रणी प्रबंधनशालाओं में स्वयं को स्थापित करने हेतु सतत् प्रयत्नशील है । विभाग में सफलतापूर्वक शिक्षित एवं प्रशिक्षित विद्यार्थी देश–विदेश के प्रतिष्ठित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, बैकिंग, वित्त–विपणन, सामान्य प्रबंधन तथा शिक्षा क्षेत्र में चयनित हो रहे हैं। इनमें से कई अपने स्वयं के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रहे हैं ।

नशा मुक्ति दिवस

विभाग का प्रमुख उद्देश्य प्रबंधन में जीविका के अवसरों की प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों का प्रशिक्षण एवं विकास, वर्तमान में प्रतियोगी विश्व की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक अभिव्यक्तिपरक एवं रचनात्मक निर्णय की क्षमता का विकास करना, समाज के भावी प्रबंधक के रूप में विद्यार्थियों में उपयुक्त मूल्यों एवं व्यवहार का विकास करना, प्रबंधक के रूप में विद्यार्थियों में प्रबंधन क्षमता का विकास करना, शोध के माध्यम से प्रबंधन के क्षेत्र में नये कार्यक्षेत्रों के अनुसंधान पर बल देना है।

एमबीए पाठ्यक्रम

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) दो वर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम है। विभाग प्रबंधन में डाक्टोरल शोध की सुविधा प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार हैं

- प्रबंधन में कैरियर बनाने हेतु विद्यार्थियों का प्रशिक्षण एवं विकास।
- आधुनिक प्रतियोगी जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप विश्लेषणात्मक, अभिव्यक्तिपरक एवं रचनात्मक निर्णय लेने की क्षमता का विकास।
- सामाजिक रूप से जिम्मेदार प्रबंधन बनने के लिए विद्यार्थियों में आवश्यक मूल्यों एवं व्यवहार का अन्तर्निविष्ट करना।
- प्रबंधक/अधिकारी के रूप में प्रबंधकीय क्षमता बेहतर करना।
- अनुसंधान के माध्यम से प्रबंधन के विभिन्न कार्यक्षेत्रों में नये आयामों का विश्लेषण।

श्री सी.के.पोद्दार पूर्व निदेशक (आई.आर.) निलाचल इस्पात निगम लिमिटेड, भुवनेश्वर के साथ एक परिचय सत्र

अतिथि शिक्षक

श्री. सी.जी. होरा, निदेशक सीबीबीडी एवं श्री. सी. के. पोद्दार पूर्व निदेशक (आईआर) नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड, भुवनेश्वर ने विभाग का भ्रमण किया एवं प्रेरणा, परिवर्तन लाने वाला नेतृत्व सहित विभिन्न मुद्दों पर विद्यार्थियों को संबोधित किया।

संस्थान उद्योग पारस्परिक संवाद

- औद्योगिक भ्रमण के तहत एमबीए अंतिम सेमेस्टर के छात्रों ने एनटीपीसी, कोरबा का भ्रमण किया। विभाग के छात्रों को विभिन्न कम्पनियों में ऑन कैम्पस एवं ऑफ कैम्पस भर्ती के माध्यम से रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।
- सभी विद्यार्थी देश भर के विभिन्न संस्थानों में ग्रीष्म प्रशिक्षण परियोजना पूरा करते हैं।
- इस सत्र में भर्ती के लिए विभाग आने वाली कम्पनियां हैं – आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई प्रुडेन्शियल, जेनपैक्ट, कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट, सी कोर टेक्नोलॉजीस, मनी केपिटल हाइट रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड एवं वेज 2 केपिटल प्राइवेट लिमिटेड। एमबीए चौथे सेमेस्टर के 06 छात्रों का चयन परिसर चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया।

विभाग की गतिविधियाँ

- विभाग ने 16 व 17 नवम्बर, 2017 को 'भारत में पर्यटन उद्योग का विकास :मुद्दे एवं चुनौतियां' में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। यह सेमिनार पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित था।
- विभाग ने 18.04.2017 को जीजीयू यंग मैनेजर्स क्लब के तत्वावधान में वार्षिकोत्सव ''विहान–2017'' का आयोजन किया। वहीं एमबीए द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने 21.04.2017 को विदाई समारोह ''यादें'' आयोजित कर एमबीए चौथे सेमेस्टर के छात्रों की विदाई दी। दोनों समारोहों के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता प्रो. व्ही.एस.राठौर थे। उन्होंने छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।
- एमबीए III सेमेस्टर के छात्रों ने 08.09.2017 को एमबीए I सेमेस्टर के छात्रों के स्वागत के लिए 'आगाज'–2017 का आयोजन किया।

- विभाग में 05 सितम्बर, 2017 को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में एमबीए पहले एवं दूसरे सेमेस्टर के छात्रों ने भारत की वर्तमान शिक्षा नीति पर अपने विचार व्यक्त किए।

- विभाग ने 15 सितम्बर से 03 अक्टूबर, 2017 के बीच स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। शिक्षकों ने नियमित रूप से कक्षा में स्वच्छता के प्रति छात्रों को जागरूक किया। एमबीए तीसरे व पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने क्रमशः 26 व 27 सितम्बर, 2017 को परिसर की साफ–सफाई की। उन्होंने श्री लाल बहादूर शास्त्री जी की प्रतिमा के चारों ओर, और सायकल स्टैण्ड के सामने सफाई की। 'स्वच्छता' पर पोस्टर बनाओ कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। विभाग ने 02 अक्टूबर, 2017 को 'स्वच्छता पखवाड़ा' का समापन समारोह आयोजित किया।

- दिनांक 30 जनवरी, 2018 को विभाग के सभी कक्षाओं में 'नशा मुक्त दिवस' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एमबीए II एवं IV सेमेस्टर के छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किए एवं भाषण, कविता एवं तस्वीरों के माध्यम से नशे के दुष्परिणाम के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का समापन शपथ ग्रहण के साथ हुआ, जहां छात्रों ने स्वयं को एवं समाज को नशीली दवाओं की लत से दूर रखने का निर्णय लिया।

- मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. एल.पी. पटैरिया के निर्देशन में छात्र परिषद चुनाव का सफलतापूर्वक आयोजन विभाग में किया गया।

- विभाग ने 21 फरवरी, 2018 को सभा कक्ष में 'मातृभाषा दिवस' का आयोजन किया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- विभाग द्वारा 'भारत में पर्यटन उद्योग का विकास मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समन्वयक डॉ. बी.डी. मिश्रा, डॉ. (श्रीमती) बी.बी.पाण्डेय आयोजन सचिव एवं प्रो. हरीश कुमार, प्रो. एस.वी.एस. चौहान एवं प्रो. एल.पी.पटैरिया सलाहकार समिति के सदस्य थे।

- शिक्षकों ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों में सक्रियता से भाग लिया। वर्ष के दौरान शिक्षकों के 16 शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। शिक्षकों ने 14 अंतरराष्ट्रीय, 36 राष्ट्रीय सेमिनार व 01 कार्यशाला में भाग लेकर अकादमिक विकास में अपना योगदान दिया।

- प्रो. हरीश कुमार, प्रो. एस.व्ही.एस.चौहान, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम एवं अभिमुखी कार्यक्रम में प्रो. एल.पी.पटैरिया मुख्य वक्ता रहे।

- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित 'भारत नवोन्मेष' वैभवशाली अतीत से वर्तमान अभ्युदय तक' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो. हरीश कुमार, प्रो. एस.वी.एस.चौहान एवं प्रो. एल.पी.पटैरिया ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की।

- नैक पीयर टीम के सदस्य के रूप में प्रो. एस.वी.एस. चौहान एवं प्रो. हरीश कुमार ने कई विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों का दौरा किया।

- डॉ. बी.डी.मिश्रा ने छततीसगढ़ न्यायिक अकादमी, बिलासपुर में व्याख्यान दिया एवं आईआईटी, खड़गपुर में वित्तीय अधोसंरचना पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की और साथ ही शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने यूजीसी–एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर द्वारा आयोजित बीसवें अभिमुखी कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

- प्रो. हरीश कुमार ने प्राणीशास्त्र (दो व्याख्यान), रसायन शास्त्र, केमिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्यूनिकेशन, वनस्पति शास्त्र, भौतिकी, गणित एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग में उद्यमिता विकास पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कौशल विकास प्रकोष्ठ द्वारा 26–27 मार्च, 2018 को इण्डस्ट्रियल एण्ड मेकेनिकल इंजीनियरिंग में कैरियर एवं समकालीन उद्यम पर आयोजित कार्यक्रम में मार्गदर्शन दिया।

2.1.6 गणितीय एवं संगणकीय विज्ञान अध्ययनशाला

संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (पीजीडीसीए) के साथ संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1990 में की गई। इसके बाद सन् 1996 में संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी में एमएससी पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात् अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) नई दिल्ली से मान्यता मिलने पर सन् 1998 में मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) पाठ्यक्रम आरंभ किया गया।

इस विभाग का मूल उद्देश्य छत्तीसगढ़ एवं भारत के लोगों में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक मूल्यों के विकास के लिए ज्ञान का सृजन एवं प्रचार–प्रसार है।

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े किसी भी क्षेत्र में सिस्टम एनालिस्ट, सिस्टम डिजाइनर, प्रोग्रामर एवं मैनेजर के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना है। इसीलिए इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कार्यों पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को व्यापक ज्ञान प्रदान किया जाता है। एमसीए, एम.एससी (कम्प्यूटर साइंस) एवं बी. एससी (कम्प्यूटर साइंस) के छात्रों को आईटी जगत की कार्यप्रणाली की जानकारी देने के लिए एक पूरे सेमेस्टर उद्योगों में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। तथापि, पाठ्यक्रम में पर्याप्त लचीलापन, ताकि बाद में छात्र कम्प्यूटर विज्ञान में उन्नत अध्ययन कर सकें।

विभाग में नवीनतम विन्यास वाले उच्च कोटि के कम्प्यूटर काफी संख्या में हैं। प्रत्येक विद्यार्थी कम्प्यूटरों पर अभ्यास के लिए पर्याप्त समय देते हैं। केन्द्रीय पुस्तकालय के अलावा विभाग का अपना विभागीय पुस्तकालय भी है। संगणक विज्ञान विभाग के भवन में ही स्थित कम्प्यूटर केन्द्र को विभाग इन्टरनेट की सुविधा प्रदान करता है। यह केन्द्र विभाग की प्रयोगशाला के रूप में उपयोग किया जाता है। विभाग में योग्यता प्राप्त शिक्षक हैं, जो अन्य राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से सम्पर्क में रहते हुए उनसे सहयोग प्राप्त करते हैं। विभाग के शिक्षक शोध एवं विकास की गतिविधियों में भी सक्रियतापूर्वक भाग लेते हैं। शिक्षकों की काफी संख्या में शोध आलेख राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। भारत और दूसरे देशों में भी यहाँ के शिक्षकों को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया जाता है। विभाग में समय–समय पर विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थियों को रीयल टाइम परियोजना के लिए प्रेरित किया जाता है और सॉफ्टवेयर विकसित करने लाइव परियोजना कार्य, विशेष रूप से प्रतिष्ठित संस्थानों में दिया जाता है।

उद्योगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एवं छात्रों को वहाँ भेजने के प्रयास के लिए विभाग अपने पाठ्यक्रमों को लगातार संशोधित करता है। इसके लिए सॉफ्टवेयर संस्थानों से संवाद स्थापित किया जाता है। विभाग से उत्तीर्ण छात्र–छात्राएँ प्रतिष्ठित कम्पनियों एवं अच्छे संस्थानों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं।

विभाग की उपलब्धियाँ

- 15–16 फरवरी, 2018 को डाटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग एवं डाटा सुरक्षा पर सीईआरबी, डीएसटी भारत एवं सीजी कास्ट रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- पाठ्येत्तर गतिविधियों के प्रसार एवं विस्तार के लिए वार्षिक समारोह 'मिरसम' का नवम्बर, 2017 में आयोजन।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- यूजीसी एचआरडीसी, जीजीवी बिलासपुर द्वारा आयोजित अभिमुखी एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रो. ए.के.सक्सेना ने चार व्याख्यान दिये।
- एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर में 05.06.2017 से 24.06.2017 तक 'एडवान्सेज इन इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालाजी पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में डॉ.बी.मांझी एवं डॉ. एस.जायसवाल ने प्रतिभागिता की।

- डाटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग व सुरक्षा पर 15–16 फरवरी, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की, डॉ. बी.मांझी समन्वयक एवं श्रीमती पुष्पलता पुजारी, सह–समन्वयक थी। उन्होंने इस संगोष्ठी की स्मारिका (ISBN नम्बर के साथ ई बुक) का सम्पादन किया।
- सवीथा इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई में 21–22 सितम्बर, 2017 को ''पॉवर कन्ट्रोल सिग्नल एवं इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग'' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. बी.मांझी ने बीज वक्तव्य दिया। उन्होंने इस सम्मेलन में तकनीकी सत्र की भी अध्यक्षता की।
- डॉ. बी.मांझी, आईआईटी इंदौर द्वारा 22–24 दिसम्बर, 2017 को सिग्नल प्रोसेसिंग एवं मशीन इंटेलीजेंस पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कोलकता में इमर्जिंग टेक्नालॉजी इन डाटा माइनिंग पर 23–25 फरवरी को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में समीक्षक थीं।
- डॉ. बी.मांझी, आईईटी, एल्सव्हेयर एवं स्प्रिंगर जैसी विभिनन अंतरराष्ट्रीय संदर्भित शोध पत्रिकाओं में समीक्षक थीं।
- गिरसन यूनिवर्सिटी, फोर कास्ट रिसर्च लेबोरेटरी, टर्की द्वारा प्रकाशित टर्किश जर्नल ऑफ फोरकास्टिंग में सम्पादकीय मण्डल के सदस्य में डॉ. बी. मांझी का चयन किया गया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- विभाग के शोध छात्रों ने 01 अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं 02 राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दो विद्यार्थियों ने एनआईटी रायपुर में पीएच.डी. पाठ्यक्रम एवं एक विद्यार्थी ने एमटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया।

शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग

मास्टर ऑफ फिलासफी (एमफिल) पाठ्यक्रम के साथ विभाग की स्थापना सन् 1998 में हुई। वर्तमान में यह विभाग बीजगणित, सामान्य टोपोलॉजी, फंक्शनल एनालिसिस, फजी लाजिक एवं अनुप्रयोग, क्रिप्टोग्राफी, अवकलन ज्यामिति के विशेष क्षेत्रों में शोध एवं प्रशिक्षण के उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में धीरे–धीरे उभर रहा है। यहां के शिक्षकों का उद्देश्य सरल एवं रूचिकर तरीके से गणित में शोध/प्रशिक्षण/शिक्षण के क्षेत्र में विभाग को आगे बढ़ाना है, ताकि एक सामान्य छात्र गणित को अप्रायोगिक विषय न समझ कर इसका आनंद ले सके।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली पंक्ति में खड़े रहने के लिए विभाग ने गणित एवं अनुप्रयुक्त गणित के क्षेत्र में नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए और लगातार कर रहा है। विभाग के शिक्षकों का विश्व के प्रसिद्ध गणितज्ञों के साथ मिलकर संयुक्त रूप से शोध कार्य करने का बेहतर अनुभव है।

विभाग की उपलब्धियाँ

विभाग में 23–27 अक्टूबर, 2017 को ''ग्लोबल इनीशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क'' ज्ञान (GIAN) कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक था ''फिक्स्ड पाइंट थ्योरी इन प्राबेबिलिस्टक एण्ड फजी स्ट्रक्चर''। इस कार्यक्रम के लिए विभाग को कुल 8 हजार डॉलर (आईएनआर 5,44,000.00) प्राप्त हुए। इनमें विदेश से पधारे गणित के प्रोफेसर डोरेल मिहेट, वेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ टिमियोएरा, रोमानिया अतिथि वक्ता थें। वहीं कोलकाता के प्रोफेसर बी.एस.चौधरी भारतीय विषय विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हुए। पाठ्यक्रम समन्वयक थे पी.पी.मूर्ति।

- विभाग में 'गणितीय विज्ञान एवं अनुप्रयोग' पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। 200 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. पी.पी. मूर्ति अंतरर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका मिलीटरी टेक्निकल कोरियर (2217 4753 ऑनलाईन), (0041–8469 मुद्रित प्रति) के सम्पादकीय मण्डल के सदस्य (2017–2019) हैं।

- विभाग के अनेक शिक्षक अन्तर्राष्ट्रीय गणितीय शोध पत्रिकाओं में सम्पादकीय मण्डल के सदस्य एवं समीक्षक हैं।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

विभाग के एम.एससी./पीएच.डी विद्यार्थी सूचना प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा (एनआईटी/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय), स्कूल शिक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नियुक्त हुए हैं।

2.1.7 प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला

प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला के अंतर्गत तीन विभाग वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरणीय विज्ञान विभाग, एस.एल.टी भैषेजिक विज्ञान संस्थान एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी व सामाजिक विकास विभाग हैं।

वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग

वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग, सन् 1988–89 से वानिकी के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करने वाला राज्य का प्रमुख संस्थान है। यह वानिकी शिक्षा और अनुसंधान के लिए मध्य भारत में शीर्ष में हैं। विभाग ने बी.एससी. और एम.एससी. पाठ्यक्रम के लिए आईसीएफआरई। आईसीएआर द्वारा विकसित आधुनिक पाठ्यक्रम को लागू किया है। यह पाठ्यक्रम वानिकी एवं इससे संबंधित विषयों में एकीकृत ज्ञान एवं कौशल के विकास पर केन्द्रित है और इसे आईएफएस, एसएफएस, एआरएस जैसी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। हमारा ध्येय है– '' क्षेत्र और देश में वानिकी की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए वानिकी एवं इससे संबंधित विषयों में शिक्षा, अनुसंधान व विस्तार में उत्कृष्ठता को बढ़ावा देना। '' विभाग में कई ऐसे नामी शिक्षक हैं, जो विभिन्न शोध परियोजनाओं में काम कर रहें हैं एवं विभिन्न संस्थाओं एवं विभागों में कई कार्यक्रमों में आमंत्रित व्याख्यान देते हैं।

कुलपति द्वारा नवनिर्मित भवन परिसर में आम का पौधा लगाते हुए

- वानिकी को व्यावसायिक उपाधि के रूप में चुनने के लिए विद्यार्थियों को व्यापक विस्तार हेतु मंच प्रदान करना।
- वानिकी एवं इससे संबंधित विषयों में शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को नवीन ज्ञान एवं कौशल उपलब्ध कराने एवं देश में प्रशिक्षित वानिकी जनशक्ति की आवश्यकता को पूर्ण करना।

ग्रामीण और वन्य ग्रामों, वन उद्योगों, शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों में विद्यार्थियों का प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा है। ऐसा व्यावहारिक ज्ञान को विकसित करने,औद्योगिक और शोध के वातावरण में कार्य करने एवं छात्रों में उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। वानिकी से संबंधित कार्यों की जानकारी देने के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर को छात्रों को राज्य वन विभाग, बायोस्फीयर रिजर्व, नेशनल पार्क, वन्यजीव अभ्यारण्यों आदि में अनिवार्य रूप से सम्बद्ध किया जाता है।

कार्य क्षेत्र

- राष्ट्रीय कृषि आयोग (एनसीए) 1976 की अनुशंसा के अनुसार वानिकी में मानव संसाधन की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए वानिकी में उपाधि पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया।
- उपाधि के पाठ्यक्रम का निर्माण वानिकी विज्ञान स्नातकों को आवश्यक वैज्ञानिक/तकनीकी एवं प्रशासनिक सामर्थ्य प्रदान करने के लिए किया गया, जिससे वे रेंज वन अधिकारी (आरएफओ) एवं सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) का

पदधारण करने के लिए तैयार हो सकें।

- वानिकी स्नातकों के लिए नर्सरी एवं पौधारोपण प्रबंधक, पल्प एवं पेपर उद्योग जैसे वन आधारित उद्योगों, लघु उद्योगों, कॉटेज उद्योगों आदि में रोजगार की व्यापक संभावनाएं एवं अवसर हैं। वानिकी में एम.एससी. एवं पीएच.डी. कर रहें छात्र, प्रतियोगी परीक्षा एवं राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर वैज्ञाानिक या सहायक प्राध्यापक बन सकते हैं।

परास्नातक वानिकी विभाग एवं राज्य वन विभाग का संयुक्त कार्यक्षेत्र अनुभव

अधोसरंचना

वर्तमान में वानिकी विभाग पेल्टाफोरम के सघन वृक्षों से आच्छादित भव्य भवन में संचालित है। एक अन्य भवन का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है, जहां कर्मशाला, संग्रहालय एवं उन्नत अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी।

विभाग में सीएचएनओएस, टोटल कार्बन एनालाइजर, विन्डियाज, लाइका कम्पाउंड माइक्रोस्कोप, स्टीरियो, माइक्रोस्कोप, फोटोसिंथेसिस एनालाइजर, माइक्रोटोम, मीटियरोलाजिकल स्टेशन, टोटल एटेशन, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, ओजोन एनालाइजर, रिमोट सेसिंग बोस्ट साफ्टवेयर आदि प्रयोगशाला सुविधाओं से परिपूर्ण है। छात्रों एवं शोध छात्रों के शोध एवं प्रायोगिक कार्यों के लिए ग्लास हाऊस और वानिकी नर्सरी भी संधारित किया गया है।

विभाग की गतिविधियाँ

- विभाग अपने विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें सुविधा प्रदान करता है। इसके लिए वन्य जीव फोटो और वीडियोग्राफी, अपशिष्ट कला आदि पर विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। 'फोटोग्राफी' पर ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर 1 नवम्बर 2017 एवं 21 मार्च, 2018 को किया गया।

- इसके अलावा, वनों एवं वन्यजीव के संरक्षण हेतु विभाग ने ''सांपों की पहचान एवं काटने से बचाव ' पर जागरूकता

पर्यावरण संरक्षण के लिए वानिकी विभाग के छात्रों द्वारा निर्मित नारा, पोस्टर

वानिकी विभाग द्वारा आयोजित सफाई अभियान में विद्यार्थियों की सक्रिय भागिदारी

कार्यक्रम का आयोजन 10 अक्टूबर, 2017 को किया, जिसमें दूसरे विभाग के छात्रों सहित 190 विद्यार्थियों ने भाग लिया। साथ ही राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारण्यों में वन्यजीव जनगणना के लिए विद्यार्थियों को बढ़ावा दिया।

- क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ सम्पर्क एवं संवाद के लिए ख्याति प्राप्त प्राध्यापकों के व्याख्यान की शृंखला आयोजित की गई।

प्रो. एन.पी.टोडरिया, एचएनबी गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालय इलाहाबाद के प्रो. गिरिजेश कुमार ने सितम्बर, 2017 एवं डॉ. डी.के.उपराती, पूर्व निदेशक राष्ट्रीय वनस्पतिक शोध संस्थान (एनबीआरआई), लखनऊ के पूर्व निदेशक एवं आईएनएसए फेलो, डॉ. डी.के. उपराती ने 6 फरवरी, 2018 को 'लिचन' पर विभाग में व्याख्यान दिया।

छात्र गतिविधियाँ

- वनों में कार्य करने का अनुभव एवं गाँवों के सामाजिक आर्थिक अध्ययन के लिए अगस्त–सितम्बर 2017 में बी.एससी. सातवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों को राज्य वन विभाग से सम्बद्ध किया गया। दिनांक 13–14 नवम्बर, 2017 को उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में 12 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए भी उन्हें आमंत्रित किया गया।
- ग्रामीणों की निर्भरता से वनों पर दबाव का आंकलन करने के लिए, बी.एससी. वानिकी पांचवें सेमेस्टर के छात्रों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गाँव रिंगवार का अक्टूबर, 2017 में दौरा किया।
- एम.एससी. प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने औषधीय संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन का अध्ययन करने के लिए अक्टूबर, 2017 ने महिला समूह के माध्यम से कटघोरा वन मण्डल के डोंगानाला एवं औषधीय पादप संरक्षण क्षेत्र (एमपीसीए) का अध्ययन किया।
- वन संबंधित कार्य के अनुभव के लिए एम.एससी. चौथे सेमेस्टर के विद्यार्थियों को फरवरी, 2018 से तीन माह के लिए वन विभाग बिलासपुर क्षेत्र से सम्बद्ध किया गया। यहां उन्हें वन विभाग द्वारा कार्य योजना तैयार करने कृषि वानिकी, एनटीएफपी, हाथी भालू परियोजना आदि से संबंधित कार्य दिए गए।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- प्रो. एस.एस.सिंह ने विश्वविद्यालय के मानव संसाधन केन्द्र (एचआरडीसी) द्वारा ''पृथ्वी पर वन पर्यावरण एक सिंहावलोकन'' पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रो.एस.एस.सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा 15–17 अक्टूबर, 2017 को भारत नवोन्मेष पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र की अध्यक्षता की।
- प्रो. एस.एस.सिंह ने एचआरडीसी द्वारा वनस्पति विज्ञान में ''वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन'' पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 13 दिसम्बर, 2017 को व्याख्यान दिया।
- डॉ. एस.एस.धुरिया, सह आचार्य ने एचआरडीसी द्वारा 'वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन' पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 21 नवम्बर, 2017 को व्याख्यान दिया।
- डॉ. एस. एस. धुरिया, सह आचार्य ने 22–14 फरवरी 2018 को सेंट जेवियर कॉलेज रांची, झारखंड में आयोजित आईसीएईए–2018 में ''ट्री प्रोडक्शन'' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. रश्मि अग्रवाल, सह आचार्य ने एचआरडीसी द्वारा पृथ्वी विज्ञान पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 11 सितम्बर, 2017 को ''बायोलॉजिकल प्रापर्टीज ऑफ फॉरेस्ट सायल'' पर व्याख्यान दिया।
- यूजीसी – एचआरडीसी द्वारा 4–23 सितम्बर, 2017 को पृथ्वी विज्ञान पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक संयोजन डॉ. एस.एस.धुरिया, सह आचार्य ने किया।
- डॉ. एस. सी. तिवारी, सह आचार्य ने 2 दिसम्बर, 2017 को एचआरडीसी द्वारा ''रिस्पांसिबल फॉरेस्ट्री फॉर मिटीगेशन ऑफ लाइनेट चेंज '' पर विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।
- एचआरडीसी, जीजीवी द्वारा पृथ्वी विज्ञान पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 8 व 9 सितम्बर, 2017 को डॉ. के.के.

चन्द्रा, सह आचार्य ने विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

- डॉ. के.के.चन्द्रा, सह आचार्य ने एचआरडीसी, जीजीवी द्वारा आयोजित 19 वें अभिमुखी कार्यक्रम में 18 नवम्बर, 2017 को विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।
- डॉ. के.के.चन्द्रा, सह आचार्य ने एचआरडीसी, जीजीवी द्वारा वनस्पति विज्ञान पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 16 दिसम्बर, 2017 को विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।
- डॉ. के.के.चन्द्रा, सह आचार्य ने 4 जनवरी, 2017 को धमतरी (छ.ग.) में आयोजित ट्रेडिशनल हीलर एसोसिएशन की वार्षिक बैठक में अतिथि वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- डॉ. के.के.चन्द्रा, सह आचार्य ने एचआरडीसी, जीजीवी द्वारा आयोजित 20 वें अभिमुखी विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।
- डॉ. के.के.चन्द्रा, सह आचार्य को इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर ए बी एनिमल साइंस, हैदराबाद, भारत के लिए सम्पाकीय सदस्य नामित किया किया।
- फुकेट, थाईलैण्ड में 'रिसेन्ट एडवान्सेस इन इंजीनियरिंग टेक्नालॉजी एण्ड साइंस' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 8 जनवरी, 2018 को डॉ. अजय कुमार सिंह को सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुतिकरण का अवार्ड दिया गया।
- डॉ. अजय कुमार सिंह तदर्थ प्राध्यापक, को वैज्ञानिक एवं पर्यावरणीय अनुसंधान संस्थान कोलकाता, आईआईईई नई दिल्ली एवं सीओआईयू, नई दिल्ली द्वारा भारत अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में 5 जून, 2017 को " एनवायरमेंटल बायलॉजिस्ट ऑफ द ईयर 2017 " से सम्मानित किया गया। उन्हें अमेरिकन जर्नल ऑफ रिमोट सेसिंग, यूएसए एवं ग्लोबल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी एण्ड स्टडीज, इण्डिया के सम्पादकीय मण्डल का सदस्य नामित किया गया है।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए जनवरी, 2018 में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रो. आलोक चन्द्राकर ने पहले स्थान पर पुरस्कार जीता।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- प्रो. एस.एस.सिंह एवं डॉ. एस.सी.तिवारी के शोध छात्र क्रमशः मोहम्मद रफी वानी एवं मोहम्मद इकबाल को पीएच.डी. अवार्ड किया गया।
- तीन शोधार्थियों सुनील कुमार तिवारी, सुश्री मेरी एक्का एवं सुश्री प्रियंका गर्ग ने पीएच.डी. के लिए अपना शोध प्रबंध जमा किया।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित ग्लोबल इवेंट चित्रकला प्रतियोगिता में बी.एससी. सातवें सेमेस्टर की छात्रा आकृति ताम्रकार ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- बी.एससी. तीसरे सेमेस्टर के छात्र श्री अभिजीत शर्मा एवं फैज़ अहमद ने सितम्बर, 2017 में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डस्ट्रियल टेक्नालॉजी, उड़िसा द्वारा आयोजित अंतर विश्वविद्यालय स्पर्धा में विश्वविद्यालय की बैडमिंटन टीम में प्रतिनिधित्व किया।
- बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कु. प्रियंका साहू ने सितम्बर, 2017 में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डस्ट्रियल टेक्नालॉजी, ओड़िसा द्वारा भाषण एवं योग पर आयोजित अन्तर विश्वविद्यालय स्पर्धा में भाग लिया।
- कु. पूनम जेस (एम.एससी. प्रथम सेमेस्टर) एवं श्री अम्बिका पैकरा (एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर) ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गाँधीनगर में 26 सितम्बर से 3 अक्टूबर, 2017 तक आयोजित गुजरात कला

एवं संस्कृति प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

- बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री मनीष श्रीवास विश्वविद्यालय हॉकी टीम के लिए चयनित हुए। उन्होंने 28 अक्टूबर, 2017 को भुवनेश्वर, ओडिशा में मैच खेला एवं जीता।
- छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर 7 नवम्बर, 2017 को आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता कु. यामिनी वर्मा (एम.एससी. वानिकी तृतीय सेमेस्टर) ने प्रथम एवं श्री विमल वर्मा (बी.एससी. पॉचवा सेमेस्टर) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- जनवरी, 2018 में विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता में बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर में कु. नेहा राठौर ने स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. सप्तम् सेमेस्टर की छात्रा आकृति ताम्रकार को सत्र 2017–18 के लिए जेण्डर चैम्पियन चुना गया।
- बी.एससी. पंचम् सेमेस्टर के छात्र श्री आकाश कश्यप, श्री आकाश भूषण, श्री मिथल मिलेश एवं फिजा कुरेशी ने जनवरी, 2018 में अचानकमार टाईगर रिजर्व में आयोजित अखिल भारतीय टाईगर एस्टीमेशन 2018 में भाग लिया।
- श्री शिवम मिश्रा (बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर) ने 18 मार्च 2018 को एनआईटी रायपुर में आयोजित ''मोनोएक्टिंग ''प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- जानवी साहू, सुनयना मिंज, अन्नपूर्णा सुधाकर, कार्निक वर्मा, मोनिका क्रांति, प्रतिमा सिंह, रीतू साहू, निशा अवस्थी (बी. एससी. वानिकी चतुर्थ सेमेस्टर) ने एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में सोसायटी फॉर कन्जर्वेशन बायलॉजी, एआईएसस सेक्शन द्वारा 19–20 मार्च 2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- पंण्डित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर 29–30 मार्च 2018 को 'जल संरक्षण की मांग' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''सिवेज जल उपचार'' पर आधारित मॉडल के लिए एम.एससी. वानिकी द्वितीय सेमेस्टर के छात्र ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- बी.एससी. वानिकी प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री दिनेश नायक का कीबोर्ड पियानो बजाने हेतु विश्वविद्यालय तरंग बैंड के लिए चयन किया गया।
- श्री शिवम मिश्रा, श्री निखिल अग्रवाल (बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर) एवं अमन कुमार (एम.एससी. वानिकी तृतीय सेमेस्टर) ने विश्वविद्यालय के युवा संसद कार्यक्रम में भाग लिया।
- श्री शिवम मिश्रा एवं श्री दीपेश साहू (बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर) विश्वविद्यालय छात्र परिषद 2018 के सदस्य निर्वाचित हुए।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रसिका जाधव ने वैश्विक हरित क्रांति कार्यक्रम 2018 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

विभाग द्वारा आयोजित अन्य गतिविधियाँ

अंतरराष्ट्रीय वानिकी दिवस

विभाग ने 'स्मार्ट शहरों के लिए स्थायी वन' विषय पर अंतरराष्ट्रीय वानिकी दिवस का आयोजन 21 मार्च, 2018 को किया। इस अवसर पर विभाग ने 19–21 मार्च के दौरान विश्वविद्यालय स्तर पर प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, रंगोली, कविता शुष्क पुष्प कला,

नारा लेख एवं लघु फिल्म प्रतियोगिता, का आयोजन किया, जिसमें विश्वविद्यालय के 200 विद्यार्थियों ने सक्रियतापूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में श्री निर्मल अवस्थी, सचिव नेशलन हीलर एसोसिएशन ऑफ इण्डिया शामिल हुए। साथ ही प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला, गणितीय एवं संगणकीय अध्ययनशाला एवं भौतिकीय विज्ञान अध्ययनशाला के अधिष्ठाता भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस

विभाग में 5 जून, 2017 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभाग एवं विश्वविद्यालय में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही विभाग में ग्लास हाऊस के पास पौधे भी लगाए गए।

वृक्षारोपण गतिविधियाँ

- वृक्षारोपण विभाग की नियमित एवं महत्वपूर्ण गतिविधि है, जो विश्वविद्यालय के हरे–भरे परिसर में प्रतिबिम्बित होती है। 20 जुलाई, 2017 को विश्वविद्यालय परिसर में रसायन शास्त्र एवं प्राणी शास्त्र के नए भवन के पास सघन वृक्षारोपण अभियान प्रारंभ किया गया। कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता एवं विभाग व विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकारियों एवं शिक्षकों ने मौलश्री, 5 किस्मों के आम एवं प्राइड ऑफ इंडिया के पौधे लगायें।

- विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की विश्वविद्यालय इकाई ने संयुक्त रूप से 12 सितम्बर 2017 को यूटीडी में इरेका पाम के पौधे लगायें। विश्वविद्यालय का मानना है कि पौधे लगाना समृद्धि का प्रतीक है। इसी भावना के साथ विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर 15 जनवरी, 2018 को कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता एवं श्री सोनमणी बोरा, सचिव, जल संसाधन विभाग छत्तीसगढ़ शासन ने कैंटीन के पास आम के पौधे लगाये।

भैषजिक विज्ञान संस्थान

छत्तीसगढ़ में भैषजिक विज्ञान के क्षेत्र में व्यावसायिक रूप से सक्षम मानव शक्ति के विकास के उददेश्य से वर्ष 1997 में भैषजिक विज्ञान विभाग की स्थापना की गई। विभाग ने इस वर्ष अपना दो दशक पूरा कर लिया है । संस्था के अंतर्गत संचालित समस्त पाठ्यक्रम ऑल इंण्डिया कांउसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (ए.आई.सी.टी.ई.) नई दिल्ली एवं फार्मेसी कांउसिल आफ इण्डिया (पी.सी.आई.) नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है। संस्था का लक्ष्य विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा प्रदान करना है ताकि वे शोध के क्षेत्र में अपने को एक विकसित एवं कुशल नेतृत्वकर्त्ता के रूप में स्वस्थ व्यवसाय एवं इंटर प्रिन्योरशिप के क्षेत्र में सफल हो सके। नेशनल इन्स्टीटयूशनल रैंकिग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) के 2017–18 के सर्वेक्षण में 50 संस्थानों में 34 वाँ स्थान प्राप्त किया एवं छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान मिला। विभाग योग्यता प्राप्त शिक्षक उच्च स्तरीय प्रयोगशालाओं एवं संवेदनशील, परिष्कृत विश्वस्तरीय उपकरणों के माध्यम से गुणवत्तायुक्त व्यवसायिक शिक्षा एवं शोध कार्यों के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विभाग में 27 अनुभवी शिक्षक, उच्च स्तरीय उपकरण एवं एक समृद्ध पुस्तकालय है।

विभागीय गतिविधियाँ

पी.सी.आई. निरीक्षण– 5–6 जुलाई, 2017 को भारतीय भैषजिक परिषद् द्वारा एम.फार्मा पार्ट का निरीक्षण किया गया। पी.सी.आई. के सदस्यों ने कुलपति से मुलाकात की और संस्थान के विकास के लिए आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की।

वी.ई.टी. (VET) (एम.फार्मा. नॉन जी.पी.ए.टी.)

संस्थान ने पहली बार नॉन जी.पी.ए.टी.वी.ई.टी. (VET) की शुरूआत की और 20 जून, 2017 को सफलतापूर्वक परीक्षा एवं नामांकन सम्पन्न किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

12 फरवरी, 2018 को एस.एल.टी. भैषजिक विज्ञान संस्थान में 'दवा की खोज, विकास एवं वितरण व्यवस्था के वर्तमान परिपेक्ष्य'

विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। जाधवपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विश्वजीत मुखर्जी सेमिनार के विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता थे। प्रो. विनोद डी. रंगारी ने भी सेमिनार में विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. जे.एस. दांगी सेमिनार के सम्मानित अतिथि थे।

शोध परियोजना वित्तीय पोषण

डॉ. निशांत जैन, सहायक प्राध्यापक, ने एस.ई.आर.बी. (ई.एम.आर.) नई दिल्ली से 48 लाख का प्रोजेक्ट प्राप्त किया। जगदीश सिंह ने लगभग 29 लाख का प्रोजेक्ट प्राप्त किया। डॉ. विवेकानंद मण्डल ने डी.एस.टी. से 40 लाख एवं 9.85 लाख के दो प्रोजेक्ट प्राप्त किये।

पेटेंट

इण्डियन पेटेंट कार्यालय में दिये गये आवेदन के आधार पर डॉ. वी.डी. रंगारी एवं डॉ. विवेकानंद मण्डल को इण्डियन पेटेंट प्राप्त हुआ। डॉ. सुरेश थरेजा एव श्री संत कुमार ने अपने सहयोगियों के साथ सी.सी.ओ.एस.टी., रायपुर के सहयोग से टी.आई.एफ.ए. सी., डी.एस.टी. नई दिल्ली द्वारा 17 जुलाई, 2017 को पेटेंट के लिए आवेदन किया। नई दिल्ली पेटेंट कार्यालय द्वारा पेटेंट आवेदन संख्या समुनदेशित किया गया।

रक्तदान शिविर

11 जनवरी, 2018 को स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन के अवसर पर भैषजिक भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की समस्त इकाईयों एवं सिम्स (CIMS) बिलासपुर के सहयोग से आयोजित किया गया।

इण्डस्ट्रीयल विजिट

भैषजिक विज्ञान संस्थान में दो फार्मा उद्योगों का सफलतापूर्वक औद्योगिक टूर का आयोजन किया। यह टूर 21 फरवरी, 2018 से 02 मार्च, 2018 तक आयोजित था। इस टूर के दौरान एक्मे लाइफटेक एल.एल.पी. और निक्विन हेल्थ केयर, बद्दी, सोलन हिमालच प्रदेश और चण्डीगढ़ तथा शिमला के औद्योगिक क्षेत्रों की यात्रा की गई। इस औद्योगिक यात्रा में संस्थान के 33 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिनके साथ विभागीय सदस्य के रूप में डॉ. भारती अहिरवार, डॉ. प्रदीप कुमार सामल और डॉ. पी.पी. रॉय थे।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- भारतीय विश्वविद्यालय संघ (सी.आई.आई.) इण्डियन साइटेशन इनडैक्स (आई.सी.आई.) के रिपोर्ट के अनुसार डॉ. दिलीप कुमार पाल को केन्द्रीय विश्वविद्यालय में प्रकाशित शोध प्रपत्र के अधिकतम साईटेशन के लिए सर्वश्रेष्ठ 100 शोध पत्र लेखकों में शामिल किया गया । उन्हें 74 वाँ रैंक प्राप्त हुआ।

- दिल्ली फार्मायूटिकल साइंस एण्ड रिसर्च यूनिवर्सिटी (बी.पी.एस.आर.यू.) दिल्ली द्वारा 2–4 फरवरी, 2018 को ''चैलेंजेस फॉर ग्लोबल काम्पटेटियूनेस ऑफ आयुश नेचुरल प्रोडक्टस'' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. विवेकानंद मण्डल ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया एवं प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। 11 जनवरी, 2018 को इंटरनेशनल रिसर्च फाउंडेशन चेन्नई द्वारा आयोजित वेनस इंटरनेशनल रिसर्च मीट में डॉ. मण्डल को आउटस्टैंडिंग साइंटिस्ट का अवार्ड दिया गया।

- डॉ. विवेकानंद मण्डल ने आर.जी.एन.आई.आई.पी.एम. (इंस्टीटयूट अण्डर मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स –इण्डस्ट्री) नागपुर द्वारा 19–23 मार्च, 2018 को आयोजित 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। ये विश्वविद्यालय द्वारा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नामित किये गये थे।

अकादमिक विदेश प्रवास

- डॉ. एच.एस. बोड़खे, डॉ. के.पी. नामदेव और डॉ. प्रशांत मिश्रा ने 08–09 दिसंबर, 2017 को इंटरनेशनल साइंस कम्युनिटी एसोसियेशन एवं कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, रिनचेडिंग, भूटान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 7वाँ अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस में अपने प्रपत्र पढ़े।

- डॉ. भारती अहिरवार ने 13 से 15 जनवरी 2018 को भैषजिक विज्ञान संकाय, ढाका विश्वविद्यालय, ढाका, बंग्लादेश द्वारा आयोजित ''पाँचवें इन्टरनेशनल कांग्रेस फार दी सोसाईटी ऑफ इथनो फार्माकोलॉजी'' में भाग लिया एवं शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

- 28 फरवरी से 3 मार्च, 2018 तक सनटेन सिंगापुर कन्वेशन एण्ड एक्जीविशन सेंटर, सिंगापुर में आयोजित इन्टरनेशनल कांफ्रेस फार –ईस्ट 2018 एशियाज फार्मा एण्ड बायोटेक फेस्टिवल में डॉ. के. केशवन को विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । इस कार्यक्रम का आयोजन टेर्रापिन प्रा.लि. ने किया।

2017–18 में मुख्य आधारिक संरचना में विकास

- सिविल और इलेक्ट्रोनिकल कामों (लेबोरेटरी प्लेटफार्म, पार्टिशन, गर्ल्स कामन रूम इत्यादि) की शुरूवात कई प्रयोगशालाओं में किया गया एवं सम्पन्न हुआ। एम0 फार्मा एवं शोधार्थी प्रयोगशाला का मरम्मत कार्य संपन्न किया गया।

- कुछ अति संवेदी उपकरण जैसे स्वचालित साक्सलेट एक्स्ट्रेकशन यूनिट (15.5 लाख) एवं माइक्रोबेब संस्थान में स्थापित किया गया ।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- जी.पी.ए.टी. (GPAT) और गेट (GATE) परीक्षा में 09 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त किया है। (01 बी.फार्मा., षष्ठम सेमेस्टर, 07 बी.फार्मा, अष्ठम् सेमेस्टर, 01 एम.कॉम द्वितीय सेमेस्टर छात्रों के नाम इस प्रकार हैं प्रकाश पाण्डेय, स्वर्णाभ जेना, दिब्या सोनी, हर्षवर्धन सिंह, सूरज कुमार सिंह, कामिनी मधुकर, दिलहरण, प्रीति लकड़ा, अकांक्षा टोप्पो, बलराम पटेल ने गेट (GATE) 2018 में सफलता प्राप्त किये हैं ।

छात्रवृत्ति एवं छात्रों को प्राप्त पुरस्कार

राष्ट्रीय वित्त पोषित संस्थानों द्वारा संस्थान के शोधार्थी (श्री लोकेश वर्मा, सीएसआईआर–एसआरएफ, सुश्री प्रीति पटेल को यूजीसी (UGC) – ओबीसी नेशनल फेलोशिप प्राप्त हुआ तथा श्रीमती लक्ष्मी बंजारे को यूजीसी (UGC) – आरजीएनएफएससी) छात्रवृत्ति मिली ।

निम्नलिखित विद्यार्थियों को विभिन्न राष्ट्रीय सेमिनारों में पुरस्कार प्राप्त हुये :

- 12 फरवरी, 2018 को भैषजिक विज्ञान विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में श्रीमती स्वाहा सतपती (शोधार्थी) ने पोस्टर प्रस्तुतिकरण में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

- 23 फरवरी, 2018 को चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में श्री कवि भूषण (डीएसटी–एसईआरबी प्रोजेक्ट फेलो) सुश्री रोशनी टाण्ड (शोधार्थी) एवं श्रीमती पूजा मोंगिया राज ने पोस्टर प्रस्तुतिकरण में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया है । सेमिनार का विषय ''इथनो मेडिसीन– ए सोर्स ऑफ कम्प्लीमेंट्री एण्ड अल्टरनेटिव मेडिसीन फॉर नेविगेटिंग द फयूचर इन थेराप्यूटिक'' था। सेमिनार आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित था।

- मार्च 17–18, 2018 को भैषजिक विज्ञान विभाग इंदिरा गांधी नेशनल ट्राईबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक (एम.पी.) द्वारा ''एमर्जिंग ट्रेंग इन ड्रग डिस्कवरी, फार्माश्यूटिकल सांइस एण्ड बायोमेडिकल रिसर्च'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में श्री बालक दास कुर्मी (शोधार्थी) को सर्वश्रेष्ट मौखिक प्रस्तुति का पुरस्कार मिला ।

- छः शोध मौखिकी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए – श्रीमती शिल्पी, श्री सचिन हीरादवे, श्री संजय गुप्ता, श्री विजय कुमार और श्री राकेश राज के शोध निर्देशक क्रमशः प्रो. जे.एस.दांगी, प्रो. व्ही.डी. रंगारी, डॉ. एच.एस. बोड़खे, डॉ. हरिश रजक और डॉ. अल्पना राम थे।

- छात्र परिषद् चुनाव 2017–18 में विभाग के तीन विद्यार्थी श्री स्वर्णाभ जेना, विमल कुमार और एकता सिरभाते का चयन हुआ। स्वर्णाभा जेना छात्र परिषद् के सचिव चुने गये ।

औद्योगिक उपकमों में विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

बी. फार्मा, VIII सेमेस्टर के विद्यार्थियों का चयन विभिन्न फार्मास्यूटिकल कम्पनियों में हुआ। चयनित छात्रों के नाम इस प्रकार हैं–

श्री पम्मी खन्ना, (एलेम्बीक फार्मास्यूटिकल, बड़ोदरा) श्री मोहम्मद शहनवाज (गुजरात टेरसे,अहमदाबाद) श्री पंकज कुमार (टोरेंट फार्मास्यूटिकल, अहमदाबाद) श्री रोशनलाल पमनानी (सेन्चूर फार्मास्यूटिकल, मुम्बई) श्री ओम प्रकाश (न्योन फार्मास्यूटिकल, मुम्बई) सुश्री पूजा आनंद (अरूणम लाईफ सांइस, अहमदाबाद) श्री अभिषेक केशरवानी (सिप्ला फार्मास्यूटिकल, मुम्बई) श्री दीपक केंवट (श्रेया फार्मास्यूटिकल, मुम्बई) श्वेता सिंह (सिम्स, बिलासपुर) श्री जीतेन्द्र मिश्रा (मैकलियोड्र्स, मुम्बई) श्री दीपक कश्यप (मैकलियोड्र्स फार्मास्यूटिकल, मुम्बई) श्री दुर्गेश पाली (सन फार्मास्यूटिकल, अहमदाबाद) श्री रवि चौहान (माइक्रो लैब्स, बैंगलोर) और सुश्री मेघा डे (सिप्ला फार्मास्यूटिकल, मुम्बई)

ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग

ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग की स्थापना सन् 2001 में इस उद्देश्य के साथ की गयी थी कि विद्यार्थियों एवं ग्रामीण कारीगरों का शिक्षण एवं शोध के माध्यम से सम्पूर्ण विकास किया जा सके। ग्रामीणों के पारम्परिक ज्ञान को विभाग द्वारा शोध कर जरूरत आधारित तकनीकों द्वारा आधुनिक एवं कम लागत का बनाकर इस्तेमाल किया जा सके, जिससे ग्रामीणों का सतत् विकास हो सके। वर्तमान में ग्रामीण प्रौद्योगिकी में विभाग द्वारा नौकरी एवं उद्यमिता आधारित स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधि पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं, जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्तमान में विभाग में 07 नियमित एवं 03 अस्थायी शिक्षक कार्यरत हैं, जो विभिन्न शैक्षणिक योग्यता धारक हैं तथा देश के अलावा विदेशों के विभिन्न शोध संस्थानों के अनुभव के साथ अन्तरराष्ट्रीय वैज्ञानिक रूझान रखते हैं। विभाग के वर्तमान भवन में सुसज्जित प्रयोगशालायें, शैक्षणिक कक्ष, सभागृह सह ग्रंथालय, शोधार्थी कक्ष, शिक्षक कक्ष, महिलाओं का सामान्य कक्ष, विभिन्न सांस्कृतिक खेल–कूद हेतु आंगन उपलब्ध है। विभागीय ग्रंथालय में लगभग 2000 हजार पुस्तकें उपलब्ध हैं। केंचुआ खाद, जैविक खाद, मधुमक्खी पालन, रेशम कीट पालन, एजोला,नील हरित शैवाल ,लाख उत्पादन तथा मशरूम कल्चर आदि की प्रदर्शन इकाई प्रायोगिक कार्यों एवं उत्पादन हेतु स्थापित की गई है। औषधीय पौधे नर्सरी में 300 से ज्यादा पौधों की जातियाँ हैं। रू0 64 लाख से ज्यादा की शोध परियोजनायें एवं के.डब्ल्यू.पी.सी.एल. द्वारा प्रदत्त रू. 2.55 लाख की परामर्श परियोजनायें पूर्ण हो चुकी हैं। विभाग से पास हो चुके विद्यार्थी शासकीय विभागों जैसे एन.आर.एल.एम., जिला पंचायत, वानिकी, ग्रामीण अभियांत्रिकी तथा कई अन्य अशासकीय संस्थानों में कार्यरत हैं। विभाग से पास हो चुके कुछ विद्यार्थियों ने स्वयं के उद्यम स्थापित किये हैं तथा विभाग द्वारा समय–समय पर उन्हें हर क्षेत्र में आवश्यक तकनीकी सहायता एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाता है।

विभागीय गतिविधियाँ

- विभाग के विद्यार्थियों ने टसर सिल्क उत्पादन हेतु अर्जुन एवं साजा के 300 पौधे लगाये हैं, 50 टीक तथा 25 सीताफल के पौधों को प्रदर्शन इकाई भू–खण्ड में 05 से 17 अगस्त, 2017 के मध्य रोपित किया है।
- विभाग ने 30 कम्प्यूटर के साथ सुदूर संवेदन प्रयोगशाला स्थापित की है।
- प्रो. हरीश कुमार एवं डॉ. अमित मंगलानी ने ''उद्यमिता विकास : कठिनाइयाँ एवं संभावनायें'' विषय पर 05 अक्टूबर, 2017 को व्याख्यान का आयोजित किया गया, जिसमें विभाग के 120 से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- विभाग द्वारा डॉ. अर्चना मिश्रा, सह संभागायुक्त बिलासपुर का ''पंचायती राज एवं विधान मंडल'' विषय पर व्याख्यान दिनाँक 12 अक्टूबर, 2017 को आयोजित किया गया, जिसमें विभाग के 160 से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं नेशनल कौंसिल ऑफ रूरल इंस्टीट्यूशनल हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में ''स्नातकोत्तर स्तर पर उच्च शिक्षा में ग्रामीण समुदाय की भागीदारी में पाठ्यक्रम विकास'' विषय पर दिनाँक 29–30 नवम्बर, 2017 दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. पी.आर. सिंह थे।

विभाग द्वारा आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

- विभाग एवं कौशल विकास केन्द्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23 से 25 मई, 2017 को ''हैण्ड्स ऑन बोनसाई'' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 27 प्रतिभागियों ने लाभ प्राप्त किया तथा डॉ. भास्कर चौरसिया, सहायक प्राध्यापक, इस कार्यक्रम के समन्वयक थे। श्री संजय शर्मा (ई.ई. पी.डब्ल्यू.डी.), तथा डॉ. एस. के. गिडवानी, चिकित्सक मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किये गये थे।
- विभाग एवं कौशल विकास केन्द्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 28 से 30 अगस्त, 2017 को ''कार्बनिक खाद एवं जैविक खाद'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. दिलीप कुमार, सहायक प्राध्यापक, इस कार्यक्रम के समन्वयक थे।
- विभाग एवं कौशल विकास केन्द्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 08 से 10 सितम्बर, 2017 को ''अपशिष्ट कागज कला'' विषय पर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री संजीव कुमार भगत, सहायक प्राध्यापक, इस कार्यक्रम के समन्वयक थे।
- विभाग एवं कौशल विकास केन्द्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 23 से 25 मार्च, 2018 को ''केंचुआ खाद प्रशिक्षण कार्यक्रम'' आयोजित किया गया, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. दिलीप कुमार, सहायक प्राध्यापक, इस कार्यक्रम के समन्वयक थे।
- विभाग एवं कौशल विकास केन्द्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 25 से 26 मार्च, 2018 को ''थर्मोकोल प्रशिक्षण कार्यक्रम'' आयोजित किया गया, जिसमें 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री संजीव कुमार भगत, सहायक प्राध्यापक, इस कार्यक्रम के समन्वयक थे। श्री राम शंकर सोनी जो प्रसिद्ध कला प्रशिक्षक हैं को विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- विभाग एवं कौशल विकास केन्द्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26 से 27 मार्च, 2018 को ''अवशिष्ट से अभिनव कला प्रशिक्षण कार्यक्रम'' आयोजित किया गया, जिसमें 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री संजीव कुमार भगत, सहायक प्राध्यापक, इस कार्यक्रम के समन्वयक थे। श्री सौरभ घोष, अरविंद कुजूर, सुजाता प्रधान, जीनत कुरैशी एवं शैनी भेलवा को मुख्य प्रशिक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था।

विद्यार्थियों द्वारा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

- बी.एससी. ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग के कुल 42 विद्यार्थियों ने छः दिवसीय (28 अगस्त से 02 सितम्बर, 2017) बेसक टसर रिसर्च एवं तकनीकी संस्थान, कोनी, बिलासपुर द्वारा आयोजित ''रेशम कीड़े पालन प्रौद्योगिकी'' प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- गाँवों के लिये विज्ञान केन्द्र वर्धा, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित ''हस्तनिर्मित कागज बनाने एवं रूपान्तरण'' विषय पर दिनांक 28 अगस्त से 02 सितम्बर, 2017 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभाग के 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- सी.एस.ई.,आई.टी. एवं कौशल विकास केन्द्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मानव मूल्य के सहयोग से साक्षात्कार कौशल विषय पर दिनांक 09 नवम्बर, 2017 को एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के 29 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुसंधान संस्थान, कलकत्ता द्वारा डॉ. अशोक विजय मिंज, अस्थायी सहायक प्राध्यापक का चयन पारिस्थितिकी वैज्ञानिक के रूप में किया गया है।
- डॉ. दिलीप कुमार, सहायक प्राध्यापक को ''इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों के मध्य

उद्यमिता व्यवहार का अध्ययन'' विषय में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा शोध उपाधि प्रदान की गई।

- डॉ. पी.आर.सिंह, सह–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष ने यू.जी.सी. एच.आर.डी.सी., गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा 15 मई से 03 जून, 2017 तक आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को समन्वयक के रूप में सफलतापूर्वक आयोजित किया था।
- डॉ. भास्कर चौरसिया, सहायक प्राध्यापक को वनस्पतिक उद्यान एवं भू–निर्माण हेतु विशेषज्ञ के रूप में डॉ..भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा दिनांक 29–30 जुलाई, 2017 को आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. राजेन्द्र मेहता, सह–प्राध्यापक को छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, 2017 में व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया था।
- वनस्पति विज्ञान विभाग डॉ. हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) द्वारा आयोजित ''स्टडीज ऑन रूट कॉलोनाइजिंग अर्बसकुलर माइकोराइजल फंजाई अंडर डिफरेन्ट वाटर स्ट्रेस कंडीशन'' विषय पर दिनांक 10 एवं 11 अगस्त, 2017 को व्याख्यान देने हेतु डॉ. भास्कर चौरसिया, सहायक प्राध्यापक को आमंत्रित किया गया था।
- 21 अगस्त, 2017 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा भारतीय धान अनुसंधान केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में ''ट्रांसफार्मिंग राइस ब्रीडिंग'' एन इनिसियेटिव टू मार्डनाईज ब्रीडिंग वर्कशाप विषय में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में डॉ. पी.आर. सिंह एवं डॉ. दिलीप कुमार ने भाग लिया।
- स्वतंत्रता दिवस की 70वीं वर्षगांठ एवं भारत छोड़ो आन्दोलन की 75वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर ''भारत की स्वतंत्रता के लिए भारत छोड़ो आन्दोलन की भूमिका'' विषय में आयोजित भाषण प्रतियोगिता डॉ. एस.के. निराला, सहायक प्राध्यापक के कुशल नेतृत्व में विभाग में दिनांक 21 अगस्त, 2017 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।
- डॉ. एस.के. निराला ने माह–सितम्बर, 2017 को ''नई शिक्षा नीति'' अवसर एवं चुनौतियाँ विषय पर भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न करायी।
- छत्तीसगढ़ राज्य आजीविका मिशन, रायपुर द्वारा दिनांक 13 सितम्बर, 2017 को विभाग में कैम्पस साक्षात्कार आयोजित किया गया।
- एन.आई.आर.डी. एवं पी.आर., हैदराबाद द्वारा सितम्बर, 2017 को ग्रामीण विकास में भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी, की आवश्यकता विषय पर आयोजित स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में डॉ. पी.आर. सिंह, श्री संजीव कुमार भगत एवं शोधार्थी श्री प्रसून सोनी, हेमंत साहू एवं नोमेश कुमार तिवारी ने भाग लेकर सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।
- कोलम्बिया भैषज संस्थान, रायपुर (छ.ग.) द्वारा ''फ्रंटियर इन फार्मास्युटिकल सांइस एण्ड रिसर्च'' विषय में आयोजित 23 एवं 24 सितम्बर, 2017 ने दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. पी.आर. सिंह को दो सत्रों की अध्यक्षता की।
- अन्तरराष्ट्रीय धान शोध संस्थान, मनीला द्वारा अर्द्ध शुष्क उष्ण कटिबंधीय कृषि हेतु अन्तरराष्ट्रीय कृषि शोध संस्थान, हैदराबाद में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला जो दिनांक 26 एवं 27 अक्टूबर, 2017 को आयोजित की गई में डॉ. पी. आर. सिंह ने सफलतापूर्वक भाग लिया।
- डॉ. एस.के. निराला ने सी.एम.डी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित जुलाजिकल सोसाइटी ऑफ छत्तीसगढ़ की तीसरी राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''प्रास्पेक्ट्स ऑफ इनोवेशन इन लाइफ साइंसेस एण्ड सोशियो इकोनॉमिक चेलेंजेस'' विषय में दिनांक 2–3 दिसम्बर, 2017 में सत्र की अध्यक्षता की।
- बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा क्वालिटी इनहेंसमेंट ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया एण्ड चेंजिंग पैराडिगम विषय में दिनांक 4–5 जनवरी, 2018 को आयोजित अंतरर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. पी.आर. सिंह ने एक सत्र की अध्यक्षता की।

- फुकेट थाईलैण्ड में दिनांक 8 जनवरी, 2018 को ''रिसेन्ट एडवांसेस इन इंजीनियरिंग, टेक्नॉलाजी एण्ड सांइंसेस'' विषय में आयोजित अंतरर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. पी.आर.सिंह ने भाग लिया तथा तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. डी. के. पटेल ने 6 फरवरी, 2018 को छततीसढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित ''ग्रामीण समुदाय के लिए कम लागत वाले पानी फिल्टर के मूल्यांकन'' में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 07–9 फरवरी, 2018 को पौध एवं सूक्ष्मजीव उत्पादः प्रगति, क्षमता एवं आई. पी.आर.मुद्दे विषय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. पी.आर.सिंह ने सत्र की अध्यक्षता की।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार दिनाँक 7 से 9 फरवरी, 2018 जो कि प्लांट एंड माइक्रोबियल प्रोडक्ट प्रोग्रेस, पोटेंशियल एंड IPR इश्यू (NCPM-2018) विषय पर आयोजित किया था। डॉ. देवेन्द्र पटेल को इस सेमिनार में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतिकरण का पुरस्कार दिया गया।
- डॉ. दिलीप कुमार नें केंचुआ खाद उत्पादन तकनीक विषय पर बी.टी.आर.टी.आई. कोनी बिलासपुर में दिनाँक 12 मार्च, 2018 को व्याख्यान दिया।
- डॉ. दिलीप कुमार नें केंचुआ खाद उत्पादन तकनीक विषय पर बी.टी.आर.टी.आई. कोनी बिलासपुर में दिनांक 27 मार्च, 2018 को व्याख्यान दिया।
- ग्रामीण प्रौद्योगिकी स्नातक के तृतीय सेमेस्टर के पांच विद्यार्थियों सहित डॉ. भास्कर चौरसिया एवं डॉ. डी.के. पटेल ने अचानकमार वन संरक्षण प्रशिक्षण एवं ट्रैकिंग कार्यक्रम में दिनांक 17 दिसम्बंर, 2017 को भाग लिया।
- डॉ. आर. मेहता ने एच.आर.डी.सी. गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रमों में छः व्याख्यान दिये।
- डॉ. पी. आर. सिंह ने एच.आर.डी.सी. गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रमों में आठ व्याख्यान दिये।

शैक्षणिक भ्रमण एवं शिविर

- श्री संजीव कुमार भगत सहा. प्राध्यापक ने शासकीय कृषि अभियांत्रिकी विभाग, सरकण्डा बिलासपुर में दिनांक 13 नवम्बर, 2017 को स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित कर विद्यार्थियों को कृषि उपकरणों की जानकारी प्रदान की।
- श्री नोमेश कुमार तिवारी ने स्नातक द्वितीय वर्ष के 45 छात्रों हेतु शासकीय कुक्कुट पालन केन्द्र कोनी बिलासपुर में दिनांक 13 नवम्बर, 2017 शैक्षणिक भ्रमण आयोजित कर विद्यार्थियों को चूजे, भोजन सामग्री, प्रबंधन एवं सावधानियाँ आदि के विषय में जानकारी उपलब्ध करवायी।
- डॉ. दिलीप कुमार सहा. प्राध्यापक ने स्नातक द्वितीय वर्ष के 45 छात्रों को दिनांक 3 फरवरी, 2018 को शासकीय वन पौध नर्सरी–भैंसाझार, कोटा ब्लॉक, बिलासपुर में शैक्षणिक भ्रमण करवा कर विद्यार्थियों को नर्सरी बेड बनाने की तकनीक, पौध रोपण तकनीक तथा प्रबंधन उपायों की जानकारी उपलब्ध करवायी।
- डॉ. पी. आर. सिंह ने दिनांक 24 फरवरी, 2018 को ग्रामीण प्रौद्योगिकी स्नातक पंचम सेमेस्टर के 39 विद्यार्थियों को हसदेव बांगो बांध, कोरबा का भ्रमण करवा कर उन्हे मिट्टी बांध, गैबियन संरचना एवं पानी द्वारा बिजली उत्पादन तकनीक की जानकारी उपलब्ध करवायी।
- दिनांक 10 मार्च, 2018 को डॉ. दिलीप कुमार ने कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर में एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण ग्रामीण प्रौद्योगिकी स्नातक द्वितीय सेमेस्टर के 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

- 10 से 16 मार्च, 2018 को विभाग के 32 विद्यार्थियों ने सात दिवसीय एन.एस.एस. शिविर में भाग लिया। एन.एस.एस. शिविर एन.एस.एस. इकाई द्वारा पचरा ग्राम, कोटा ब्लॉक में लगाया गया था। शिविर के समन्वयक डॉ. डी. के. पटेल थे।

पुरस्कार

- दिनांक 7 से 9 फरवरी, 2018 को पौध एवं सूक्ष्म जैव उत्पाद प्रगति, क्षमता एवं आई.पी.आर.मुद्दे विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. अलका मिश्रा को श्रेष्ठ शोध पत्र प्रदर्शन पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- दिनांक 19 से 23 जून, 2017 को जनयोग तकनीकी विश्वविद्यालय सिंगापुर में एप्लायड विज्ञान में अभिनव दृष्टिकोण विषय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. अलका मिश्रा को वातावरण संरक्षण शोध पुरस्कार प्रदान किया गया।
- वनस्पति शास्त्र विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 07–09 फरवरी को पौध एवं सूक्ष्मजीव उत्पाद प्रगति, क्षमता एवं आई.पी.आर.मुद्दे विषय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. डी.के. पटेल को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्रदान किया गया।

विभाग के विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- बी.एससी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा कु. मीमान्सा सोनी को अविश्वसनीय छत्तीसगढ़ विषय में स्पेक्ट्रो 2के17 के अवसर पर तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
- अक्स 2K17 में आयोजित नाखून कला'' प्रतियोगिता में बी.एससी. पंचम की छात्रा कु. आकांक्षा तिवारी को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।
- अक्स 2K17 में आयोजित ''आर्म्स रेस्टलिंग'' प्रतियोगिता में श्री अमनदीप पटेल, बी.एससी. पंचम सेमेस्टर को प्रथम पुरस्कार मिला।
- विज्ञान मेले में आयोजित प्रश्नमंच कार्यक्रम में बी.एससी. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थी श्री घनश्याम यादव एवं मिस्टर इंडिया को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- स्पेक्ट्रो 2K17 में आयोजित मॉडल प्रतियोगिता में ''ग्रामीण विकास में एकीकृत कृषि प्रबंधन'' मॉडल को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। ये मॉडल श्री अमनदीप पटेल, पंकज सिंह, अमित पांडे, शुभम पांडे, भूपेन्द्र कौशिक, कमलेश कुमार प्रजापति, गिरिश यादव, अभिषेक अहिरवार (सभी बी.एससी. पंचम सेमेस्टर) द्वारा बनाया गया था।
- दिनांक 4 सितंबर, 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित पेरालिगल स्वयं सेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री अरविंद जायसवाल एवं कु. मृणालिनी ब्रम्हभट्ट बी.एस.सी. पंचम सेमेस्टर ने भाग लिया।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना में विभाग के आदर्श कुमार जैन एवं कु. सुनयना जायसवाल का केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात भ्रमण हेतु चयन हुआ। यह भ्रमण कार्यक्रम 25 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2017 तक आयोजित था।
- राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवक के आगरा में दिनांक 30 सितंबर से 9 अक्टूबर, 2017 तक पूर्व गणतंत्र दिवस पासिंग मार्च में श्री अरविंद कुमार जायसवाल से भाग लिया।
- चनबूकी असम में दिनांक 1 से 5 अक्टूबर, 2017 को आयोजित उत्तर पूर्व युवा शिविर में श्री अभिषेक अहिरवार बी.एससी. पंचम सेमेस्टर ने भाग लिया। इस शिविर का उद्देश्य यात्रा का पता लगाने के लिए युवाओं को पर्यटन और प्रक्रियाओं के साथ सक्षम बनाता है।
- प्रबंधन अध्ययन विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रश्न मंच प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कु. कामना शर्मा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

- कु. अंशु टोप्पो बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 11 से 15 अक्टूबर, 2017 को आयोजित अन्तर्विश्वविद्यालयीन बॉस्केट बॉल प्रतियोगिता में भाग लिया।
- दिनांक 30 अक्टूबर, 2017 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में कुमारी अर्पिता पाठक बी.एससी. पंचम सेमेस्टर ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- सी.एम.डी. महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''सरल जंतु मॉडल एवं परिष्कृत शोध'' विषय में शोध पत्र प्रस्तुत कर कु. प्रतिभा दत्ता बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- कु. प्रतिभा दत्ता बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर को संकाय में सर्वाधिक अंक लाने पर रूपये दस हजार छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- गुरू घासीदास जयंती 18 दिसंबर, 2017 के अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में कु. मीमांसा सोनी बी.एससी. पंचम सेमेस्टर को प्रथम पुरस्कार के साथ रनिंग शिल्ड प्रदान की गई।
- सी.एम.डी. महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कु. दिव्यानी लहरे को शोध पत्र प्रस्तुतिकरण में द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
- गुरू घासीदास जयंती के अवसर पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में कु. प्रकृति निषाद बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- दिनांक 28 एवं 29 मार्च 2018 को विभाग के विद्यार्थियों ने रूरल इंन्फोत्सव का आयोजन किया।
- बेसिक टसर सिल्क बोर्ड बिलासपुर द्वारा श्री धर्मेंद्र जायसवाल एवं श्री घनश्याम को फील्ड सुपरवाइजर के पद पर चयनित किया।

2.1.8 भौतिकीय अध्ययनशाला

इस अध्ययनशाला के अंतर्गत दो विभाग हैं (1) रसायन शास्त्र (2) शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग

रसायनशास्त्र विभाग

रसायन शास्त्र विभाग की स्थापना वर्ष 2009 मे पारम्परिक एवं आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शोध प्रदान करने के उद्देश्य से की गई। यह विभाग छात्रों, शोधार्थी एवं शिक्षकों के लिए एक जीवंत वातावरण के साथ–साथ वैज्ञानिक जिज्ञासा तथा अग्रणी शोध हेतु एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है। रसायन विज्ञान सभी विज्ञान के विषयों के केन्द्र में हैं अतः स्नातक एवं स्नाकोत्तर स्तर पर इस विषय को आनर्स या ऐच्छिक पाठ्यक्रम हेतु चुनाव करने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। रसायन में हो रहे आधुनिक शोध एवं महत्ता को स्वीकारते हुए शिक्षणमंडल द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रम में उन्नयन किया जाता है, ताकि शिक्षण एवं शोध की महत्ता की अद्यतन जानकारी विद्यार्थियों को दिया जा सके रसायन शास्त्र शोध केन्द्र में आधुनिकतम शोध परक विषयों मे निर्देशकों द्वारा शोधार्थी को पीएच.डी उपाधि हेतु निर्देशित किया जा रहा है।

छात्रों के लिये उनके पाठ्यक्रम में निहित नियमित कक्षाओं, प्रायोगिक कार्य, गृहकार्य, तथा परियोजना कार्य के साथ–साथ नियमित रूप से कार्यशाला व्याख्यानमाला, संगोष्ठी, कौशल विकास कर्मशाला, का भी आयोजन किया जाता है। विभाग में केन्द्रीय ग्रंथालय के अलावा विभागीय ग्रंथालय, शोध पत्र, पत्रिका के अलावा इंटरनेट की भी सुविधा उपलब्ध है। छात्रों के व्यक्तित्व विकास हेतु अनेक गतिविधियाँ यथा विज्ञान मेला, राष्ट्रीय सेवा योजना, खेलकूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

विभागीय प्राध्यापकों द्वारा राष्ट्रीय स्तर के मानक शोध पत्र–पत्रिकाओं (उच्च प्रभाव कारक वाले) में 32 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किये गये हैं। देश एवं विदेश में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों, गोष्ठी, व्याख्यानमाला तथा कर्मशाला में 20 से अधिक शोध

आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसमें आमंत्रित व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता शोध पत्र का संपादन इत्यादि शामिल है। विभाग में छात्र–छात्राओं द्वारा नेट/गेट/सीजीसेट एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अर्हता प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में प्रत्येक वर्ष वृद्धि हो रही है इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से सहयोग एवं नियम की प्रकिया चल रही है जिससे छात्र/छात्राएँ शोधार्थी का आदान–प्रदान हो सके। अभी हाल ही में भाभा परमाणु शोध–केंद्र के तत्वावधान में रसायन शास्त्र विभाग में 7–12 अगस्त को 96वीं डीएई वर्कशॉप ऑन रेडियोकेमेस्ट्री एंड एप्लिकेशन ऑफ रेडियोआइसोटोप का आयोजन बहुत सफल रहा तथा कौशल दक्षता संबंधित कर्मशाला भी आयोजित की गई।

विभाग के छात्र–छात्राओं का प्लेसमेंट इंडस्ट्री, स्कूल तथा कॉलेज के अलावा भारत के विशिष्ठ शोध संस्थान जैसे आईआईटी खड़गपुर, आई.आई.एसई.आर, भोपाल, एन.एस.आई.एस.ई.आर., भुवनेश्वर जादवपुर वि.वि. हैदराबाद, केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं विभिन्न एन.आई.टी. इत्यादि में भी हुआ है।

विभाग राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के युवा वैज्ञानिक रसायन, शोधार्थी, शिक्षक तथा उच्च गुणवंत्तापूर्ण टेक्नालॉजिस्ट के रूप में मानव संसाधन का निर्माण करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु विभाग द्वारा सुदृढ़ता से नवीन रसायनिक भाषाओं का अन्वेषण तथा विकास किया जा रहा है जिसके फलस्वरूप नवाचार, सहयोग तथा छात्रवृति को बढ़ावा दिया जा सके। विभाग के शिक्षक विभाग को एक संपन्न उत्कृष्ट अध्ययन केन्द्र बनाने तथा पाठ्यचर्चा उन्नयन, अग्रणी शोध नेतृत्व तथा रसायन विज्ञान को जनप्रिय बनाने हेतु संकल्पित है इसके अलावा अंतः विषय शिक्षण एवं शोध को उत्प्रेरित करने, छात्रों के कार्यकुशलता, वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण बढ़ाने टीम में सामूहिक भावना के साथ कार्य करने एवं आधारभूत नैतिक सिद्वांतों को निर्मित कर मानव संसाधन के द्वारा राष्ट्र निर्माण करना ही विभाग का मूलभूत उद्वेश्य है।

विभागीय गतिविधियाँ

विभाग ने बीएआरसी के साथ मिलकर 96 वाँ डीएई – बीआरएनएस– आईएएनसीएएस सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। 7–12 अगस्त, 2017 तक आयोजित इस कार्यशाला का विषय ''रेडियो केमिस्ट्रि एण्ड एप्लीकेशन ऑफ रेडियो आईसोटोप्ज'' था।

विभागीय शिक्षकों की उपलब्धियाँ

प्रो. जी0.के. पात्रा ने आरडीसीएस 2018, राष्ट्रीय सेमिनार में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। सेमिनार का आयोजन 23–24 फरवरी, 2018 को आईजीएनटीयू, अमरकंटक में किया गया। सेमिनार का विषय ''रीसेंट डेव्लपमेंट इन केमिकल सांइसेस'' था।

प्रो. जी.के. पात्रा ने 12 फरवरी, 2018 को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में ''रीसेंट ट्रेन्डस इन ड्रग डिस्कवरी, डेवलपमेंट एण्ड डिलवरी सिस्टम'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

15–17 अक्टूबर, 2017 को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में प्रो. जी.के. पात्रा ने प्रपत्र प्रस्तुत किये । सेमिनार का विषय ''भारत अन्वेष'' था ।

डॉ. चारू अरोरा को बायो एक्टिव नेचुरल प्रोडक्ट (रसायन) के क्षेत्र में योगदान के लिये नन्यांग टेक्नॉलाजी यूनिवर्सिटी, सिंगापुर, सांइटिफिक इजुकेशनल रिसर्च सोसाइटी एण्ड नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर द्वारा नन्यांग टेक्नालॉजी यूनिवर्सिटी सिंगापुर में 19–23 जून, 2017 को आयोजित एक अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में एसईआरएस अवार्ड किया गया।

19–23 जून, 2017 को नन्यांग टेक्नालॉजी यूनिवर्सिटी, सिंगापुर, में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. चारू अरोरा को ''डेवलपमेंट ऑफ लो कास्ट एब्सोरबेंट फ्राम कामन लिग्स फॉर रिमोवेल ऑफ हेजाड्र्स मैटेरियलस विषय पर व्याख्यान के लिये आंमत्रित किया गया । सेमिनार का विषय ''इनोवेटिव एप्रोचेस इन एप्लाईड साइंसेज एण्ड टेक्नालॉजीस'' था।

अगस्त 07–12, 2017 को डॉ. चारू अरोरा ने गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में 96वाँ बी.आर.एन.एस.–आई.ए.एन.सी.ए.एस. राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का विषय ''रेडियो केमेस्ट्री एण्ड एप्लीकेशन्स ऑफ रेडियोआईसोटोकेज'' था। डॉ. चारू अरोरा इस कार्यशाला की संयोजक थी।

15–17 अक्टूबर, 2017 को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ.चारू अरोरा ने ''जेमेलाईन अर्रबोरिया ए बायोपोस्टेक्टिव प्लांट'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

28–29 जनवरी, 2018 को रसायन विभाग, मेरठ कॉलेज, मेरठ द्वारा ''इनोवेशन टेक्निक्स इन साइटिंफिक रिसर्च एण्ड स्किल डेवलपमेंट'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ''एक्सट्रेशन मेथड्स ऑफ बायोलॉजिकली एक्टिव फाइटोकोंस्टिटुएंट्स'' पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

22–23 मार्च, 2018 को ''एडवेंसेस इन इनवायरमेंटल एण्ड केमिकल साइंस विषय पर पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ''आइसोलेशन एण्ड कैरेक्टरराइजेशन ऑफ बायोलॉजिकली एक्टिव फाइटोकोंस्टिटुएंट्स ऑफ सम मेडिसिनल प्लांट ऑफ नार्दन एण्ड सेंट्रल इण्डिया'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

22–23 मार्च, 2018 को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. चारू अरोरा को पोस्टर सत्र का निर्णायक नियुक्त किया गया।

15–17 अक्टूबर, 2017 को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा भारत नवोन्मेष विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. सुभाष बेनर्जी ने ''जर्नी ऑफ 'नैनो' ए ग्लोरियस पास्ट टू ब्राईटर फ्यूचर'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

फरवरी 02–04, 2018 को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) द्वारा 22वाँ सी.आर.एस.आई. नेशनल सिम्पोजियम इन केमेस्ट्री विषय पर आयोजित नेशनल सिम्पोजियम में डॉ. सुभाष बेनर्जी ने ''मेग्नेटिक निफे–204 नैनो पार्टिकल्स इ आर्गेनिक सेथेंसिस विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किये।

अगस्त 07–12, 2017 को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में 96वाँ बी.आर.एन.एस.–आई.ए.एन.सी.ए.एस. राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का विषय ''रेडियो केमेस्ट्री एण्ड एप्लीकेशन ऑफ रेडियोआईसोटोप्ज'' था। डॉ. सुभाष बेनर्जी इस सेमिनार के आयोजक मण्डल के सदस्य थे।

24–27 अक्टूबर, 2017 को विजिंग, चीन में 6वाँ ग्लोबल कांफ्रेस ऑन मटेरियल साइंस एण्ड इंजीरियरिंग विषय पर आयोजित सेमिनार में डॉ. संतोष एस. ठाकुर, निर्मलकर एन और ठाकुर के आमंत्रित व्याख्याता थे। इनके व्याख्यान के विषय ''नैनोस्क्ट्रक्चरर्ड चिरल को–केटालिस्ट बियरिंग लेवाइस एसिड एप्लीकेशन इन एसीमेट्रिक रिंग ऑपनिंग रियेक्शन ऑफ टर्मीनल एपोक्साइड'' था।

22–23 मार्च, 2018 को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा ''एडवांसेस इनवायरलमेंट एण्ड केमिकल साइंस'' विषय पर आयोजित दूसरा राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. संतोष एस.ठाकुर, निर्मलकर एन, जायसवाल पी. ने आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का विषय ''वाईब्रेशनल सर्कुलर डाइक्रोइज्म एस्पेक्ट्रल स्टडीज ऑफ (आर) एण्ड (एस) ग्लाईडाई बटीरेट यूजिंग डेनसिटी फंक्शनल थ्योरी'' था।

22–23 मार्च, 2018 को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा ''एडवांसेस इनवायरलमेंट एण्ड केमिकल साइंस'' विषय पर आयोजित दूसरा राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. संतोष एस.ठाकुर एक सत्र के अध्यक्ष थे।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- हेमंत कश्यप, अर्चना घोसले, संजीव सोनी, रूकमणी चंद्रा, गणेश कुर्रे और गणेश प्रसाद साहू को सी.जी. पी.एससी. द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया गया।
- अजित साहू ने पी.एचडी. उपाधि की मौखिकी संपन्न किया।
- सौमेन पायरा ने आई.टी. खड़गपुर में पोस्ट डॉक्टोरल फेलो का पद प्राप्त किया।
- मेलार्ड शेख ने आई.टी. खड़गपुर में पोस्ट डॉक्टोरल फेलो का पद प्राप्त किया।
- स्नातक के छात्रों ने उच्च शिक्षा के लिए जे.ए.एम. परीक्षा उत्तीर्ण किया।

शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विज्ञान विभाग

वर्ष 1995 में स्थापित शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विज्ञान विभाग विश्वविद्यालय के प्रमुख विभागों में से एक है। विभाग शिक्षा के क्षेत्र में स्वंय को इतना समृद्ध किया है कि यह मध्य भारत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संस्थानों में शुमार है। विभाग में कुल 14 प्राध्यापक हैं एक आचार्य, तीन सह–आचार्य एवं दस सहायक प्राध्यापक। विभाग प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक कॉन्डेंस मेटर फिजिक्स, एक्सपेरिमेंटल मेटेरियल साइंस, एक्सपेरिमेंटल न्यूक्लियर फिजिक्स, स्पोक्ट्रोसकोपी एण्ड प्लाजमा फिजिक्स विषयों में शिक्षण एवं शोध कार्य कराता है साथ ही विभाग भौतिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स में एकीकृत स्नातक तथा दो वर्ष का स्नातक एवं शोध कार्य भी इन विषयों में कराया जाता है। वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रम मेटेरियल साइंस के साथ आगामी सत्र में न्यूक्लियर फिजिक्स एवं मेजर फिजिक्स को विशेषज्ञता वाले पाठ्यक्रम के रूप में प्रारंभ किया जायेगा। विभाग में जनरल फिजिक्स, मेकेनिक्स, उष्मा एवं उष्मा गतिकीय, ऑप्टीक्स एवं कम्प्यूटिशनल टेक्निस की समृद्ध प्रयोगशाला है। धातु लक्षण परीक्षण के लिए उन्नत उपकरण जैसे–लेजर रमन स्पेक्ट्रोसकोपी, स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, ईडीएएक्स, (EDAX) एटोमक्सफोर्स माइक्रोस्कोपी, फ्योरियर इन्फ्रारेड स्पेट्रोस्कोपी, यूवि (UV) वाईस स्पेक्ट्रोमीटर एवं एक्स–रे डीफ्रेक्टोमीटर उपलब्ध हैं। भौतिकी विभाग एवं अन्य विभागों के एम.एससी. छात्र एवं शोधार्थियों के द्वारा इन सुविधाओं का उपयोग किया जाता है। शोधार्थियों एवं स्नातक छात्रों के लिए एक समृद्ध पुस्तकालय है। विभाग में 03 एमवी हाई करेंट पेलेट्रान एक्सीलरेटर सुविधा स्थापित है। इसने विभाग को एक राष्ट्रीय पहचान दी है और देश के उभरते हुए शोध विभाग के रूप में विभाग को स्थापित किया है। यह सुविधा ज्ञान विज्ञान के विभिन्न शाखाओं में अंतर अनुशासनिक शोध के अवसर प्रदान करती है। यह सुविधा भारतीय विश्वविद्यालयों में सर्वप्रथम गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में आरंभ हुई थी यह पूरे देश में अपनी तरह का सर्वोच्च बीम करेंट प्रवाहित करने वाला एक्सीलरेटर है।

विभाग प्रतिष्ठित विद्वानों के व्याख्यान, कार्यशालायें और सिम्पोजियम के आयोजनों के द्वारा बहुमुखी अकादमिक गतिविधियों में संलग्न हैं जिससे विभाग के स्नातक / परास्नातक विद्यार्थियों को सीखने के अवसर प्राप्त होते हैं। विभाग के पास अपना ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ है जो विद्यार्थियों को राजकीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं हेतु प्रशिक्षित करता है तद्पोरांत विभिन्न शोध संस्थानों एवं औद्योगिक इकाइयों में उनके प्लेसमेंट हेतु प्रयास करता है। विभाग के 06 विद्यार्थियों का विभिन्न संस्थाओं में प्लेसमेंट हुआ है। विभाग विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए प्रोत्साहित करता है जैसे–नेट, (NET) गेट, (GATE) जेस्ट (JEST) आदि। विभाग देश में विज्ञान शिक्षा के नेतृत्वकर्ता विभाग के रूप में स्थापित होने के उद्देश्य के साथ–साथ भौतिकीय शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने हेतु कटिबद्ध है। विभाग दूसरी बार डीएसटी के एफआईएसटी एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एसएपी के अंतर्गत समाहित किया गया है। विभाग के पास डीएसटी द्वारा स्वीकृत सोफेस्टिकेटेड एनाईटिकल इंस्ट्रूमेंटटेशन सेंटर (एसएआईएफ) भी है।

विभाग की गतिविधियाँ

25 जनवरी, 2018 को विभाग द्वारा ''मेनीपुलेटिंग एटम्स एण्ड ए लॉट मोर इन आवर ऑन बैकयार्डस'' विषय पर आयोजित रिसर्च कोलोकियम में प्रो.केशदीप सहदेव, सीनियर प्रो.(सेवानिवृत्त), आई.आई.टी, कानपुर ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस कोलेब्रेशन में स्नातक के विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी सत्र में भाग लिया, जिसमें परिष्कृत स्वदेशी उपकरण के विकास पर विचार–विमर्श किया गया।

भौतिकी विभाग आई.आई.टी.रूड़की के प्रो. राजेश श्रीवास्तव ने 25 मार्च, 2018 को ''प्लाजमा प्रोसेसेज एण्ड एटम–एटम कॉलीजम एण्ड द डेवलेपमेंट ऑफ फ्यूजन रियेक्टर'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

28 फरवरी, को विज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया, यह दिवस महान वैज्ञानिक डॉ.सी.वी. रमन द्वारा खोजे गये रमन इफैक्ट के उपलक्ष्य में मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. ए.एस. रणदिवे, प्रो. जी.के. पात्रा, प्रो. एच.एस.तिवारी, प्रो. पी.पी. मूर्ति, प्रो. चारू अरोरा, प्रो. ए.के. दीक्षित, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. बी.एन.त्रिपाठी, डॉ. संतोष सिंह ठाकुर, डॉ. सुभाष बेनर्जी आदि ने इस वर्ष के प्रसंग 'साइंस फॉर सस्टनेबल डेवलपमेंट' विषय पर अपने–अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रो. पी.के. बाजपेयी, संकायाध्यक्ष, फिजिकल साइंसेज, ने मुख्य विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। प्रो. बाजपेयी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे एवं डॉ. आर.पी. प्रजापति ने कार्यक्रम का संचालन किया।

भारतीय भौतिकीय शिक्षक संघ 2017–18 के लिए विभाग ने राष्ट्रीय स्नातक विज्ञान परीक्षा एनजीएसई (NGSE) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अजय गुप्ता थे।

विभाग ने डॉ. एम.पी.शर्मा के संयोजन में विद्यार्थियों के लिए नेट (NET) की तैयारी के लिए कोचिंग का आयोजन किया।

एसपेक्ट्रो–17 कन्वरजेंस के आयोजन में विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. एच.एस.तिवारी, विभागाध्यक्ष ने इस कार्यक्रम का संयोजन किया एवं संकायाध्यक्ष प्रो. पी.के. बाजपेयी इस कार्यक्रम के मुख्य संयोजक थे।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

16 अगस्त, 2017 को प्रो. पी.के. बाजपेयी साइंस डोमेन इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित फिजिकल साइंस अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के एकेडमिक एडिटर के रूप में पांच साल के लिए नियुक्त किये गये। यह एक क्वालिटी कंट्रोल, पीयर रिव्यूड इंटरनेशनल जर्नल है। (www.sciencedomain.org)

- प्रो. पी.के.बाजपेयी ईएन प्रेस पब्लिशर्स एलसीसी द्वारा प्रकाशित सेरामिक साइंस एण्ड इंजीनियरिंग मैंगजिन के संपादकीय समिति से जुड़े।
- प्रो.पी.के. बाजपेयी इंटरनेशनल एकेडमिक ऑफ फिजिकल साइंस 2017 के उपाध्यक्ष चुने गये। प्रो. पी.के. बाजपेयी हल्दवानी पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'स्पेक्ट्रोस्कोपी' के विशेषांक ''वाइब्रेशनल स्पेक्ट्रोस्कोपी ऑफ एडवांस मटेरियल'' के अतिथि संपादक नियुक्त हुए।
- प्रो. पी.के. बाजपेयी ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के लिये 13 पाण्डुलिपियों का मूल्यांकन किया।
- प्रो. पी.के. बाजपेयी ने जुलाई 14–16, 2017 को विज्ञान संकाय, उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा ''रीसेंट ट्रेंस फिजिकल साईसेस एण्ड फ्युचर चैलेंजेस'' विषय पर आयोजित 20वाँ इन्टरनेशनल एकेडेमिक ऑफ फिजिकल सांइसेस (सीओएन आईएपीएस–एक्स) में ''3.0 एमव्ही इलेक्ट्रान एक्सलेरेटर एट एनसीएआर, बिलासपुर'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- अक्टूबर 15–17, 2017 को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं भारतीय शिक्षा मण्डल नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'भारत नवोन्मेष' विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में प्रो. पी.के. बाजपेयी ने ''रोल ऑफ वैदिक नॉलेज इन द डेवलपमेंट ऑफ मार्डन थ्योरी ऑफ क्वांटम फिजिक्स'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 21 अक्टूबर से 03 नवम्बर, 2017 को बोस इंस्टीट्यूट द्वारा एस.एन.बोस के 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ''रीसेंट ट्रेंड्स इन कॉनडेंस्ड मेटर फिजिक्स'' (आरटीसीएमपी–2017) विषय पर आयोजित सेमिनार में डॉ. पी.के. बाजपेयी ने ''साइनेरजिक इफेक्ट ऑफ लॉ इनर्जी इयोन बिम्स ऑन स्ट्रेक्चरल एण्ड फोनोन प्रापर्टीज ऑफ फैरोइलेक्ट्रीक्स एण्ड मल्टी फेरोइक्स'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- दिसम्बर 20–21, 2017 को गवर्नमेंट दिग्विजय ऑटोनॉमस कालेज राजनांदगाँव द्वारा ''द यूजफूलनेश ऑफ थॉट्स ऑफ पं. दीनदयाल उपाध्याय इन प्रेजेंट ग्लोबल सेनेरियो'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय शोध सेमिनार में प्रो. पी.के. बाजपेयी ने आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. बाजपेयी इस व्याख्यान के सम्मानित अतिथि भी थे।
- वनस्पति विज्ञान, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा फरवरी 7–9, 2018 को प्लांट्स एण्ड माइक्रोबायल प्रोडक्ट्स प्रोग्रेस, पोटेंशियलस एण्ड आईपीआर इशुज (एनसीपीएनपी–2018) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रो. पी.के. बाजपेयी ने ''रीसेंट एडवांसेस इन द सेंथेसीस, केरेटेराईजेशन एण्ड बायोलॉजीकल्स एप्लीकेशन्स ऑफ केल्कोजेनाईट नैनो पारटीकल्स'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 13–15 अप्रैल, 2018 को विज्ञान संकाय, आरएमएल अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उ.प्र.) द्वारा ''इमरजिंग ट्रेंड्स इन फिजिकल सांईसेस'' विषय पर आयोजित 22वाँ इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑफ इंटरनेशनल एकेडेमी ऑफ फिजिकल

सांइसेस'' (सीओएनआईएपीएस–XXII) में प्रो. पी.के. बाजपेयी ने ''पॉसिबिलिटी ऑफ कन्ट्रोल्ड मैटेरियल्स मोडिफिकेशन्स यूजिंग सैनरजिक इफैक्ट ऑफ लो इनर्जी ईयोन बिम्स'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- यूजीसी, एचआरडीसी, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा अर्थ सांइस विषय पर (4–23, सितम्बर 2017 तक) आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में डॉ. पी.के. बाजपेयी ने 07–09–2017 को ''टूल्स एण्ड टेक्नीक्स इन अर्थ सांइस स्टडी" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- प्रो. पी.के. बाजपेयी ने समापन समारोह में वक्ता के रूप में ''रोल ऑफ सांइस एण्ड टेक्नॉलॉजीकल इंटरवेंशन फॉर ट्रायबल डेवलपमेंट'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। सेमिनार का आयोजन शिक्षा विभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा 31 नवम्बर, 2017 को किया गया। प्रो. बाजपेयी सेमिनार के समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे।
- 11–15 जुलाई, 2017 को हॉगज्योहा, चीन में आयोजित दूसरा बीआरआईसीएस युवा वैज्ञानिक परिषद् में डॉ. आर.पी. प्रजापति, डीएसटी नई दिल्ली द्वारा 20 युवा भारतीय वैज्ञानिक में नामित किये गये।
- 29 जनवरी से 3 फरवरी, 2018 तक चियांग मइ विश्वविद्यालय, चियांग मइ थाईलैंड द्वारा आयोजित चौथा एशियन स्कूल ऑन प्लाज्मा एण्ड न्यूक्लीयर फ्यूजन में डॉ. आर.पी. प्रजापति ने आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. पारिजात ठाकुर का ''इन्वेस्टीगेटींग क्लोज–इन एक्स्ट्रा सोलर प्लेट्स थ्रू फोटोमेटिक फॉलो–अप ऑफ देयर ट्रांजिट्स'' शीर्षक आब्जर्विंग प्रपोजल एचसीटी एवं जेसीबीटी द्वारा 2017–18 में स्वीकार किया।
- डॉ.तारकेश्वर त्रिवेदी ने मई 17–18, 2017 को कोलकाता में आयोजित यूजीसी– डीएई–सीएसआर द्वारा ''थीमेटिक वर्कशॉप ऑन अंडरग्राउंड एक्सेलेरेटर बेस्ड न्यूक्लीयर एस्ट्रो फिजिक्स फेसीलिटी'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ.तारकेश्वर त्रिवेदी ने 14–15, सितम्बर, 2017 को आईयूएसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में ''वर्कशॉप ऑन आईएनजीए एक्स्पेरिमेंट'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. गोवर्धन रेड्डी तुरपू का शोध आलेख को एआईपी, यूएस की पत्रिका जरनल ऑफ एप्लाईड फिजिक्स के मुख्य पृष्ठ पर स्थान मिला।
- डॉ. माधवेन्द्रनाथ त्रिपाठी ने 22–23 मार्च, 2018 को पं. रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा ''एडवांसेस इन इनवायरमेंटल एण्ड केमिकल सांइसेस'' विषय पर आयोजित दूसरा राष्ट्रीय सेमिनार में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. माधवेन्द्रनाथ त्रिपाठी ने नवम्बर 11, 2017 को यूजीसी – एएससी, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित 19वाँ उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. माधवेन्द्रनाथ त्रिपाठी ने मार्च 12, 2018 को यूजीसी – एएससी, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित 20वाँ उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- अक्टूबर 15–17,2017 को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 'भारत नवोन्मेष' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. माधवेन्द्रनाथ त्रिपाठी को आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया।
- 25 जुलाई, 2017 को डॉ. माधवेन्द्रनाथ त्रिपाठी ने यूजीसी, एचआरडी गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा ''द प्रिंसिपल्स मीट ऑन एकेडेमिक लीडरशीप इन हायर एजुकेशन द कन्टेमप्रेरी इंडियन प्रस्पेक्टिव्स'' विषय पर आयोजित सैद्धांतिक सम्मेलन में भाग लिया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- प्रो. पी.के. बाजपेयी की शोधार्थी संध्या यादव ने 14—16 जुलाई, 2017 ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय द्वारा ''रिसेंट एडवांसेस इन फिजिक्स साइंस एण्ड फ्युचर चैलेंजेस'' विषय पर आयोजित 20वाँ इंटरनेशनल्स कांफ्रेस ऑफ इंटरनेशनल एकेडेमी ऑफ फिजिक्स साइंस में भाग लिया एवं ''इफेक्ट्स ऑफ प्रोसेसिंग पैरामिटर्स ऑन द साइंस, मॉरफोलॉजी एन प्रोपरटीज ऑफ कॉपर सल्फाइड नैनो स्ट्राक्चर्स''। प्रपत्र संध्या यादव और प्रो. पी.के. बाजपेयी के संयुक्त लेखन में था।

- संध्या यादव ने 27—28 फरवरी, 2018 को दुर्ग विश्वविद्यालय द्वारा ''कंट्रोलिंग दी वेरियस मॉरफोलॉजी ऑफ कॉपर सल्फेट नैनो पार्टिकल एण्ड देयर एप्लीकेशन्स फॉर फ्लोरेसेंस डिटेक्शन'' विषय पर आयोजित 16वाँ छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

- 11—15 जुलाई, 2017 को सावित्री बाई फूले विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा ''एडवांस मटेरियल डेवलपमेंट एण्ड परफार्मेंस'' विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय सेमिनार में रत्नमाला गंजीर, शोधार्थी ने भाग लिया एवं ''एफेक्ट ऑफ सीओ डोपिंग ऑन स्ट्रक्चरल, डायलेक्ट्रीक एण्ड रमन प्रोपरटीज ऑफ $Ba_{0\cdot75}Sr_{025}{}^{Ti1-}{}_{xCox}{}^{03\wedge\wedge}$ विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

- प्रीति ताम्रकार ने भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, दुर्ग द्वारा 15 फरवरी, 2018 को फारटीयर्स इन साइंस टेक्नालॉजी, मैनेजमेंट फॉर नेशनल डेवलपमेंट विषय पर आयोजित बिटकॉन 2018 में भाग लिया और ''इफेक्ट्स ऑफ $A4^{5+}$ icon इम्प्लीमेंटस ऑफ द स्ट्रक्चरल एण्ड फोनोन प्रोपर्टिज ऑफ फेरोइलेक्ट्रिक $Bi0.5Na05^{Ti03}$ विषय पर अपना प्रपत्र प्रस्तुत किया।

- 14—16 जुलाई, 2017 तक ''रिसेंट एडवांसेस इन फिजिक्स साइंस एण्ड फ्यूचर चैलेंजिग'' विषय पर आयोजित 20वाँ इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंस (सीओएनआईएपीएस—xx) में शर्मिला बाजपेयी (शोधार्थी) ने भाग लिया और ''फोनोन्स बिहेवियर इन चार्ज कम्पेन्सटेड संथेनम डोपेड BaSn03 लोकल डिस्टॉरेशन Vs. डिफेक्ट इन्ड्ज्ड फोनन मोड्स'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

- विनित कुमार मन्नाडे (शोधार्थी) ने अक्टूबर, 25 से सितम्बर 14, 2017 को तेजपुर में आयोजित एसईआरबी स्कूल ऑन ऑब्जरवेशन एस्ट्रोनॉमी में भाग लिया और अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया।

- स्वदेश चंद (शोधार्थी) ने एन.सी.आई.ए—टी आई एफ आर (NCRA-TIFR) 23—27 अक्टूबर, 2017 को आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का विषय ''चन्द्रा/सीआईएओ वर्कशाप— 2017 था तथा यह आयोजन नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिनिस'' में किया गया।

- स्वदेश चंद, (शोधार्थी) ने 13 से 26 नवम्बर, 2017 को इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एण्ड एस्ट्रोफिजिक्स (आई. यू.सी.ए.) पुणे द्वारा ''एस्ट्रोसेट डेटा एनालिसिस'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

- स्वदेश चंद (शोधार्थी) ने एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स को बढ़ावा देने के लिए यूजीसी की स्वायत्त संस्था यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एण्ड एस्ट्र (IUCAA) का दौरा दिनाँक 13 अक्टूबर से 08 दिसम्बर, 2017 तक किया। उन्होंने प्रो. गुलाब चंद देवांगन और डॉ. पारिजात ठाकुर ने मिलकर काम किया।

- विभाष (शोधार्थी) ने प्लाज्मा साइंस ऑफ इंडिया द्वारा 7—10 नवम्बर, 2017 तक आयोजित 32वाँ नेशनल सिम्पोजियम ऑन प्लाज्मा साइंस एण्ड टेक्नालॉजी में भाग लिया। यह आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा रिसर्च, गाँधीनगर, गुजरात में किया गया जिसमें इन्होंने बीयूटीआई युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रतियोगिता में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- डॉ. गोवर्धन रेड्डी तुरपू के शोधार्थी गणेश बेरा और अराध्या मिश्रा ने 26 फरवरी से 03 मार्च, 2018 तक आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का विषय ''आधारभूत चुम्बकीय पदार्थ'' था जिसका आयोजन हैदराबाद विश्वविद्यालय में किया गया।

- दिसम्बर, 2017 को इंदौर एनुवल डे सेलिब्रेशन के अवसर पर यूजीसी–डीएई–सीएसआर में प्रस्तुत प्रपत्र के लिए गणेश बेरा (शोधार्थी) को सर्वश्रेष्ठ प्रपत्र का पुरस्कार मिला।
- 11–15 जुलाई, 2017 को सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा ''एडवांसड मटेरियल्स डेवलपमेंट एण्ड परफारमेंस'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में रश्मि तिवारी (शोधार्थी) ने ''स्ट्रेनरल कैरेक्टराइजेशन एण्ड इन्प्रुवमेंट इन मेटनेटिक प्रोपर्टिज ऑफ ए साइट सब्टिट्यूटेड एनआईएफई 204 से थाइज्ड बाई कम्बुशन टेक्नीक'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- आई.आई.टी. रूड़की द्वारा ''नेनो टेकनीलॉजिस, आईडियाज, इन्नोवेशन एण्ड इनिसिएटीव–2017'' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में रश्मि तिवारी (शोधार्थी) ने ''स्ट्रेक्चरल कैरेक्टराइजेशन इन सीडी मोडिफाइड Ni.Zn फेरिटेज'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- यूजीसी नेटवर्क रिसोर्स सेंटर भौतिकी विज्ञान संकाय, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा ''फंक्शनल मेटनेटिक मटेरियल'' विषय पर 26 फरवरी से 3 मार्च, 2018 तक आयोजित कार्यशाला में शोधार्थी रश्मि ने भाग लिया।
- 14–16 जुलाई, 2017 तक ''रिसेंट एडवांसेस इन फिजिक्स साइंस एण्ड फ्यूचर चेलेंजेस'' विषय पर आयोजित 29वाँ इंटर नेशनल एकेडमी ऑफ फिजिक्स साइंस (सीजीएनआईएपीएस–xx) में शोधार्थी मनोजीत डे ने ''सेन्थेसिस एण्ड स्ट्रेन इनडस स्ट्रेक्चरल कैरेक्टराइजेशन ऑफ NaNbo3 मोडिफाइड BiFeo3 मल्टीफेरिओइक्स'' विषय पर प्रपत्र पढ़ा।
- इंडियन इस्टीटयूट ऑफ टेक्नालॉजी, रूड़की, उत्तराखण्ड द्वारा 06–08 दिसम्बर, 2017 को ''नैनोटेक्नालॉजी आइडिया इनोवेशन एण्ड इनिसिएटिवस 2017'' विषय पर आयोजित 20वाँ अंतरर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधार्थी मनोजीत डे ने ''सेन्थेसिस एण्ड स्ट्रेक्चरल कैरेक्टराइजेशन ऑफ ए साइट Ba डोपेड Bifeo3'' विषय पर प्रपत्र पढ़ा।
- 15–16 फरवरी, 2018 को एसएसएन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग चेन्नई द्वारा ''रिसेन्ट एडवांसमेंट इन केमिकल, इन्वाइरमेंट एण्ड इनर्जी इंजीनियरिंग'' विषय पर आयोजित 29वाँ अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में शोधार्थी मनोजीत डे ने ''नेनो स्ट्रेक्चर्ड स्पाइनल फेरिटेज सेंथेसिस एण्ड कैरेक्टराइजेशन'' विषय पर पढ़ा और सर्वश्रेष्ठ प्रपत्र का पुरस्कार प्राप्त किया।
- 15–16 फरवरी, 2018 को एसएसएन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई, तमिलनाडु, इण्डिया द्वारा ''रिसेंट एडवांसमेंट इन केमिकल, इन्वायरमेंटल एण्ड इनर्जी इंजीनियरिंग'' विषय पर आयोजित 23वाँ अंतरराष्ट्रीय सेमीनार में शोधार्थी मनोजीत डे ने ''इकोफ्रेंडली बायोकेटालिस्ट ड्योबलाईज्ड ऑन टू एक्टीवेटेड कार्बन ऑबटेंड फ्रॉम एग्रीक्लचरल वेस्टेज'' विषय पर प्रपत्र पढ़ा।
- 27–28 फरवरी, 2018 को छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नालॉजी, दुर्ग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 26वाँ छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक कांग्रेस में शोधार्थी मनोजीत डे ने भाग लिया और ''स्टडीज ऑन स्ट्रेक्चरल, वाइब्रेशनल एण्ड डायलेक्ट्रीक कैरेक्टराईजेशन ऑफ NaNbo3 मोडिफाइड B1Feo3 विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- 23 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2017 को सेंटर फॉर नेनो एण्ड सॉफ्ट मेटर साइंस, जालाहल्ली, बेल्लूर द्वारा आयोजित ''डीएसटी नेनो स्कूल ऑन नेनो साइंस एण्ड नेनोटेक्नोलॉजी–फिजिक्स साइंस इमर्जिंग मटेरियल्स एण्ड मेथड्स इन नेनो साइंस एण्ड नेनो टेक्नालॉजी'' में हिस्सा लेने के लिए चयन किया गया।
- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित ''आईसीबीआर–2017 में शोधार्थी संतोष सिंह ने ''नेसेसीटी–एण्ड सम बेसिक प्रोपर्टिज ऑफ ट्रांसपोर्ट कंडक्टर्स'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

2.1.9 समाज विज्ञान अध्ययनशाला

इस अध्ययनशाला के अंतर्गत पाँच विभाग हैं अर्थशास्त्र विभाग, शिक्षा शास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास एवं समाज कार्य विभाग समाज विज्ञान अध्ययनशाला के अंतर्गत एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पंचवर्षीय पाठ्यक्रम एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित हैं।

अर्थशास्त्र विभाग

वैश्वीकरण के इस युग में, अर्थशास्त्र अध्ययन के सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक क्षेत्र के रूप में उभरा है। तदनुसार, अकादमिक एवं उद्योग जगत के लिए श्रेष्ठ अर्थशास्त्री एवं वित्तीय विश्लेषक तैयार करने के लिए 1989 में अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। इसी प्रयास के साथ, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण विभाग का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। अनुसंधान विकास एवं परामर्शपरक गतिविधियों में विभाग विशेष रूप से सक्रिय है। शोध केन्द्र के रूप में विभाग निजी के साथ–साथ सार्वजनिक क्षेत्रों को नीतिगत जानकारी प्रदान करता है। केन्द्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त विभाग का अपना समृद्ध विभागीय पुस्तकालय भी है, जो विद्यार्थियों को आसानी से उपलब्ध है। विभाग उद्यमिता विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्रों में विभाग से नियोजन का रिकार्ड काफी अच्छा है। विभाग में भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों के युवा एवं उच्च स्तर पर प्रेरित करने वाले शिक्षक हैं। विभाग को अपने सामूहिक प्रयास पर गर्व है, जिससे लगातार अधिक संख्या में मेधावी छात्र निकल रहे हैं।

विभाग की गतिविधियाँ

अपने विचारों की अभिव्यक्ति एवं मंच प्रदान करने के लिए विद्यार्थियों को मंच प्रदान करने पूरे सत्र के दौरान समूह चर्चा, संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

- विभाग ने सप्त वर्षीय योजना बनायी है।
- 15 से 17 अक्टूबर, 2017 को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह व अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विभाग के समस्त शिक्षकों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया गया।
- 16–17 फरवरी, 2018 को छात्र परिषद का चुनाव कराया गया जिसमें सभी विभागीय शिक्षकों ने अपनी सहभागिता दर्ज की। डॉ. नमिता शर्मा इस चुनाव में चुनाव अधिकारी के रूप में कार्यरत थी।
- 15 जनवरी 2018 विश्वविद्यालय स्थापना दिवस में सभी शिक्षकों ने अपना योगदान दिया।
- 12 जनवरी 2018 विवेकानंद जयंती के अवसर पर डॉ. नमिता शर्मा ने फार्मेसी विभाग में आयोजित रक्तदान शिविर में एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी ने रूप में अपनी सहभागिता दर्ज की।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- प्रो. मनीषा दुबे बालिका छात्रावास में प्रशासनिक अधीक्षिका के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं।
- इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय की कई समितियों में समन्वयक व सदस्य के रूप में शामिल हैं।
- राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा गोद ग्राम तेंदूभाठा में 7 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें प्रो. मनीषा दुबे द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर आधारित व्याख्यान दिया गया।
- डॉ. नमिता शर्मा बालिका छात्रावास में अधीक्षिका के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन कर रही हैं।
- डॉ. नमिता शर्मा के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना में कार्यक्रम अधिकारी के रूप में विश्वविद्यालय द्वारा घोषित गोद ग्राम तेंदूभाठा में 7 (23.02.2018 से 01.03.2018) दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया।
- डॉ. नमिता शर्मा विश्वविद्यालय अनुशासन समिति की सदस्य के रूप में कार्यरत् है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के कई समितियों में सदस्य के रूप में सम्मिलित हैं।
- डॉ. एस. किस्पोट्टा द्वारा 5 से 7 फरवरी, 2018 को छत्तीसगढ़ निवासी एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. के छात्र/छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति सत्यापन शिविर का आयोजन किया गया।

- डॉ. आर. शर्मा ने विश्वविद्यालय खेल सत्र 2017–18 के दौरान सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला की क्रिकेट टीम का नेतृत्व किया साथ ही डॉ. शर्मा ने विश्वविद्यालय शिक्षक स्तरीय प्रतियोगिता के अंतर्गत पुरूष युगल बैडमिंटन में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

शिक्षाशास्त्र विभाग

विद्यार्थियों की क्षमताओं को उजागर कर उनका विकास करने, सशक्त बनाने एवं शिक्षा जगत में कल्पनाशील मानव शक्ति तैयार करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग की स्थापना की गई है। शिक्षा विभाग प्रबुद्ध, संवेदनशील एवं क्षमतावान शिक्षकों का समूह है जो उच्च मानक वाले शैक्षणिक वातावरण में सांस्कृतिक मूल्य युक्त ज्ञानवान, समझदार, संस्कारी और दायित्व को निर्वहन करने वाले शिक्षक, शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों को तैयार करने की ओर अग्रसर है। यहाँ भावी शिक्षकों को प्रायोगिक अनुभवों के माध्यम से उन्हें आवश्यकताओं और मूल्यों के प्रति संवेदनशील बनाया जाता है। विभाग विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिभागिता हेतु सभी प्रकार की सुविधाएँ एवं अनुभव प्रदान करता है। विगत् सत्रों में विभाग के कई विद्यार्थियों ने सीटीईटी, एनईटी, जेआरएफ आदि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त किया है।

आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''शिक्षकों के शिक्षण में शैक्षणिक एवं मूल्याँकन संबंधी समस्या'' की स्मारिका का विमोचन

शिक्षा विभाग अपने अनुशासन एवं विद्यार्थियों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए जाना जाता है। विभाग विद्यार्थियों को सर्वोत्तम तकनीक एवं गुणात्मक ज्ञान, समुन्नत ग्रंथालय, इन्टरनेट की सुविधा प्रदान करता है। विभाग में सतत् संगोष्ठी, कार्यशाला, सामूहिक कार्यक्रम, शोध अनुभव एवं अन्य पाठ्य–सहायक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

वर्तमान में शिक्षा विभाग में बीएड, एमएड, बीएड विशिष्टि शिक्षा (अधिगम अक्षमता, श्रवण बाधिता) पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं। प्रदर्शन–पाठ, अभ्यास, इंटरनेशनल कार्यक्रम विभाग की प्रमुख विशेषताएँ हैं। विभाग शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता है। विभाग विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रतिभा एवं खेल–कूद संबंधी प्रतिभा की पहचान कर उसे प्रोत्साहित करने के लिये विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है। विभागीय पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए प्रर्याप्त संख्या में पाठ्य–पुस्तक एवं संदर्भ पुस्तकें उपलब्ध हैं।

विभाग ने 1.79 करोड़ रूपये की राशि प्रत्येक वर्ष की विभिन्न अकादमिक गतिविधियों के लिये प्राप्त किया तथा तीन वर्षों के लिए 5.39 करोड़ रूपये PMMMNMTT योजना के अन्तर्गत जनवरी 2018 में प्राप्त किया।

विभागीय गतिविधियाँ

- 23 से 24 फरवरी, 2018 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह सेमिनार आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित था। सेमिनार का विषय ''पेडागोजीकल एण्ड एसेसमेंट इश्यूज इन टीचर्स एजुकेशन'' था।

- प्रारंभिक स्तर के अंग्रेजी भाषा शिक्षकों हेतु रीडिंग कार्डस पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनाँक 27 एवं 28 मार्च, 2018.

अंग्रेजी के प्रारंभिक अध्येताओं के लिये 'रीडिंग कार्डस इन इंग्लिश' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला

- 22 मार्च, 2018 को बी.एड स्पेशल एजुकेशन (एचआई और एल.डी.) के लिए 'ऑडियोलॉजी' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- 22–24 मार्च, 2018 तक बी.एड IV सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए ''टर्टफूलनेस ए वे ऑफ मेडिटेशन'' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. सुजीत मिश्रा के निर्देशन में चार छात्रों को शोध की उपाधि प्रदान की गई एवं तीन छात्रों ने शोध प्रबंध जमा किया।
- 08–10 जून, 2017 को हवाबाग महिला महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार ने डॉ. सुजीत मिश्रा रिसोर्स पर्सन के रूप में बुलाए गए। सेमिनार का विषयः–इग्जामिनेशन रिफार्म क्वालिटी इश्यु'' था। इन्होंने ''एनालाइशिस ऑफ क्वेशचन पेपर टू नो देयर स्टेंडर्ड एज की पोइंट ऑफ इग्जामिनेशन सिस्टम''
- शिक्षा के क्षेत्र में अपने अभूतपूर्व योगदान के लिए सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च एण्ड डिजाइन वेनस इन्टरनेशनल फाउंडेशन चेन्नई द्वारा 03 जुलाई, 2017 को डॉ. सुजीत मिश्रा को 'इंटरनेशनल अवार्ड ऑफ आउट स्टैण्डिग फेकल्टी ऑफ सोसल साइंस' प्रदान किया गया।
- 5–6 जनवरी, 2018 को बिलासपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. मुकेश कुमार चंद्राकर के प्रपत्र को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- 7 विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट परीक्षा पास की जिसमें 03 (JRF) हैं।
- श्री आशुतोष ने केवीएस नेट, जीटी पद पर शासकीय पदभार ग्रहण किया।
- श्री अश्वनी कुमार (बीएडएलडी) एवं सुश्री प्राची खरे (पीएच.डी.) ने पंचायत शिक्षक के रूप मे शासकीय पदभार ग्रहण किया।
- मार्च, 2018 को आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में चार विद्यार्थियों (शताब्दी सरकार, एम.एड–IV सेमेस्टर, संध्या सिंह, नाजिया मोनिर और मुकेश साहू बी.एड IV सेमेस्टर) को डी.पी.एस. रायगढ़ परिसर में चयन किया गया।
- सत्र 2017–18 के लिए बी.एड. IV सेमेस्टर के विद्यार्थी संध्या सिंह और बच्चालाल यादव को क्रमशः महिला एवं पुरूष वर्ग में जेंडर चैम्पियन चयनित किया गया।
- बच्चालाल यादव (बी.एड. IV सेमेस्टर) को विद्यार्थियों की पत्रिका 'उड़ान' का सदस्य के रूप में चुना गया।
- लॉ विभाग द्वारा प्रायोजित लेक्स इग्निशिया में बच्चालाल यादव, IV सेमेस्टर ने प्रथम पुरस्कार जीता।
- एम.एड. IV सेमेस्टर विद्यार्थी निखत और बबिता कवंर ने दिसम्बर, 2017 में सरकारी सेवा में कार्यभार ग्रहण किया।

इतिहास विभाग

समाज विज्ञान अध्ययनशाला के अन्तर्गत वर्ष 1996 में स्थापित इतिहास विभाग सफलता पूर्वक 17 वर्ष पूर्ण कर चुका है। विभाग में बी.ए. आनर्स, एम.ए. (मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास में विशेषज्ञता के साथ) और पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित हैं। कक्षा में अध्यापन का माध्यम परीक्षाओं की भांति हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में है। पंचवर्षीय एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तीन वर्ष बी.ए. (आनर्स) का सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर निकास विकल्प के साथ 2009–10 से संचालित है।

30 जनवरी 2018 को विभागाध्यक्ष द्वारा नशामुक्ति का शपथ लेते हुए

विभाग में शोध एवं अध्ययन का मुख्य केन्द्र बिन्दु छत्तीसगढ़ के इतिहास के विशेष संदर्भ में अध्ययन एवं विकास तथा पर्यटन का इतिहास है। प्री.पीएच.डी. कोर्स वर्क आरंभ होने के साथ विभाग में इतिहास के क्षेत्र में शोध एवं विकास परक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से संलग्न है। इस क्रम में विभाग प्रतिष्ठित इतिहासकारों एवं इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का व्याख्यान आयोजित करता है। विभाग ऐतिहासिक महत्व और महान व्यक्तित्वों से जुड़ी तिथियों पर संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों का आयोजन करता है। विभाग शोधकार्य एवं विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्तियों एवं अध्येतावृत्तियों की सुविधा प्रदान करता है। विभाग द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न सह–शैक्षणिक गतिविधियों में राष्ट्रीय सेवा योजना आदि के माध्यम से सहभागिता हेतु प्रेरित किया जाता है। जिससे उनके व्यक्तित्व का बहुमुखी विकास हो और उनके भीतर सामुदायिक भावना का विकास हो सके।

विभाग के पास लगभग 200 पुस्तकों से पूर्णतः सुसज्जित ग्रंथालय है। इन पुस्तकों के अतिरिक्त विद्यार्थी केन्द्रीय ग्रंथालय की सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं जिसमें इंटरनेट की सुविधा भी उपलब्ध है। इसमें शोध–ग्रंथों, संदर्भ पुस्तकों और शोध प्रबंध बड़ी संख्या में हैं जिसे विद्यार्थी इंटरनेट के माध्यम से देख सकता है। स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नियमित शिक्षण के अतिरिक्त विभागीय शिक्षक विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रशासनिक परीक्षाओं और यू.जी.सी. कोंचिंग से भी सम्बद्ध है।

विभाग का उद्देश्य मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास पर अध्ययन एवं शोध, छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में क्षेत्रीय अध्ययन विकास पर ध्यान केन्द्रित करना, छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में पर्यटन के इतिहास का अध्ययन करना, इतिहास के क्षेत्र में विद्यार्थियों को आधुनिक तौर–तरीकों एवं विकास/परिवर्तन तकनीक से समृद्ध करना।

विभागीय गतिविधियाँ

- 02 अक्टूबर, 2017 को इतिहास विभाग द्वारा ''स्वच्छता पखवाड़ा'' के दौरान यू.टी.डी. परिसर की साफ–सफाई एवम् पोस्टर के माध्यम से ''ग्रीन–इण्डिया–क्लीन–इण्डिया'' का संदेश दिया गया।
- 23 नवम्बर, 2017 को ''साम्प्रदायिक सौहार्द्र'' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया।
- 30 जनवरी, 2018 को ''नशा मुक्ति दिवस'' के उपलक्ष्य में नशा मुक्त समाज हेतु शपथ ग्रहण एवम् परिचर्चा का आयोजन किया गया।

02 अक्टूबर 2017 को स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग परिसर को साफ करते हुए

- 23 मार्च, 2018 को शहीद दिवस के अवसर पर ''भगत सिंह के विचारों की वर्तमान प्रिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता'' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया।
- इतिहास विभाग द्वारा ''संकल्प से सिद्धि'' (नवभारत अभियान 2017–22) की सफलता हेतु शपथ ग्रहण समारोह का

आयोजन किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. सीमा पाण्डेय एवम् विपिन तिर्की द्वारा गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर एवम् बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर में आयोजित ''अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी'' में शोध पत्रों का वाचन।
- डॉ. घनश्याम दुबे द्वारा गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर एवम् बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर में आयोजित ''अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी'' में शोध पत्रों का वाचन।
- डॉ. महेश कुमार शुक्ल एवम् अतुल कुमार मिश्रा द्वारा गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर एवम् बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर में आयोजित ''अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी'' में शोध पत्रों का वाचन।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- अभिषेक अग्रवाल शोध छात्र द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा 2018 उत्तीर्ण।
- अभिषेक अग्रवाल शोध छात्र द्वारा गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर एवम् बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर में आयोजित ''अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी'' में शोध पत्रों का वाचन।
- अभिषेक अग्रवाल शोध छात्र द्वारा शोध पत्रों का प्रकाशन ''प्रिंटिंग एरिया एवम् स्वदेशी रिसर्च फाउन्डेशन'' में किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग

1987 में स्थापित, राजनीति विज्ञान विभाग विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है। विभाग राजनीति विज्ञान विषय में पाँच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम जिसमें तीन साल बाद एक ऑनर्स डिग्री, राजनीति विज्ञान में परास्नातक डिग्री एवं शोध उपाधि की सुविधा प्रदान करता है। छात्रों और शिक्षकों के लिए वातानुकूलित पढ़ने के कमरे की सुविधा वाला एक समृद्ध पुस्तकालय विभाग द्वारा व्यवस्थित किया गया है जहाँ शिक्षक और छात्र एक–दूसरे के साथ अकादमिक चर्चा परिचर्चा करते हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 300 से अधिक पाठ और संदर्भ पुस्तकें उपलब्ध हैं। विभाग के शिक्षकगण निरन्तर गुणवत्ता पूर्ण शोध कार्य में संलग्न रहते हैं।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

सत्र 2017–2018 में विभाग के शिक्षक निरन्तर देश भर में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, परिचर्चाओं एवं कार्यशालाओं में निरन्तर सहभागिता और शोधपत्र प्रस्तुत किये हैं। अपने ज्ञान को संवर्धित करने के लिए शिक्षकों द्वारा रिफ्रेशर कोर्स भी किये गये हैं। विभाग के शिक्षकों ने अपने शोधपत्र प्रकाशित किये हैं।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- 5–6 अप्रैल, 2017 को आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम अक्स 2017 सामाजिक विज्ञान एवं कला संकाय के संयुक्त तत्वावधान मे किया गया। जिसमें विभाग की छात्रा शाजिया फरहीन बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर ने महिला समन्वयक के रूप में भूमिका अदा की।
- आकाश अग्रवाल, शिवानी त्रिपाठी, वेदांश मिश्रा एवं सत्यजीत राय, बी.ए चतुर्थ एवं द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने मुख्य समूह के सदस्यों के रूप में भागीदारी सुनिश्चित की।
- 24–26 अगस्त, 2017 में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अल्का शर्मा, निशा कश्यप, अंबिका गुप्ता, हर्षा साहू ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत कर सहभागिता सुनिश्चित की।

- पूर्व छात्र आशुतोष अहिरे हिदायतुल्ला नेशनल लॉ युनिवर्सिटी, रायपुर में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत् हुए।
- हर्षा साहू, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर एवं शोध छात्र अमित कुमार गुप्ता, ने राष्ट्रीय शैक्षिक पात्रता परीक्षा पास की।
- हर्षा साहू,, प्रियांश तिर्की, बुद्धदेव मंडल एम.ए. तृतीय सेमेस्टर ने राज्य शैक्षिक पात्रता परीक्षा पास की।
- निशा कश्यप एम.ए. तृतीय सेमेस्टर एवं सत्यजीत राय बी.ए. तृतीय सेमेस्टर को विद्यार्थी परिषद चुनाव 2017–18 के सदस्य के रूप में चुना गया।
- वेदांश मिश्रा बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र को संकाय स्तर पर जेण्डर चैंपियन के रूप में नियुक्त किया गया।
- अजय कुमार बी.ए. तृतीय सेमेस्टर ने राष्ट्रीय स्तर पर हैण्डबॉल टीम में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

समाज कार्य विभाग

व्यावसायिक शिक्षा और सामाजिक कार्य में प्रशिक्षण की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए 1998 में समाज कार्य विभाग की स्थापना की गई। यह विभाग नए आर्थिक युग में छात्रों को प्रभावी सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए तैयार करता है और हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और जीवन में जिज्ञासा व गुणवत्ता की संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाता है। समाज कार्य पाठ्यक्रम में कक्षा में अध्यापन के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों के अंतर्गत क्षेत्र अभ्यास के माध्यम से सीखना भी शामिल है। विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग का उद्देश्य लोकतंत्र, शांति, मानवाधिकार, लोक सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय व मानवीय विविधता के प्रति प्रतिबद्धता में वृद्धि करते हुए छात्रों को समाज कार्य वृत्तिक बनाने के लिए तैयार करना है।

समाज कार्य विभाग में छात्रों को व्यक्तियों, परिवारों, समूहों, समुदायों एवं विकास संगठनों के साथ सीधे सीखने का अनुभव प्राप्त होता है। विभाग के शिक्षक पर्यवेक्षक कार्यस्थल पर ही मार्गदर्शन देते हुए छात्रों की सहायता प्रदान करते हैं। समाज की समकालीन जरूरतों को पूरा करने एवं छात्रों में व्यवसायिक विकास करने के लिए उन्हें प्रशिक्षित करना और मानव हित में स्वयंसेवी संगठनों व स्थानीय प्रशासन के साथ प्रभावी सहयोग व उन्हें रोजगार के अच्छे अवसर उपलब्ध कराना एक चुनौती है। विभाग विभिन्न गैर सरकारी संगठनों एवं शासकीय लोक कल्याण अभिकरणों के नियमित भ्रमण की सुविधा छात्रों को प्रदान करता है, ताकि वे सामाजिक एवं विकासशील क्षेत्रों की जिम्मेदारियों एवं सांसारिक चुनौतियों का सामना कर सकें।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- श्री विक्रम सिंह, स्वामी विवेकानंद बालक छात्रावास में आवासीय अधीक्षक के पद पर नियुक्त हुए।
- डॉ. अर्चना यादव, बालिका छात्रावास में अधीक्षक के पद पर नियुक्त हुईं।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- बबीता पांडे का चयन इंडिया फेलोशिप 2018 के लिए हुआ।
- ए. हर्षिता एवं सुनील सिंह का चयन राष्ट्रीय युवा संसद के लिये हुआ।
- विकास सिंह एवं राजेन्द्र सिंह टेकाम का चयन यूजीसी नेट परीक्षा 2017 में हुआ।
- ए. हर्षिता राष्ट्रीय वाद–विवाद प्रतियोगिता की विजेता रही।
- प्रवीण धीवर ने विश्वविद्यालयस्तरीय खेल–कूद प्रतियोगिता में 04 स्वर्ण पदक प्राप्त किये।
- प्रवीण धीवर को अतिरिक्त गतिविधियाँ सत्र 2017–18 में सदस्य मनोनित किया गया।

व्यावहारिक क्षेत्र कार्य

विषम सेमेस्टर जुलाई 2017–18 में एम.एस.डब्ल्यू प्रथम वर्ष एवं बी.एस.डब्ल्यू प्रथम वर्ष के छात्रों को विभिन्न गैर सरकारी संस्थानों में फिल्ड वर्क के लिये भेजा गया जिसका विवरण निम्नलिखित है–

विद्यार्थियों का नाम	संस्था का नाम व पता
नंदनी पटेल,जय कुमार साहू, भुवनेश्वरी, प्रदीप कुमार, दिब्य प्रताप सिंह कुर्रे	शिखर युवा मंच, सेंट फ्रांसिस स्कूल के पास अमेरी रोड़, नेहरू नगर बिलासपुर भुपेश वैष्णव 9827409543
दीपक तिवारी, प्रवीण बानू, सुयश सिंह राजपूत, सुभांगी शर्मा, ललित चन्द्राकर	हाफ वे होम, सेंदरी रोड़, शासकीय इंजीनियरिंग के नजदीक बिलासपुर, गोपाल देवांगन 7999525913
रेशम कुमारी, अनुराग उपाध्याय, अमन कौशिक, सलमान टोप्पो, आंचल थेथवर, सोहागी हेमब्रोन	एम.आई.टी. डब्ल्यू. ए., जरहाभाटा, राजीव गांधी चौक के पास बिलासपुर आशीष 9981713523
दीपा सिंह, देवांग परमार, सुरंजना पाण्डेय	सी.जी.पी.वी.एस.नेहरू चौक के पास चाटापारा बिलासपुर, उमेश शुक्ला, 9300326034
धर्मेन्द्र, हिमांशु गुरूदवान, मेरी स्टेला, पूजा त्रिपाठी	मॉ विंदेश्वरी शिक्षण समिति, चिल्ड्रेन होम, उसलापुर, सी.एल.चन्द्राकर 8770130651
अनामिका साहू, लवलेश चन्द्राकर, संगीता यादव, प्रसंशा बाजपेयी, सुभम कुमार, घनश्याम कश्यप	सर्मिपत, मगरपारा चौक, ताला पारा बिलासपुर, संदीप शर्मा 9893428881
मंशू शुक्ला, ज्ञानचन्द पटेल,	नेहरू युवा केन्द्र, महामाया विहार बिलासपुर राकेश शर्मा 9827173713
सुप्रिया पाठक, प्रमोद कुमार	कल्याण कुंज, ओल्ड एज होम, सिविल लाईन पुलिस मैदान के पास बिलासपुर,
विकास साहू, दीपांजली	मुक बधिर महिला छात्रावास, कुदुदण्ड रोड़, मॉ तुलाजा मंदिर के पास बिलासपुर, ममता शर्मा 94252220976
याशीन खान, अंकिता सिंह, ए. हर्षिता, सुनील सिंह	विकास सेड फाउंडेशन चौबे कॉलोनी, बंधुवा पारा, नूतन चौक बिलासपुर लक्ष्मी जायवाल 9893272722

बीएसडब्ल्यू तृतीय, पंचम सेमेस्टर एवं एमएसडब्ल्यू तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के द्वारा रूरल कम्युनिटी ग्राम पंचायत कछार, निरतू, लोखंडी, लोफंदी और सेंदरी में कम्युनिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से निम्नांकित जागरूकता संबंधी कार्य किये गये।

कमांक	ग्राम पंचायत	किये गये कार्य	स्थापन्न किये गये विद्यार्थी	
			एमएसडब्ल्यू III सेमेस्टर	डीएसडब्ल्यू III&v सेमेस्टर
1.	कछार	• शराब से संबंधित जागरूकता रैली • स्वास्थ्य शिविर • महिलाओं एवं लड़कियों के लिए सिलाई, कढ़ाई एवं हैण्डीकाफ्ट का प्रशिक्षण • अंतरराट्रीय महिला दिवस का आयोजन • सांस्कृतिक कार्यक्रम	राजेन्द्र सिंह टेकाम, प्रवीण धीवर, सोनू सिंह चन्देल, प्रियंका सेण्डे	अंजली बेक, आशीष निर्मलकर
2.	लोखण्डी	• कुष्ठ रोग जागरूकता शिविर • सामान्य स्वास्थ्य शिविर • स्वच्छता अभियान जागरूगता रैली • अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर स्त्री शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता अभियान का आयोजन • सांस्कृतिक कार्यक्रम	नीतू शर्मा, अरविन्द मिंज, अक्षय जैन, बबिता पाण्डेय	

3.	निरतू	• शिक्षा के ऊपर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन • अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया • स्वास्थ्य शिविर • सांस्कृतिक कार्यक्रम	विकास सिंह, सौरभ सोनी, शैली दिवान	राहुल मिश्रा, सीमरन अहुलवालिया
4.	सेन्दरी	• विद्यालय परिसर में वृक्षा रोपण • अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर स्त्री शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता अभियान का आयोजन • विश्व महिला दिवस मनाया गया • स्वास्थ्य शिविर • सांस्कृतिक कार्यक्रम	महेन्द्र कुमार, शैलेन्द्र सिदार, गीता भार्गव, कांति लकड़ा	सौरभ साहू, अर्चना कुमारी
5.	लौफंदी	• जल बचत के उपर विश्व जल दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन • मसरूम की खेती के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम • विश्व महिला दिवस मनाया गया • जीवन एवं शैक्षिक दक्षता के उपर कार्यशाला का आयोजन • सांस्कृतिक कार्यक्रम	जॉन निर्मल एक्का, आकाश दत्ता, जया सुरेन्द्र, दीक्षा साहू	इकरार खान, नेहा पटेल, राधिका दहिवेले

2.2 सूचना संचार प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर सुविधाएँ (कम्प्यूटर सेंटर) / आईयूएमएस

विश्वविद्यालय में संगणक केन्द्र की स्थापना की गई है जिसमें अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न उपकरण जैसे डेस्कटॉप (50–डूएल कोर एण्ड आई–5) लेजर प्रिंटर बी/एब्लू (04) टब एण्ड स्वीचेंज एल–सी.डी. प्रोजेक्टर, विजुअल स्टुडियो 2008, एम.एस.ऑफिस 2007, एस क्यू एल सर्वर 2005, विन सर्वर ई.एन.टी.2003, आर 2, ऑफिस प्रो. 2003 और मीडिया प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय में एक मात्र कम्प्यूटर सेंटर होने के कारण इसका पूर्ण उपयोग किया जाता है। संगणक विभाग एम.सी.ए.,एम.एससी (सी.एस.) 5 वर्षीय यूजी/पीजी, एकीकृत बी.एस.सी. (सी.एस.) के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर प्रयोग के लिए सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। साथ ही विभाग विश्वविद्यालय के अन्य विभागों जैसे शारीरिक शिक्षा, भैषजिक विज्ञान मुख्य रूप से यूजी/पीजी के छात्रों आदि को भी कम्प्यूटर की सुविधा उपलब्ध कराता है। संगणक केन्द्र विश्वविद्यालय से जुड़े अन्य संगणकीय कार्य जैसे शिक्षण, शोध, अकादमी, परीक्षा एवं वित्तीय विषयों से जुड़े कार्यों में सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। संगणक केन्द्र समय–समय पर प्रजेटेंशन, लेक्चर, सेमिनार/कॉन्फ्रेंस, एम.सी.ए/एम.ए.सी प्रोजेक्ट एल.सीडी के साथ प्रजेटेंशन, पीएच.डी. प्रेजेटेंशन आदि में सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। वर्तमान में 50 नोड्स नेटवर्क जुड़ा हुआ है और विश्वविद्यालय के कर्मचारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी को इंटरनेट और वाई–फाई की सुविधाएँ दी जा रही है।

वेबसाइट का रख–रखाव

विश्वविद्यालय में 2005 में स्थापित वेबसाइट (www.ggu.ac.in) के रख–रखाव की व्यवस्था कम्प्यूटर सेंटर करता है। वेबसाइट की सामग्री अभी लगभग 600 पृष्ठ तक पहुँच गई है। गुरू घासीदास विवविद्यालय का वेबसाइट (हिंदी और अंग्रेजी में) द्विभाषी है। केन्द्र विभाग/प्रकोष्ठ द्वारा दिए गए सामग्रियों का यथा शीघ्र वेबसाइट पर अपलोड करता है विश्वविद्यालय का अधिकारिक वेबसाइट एनआइसी सर्वर में स्थापित है। वेबसाइट सतत रूप से प्रशासन, टेंडर, समय सारणी, परीक्षा, भर्ती, फोटो गैलरी छात्रों की गतिविधि आदि से संबंधित सूचनाएँ अपडेट करता रहता है। हमारी वेबसाइट गाइडलाईन फॉर इंडियन गवनर्रमेंट वेबसाइट (वी.आई.जी.डब्ल्यू) के निर्देशों का पूर्णतः पालन करता है।

भारत सरकार द्वारा कराए जाने वाले सीधा प्रसारण की व्यवस्था करना

समय–समय पर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर के वेबसाइट कार्यक्रम हेतु प्रसार कम्प्यूटर केन्द्र सभी छात्रों शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए करता है। एच.आर.डी.सी. एवं अन्य संस्थाओं द्वारा किए जाने वाले वीडियो कांफ्रेसिंग एवं अन्य कार्यक्रमों का समायोजन भी केन्द्र द्वारा वि.वि. में किया जाता है जिसमें वि.वि. के शिक्षकों की भागीदारी हो। वर्तमान में विद्यमान एन.के.एन. का उपयोग इंटरनेट सुविधा से किया जाता है। 11 सितम्बर, 2017 को माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा संबोधित प्रसार वि.वि. में किया गया। 13 सितम्बर, 2017 को सभी केन्द्रीय वि.वि. के कुलपतियों की माननीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ हुई बैठक के सीधा प्रसारण की व्यवस्था वि.वि. में की गई।

डिजिटल एवं कैशलेस विनमय

राष्ट्रीय डिजिटल मिशन को आगे बढ़ाते हुए वि.वि. सभी तरह का भुगतान ऑन लाइन करता है। सभी प्रकार के शुल्क का भुगतान विभिन्न बैंकों में उपलब्ध आई.यू.एम.एस. सेवा द्वारा किया जाता है।

गुरु घासीदास वि.वि. में इंटरनेट की सुविधाएँ

अक्टूबर, 2012 से नेशनल मिशन ऑन एजुकेशन न्यू इंफॉर्मेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नालॉजी (एनएमईआईसीटी)/नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) के द्वारा वि.वि. में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध की जा रही है। इण्डस्ट्री स्टेंडर्ड कॉपर एण्ड ऑप्टिक फाइबर कैबलिंग एण्ड नेटवर्क प्रोडक्ट्स ऑफ ए प्रोपर लेन इन्फ्रास्ट्रक्चर (20–25 कि.मी. के बीच) रूटर स्वीलेग फायरवाल, 460 नीड पाइंट से जुड़ा सभी भवन जिसमें कटी 3000 से अधिक नोड्स जुड़े हैं और भवन के बाहर जुड़े अन्य स्थानों पर 24x7 तक इंटरनेट उपलब्ध है। परिसर का एलएएन लेयर एप्रोच पर आधारित है जो वि.वि. में एनकेएन और बीएसएनएल के एफएमसी की सहायता से हमेशा इंटरनेट उपलब्ध कराता है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की कैंपस कनेक्ट परियोजना के तहत वि.वि. में मुफ्त वाईफाई की सुविधा वर्ष 2017 में दिया गया। अब वि.वि. परिसर को सभी अकादमिक भवन, छात्रावास, अतिथिगृह के वाईफाई उपलब्ध है। वि.वि. के सभी शिक्षक, अधिकारी, छात्र एवं कर्मचारी को 24x7 इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। यह परियोजना दो भागों में शुरू किया गया । प्रथम फेज में नेशन इंफार्मेशन सेंटर सर्विस इनकॉरपोरेटेड (एनआईसीएसआई) एवं दूसरे फेज में रेलटेल कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड विप्रो द्वारा किया और सक्रिय रूप से परिसर की इंटरनेट सेवा की देख–रेख करता है। वि.वि. के विभिन्न भवनों में 250 से ज्यादा एक्सेस पाइंट स्थापित किए गए हैं।

एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन व्यवस्था (आई.यू.एम.एस.)

ऑनलाइन इंटीग्रेटेड एकेडमिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रक्रिया में ई–गर्वनेंस की शुरूआत। भारतीय वि.वि. को पारंपरिक से अत्याधुनिक बनाने के लिए इंण्डियन टेलीफोन इंडस्ट्री द्वारा ऑनलाइन एवं डिजिटल सुविधाओं के तहत् एकीकृत वि.वि. प्रबंधन सुविधा का प्रारंभ किया गया। इस सुविधा के अंतर्गत वर्तमान में निम्नलिखित मॉड्यूल सक्रिय हैं–

- फिनांशियल एकाउंटिंग वि.वि. के सभी वित्तीय संबंधी विषयों को देखता है।
- एकेडमिक एण्ड फी मॉड्यूल के द्वारा ऑनलाइन नामांकन सेवा, पंजीकरण, विद्यार्थियों का तथ्यात्मक विवरण और पाठ्यक्रम संरचना की देखरेख की जाती है।
- इग्जामिनेशन मॉड्यूल सभी पंजीकृत छात्रों का डेटाबेस तैयार करता है एवं उनकी परीक्षा और परिणाम का सभी डेटा तैयार करता है।
- आर.एच.एम.एस. मॉड्यूल स्थापना शाखा के सभी कर्मचारियों का प्रक्रिया संबंधी कार्य देखता है।
- एम्पलाई पोर्टल वि.वि. के कर्मचारियों को सेवाओं से जुड़े सूचना जैसे वेतन, वेतन रसीद, सर्विस बुक इसके साथ ही

छुट्टी संबंधी आवेदन, लॉन, एडवांसेस इत्यादि से संबंधित ऑनलाइन सेवा देता है।

- गेस्ट हाउस पोर्टल गेस्ट हाउस में कमरा आबंटन, कमरे की उपलब्धता से जुड़े मामलों को देखता है।
- स्टूडेंट पोर्टल वि.वि. के पंजीकृत छात्रों का स्वतंत्र पोर्टल है यह पोर्टल विद्यार्थियों के निजी प्रोफाइल, विषय पंजीकरण, विषय कार्ड परीक्षा परिणाम, शिक्षक फीडबैक, ऑनलाइन चालान शुल्क भुगतान आदि सुविधाओं को देखता है।
- आर.टी.आई. मॉड्यूल आर.टी.आई. से संबंधित सभी तरह के संबंधों की सूचना देता है एवं सभी दस्तावेजों का रिकार्ड रखता है तथा आवेदनों पर किस तरह की कार्रवाई हुई है इसकी भी सूचना देता है।
- लीगल मॉड्यूल वि.वि. से जुड़े सभी मामलों को ऑनलाइन जानकारी देता है।
- हॉस्टल मॉड्यूल छात्रावास की उपलब्धता, आबंटन फी आदि संबंधी सुविधाओं की देख–रेख करता है।
- कोर्ट केस मॉनिटरिंग सिस्टम (लीगल) सभी प्रकार के लीगल मुकदमों से जुड़ी जानकारी देता है–जैसे केस हिस्ट्री, रिकार्ड, प्रबंधन एवं एमआईएस से संबंधित ।
- इन्वेंटरी स्टोर संबंधी कामों की ऑनलाइन सुविधा देता है।
- प्री एडमिशन नए विद्यार्थियों से संबंधित सूचनाओं को स्वतंत्र रूप से देखता है जैसे वीईटी और वीईआरटी से संबंधित अधिसूचना, ब्रॉचर, विज्ञापन, सूचना सीटों का विवरण, नियम, नए विद्यार्थियों का पंजीकरण, ऑनलाइन फॉर्म जमा करना, ऑनलाइन शुल्क भुगतान, विषयवार क्रमांक संख्या का आबंटन एवं अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराता है।
- मेडिकल बिल पेज के माध्यम से उपभोक्ता, डॉ. का नाम, उपचार खर्च, हॉस्पिटल का नाम आदि अपडेट कर सकता है। उपभोक्ता उन अस्पतालों के नाम भी डाउन लोड कर सकते हैं, जो ड्रॉपडाउन में हास्पिटल मास्टर के रूप में उपयोगी है।
- व्हेकील के द्वारा उपयोगकर्त्ता अपना मास्टर डेटा एकाउंट बना सकता है और अपने अनुसार कॉन्फीगरेट कर सकता है।
- डीएमएस कागजात प्रबंधन व्यवस्था उपयोगकर्त्ता फाईल (सर्कुलर, गाइडलाइन) अपलोड कर सकता है।
- वाइस चांसलर ऑफिस मैंनेजमेंट सिस्टम ।
- एफएमएस फाइल मैंनेजमेंट एण्ड ट्रेकिंग सिस्टम।

2.3 मानव संसाधन विकास केन्द्र

यू.जी.सी.–अकादमिक स्टाफ कॉलेज का नाम वर्ष 2015 में परिवर्तित कर यू.जी.सी.–मानव संसाधन विकास केन्द्र किया गया है जो कि दिनांक 01 फरवरी 2015 से प्रभावी है। विभिन्न विषयों में संकाय के लिए सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पूरा करने और शिक्षकों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका हेतु दिनांक 27 मार्च 2009 को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) के हरे–भरे परिसर में यू.जी.सी.–अकादमिक स्टाफ कॉलेज स्थापित किया गया था। यू.जी.सी. नई दिल्ली के दिशा निर्देशों के अनुसार एच.आर.डी.सी. द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम– उन्मुखीकरण कार्यक्रम, पुनःश्चर्या पाठ्यक्रम, अल्प अवधि पाठ्यक्रम, पारस्परिक विचार–विमर्श, कार्यशाला, संगोष्ठी आयोजित किये जा रहे हैं। एच.आर.डी.सी. के पास आडियो–विजुअल, इंटरनेट एवं मल्टीमीडिया सुविधाओं के साथ उत्कृष्ट कक्षाएँ हैं जो कि सीखने के लिए आर्कषक परिवेश बनाती हैं। अत्याधुनिक सूचना संचार प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (कम्प्यूटर लैब) तेज गति इंटरनेट

यूजीसी–एचआरडीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी एवं केन्द्र के अधिकारीगण

के साथ सुविधा है जो कि प्रशिक्षण के दौरान समय–समय पर प्रशिक्षणार्थियों को कौशल व प्रायोगिक सीखने के लिए अवसर प्रदान करते हैं। विषय विशेषज्ञों व प्रशिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एच.आर.डी.सी. के पास स्वयं का एक पुस्तकालय है जिसमें 533 पुस्तकें व डिजीटल रिसोर्सेस हैं। साथ ही विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय भी एच.आर.डी.सी. को इनफिलिबनेट, साइंस डायरेक्ट, ई–रिसोर्सेस, पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की सुविधा प्रदान करती हैं। इस केन्द्र में प्रतिभागियों हेतु सुसज्जित अतिथि गृह, चिकित्सा एवं परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों के अलावा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान देने के लिए प्रख्यात शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को विषय विशेषज्ञों के रूप में आमंत्रित किया जाता है। अत्यधिक प्रेरित करने वाले प्राध्यापक, अत्याधुनिक सुविधाएँ, उत्कृष्ट आवासीय सुविधा एवं माहौल आदि एच.आर.डी.सी. की विशेषता हैं और गुणवत्ता कार्यक्रमों के सफल संगठन की कुंजी है।

प्राचार्यों के समागम पर एस.टी.सी. (08.09.2017)

दृष्टि – इस केन्द्र में उच्च शिक्षा के लक्ष्यों और उददेश्यों को प्राप्त करने की दिशा में एच.आर.डी.सी. गुणवत्ता शिक्षा के मूल्यों का प्रचार करने और शिक्षकों को बौद्धिक रूप से प्रबुद्ध, नैतिक रूप से ईमानदार, भावनात्मक रूप से संतुलित, सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध, देशभक्ति, पर्यावरण के अनुकूल और निपुण तथा छात्रों की मांगो व जरूरतों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षित करने की परिकल्पना करता है।

उददेश्य – (i) संबंधित क्षेत्र के सभी एच.आर.डी.सी. के साथ कार्यात्मक कार्यो के लिए ऑनलाईन इंटरैक्टिव कनेक्टिविटी का विकास और रखरखाव करना, और आई.सी.टी. (एन.एम.ई.आई.टी.टी.) संसाधनों के माध्यम से शिक्षा के राष्ट्रीय मिशन का उपयोग करके ई–सामग्री का वितरण की सुविधा प्रदान करना, उभरती हुई प्रौद्योगिकी और वृहद ओपन ऑनलाईन पाठ्यक्रम (एम.ओ.ओ.सी.) को अपनाना। (ii) एच.आर.डी.सी. में कार्यक्रमों के संचालन के लिए विशेषज्ञों की उपलब्धता को देखते हुए उनके संक्षिप्त जीवनी विवरण का भंडारण विकसित करना। (iii) आपसी साझाकरण के सहयोग के माध्यम से क्षेत्र या अन्य क्षेत्रों में दी गई कुछ बेहतरीन सामग्री में से कुछ का मल्टीमीडिया भंडार विकसित करना। (iv) कार्यक्रमों के लिए आवश्यक संदर्भ और स्रोत सामग्री के लिए एक क्षेत्रीय दस्तावेज–आई.टी. सक्षम केन्द्र–सह–पुस्तकालय स्थापित करना। (अ) प्रतिभागियों को सलाह दी जाती है कि वे अग्रिम में विषय, केन्द्र और कार्यक्रमों के बारे में अन्य विवरण दें। (vi) सूचना क्षेत्र में आर.सी.सी.बी और एच.आर.डी.सी द्वारा नियोजित कार्यक्रमों के बारे में सभी विवरण देने के लिए विषय विशेषज्ञों के नाम और संक्षिप्त जीवनी और विशेषतः पूर्ण पाठ या कम से कम पी.पी.टी वितरित किए जाने वाले प्रस्तावित सामग्री के सार और संदर्भ के साथ सूचना पोर्टल को बनाए रखना। (vii) एच.आर.डी.सी. के सहयोग से विशिष्ट क्षेत्र में वितरित किये गये कार्यक्रमों के प्रतिभागियों से फीडबैक का नियमित संग्रह और विश्लेषण करना तथा गुणवत्ता बढ़ाने के लिए लगातार समीक्षा करना। (viii) पी.पी.एम.एस.सी. के समन्वयक को प्रत्येक तिमाही में आयोजित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट, प्रतिभागियों का एनालाईज्ड फीडबैक भेजना।

विभाग की गतिविधियाँ

महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टॉफ के कौशल और क्षमता निर्माण में वृद्धि हेतु वर्ष 2017–18 में यू.जी.सी.–मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा 10 कार्यक्रम आयोजित किये गये है। जिसमें 356 प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित हुए हैं जो विभिन्न प्रांतो जैसे– अंडमान एंड निकोबार, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडू, मध्य प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, नागालैण्ड, असम एवं छत्तीसगढ़ से थे। प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी निम्नानुसार है।

- **उन्मुखीकरण कार्यक्रम** – वर्ष 2017–18 में 03 उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं।

महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में नव नियुक्त 102 सहायक प्राध्यापक उक्त प्रशिक्षण से लाभान्वित हुए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है।

क्र.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	अठारहवां उन्मुखीकरण कार्यक्रम	01.05.2017 से 29.05.2017	32
2	उन्नीसवां उन्मुखीकरण कार्यक्रम	03.11.217 से 30.11.2017	39
3	बीसवां उन्मुखीकरण कार्यक्रम	19.02.2018 से 19.03.2018	31

प्रख्यात प्रोफसरों/विशेषज्ञों को प्रशिक्षण के विभिन्न घटकों पर व्याख्यान देने के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया जाता है जैसे – (1) नैतिकता, जेंडर, उपेक्षित समुदायों, साहित्यिक चोरी आदि के मुद्दे (2) पर्यावरण से संबंधित मुद्दो (3) शिक्षकों के सेवा मामलों से संबंधित मुद्दो (4) प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करने लिए विस्तृत अनुशासन विषयों जो उनके अंतः विषय समझ और बुनियादी कानूनी जागरूकता के विकास के लिए आवश्यक हो (5) शोध क्रियाविधि (6) संचार कौशल और सूचना प्रौद्योगिकी (8) सूक्ष्म शिक्षण (9) वर्तमान वैश्विक रूझान और विकास।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन एवं समापन सत्रों पर प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के कुलपति/कुलसचिव/विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाता द्वारा संबोधित किया गया।

- **पुनःश्चर्या पाठ्यक्रम** – वर्ष 2017–18 में 04 पुनःश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किये गये हैं। जिसमें 130 प्रतिभागी लाभान्वित हुए हैं। प्रशिक्षण की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों में व्याख्यान देने के लिए विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। उक्त प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों की कुशलता एवं ज्ञान वृद्धि की सुविधा प्रदान करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन एवं समापन सत्रों में प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के कुलपति/कुलसचिव/विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाता द्वारा संबोधित किया गया है

क्र.	पुनश्चर्या कार्यक्रम का नाम	कोर्स कोआर्डीनेटर	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	भारतीय समाज में परिवर्तन (अंतः विषय)	डॉ. पी. आर. सिंह, सह आचार्य, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)	15.05.2017 से 03.06. 2017	36
2	भाषा और साहित्य	प्रो. मनीष श्रीवास्तव, आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग, गु. घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)	22.05.2017 से 10.06. 2017	30
3	पृथ्वी विज्ञान (अंतः विषय)	डॉ. एस. एस. धूरिया, सहप्राध्यापक, वानिकी विभाग, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)	04.09.2017 से 23.09. 2017	33
4	वनस्पति विज्ञान	डॉ. एस. के. शाही, सह आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)	01.12.2017 से 22.12. 2017	31

- **अल्प अवधि पाठ्यकम** – वर्ष 2017–18 में 02 अल्प अवधि पाठ्यक्रम आयोजित किये गये हैं। जिसमें 78 प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित हुए हैं। प्रशिक्षण की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों में व्याख्यान देने के लिए विषय विशेषज्ञों को

आमंत्रित किया गया। उक्त प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों की कुशलता एवं ज्ञान वृद्धि की सुविधा प्रदान करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन एवं समापन सत्रों में प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के कुलपति/कुलसचिव/विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाता द्वारा संबोधित किया गया है

क.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	अल्प अवधि पाठ्यक्रम अनुसंधान क्रियाविधि	19.06.2017 से 24.06.2017	38
2	अल्प अवधि पाठ्यक्रम प्राचार्य बैठक	08.09.2017	40

•**अतिरिक्त पाठ्यक्रम** – वर्ष 2017–18 में अतिरिक्त पाठ्यक्रम (ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के अंतर्गत रिफ्रेसर कोर्स अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी में प्रगति) आयोजित किया गया। जिसमें 46 प्रतिभागी लाभान्वित हुए हैं। प्रशिक्षण की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों में व्याख्यान देने के लिए विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। उक्त प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों की कुशलता एवं ज्ञान वृद्धि की सुविधा प्रदान करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन एवं समापन सत्रों में प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के कुलपति/कुलसचिव/विभिन्न अध्ययन शालाओं के अधिष्ठाता द्वारा संबोधित किया गया है।

क.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	कोर्स कोआर्डीनेटर	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	अतिरिक्त पाठ्यक्रम (ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के अंतर्गत रिफ्रेसर कोर्स अभियाँत्रिकी और प्रौद्योगिकी में प्रगति)	1. डॉ. ए. चक्रधर राव, सह आचार्य, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (पाठयक्रम समन्वयक) 2. प्रो. भौलेन्द्र कुमार, निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (पाठयक्रम सह–समन्वयक)	05.06.2017 से 24.06.2017	46

बुनियादी ढाँचे का विकास –

(अ) प्रशिक्षणार्थियों का ऑनलाईन पंजीयन एवं प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रदाय विषय विशेषज्ञों के फीडबैक के लिए एच. आर.डी.सी. के ऑनलाईन वेबपोर्टल के लिए ऑनलाईन साफ्टवेयर उन्नत किया गया है।

(ब) यू.जी.सी. द्वारा आवंटित वार्शिक अनुदान से रू. 1,23,878 से पुस्तकों एवं उपकरणों का क्रय किया गया।

2.4 राष्ट्रीय त्वरक आधारित शोध केन्द्र एवं शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकीय विज्ञान विभाग

(वि.वि. अनुदान आयोग, दिल्ली एवं डी.ए.ई–बी.आर.एन.एस. द्वारा समर्थित)

केन्द्र प्रभारी–प्रो. पी.के. बाजपेयी

रेडियशन सुरक्षा अधिकारी–डॉ. एस.के. गुप्ता

तकनीकी अधिकारी–श्री जयदेव देवांगन

मशीन चलाने, उसकी देखभाल करने एवं मरम्मत का कार्य करने में सम्मिलित शिक्षक– डॉ. तारकेश्वर त्रिवेदी, डॉ. शिवपूजन पटेल, डॉ. एम.पी. शर्मा, डॉ. आर.के. पाण्डेय

तकनीकी एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी

श्री गोपाल यादव–यंत्र संचालक, श्री सागर–स्टोरकीपर/कार्यालय सहायक,श्री रामगोपाल (एम.टी.एस.), श्री साहू (एम.टी.एस.) सभी विभागीय शोधार्थी एवं कुछ शिक्षक टैंक के प्रारंभ एवं वार्षिक रख–रखाव में सहयोग करते हैं।

मूल उद्देश्य

केन्द्रीय वि.वि. के रूप में उन्नयन होने के पश्चात् गुरू घासीदास वि.वि. ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त विभाग में 3.0 एमवी पेलेट्रान आधारित त्वरक मशीन की स्थापना की। तत्कालीन कुलपति महोदय के व्यक्तिगत प्रयासों से त्वरक आधारित अंतरविषयक शोध केन्द्र की स्थापना की गई। इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य विज्ञान एवं तकनीकी के विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं विकास को गति प्रदान करना तथा पदार्थ एवं आयन बीम के बीच की अन्योन्य क्रियाओं के पीछे के विज्ञान की समझ को बढ़ावा देना है। विशेष रूप से पदार्थो के गुणों में परिवर्तन एवं अन्य क्षेत्रों में आयन बीम तकनीक का उपयोग है ताकि वि.वि. परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी शोध की सुविधा विज्ञान के उन क्षेत्रों में स्थापित की जा सके। वि.वि. के अग्रणी शोध कार्यक्रम के रूप में इसकी कल्पना की गई। इसके परिणाम स्वरूप 3.0 मिलियन वोल्ट पेलेट्रान त्वरक सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव वि.वि. कार्यपरिषद द्वारा मार्च, 2010 में अनुमोदित किया गया एवं इसे शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग में त्वरक आधारित राष्ट्रीय शोध केन्द्र के रूप में 2014 में स्थापित किया गया। वि.वि. अनुदान आयोग द्वारा वर्ष 2012 में इस केन्द्र को स्थापित करने हेतु प्रस्ताव भेजा गया एवं वर्ष 2015 में यूजीसी द्वारा इसे स्वीकृति दी गई एवं इसके संचालन हेतु तकनीकी पदों की स्वीकृति भी प्रदान की गई। विकिरण सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यकताओं को पूरा किया जा चुका है और परमाणु उर्जा नियामक मण्डल (AERB) दल दिसम्बर, 2014 में विकिरण सुरक्षा संबंधी निरीक्षण कर चुका है और मण्डल की अनुशंसाएँ फरवरी, 2015 में प्राप्त की जा चुकी हैं। सन् 2015 में त्वरक मशीन की क्षमता के परीक्षण हेतु प्रयोग करने की अनुमति प्रदान की गई, जिसका अंतिम रूप से अनुमति मिलने तक वृद्धि की गई। अंतिम सुरक्षा विश्लेषण प्रतिवेदन पर चर्चा कर परमाणु उर्जा नियामक मण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया। साथ ही विकिरण सुरक्षा अधिकारी का पंजीयन किया गया। वर्तमान में त्वरक मशीन पर अंतिम रूप से प्रयोग करने हेतु अनुमति विचाराधीन है। उक्त अनुमति, परमाणु उर्जा नियामक मण्डल द्वारा बताई गई शर्तों यथा न्यूट्रान पॉकेट विकिरण मापी यंत्र की उपलब्धता के अनुपालन के उपरांत मिलने की संभावना है।

जून, 2013 में परमाणु उर्जा विभाग, भारत सरकार के बीआरएनएस कार्यक्रम के तहत् विभिन्न चरणों में आर्थिक सहयोग प्रदान की गई और प्रथम चरण में 4.5 करोड़ रू. उपलब्ध कराया गया। डीएई–बीआरएनएस परियोजना (प्रथम चरण) मार्च, 2017 तक विस्तारित की गई। यद्यपि परमाणु उर्जा विभाग द्वारा गठित निरीक्षण समिति का निरीक्षण इस वर्ष हेतु लंबित है, जिसमें कार्यक्रम के प्रथम चरण की वृद्धि एक वर्ष के लिए प्रस्तावित है। यह निर्धारित तिथि 14 मई, 2018 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। वि.वि. अनुदान आयोग ने अंतरविश्वविद्यालयीन त्वरक शोध केन्द्र नई दिल्ली से समझौते के तहत् केन्द्र के तकनीकी विकास एवं शोधार्थियों के विनिमय हेतु आचार्य का एक पद स्वीकृत किया है।

01 नवम्बर, 2014 को बीम परीक्षण की शुरूआत हुई और ''प्रथम बीम'' 12 नवम्बर, 2014 को प्राप्त हुआ और प्रदर्शन परीक्षण का सफलता पूर्वक आयोजन एवं परीक्षण परिणाम की स्वीकृति 23.11.2014 को मिली। नाभकीय उर्जा नियंत्रण समिति (एईआरबी) टीम ने दिसम्बर, 2014 में विकिरण सुरक्षा निरीक्षण किया एवं एईआरबी कमेटी की अनुशंसा पत्र फरवरी, 2015 में प्राप्त हुआ। बीम का ट्राइस परीक्षण 2015 में किया गया जिसे अंतिम तक संचालित करने की अनुमति प्राप्त हुई। (एईआरबी) द्वारा नियामक विश्लेषण की समीक्षा की गई एवं स्वीकृति प्रदान किया गया। संस्थान एवं आरएसओ का पंजीकरण इएलओआरए में किया गया जो एईआरबी का ई–गर्वनेंस पोर्टल है। वर्तमान में उपकरण संचालन की अंतिम अनुमति विकिरण मापक मोनीटर एवं प्रोक्यूरमेंट ऑफ पोर्टेवल न्यूट्रॉन मोनीटर मिलना बाकी है।

त्वरक आधारित शोध केन्द्र में अंतरविषयक शोध की संभावनाएँ

अर्जित आयनों के अनुप्रयोग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हाल के वर्षों में पदार्थ आयन के परस्पर उर्जा स्थानांतरण को एक महत्वपूर्ण तकनीक के रूप में शोध हेतु उपयोग में लाया गया है। यह त्वरक

आधारित शोध केन्द्र, पदार्थों में आयन स्थापन, आयन पुंज विश्लेषण तकनीक एवं पदार्थों में विकिरण के प्रभावों के अध्ययन हेतु विश्वस्तरीय अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करता है, जिसमें शोध के आधुनिक क्षेत्रों यथा पदार्थ विज्ञान, नैनो तकनीक, पालीमर रसायन, पुरातत्व विज्ञान, पदार्थ रसायन, जैव विविधता के संरक्षण, जैव प्रौद्योगिकी, भैषजिकी, आण्विक जीव विज्ञान आदि शामिल है। केन्द्र में उपलब्ध विभिन्न आयन पुंजों, उनका उर्जा स्तर एवं आयन आधारित तकनीक की विस्तृत जानकारी एनसीएआर के वेबपृष्ठ ggvncar.co.in/about.html पर उपलब्ध है।

महत्वपूर्ण उपलब्धियां (अप्रैल, 2017 से मार्च 2018 तक) निम्नलिखित हैं–

- राष्ट्रीय उपयोगकर्त्ता समिति ने वि.वि. के बीम उपयोगकर्त्ताओं को समय का आबंटन किया है।
- नाभिकीय उर्जा विभाग में प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी (पीएमसी) का गठन किया है एवं कार्य प्रगति का मूल्यांकन करने का समय निर्धारित किया है केन्द्र में शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की बहाली के लिए स्वीकृत पद यूजीसी ने वि.वि. को सौंप दिया है और बहाली की प्रक्रिया जारी है।
- नवम्बर, 2017 में सम्पन्न एईआरबी की बैठक में प्रोटोन एवं उच्च उर्जा इयोन बीम्स की परियोजना को अनुमति देने के संबंध में विचार–विमर्श किया गया। इसकी स्वीकृति एईआरबी के अंतिम सुरक्षा विश्लेषण के बाद दिया जायेगा। यह विवरण अगली बैठक मई, 2018 के पहले देने का अनुरोध किया।

देखरेख एवं मरम्मत का कार्य

निर्धारित समय–सीमा में निम्नलिखित कार्य किये गये और सुविधाएँ उपलब्ध करायी गई।

दिनाँक 13.04.2017

समस्या की पहचान	हाई एनर्जी कॉलम शून्य है एवं लो एनर्जी कॉलम आवश्यक परिमान से कम	समस्या पहचान की तिथि	13.04.2017
दोष का पता लगाना	02 स्पार्क प्रोटक्शन क्षतिग्रस्त हो गया	कार्यवाही	नया बदल दिया गया
टिप्पणी	रख–रखाव का कार्य 13.04.2017 से 16.04.2017 तक सम्पन्न कर लिया गया।		
कार्य में संलग्न अधिकारी और कर्मचारी	प्रो. पी.के. बाजपेयी, केन्द्र प्रभारी, जयदेव देवांगन, तकनीकी अधिकारी डॉ. टी. त्रिवेदी, डॉ. एस.पी.पटेल, डॉ. एम.पी. शर्मा श्री गोपाल यादव, गैस मेकेनिक, श्री राम जियावन, श्री रामगोपाल साव, एम.टी.एस.		

निर्धारित समय में परीक्षण संपन्न किया गया। (बाह्य प्रयोगकर्त्ता)

एईआरबी के निर्देशानुसार नॉन कम्पीसमेंट एवं अंतिम अनुमति नहीं लेने के कारण जुलाई, 2017 के बाद कोई भी प्रयोग संचालित नहीं किया गया है। यद्यपि त्वरक कंडीसनिंग मोड में है और इससे पहले कई बार बीम परीक्षण किये गये।

नॉन कम्पलेंस के निवारण के लिए निम्नलिखित कदम उठाये गये।

- विकिरण मापक मॉनिटर का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया और यह प्रक्रिया प्रगति पर है।

- प्रोक्यूरमेंट ऑफ न्यूट्रॉन मॉनिटर का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया।
- यूजीसी द्वारा स्वीकृत उपकरण संचालक एवं अन्य तकनीकी पदों पर भर्ती के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- यद्यपि जुलाई, 2017 के पहले कई प्रयोग किये गये एवं परिणाम प्राप्त हुए जो कई पत्रिकाओं में प्रकाशित है।

निर्धारित समय–सीमा में निम्नलिखित कार्य राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

- 5Mev प्रोटोन इरेडियेशन इफेक्ट ऑन 200GHz सिलीकॉन– जर्मेनियम हेट्रोजनशन बायकोलर ट्रांससिस्टर्स, पी. गनाना प्रकाश, विनायक प्रसन्ना, एन. हेगड़े, टी.एम. प्रदीप, एन. पुष्पा, पी.के. बाजपेयी, एस.पी.पटेल, तारकेश्वर त्रिवेदी और जे.डी. ट्रेसलर। रेडियेशन इफेक्ट्स एण्ड डिफेक्ट्स इन सॉलिड्स इनकॉर्पोरेटिंग प्लाजमा संस एण्ड प्लाजमा टेक्नालॉजी, 2018.

- Au5+ion इनप्लांटेशन इंडियूज्ड् एसट्रेक्चरल फेज ट्रांजिशन प्रोबेड थ्रू एसट्रेक्चरल, माइक्रोएसट्रेक्चरल एण्ड फोनोन प्रोपर्टिज इन BiFeO3 सेरेमिक, यूजिंग सेनेरजिस्टिक इयोन बीम एनर्जी, आर.डे, पी.के. बाजपेयी, रेडियेशन इफेक्टस एण्ड डिफेक्टस इन सॉलिडस, 2018,
- स्वीफ्ट हैवी इयोन इनड्यूज्ड मटेरियल मॉडिफेकिशन इन Ba1-SrxTiO3 सेरेमिक ऐज प्रोबेड बॉय टेम्परेचर डिपेंडेंट रमन एस्पेक्ट्रोसकोपी। पी.के. बाजपेयी' सी.आर.के. मोहन, रत्नमाला गंजीर, ए. कुमार, रवि कुमार, आर.एस. कटियार। ,जर्नल ऑफ रमन एस्पेक्ट्रोसकोपी DOi10.1002/yrs.5288, प्रथम प्रकाशन 27 नवम्बर, 2017.
- नॉन बीम फेसिलीटीस एट द नेशनल सेंटर फॉर एक्सेलरेटर बेस्ड रिसर्च यूजिंग ए 3डट पेलेट्रॉन एक्सेलरेटर, टी. त्रिवेदी, एस.पी. पटेल, पी. चंद्रा, पी.के. बाजपेयी', फिजिक्स प्रोसेडिया 90,100-106(2017)
- Au3+ion इम्पलीमेंटेशन ऑन एफटीओ कोटेड ग्लासेस इफेक्ट ऑन एसट्रेक्चरल, इलेक्ट्रीकल, अप्टीकल एण्ड फोनोन प्रोपर्टिज। बी.साहू, आर.डे, पी.के. बाजपेयी, न्यूक्लियर इंस्टूमेंटस एण्ड मैथड्स इन फिजिक्स रिसर्च सेक्शन बी, 400(6),11-21(2017)
- कंपरीजन ऑफ इफेक्ट ऑफ 5MeV प्रोटोन एण्ड Co-60 गामा इरेडियेशन ऑन NPN rf पावर ट्रांजिस्टर्ड छ.चेनल डिप्लेशन MOSFETs , ए.पी. गनाना प्रकाश, टी.एम.प्रदीप, वी.एन.हेगड़े, एन.पुष्पा, पी.के. बाजपेयी। रेडियेशन इफेक्टस एण्ड डिफेक्टस इन सॉलिडस, 172;11.12),952-963.

कांफ्रेंस में प्रस्तुत प्रपत्र

- प्रो. पी.के.बाजपेयी ने विज्ञान संकाय उस्मानिया वि.वि. हैदराबाद द्वारा जुलाई 14–16, 2017 को आयोजित 20वाँ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (CONIAPS-XX) में सेमीनार का विषय ''रिसेंनट्रेंस ट्रेन्स इन फिजिकल साइंसेस एण्ड फ्यूचर चैलेंजस'' था। प्रो. पी.के. बाजपेयी ने ''मेटेरियल मोडिफिकेशन यूजिंग लो एनजी। इयॉन बिन्स फ्राम 3.0MV इलेक्ट्रॉन एक्सलरेटर एट एनसीएआर, बिलासपुर'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

- 21 अक्टूबर से 03 नवम्बर, 2017 को बोस इंस्टीट्यूट द्वारा एस.एन.बोस के 100 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ''रीसेंट ट्रेंस इन कॉनडेंस्ड मेटर फिजिक्स'' (आरटीसीएमपी–2017) विषय पर आयोजित सेमिनार में डॉ.पी.के. बाजपेयी ने ''साइनेरजिक इफेक्ट ऑफ लॉ इनर्जी इयोन बिम्स ऑन स्ट्रेक्चरल एण्ड फोनोन प्रापर्टीज ऑफ फैरोइलेक्ट्रीक्स एण्ड मल्टी फेरोइक्स'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- डॉ. टी. त्रिवेदी ने यूजीसी–डीएई–सीएसआर, कोलकाता द्वारा 15–18 मई, 2018 को ''थिमेटिक वर्कशाप ऑन अण्डर ग्रेजुएट एक्सलरेटर बेस्ड न्यूक्लीयर एस्ट्रोफिजिक्स फेसिलीटीस'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में ''न्यूक्लीयर रिएक्शन स्टडीस रेलिवेंट फॉर एस्ट्रोफिजिकल पी–प्रोसेस यूजिंग 3.0MV इलेक्ट्रॉन एक्सलरेटर एट एनसीएआर, जी.जी.वी., बिलासपुर'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

बाह्य उपयोगकर्त्ता द्वारा न्यू बीम टाईम रिक्वेस्ट प्रस्ताव प्राप्त हुआ।

- डॉ. विष्णु पाण्डेय, द्वारा प्रो. एस.वी. कृपानिधि ।
  स्ट्रेक्चरल केमिस्ट्री यूनिट, इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलोर।
  परियोजना का शीर्षक–इयॉन बीम इरेडिएशन ऑन फेरोइलेक्ट्रिक थीन फिल्मस।

- डॉ. पी.एन.माया
  आईटीईआर–इण्डिया, इंस्टीट्यूट फॉर प्लाजमा रिसर्च।
  ए–29 जीआईडीसी इलेक्ट्रॉनिक स्टेट, सेक्टर 25
  गांधी नगर– 382016, गुजराज, इंडिया
  फोन नं. 7923269750
  परियोजना का विषय

- डॉ.वी.वी.शिव कुमार, आईयूएसी, नई दिल्ली
  परियोजना का विषय – स्टेडी ऑफ डीप अल्ट्रा वायलेट लाईट फोटो सेन्सेविटी एण्ड फोटो इनड्यूज्ड गैस सेनसिंग प्रोपर्टीस ऑफ ZnO-Ag एण्ड ZnO-Au नॉनोकम्पोजिट फिल्मस् ग्रॉन बाय इयॉन इम्प्लीमेंटेशन/एनेएलिंग।

- डॉ. प्रदीप कुमार उपाध्याय, द्वारा डॉ. एच.पी. शर्मा, भौतिकीय विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, बी.एच.यू.।

2.5 लुप्तप्राय भाषा केंद्र (CEL)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) झारखण्ड विश्वविद्यालय, रांची और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध्य प्रदेश) में संयुक्त रूप से लुप्तप्राय भाषा केन्द्र की स्थापना की गई है। लुप्तप्राय भाषाओं एवं बोलियों के शोध एवं प्रलेखन के विकास हेतु ये तीनों विश्वविद्यालय समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे।

वर्ष 2017–18 में लुप्तप्राय भाषा केन्द्र की स्थापना हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से गुरु घासीदास विश्वविद्यालय को अनुमोदित राशि 3.60 करोड़ में 1.80 करोड़ का परिवर्धन किया गया।

विश्वविद्यालय में लुप्तप्राय भाषा केन्द्र की स्थापना हेतु त्रिसदस्यीय संस्थापक एवं संयोजक समिति गठित की गई है। जिसके सदस्य डॉ. नीलकंठ पाणीग्राही (सह आचार्य आदिवासी विकास एवं मानव शास्त्र विभाग), डॉ. अमितेश झा (सहायक प्राध्यापक, संगणक एवं सूचना विज्ञान विभाग) एवं डॉ. आशुतोष सिंह, (सहायक प्राध्यापक, आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग) है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में स्थापित लुप्तप्राय भाषा द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की लुप्तप्राय बोलियों एवं भाषाओं का सर्वेक्षण किया जायेगा। इस आधार पर केन्द्र कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान के साथ डिजीटल डाटा बेस से संबंधित पाठ्यक्रम निर्मित करेगा। इस कार्य को पूर्ण करने के लिये गुरू घासीदास विश्वविद्यालय इस केन्द्र के विभिन्न क्रिया कलापों को पूर्ण करने के लिये भवन, शिक्षकीय सेवाएँ जैसी महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध करायेगा। इस हेतु यह केन्द्र विभिन्न पदों पर शोध सहयोगी दस्तावेज अधिकारी और प्रशासनिक कर्मचारियों के दो संकायों की भी भर्ती करेगा। केन्द्र लुप्त भाषाओं एवं बोलियों के संरक्षण एवं शिक्षण हेतु पुरातात्विक संग्रहालय (आर्काइव लैब) एवं भाषा/ध्वनि प्रयोगशाला की स्थापना करेगा। इन भाषाओं के संरक्षण के लिये विश्वविद्यालय शब्द-कोश भी तैयार करेगा।

विश्वविद्यालय समिति प्रारंभिक प्रक्रियाओं में पाठ्यक्रम की रूप रेखा निर्मित करने के लिये 'बोर्ड ऑफ स्टडीज' का गठन करेगा। इस हेतु विशिष्ट अस्थायी पदों पर भर्ती भी की जायेगी।

मानव संसाधन

3.मानव संसाधन

3.1 शिक्षक

वर्ग	स्वीकृत						सूचीबद्ध					
	सामान्य	अजा	अजजा	अपिव	दिव्यांग	कुल	सा.	अजा	अजजा	अपिव	दिव्यांग	कुल
प्राध्यापक	46	08	04	-	-	58	10	01	01	-	-	12
सह प्राध्यापक	84	16	08	-	(-)03	108	34	02	-	-	-	36
सहायक प्राध्यापक	137	40	20	72	(-)05	269	89	24	12	46	(-)02	171
योग	267	64	32	72	(-)08	435	133	27	13	46	(-)02	219

3.2 गैर शैक्षणिक कर्मचारी

वर्ग	स्वीकृत	सूचीबद्ध					
		सामान्य	अपिव	अजा	अजजा	दिव्यांग	कुल
ग्रुप ए	35+08*	18	02+01*	01	01+01*	-	22+02*
ग्रुप बी	59+06*	10	07	05	04	-	26
ग्रुप सी–डी (सफाई कर्मचारियों को छोड़कर)	354+39*	94+13*	79+09*	32+07*	33+04*	05	238+33*

*कार्यपरिषद द्वारा स्वीकृत पद

वित्तीय संसाधन

4. वित्तीय संसाधन

4.1 वित्तीय विवरण

वित्तीय वर्ष 2017–18

31 मार्च 2018 की स्थिति में तुलन–पत्र			
		(राशि रूपये में)	
निधि के स्त्रोत	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पूर्ववर्ती वर्ष**
समग्र निधि/पूंजी निधि	1	2,53,61,50,305	2,58,51,24,767
निर्दिष्ट/चिन्हित/अक्षय निधि	2	2,58,51,392	2,45,02,774
चालू देयताएं एवं प्रावधान	3	338,15,51,715	280,88,09,895
कुल योग (A)		**5,94,35,53,412**	**5,41,84,37,436**
निधि का अनुप्रयोग	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पूर्ववर्ती वर्ष**
स्थायी परिसंपत्तियाँ	4	165,02,91,145	1,67,38,62,030
मूर्त संपत्तियाँ 1323562343/–		–	–
अमूर्त संपत्तियाँ 2984951/–		–	–
पूंजीगत चालू निर्णय कार्य 323743851/–		–	–
चिन्हित/विन्यास निधि से निवेश	5	2,36,65,079	2,20,56,866
अन्य निवेश	6	1,56,06,34,303	1,31,30,06,035
चालू परिसंपत्ति	7	46,88,10,688	18,43,90,204
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	224,01,52,196	222,51,22,301
कुल योग		**5,94,35,53,412**	**5,41,84,37,436**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों में आकस्मिक देनदारियाँ और टिप्पणीयाँ	24		

4.2 वित्तीय वर्ष 2017–18 हेतु आय एवं व्यय खाता (01.04.2017 से 31.03.2018)

विवरण	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पूर्ववर्ती वर्ष**
आय			
अकाद्मिक प्राप्तियाँ	9	9,31,38,825	8,27,63,252
अनुदान एवं अनुवृति	10	92,25,03,070	51,56,67,092
निवेशों से आय	11	1,29,75,237	1,90,60,841
अर्जित ब्याज	12	64,17,286	56,90,673
अन्य आय	13	5,14,06,573	61,48,596
पूर्व अवधि आय	14	–	–
योग TOTAL (A)		**108,64,40,991**	**62,91,30,454**
व्यय			

कर्मचारियों को भुगतान एवं अनुलाभ, स्थापना व्यय	15	55,59,66,819	48,98,68,110
अकादमिक व्यय	16	2,80,99,761	4808638
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	10,24,80,300	7,68,75,233
परिवहन व्यय	18	99,50,483	30,42,235
मरम्मत एवं संधारण	19	1,41,12,327	70,05,022
वित्तीय लागत (बैंक शुल्क)	20	1,88,160	20,146
मूल्यह्रास	4	19,42,80,866	&
अन्य व्यय	21	&	&
पूर्व अवधि व्यय	22	29,13,429	&
कुल योग (B)		**90,79,92,145**	**58,16,19,384**
आय के व्यय पर आधिक्य की शेष राशि (A-B)		**17,84,48,846**	**4,75,11,069**
क्षति का कुल निधि में स्थानांतरण 194420866+1134721 (पूर्व अवधि व्यय) **शेष अप्रयुक्त अनुदान : (अनुसूची 3C)**		**19,54,15,587** **37,38,64,433**	**&** **4,75,11,069**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों में आकस्मिक देनरारियां और टीप	24		

4.3 अनुसूची–3 चालू देयताएं एवं प्रावधान

31.03.2018 के तुलन पत्र के अंश पत्र के रूप में अनुसूची

(राशि रूपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
A. चालू देयताएँ		
1. स्टाफ से जमा	_	_
2. विद्यार्थियों द्वारा जमा	_	_
3. विविध लेनदार	_	_
a) सामाग्री और सेवाओं हेतु	_	_
b) अन्य	34,05,662	33,06,283
4. अन्य जमा ;बयाना राशि ,सुरक्षा निधि	6,53,91,230	6,49,77,436
5. वैधानिक देयताएँ	&	&
a) अतिदेय	&	&
b) अन्य	24,09,139	21,66,246
6. अन्य चालू देयताएँ	&	&
a) वेतन	&	&
b) प्रायोजित परियोजनाओं की जामा (अनुसूची 3A)	2,16,820	5,59,405
c) प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्ति के विरूद्ध प्राप्तियां (अनुसूची 3B)	24,27,34,270	17,86,19,007
d) अवशेष अनुदान (अनुसूची 3C)	90,18,95,023	39,74,66,834
f) अन्य निधि	&	&
g) अन्य विविध (वसूली रकम)	52,61,661	49,72,867
कुल योग (A)	**122,13,13,805**	**65,20,68,078**

विवरण		वर्तमान वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
B. प्रावधान			
	1. कराधान के लिये	–	–
	2. उपादान	18,38,35,118	18,38,35,118
	3. सेवानिवृत्ति/पेंशन	191,15,64,125	191,15,64,125
	4. अर्जित अवकाश नगदीकरण	5,88,44,394	5,88,44,394
	5. व्यापारिक आश्वासन/दावे	–	–
	6. परीक्षा के लिये प्रावधान	–	–
	7. विधुत एवं अन्य के लिये प्रावधान	25,47,140	–
	8. सुरक्षा सेवा एवं गृह व्यवस्था (साफ–सफाई आदि) का प्रावधान	32,04,814	24,98,180
	9. टेलिफोन बिल का प्रावधान	53,831	–
	10. डीजल एवं पेट्रोल का प्रावधान	1,88,488	–
	कुल योग (B)	**216,02,37,910**	**215,67,41,817**
	कुल योग (A+B)	**338,15,51,715**	**280,88,09,895**
नोटः	1) अप्रयुक्त अनुदान 6 (द), अगले साल के लिए अगिम में प्रापत अनुदान में शामिल होगा।		
	2) उपादान पेंशन और अवकाश नगदीकरण के प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन पर अधारित है।		

4.4 अनुसूची 3 (अ) प्रायोजित परियोजनाएँ

31.03.2018 के तुलन पत्र के अंश पत्र के रूप में अनुसूची

(राशि रूपये में)

1. क्रं स.	2. परियोजनाओं के नाम	प्रारंभिक शेष		5. वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ/वसूली	6. योग	7. वर्ष के दौरान व्यय	अंतिम शेष	
		3. नामे	4. जमा				8. नामे	9. जमा
1	एनटीपीसी (डॉ . ए.के. दीक्षित)	6,980	–	36,946	43,926	&	43,926	–
2	एनटीपीसी (एस .के. चतुर्वेदी)	5,52,425	–	41,322	5,93,747	4,20,854	1,72,893	–
	कुल योग	**5,59,405**	–	**78,268**	**6,37,673**	**4,20,854**	**2,16,820**	–

4.5 अनुसूची 3 (ब) : परियोजनाएँ/प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्ति

(राशि रूपये में)

1. क्रं स.	2. परियोजनाओं के नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान लेन देन		अंतिम शेष	
		3. CR.	4. DR.	5. CR.	6. DR.	7. CR.	8. DR.
1	**AICTE Project**	**37,65,818**	**4,17,142**	**5,99,946**	**19,23,430**	**24,42,334**	**4,17,142**
	AICTE RPS Dr. Sunil Jain	564	-	23	-	587	-
	AICTE RPS Dr Vinod Rangari	25,276	-	370	18,333	7,313	-
	AICTE	14,80,18 0	-	59,207	-	15,39,388	-

	AICTE (CAYT) Dr Harish Rajak	1,07,549	-	2,798	1,07,549	2,798	-
	AICTE DR S K Lanjhiyana	1,960	-	78	-	2,038	-
	AICTE EDC Dr. J.S. Dangi	1,84,209	-	4,360	1,84,209	4,360	-
	AICTE EDC Project Dr. Sanmati Jain	5,43,334	-	4,168	5,43,334	4,168	-
	AICTE E D C Project Dr. Shailendra Singh	8,25,523	-	33,021	-	8,58,544	-
	AICTE - GATE Scholarship	88,396	-	1,598	88,396	1,598	-
	AICTE MODROBS LAB Chief Coord. Dr S N Saha	9,094	-	364	-	9,457	-
	AICTE RPS Dr.Kamta Prasad Namdeo	4,90,805	-	4,93,602	9,81,609	2,797	-
	AICTE RPS Scheme	8,928	-	357	-	9,285	-
	INSPIRE Programme AICTE	-	4,17,142	-	-	-	4,17,142
2	**AYUSH**	**5,807**	-	**7,75,961**	**7,34,097**	**47,671**	-
	AYUSH Project Dr. S.H.Bodakhe Pharmacy	5,807	-	7,75,961	7,34,097	47,671	-
3	**Basic Scientific Research Deptt. of Physics**	**34,87,751**	-	**38,487**	-	**35,26,238**	-
	Basic Scientific Research Deptt. of Physics	34,87,751	-	38,487	-	35,26, 238	-
4	**C Cost**	**7,14,859**	-	**12,14,259**	**8,56,587**	**10,72, 532**	-
	C Cost Dr.Babita Majhi	-	-	50,373	-	50,373	-
	C Cost Dr. P.P Murthy Applied Mathemetics	-	-	50,285	-	50,285	-
	Ccost Financial Assistance(Botany)	30,656	-	1,226	-	31,882	-
	C Cost Mini Research Project Dr.Bharti Ahirwar	3,280	-	1,03,703	64,537	42,446	-
	C Cost Mini Research Project Dr.Charu Arora		-	39,996	37,923	2,073	-
	C Cost Mini Research Project Dr.(Mrs.) Renu Bhat	2,113	-	2,54,252	7,914	2,48,451	-
	C Cost Mini Research Project Dr.Surendra H.Bodakhe	553	-	-	553	-	-
	C Cost Mini Rese Project B.N.Tiwari	2,46,155	-	67,404	1,65,851	1,47,707	-
	C Cost Mini Rese. Project Dr.Krishna Ku.Chandra	42,570	-	835	29,333	14,072	-
	C Cost Mini Rese Project Dr.Krishna Ku.Chandra (II)	1,58,741	-	5,412	1,17,996	46,156	-
	C Cost Mini Rese Project Dr.Santosh Singh Thakur	20,094	-	2,28,086	1,82,333	65,848	-
	C Cost Mini Rese Project Dr.Subhash Banerjee	-	-	2,82,244	-	2,82,244	-
	C Cost Mini Rese Project Harit Jha	1,55,730	-	1,28,245	2,50,147	33,829	-
	C Cost Project Grant	54,501	-	2,180	-	56,681	-
	CCOST Travel Grant	467	-	19	-	485	-

5	**CSIR Project**	**4,84,778**	-	**13,01,769**	**16,84,691**	**1,01,857**	-
	CSIR Project Dr. V.K.Rai	4,951	-	12,86,132	12,85,934	5,149	-
	CSIR Dr. M. Chakradhara Rao	15,184	-	607	-	15,792	-
	CSIR Dr. Satya Shila Singh	3,37,157	-	12,202	3,37,157	12,202	-
	CSIR Fellowship Avineesh Singh	38,684	-	427	30,800	8,310	-
	CSIR Fellowship Deepak Kumar Jain	55,939	-	1,087	30,800	26,225	-
	CSIR Fellowship(Deepak Kumar Jain & Avineesh Singh	18,012	-	720	-	18,732	-
	CSIR Rashmi .Dubey Chemistry	5,775	-	231	-	6,006	-
	CSIR Research Fellowship Mukesh Kumar Gupta	9,077	-	363	-	9,441	-
6	**DAE BRNS Project**	**5,32,94,050**	-	**22,94,115**	**32,018**	**5,55,56,147**	-
	DAE-BRNS Prof.P.K.Bajpai HOD, Physics	5,32,94,050	-	22,94,115	32,018	5,55,56,147	-
7	**DBT Project**	**13,15,704**	-	**1,44,25,824**	**66,15,419**	**91,26,109**	-
	DBT-GGV Builder Program Biotechnology B.N.Tiwari	6,25,202	-	1,21,07,342	62,27,141	65,05,404	-
	DBT	1,001	-	40	-	1,041	-
	DBTEPF Project Dr. Bhupendra Nath Tiwary	4,03,993	-	4,31,668	3,88,278	4,47,382	-
	DBT Project Dr. Monika Bhadoria	1,53,869	-	6,155	-	1,60,024	-
	DBT (RGYI) Dr. S. K. Prajapati	1,31,638	-	18,80,620	-	20,12,258	-
8	**DST Project**	**56,43,486**	-	**6,23,907**	**8,56,298**	**54,11,095**	-
	DST Inspire Fellowship Mr Pranay Soni	1,046	-	3,52,009	3,30,000	23,055	-
	DST Kumari Sweta SRF (Biotech)	9,563	-	56,079	5,832	59,810	-
	DST NRDMS Dr. Vivekananda Mandal	6,44,363	-	16,943	4,87,748	1,73,558	-
	FIST Program / Aforesaid Project (HOD Chemistry)	49,88,515	-	1,98,875	32,718	51,54,673	-
9	**ICMR**	**3,63,002**	-	**8,60,540**	**9,09,353**	**3,14,189**	-
	ICMR Dr Naveen Kumar Vishwakarma	-	-	40,197	-	40,197	-
	ICMR Dr. Sunil Kumar Jain	5,164	-	207	-	5,371	-
	ICMR Fellowship Mr.Vivek Asati	76,901	-	31,542	97,400	11,043	-
	ICMR SRF Shri Sant Kumar Verma	40,874	-	3,94,092	3,28,927	1,06,039	-
	ICMR (SRF) Vijay Kumar Patel	2,40,063	-	3,94,502	4,83,026	1,51,539	-
10	**ICSSR Project**	**9,95,034**	-	**5,86,167**	**7,45,231**	**8,35,970**	-
	ICSSR Dr. Anupama Saxena	12,854	-	514	-	13,369	-

	Chemistry	-	-	-	-	-	-
	CSIR Research Fellowship (Mukesh Kumar Gupta)	9,077	-	363	-	9,441	-
6	**DAE BRNS Project**	**5,32,94,050**	-	**22,94,115**	**32,018**	**5,55,56,147**	-
	DAE-BRNS(Prof.P.K.Bajpai)HOD, Physics	5,32,94,050	-	22,94,115	32,018	5,55,56,147	-
7	**DBT Project**	**13,15,704**	-	**1,44,25,824**	**66,15,419**	**91,26,109**	-
	DBT-GGV Builder Program (Biotechnology) B.N.Tiwari	6,25,202	-	1,21,07,342	62,27,141	65,05,404	-
	DBT	1,001	-	40	-	1,041	-
	DBTEPF Project (Dr. Bhupendra Nath Tiwary)	4,03,993	-	4,31,668	3,88,278	4,47,382	-
	DBT Project (Dr Monika Bhadoria)	1,53,869	-	6,155	-	1,60,024	-
	DBT (RGYI) Dr S K Prajapati	1,31,638	-	18,80,620	-	20,12,258	-
8	**DST Project**	**56,43,486**	-	**6,23,907**	**8,56,298**	**54,11,095**	-
	DST Inspire Fellowship (Mr Pranay Soni))	1,046	-	3,52,009	3,30,000	23,055	-
	DST Kumari Sweta SRF (Biotech)	9,563	-	56,079	5,832	59,810	-
	DST NRDMS Dr Vivekananda Mandal	6,44,363	-	16,943	4,87,748	1,73,558	-
	FIST Program / Aforesaid Project (HOD Chemistry)	49,88,515	-	1,98,875	32,718	51,54,673	-
9	**ICMR**	**3,63,002**	-	**8,60,540**	**9,09,353**	**3,14,189**	-
	ICMR Dr Naveen Kumar Vishwakarma	-	-	40,197	-	40,197	-
	ICMR (Dr. Sunil Kumar Jain)	5,164	-	207	-	5,371	-
	ICMR Fellowship (Mr.Vivek Asati)	76,901	-	31,542	97,400	11,043	-
	ICMR SRF Shri Sant Kumar Verma	40,874	-	3,94,092	3,28,927	1,06,039	-
	ICMR (SRF) Vijay Kumar Patel	2,40,063	-	3,94,502	4,83,026	1,51,539	-
10	**ICSSR Project**	**9,95,034**	-	**5,86,167**	**7,45,231**	**8,35,970**	-
	ICSSR(DR Anupama Saxena)	12,854	-	514	-	13,369	-
	ICSSR (Dr.Archana Yadav)	67,766	-	2,134	67,470	2,430	-
	ICSSR (Dr. Balram Oraon)	6,57,821	-	26,313	-	6,84,134	-
	ICSSR (Dr. Deepali Tyagi)	-	-	1,44,099	1,35,000	9,099	-
	ICSSR (Dr. Manisha Dubey)	2,56,592	-	1,78,192	4,04,761	30,022	-
	ICSSR (Dr.Soniya Sthapak)	-	-	91,115	-	91,115	-
	ICSSR Project Dr.Krishna Kumar Sharma	-	-	1,43,801	1,38,000	5,801	-
11	**IUAC**	**78,786**	-	**3,12,978**	**3,57,450**	**34,315**	-
	IUAC Dr Shivpoojan Patel	30,309	-	1,90,060	1,95,383	24,986	-
	IUAC Dr. Tarkeshwar Trivedi Pure & Applied Phy.	46,363	-	1,22,834	1,62,067	7,130	-
	IUAC PROJECT (Dr P K Bajpai)	2,115	-	85	-	2,199	-
12	**MOEF**	**7,56,498**	-	**20,29,871**	**7,26,548**	**20,59,821**	-
	MOEF Air Pollution Project (Dr.S.S.Singh)	2,59,600	-	22,551	-	2,82,151	-
	MOEF Remote Sensing Project Dr S S Singh	4,96,898	-	20,07,320	7,26,548	17,77,670	-
13	**NUEPA Project**	**1,19,436**	-	**34,546**	**29,824**	**1,24,158**	-
	NUEPA C.S.Vazalwar Project	1,19,436	-	34,546	29,824	1,24,158	-
14	**Other Projects**	**4,71,24,112**	-	**5,74,89,056**	**89,36,001**	**9,56,77,167**	-
	Academic Staff College	18,51,128	-	71,92,950	63,11,197	27,32,881	-
	Academic Staff College(DBT)	1,63,634	-	6,545	-	1,70,179	-
	Central Councelling Board(AIEEE)	45,125	-	1,805	-	46,930	-
	CICS Travel Grant	-	-	15,000	15,000	-	-
	Contingency Grant Amit Kumar Manna	-	-	15,027	-	15,027	-
	Contingency Grant Received	-	-	20,328	14,830	5,498	-
	Contribution To Other Parties For Seminar	26,442	-	1,058	-	27,500	-
	Gate Scholarship M.Tech.	3,95,524	-	15,821	-	4,11,345	-
	GIAN IIT Kharagpur Biotech	-	-	5,48,183	3,85,864	1,62,319	-
	GIAN IIT Kharagpur Civil Engineering	-	-	5,48,734	3,89,829	1,58,905	-

	GIAN IIT Kharagpur English (Dr.Anurag Chouhan)	23,472	-	8,28,470	4,43,506	4,08,436	-
	GIAN IIT Kharagpur Mathematics Dr.P.P.Murthy	-	-	7,83,524	4,67,075	3,16,449	-
	GOI Fellowship Scheme for Doctoral Work	1,839	-	74	-	1,913	-
	Grant for Construction of I.T. & Workshop	36,17,51 3	-	1,44,701	-	37,62,213	-
	ICFRE Dehradun	30,53,13 5	-	1,22,125	-	31,75,260	-
	ICHR(Fellowship) NEW DELHI	14,715	-	589	-	15,303	-
	Indian Council of Social Science Research	12,913	-	517	-	13,429	-
	Mahatma Gandhi NREG Dr. Pushpraj Singh	6,04,800	-	22,193	4,80,063	1,46,930	-
	Ministry Of Tourism HOD Management	-	-	2,16,677	1,48,692	67,985	-
	Mr Prabhat Kumar JRF Fellowship	1,77,669	-	2,28,469	2,20,902	1,85,236	-
	NCERT Research Project Dr. Sambit Padhi	7,690	-	308	-	7,998	-
	Pandit Madan Mohan Malviya NMTT	-	-	4,45,30,126	-	4,45,30,126	-
	PAO	3,42,364	-	13,695	-	3,56,058	-
	Plan Grant for Submission of Sodhganga	95,199	-	3,808	-	99,007	-
	Rajeev Gandhi Fellowship (UGC)	78,40,173	-	3,13,607	-	81,53,780	-
	Rajiv Gandhi Shiksha Mission,C.G.	1,78,005	-	5,909	50,000	1,33,914	-
	RFSMS/BSR Ms. Reena Das	1,62,137	-	6,485	-	1,68,623	-
	Sahid Veer Narayan Singh Plan Shodh Peeth Fin. Asst	11,22,001	-	44,880	-	11,66,881	-
	SAIF(Deptt. of Pure & Applied Physics)	2,39,38,617	-	17,19,449	9,042	2,56,49,024	-
	SAP(DRS) in the Department of Physics	3,92,394	-	15,696	-	4,08,09 0	-
	SIPDA, Bilaspur	9,80,985	-	39,239	-	10,20,2 24	-
	Special Grant GOI	1,839	-	74	-	1,913	-
	Women Edu. Devp. Centre Fin. Asst.	20,74,797	-	82,992	-	21,57,7 89	-
15	**Rajiv Gandhi National Fellowship**	**5,49,262**	-	**21,970**	-	**5,71,23 2**	-
	RGNF-SC Amrish Kumar & Brajkishor Bharti Project	3,72,099	-	14,884	-	3,86,98 3	-
	RGNF-ST Ms.Sunita Minj Research Schpler	1,77,163	-	7,087	-	1,84,250	-
16	**Raman Fellowship**	-	-	**1,38,281**	**43,139**	**95,142**	-
	Raman Fellowship Dr..Arjun Patra	-	-	1,38,281	43,139	95,142	-

17	**SERB Project**	**88,35,364**	**2,58,212**	**89,25,937**	**66,63,231**	**1,08,64,816**	**24,957**
	DST Dr. Bhaskar Mukherjee	4,647	-		-	4,647	-
	DST Dr. Sudhir Kumar Pandey	2,82,384	-	3,10,296	5,85,552	7,127	-
	D S T Fellowship Arpita Mani Tripathi	2,29,789	-	9,192	-	2,38,980	-
	DST/INSPIRE FELLOWHIP	-	2,33,255	4,40,903	55,600	1,52,048	-
	D S T Inspire Fellowship Jagrati Chandrakar	74,364	-	2,975	-	77,339	-
	DST Inspire Fellowship Neha Pandey	3,46,546	-	3,321	3,46,546	3,321	-
	D S T Inspire Fellowship Pallavi Singh	2,06,867	-	4,438	1,16,013	95,292	-
	DST Inspire Fellowship Preeti Verma	4,34,728	-	4,022	3,89,600	49,151	-
	D S T Inspire Fellowship Shilpi Prasad	11,336	-	453	-	11,790	-
	DST Ku. Sweta Tiwari JRF(Botany)	9,240	-	3,57,014	3,30,484	35,770	-
	DST (MOF) Dr. K.V.S. Rangnath Project	2,31,275	-	35,403	88,794	1,77,884	-
	DST Research Project Dr. Bhumi Nath Tripathi)	1,29,093	-	5,164	-	1,34,257	-
	DST SERB Dr. Kalluri V.S. Rangnath	1,36,222	-	1,996	1,28,089	10,129	-
	DST SERB Dr. Shivani Rai Paliwal Asst. Prof. & Pro	2,44,475	-	2,03,111	2,99,546	1,48,040	-
	DST Travel Grant	-	24,957	-	-	-	24,957
	Inspire Dst Priyanka Pandey Jrf	1,92,720	-	7,709	-	2,00,429	-
	NPDF - DST SERB Dr. Kalyani Rout	-	-	6,52,649	2,20,000	4,32,64 9	-
	SERB Dr. Bharti Ahirwar	62,301	-	50,566	87,508	25,359	-
	SERB Dr. Dhananjay Shukla	42,402	-	767	27,045	16,124	-
	SERB Dr.Jagdish Singh	-	-	19,64,580	-	19,64,5 80	-
	SERB Dr. Kamlesh Shrivas Chemistry	2,67,645	-	2,464	2,67,645	2,464	-
	SERB Dr. Nishant S.Jain	-	-	26,74,701	69,452	26,05,249	-
	SERB Dr. Pradeep Das Physics	10,49,264	-	41,683	8,617	10,82,330	-
	SERB Dr. Pradeep Singh	73,221	-	2,929	-	76,149	-
	SERB Dr. Renu Bhatt	-	-	1,00,570	-	1,00,570	-
	SERB Dr. R.P. Prajapati	1,17,362	-	1,755	1,17,362	1,755	-
	SERB Dr.Santosh Singh Zoology	10,76,33 3	-	24,465	8,04,394	2,96,404	-
	SERB Dr. Satendra Kumar Nirala	72,611	-	2,904	-	75,516	-
	SERB Dr Vivekananda Mandal	24,59,80 4	-	44,683	22,00,312	3,04,175	-

	SERB Dr.V.K.Rai	5,80,936	-	23,237	-	6,04,174	-
	SERB DST Dr. Subhash Banerjee	5,590	-	224	-	5,813	-
	SERB DST Dr.Sushil Kumar Shahi	-	-	16,42,117	85,445	15,56,672	-
	SERB DST Dr.Sushil Kumar Shahi (National Seminar)	-	-	1,01,819	-	1,01,819	-
	SERB Manish Kumar Gupta Pure & Appl. Mathemetics	1,383	-	55	-	1,439	-
	SERB National Conference Dr.Babita Majhi		-	1,00,570	-	1,00,57 0	-
	SERB Project Dr. Harish Rajak	3,64,254	-	1,07,003	3,07,076	1,64,181	-
	SERB Tarkeshwar Trivedi	1,28,572	-	199	1,28,151	621	-
18	**UGC Project**	**5,10,85,258**	**3,47,411**	**2,68,93,510**	**2,27,57,881**	**5,48,73,476**	-
	Ugc Assistane Under SAP Dr. J.S.Dangi Recurring	1,28,104	-	10,378	68,157	70,325	-
	UGC MRP Dr. H. S. Tiwari)	2,95,569	-	11,823	-	3,07,392	-
	Misc. Receipts for Project	49,87,791	-	80,38,200	1,06,42,749	23,83,242	-
	Sandeep Ku.Sonkar & Sanjay Gupta BSR Research Fello	70,620	-	2,786	70,620	2,786	-
	UGC Adult Education Grant 10th Plan	4,59,837	-	18,393	-	4,78,230	-
	UGC Assistance SAP (Pharmacy)Non-Recurring	-	3,44,828	3,44,828	-	-	-
	UGC BSR Research Start Up Grant Dr.Bhavna Dixit	2,45,873	-	3,137	2,45,873	3,137	-
	UGC BSR Research Start Up Grant Dr.Subal Das	5,18,484	-	6,334	5,18,484	6,334	-
	UGC BSR Research Start Up Grant Dr.Vibhay Nath Trip	6,35,215	-	19,580	2,37,963	4,16,832	-
	UGC BSR Rese.Start Up Grant Dr.Sushant Kumar Verma	97,341	-	1,639	64,292	34,688	-
	UGC BSR Res Start Up Grant Dr.Manish Kumar Tripathi	52,029	-	1,425	18,118	35,335	-
	UGC BSR Res. Start Up Grant Dr Naveen Vishwakarma	2,24,832	-	6,576	68,944	1,62,464	-
	UGC BSR Schem Grant	11,221	-	449	-	11,669	-
	UGC BSR Start Up Dr. Bhaskar Sharma	6,62,165	-	26,487	-	6,88,651	-
	UGC BSR Start Up Dr. Braj Bhushan Chaturvedi	23,431	-	937	-	24,369	-
	UGC BSR Start Up Dr. Garima Tiwari	5,17,504	-	2,779	5,17,504	2,779	-
	UGC BSR Start Up Dr. Jata Shankar	24,681	-	987	-	25,668	-
	UGC BSR Start Up Dr.K. Kesavan	6,924	-	277	-	7,201	-
	UGC BSR Start Up Dr. Sanjay Kumar Bharti	6,732	-	269	-	7,002	-

	UGC BSR Start Up Dr. Vivekananda Mandal	887	-	35	-	922	-
	UGC BSR Start Up Grant Amar Nath Sil	14,840	-	5,28,783	-	5,43,623	-
	UGC BSR Start Up Grant Dr. Akhilesh Kumar Jain	81,630	-	83,580	1,63,260	1,950	-
	UGC BSR Start Up Grant Dr. Alka Mishra	2,68,838	-	8,890	2,68,838	8,890	-
	UGC BSR Start Up Grant Dr. Arjun Patra	67,564	-	963	67,564	963	-
	UGC BSR Start Up Grant Dr.Chandrama P. Upadhyaya	15,170	-	607	-	15,777	-
	UGC BSR Start Up Grant Dr. DEvendra Kumar Patel	2,27,771	-	9,111	-	2,36,882	-
	UGC BSR Start Up Grant(Dr. Dinesh Kumar Mishra)	7,232	-	289	-	7,522	-
	UGC BSR Start Up Grant Dr. Jagdish Singh	3,44,355	-	3,32,584	6,62,221	14,718	-
	UGC BSR Start Up Grant(Dr. Monika Bhadauria)	1,46,398	-	5,856	-	1,52,254	-
	UGC BSR Start Up Grant Dr. Nishant Jain	4,965	-	199	-	5,164	-
	UGC BSR Start Up Grant Dr. Partha Pratim Roy	3,132	-	125	-	3,258	-
	UGC BSR Start Up Grant Dr. Rajesh Ugale	24,703	-	988	-	25,691	-
	UGC BSR Start Up Grant Dr. Santosh Singh	19,527	-	674	4,347	15,854	-
	UGC BSR Start Up Grant(Dr. Santosh Singh Thakur	1,09,840	-	8,542	1,13,398	4,984	-
	UGC BSR Start Up Grant(Dr. Satendra Kumar Nirala)	87,140	-	2,878	21,161	68,857	-
	UGC BSR Start Up Grant(Dr. Satya Shila Singh)	9,174	-	367	-	9,541	-
	UGC BSR Start Up Grant(Dr. Seema Rai)	1,53,018	-	5,970	1,53,018	5,970	-
	UGC BSR Start Up Grant(Dr. Subhash Banerjee)	3,234	-	129	-	3,364	-
	UGC BSR Start Up Grant(Dr. Sudhir Kumar Pandey)	23,568	-	943	-	24,511	-
	UGC BSR Start UP Grant Dr. Suresh Thareja	1,85,225	-	2,639	1,85,225	2,639	-
	UGC BSR Start Up Grant Santosh Kumar Prajapati	14,985	-	599	-	15,585	-
	UGC BSR Start Up Grant(Shri Koti NVV Voraprasad)	23,618	-	945	-	24,563	-
	UGC BSR Start Up Grant Smt. Aishwarya Baghel	24,703	-	988	-	25,691	-
	UGC DAE CSR Indore Dr. Goverdhan Reddy	29,621	-	2,22,812	2,04,230	48,203	-
	UGC DAE CSR Mumbai Dr. Goverdhan Reddy	-	-	1,73,112	1,66,054	7,058	-
	UGC Emirates Fellowship	-	2,583	2,583	-	-	-
	UGC Est.of Centres for Endangered Language	-	-	1,39,63,759	-	1,39,63 ,759	-

	UGC Grant for Women Hostel, 10th Plan	15,32,789	-	61,312	-	15,94,100	-
	UGC Infrastructure Grant for Biotechnology	11,12,611	-	44,504	-	11,57,116	-
	UGC Infrastructure Grant for Pharmacy	18,56,227	-	74,249	-	19,30,476	-
	UGC Instrumentation Maintaince Facility Fin. Asst.	96,076	-	3,843	-	99,919	-
	UGC JRF Fellow. Grant	2,75,084	-	11,003	-	2,86,088	-
	U.G.C. JRF Fellowship	3,78,229	-	15,129	-	3,93,359	-
	UGC JRF Grant -Ritesh Jain	1,96,461	-	7,858	-	2,04,320	-
	UGC JRF Grant Santosh Kumar (Hindi)	36,916	-	3,41,892	3,40,000	38,808	-
	UGC JRF Mr.Raj Kumar Fellowship	2,14,999	-	8,600	-	2,23,599	-
	UGC JRF Ms.Jyoti Verma	1,01,404	-	4,056	-	1,05,460	-
	UGC JRF Rahul Kumar Prasad	25,054	-	5,06,137	3,13,450	2,17,741	-
	UGC Life Long Learning & Ext. Fin. Asst.	10,66,821	-	42,673	-	11,09,494	-
	UGC MRP Dr. Arti Shrivastava	2,63,381	-	10,535	-	2,73,916	-
	UGC MRP Dr. Asamanja Chattoraj	778	-	31	-	810	-
	UGC MRP Dr. Bhuminath Tripathi	991	-	40	-	1,031	-
	UGC MRP Dr. B.N.Tiwari	11,836	-	473	-	12,309	-
	UGC MRP Dr. Dilipkumar Pal	1,57,393	-	4,086	1,57,393	4,086	-
	UGC MRP Dr.Goverdhan Reddy Turpu Depa.Pure & App. P	9,45,955	-	36,779	45,783	9,36,951	-
	UGC MRP Dr. Harish Rajak	1	-	-	-	1	-
	UGC MRP Dr. Harit Jha	786	-	26,109	26,895		-
	UGC MRP Dr. H. S. Hota	12,689	-	508	-	13,196	-
	UGC MRP (Dr.K.P.Namdeo)	5,48,647	-	19,611	77,000	4,91,257	-
	UGC MRPDr. Krishna Kumar Chandra	2,92,571	-	6,331	2,92,571	6,331	-
	UGC MRp Dr.Madhvendra Nath Tripathi	2,596	-	104	-	2,699	-
	UGC MRP Dr.Manoj Kumar Dubey	10,73,335	-	42,933	-	11,16,268	-
	UGC MRP Dr.Manorama	1,45,194	-	5,406	28,000	1,22,600	-
	Ugc Mrp Dr. Monika Bhaduria	1,07,761	-	4,310	-	1,12,072	-
	Ugc Mrp Dr. Mukesh Kumar Singh	10,91,529	-	43,661	-	11,35,190	-
	UGC MRP Dr.Parijat Thakur Pure & Applied Physics	1,82,682	-	1,87,643	1,93,225	1,77,100	-
	UGC MRP (Dr. P K Bajpai)	3,77,997	-	15,120	-	3,93,117	-

	UGC MRP Dr. P.P. Murthy	1,85,326	-	7,413	-	1,92,739	-
	UGC MRP (Dr. Pradeep Kumar Samal)	38,770	-	1,551	-	40,321	-
	UGC MRP (Dr. Rakesh Kuma r Pandey)	97,906	-	3,512	1,00,749	669	-
	UGC MRP(Dr. Ravi Shanker Pandey)	719	-	29	-	748	-
	UGC MRP Dr.R.P.Prajapati,Pure & Applied Physics	3,21,022	-	2,53,667	2,12,204	3,62,484	-
	UGC MRP Dr. Sambit Padhi	48,424	-	1,937	-	50,361	-
	UGC MRP Dr. Santosh Kumar Prajapati	60,915	-	2,437	-	63,352	-
	Ugc Mrp Dr. Satendra Kumar Nirala	1,70,580	-	21,810	13,425	1,78,965	-
	UGC MRP Dr. Satya Shila Singh	2,43,491	-	8,192	2,43,491	8,192	-
	UGC MRP Dr. Seema Rai	73,531	-	3,03,838	-	3,77,368	-
	UGC MRP Dr. Shail endra Kumar	6,80,098	-	26,071	34,000	6,72,169	-
	UGC MRP Dr. Soma Das	4,82,584	-	17,375	4,82,584	17,375	-
	UGC MRP Dr. Sudhir Kumar Pandey	8,18,787	-	16,200	6,02,094	2,32,893	-
	UGC MRP Dr. Vinod D. Rangari	2,00,223	-	6,687	2,00,223	6,687	-
	UGC MRP Dr. V.K. Rai	16,140	-	57,759	70,000	3,900	-
	Ugc Mrp Ms Alka Ekka	2,948	-	118	-	3,066	-
	UGC MRP Prof. S.N. Saha	4,50,310	-	3,545	4,32,843	21,011	-
	UGC Net Coaching for Sc/St Students	47,64,17 5	-	1,49,998	-	49,14,1 73	-
	UGC NET Coaching Grant	8,26,131	-	33,045	-	8,59,17 6	-
	UGC NET Exam December 2013	4,98,378	-	19,935	-	5,18,31 3	-
	UGC NET Exam December 2014	3,53,526	-	14,141	-	3,67,66 7	-
	UGC One Time Grant for Merged Scheme	66,94,54 7	-	2,67,782	-	69,62,3 29	-
	UGC SAP DRS-I (Biotechnology)	55,41,88 5	-	73,436	44,29,931	11,85,3 90	-
	UGC SAP DRS-I (Pharmaceutical Science)	5,52,065	-	22,083	-	5,74,14 8	-
	UGC SAP DRS-I Pharmacy (Head of Dep.)SAP II	2,78,275	-	11,131	-	2,89,40 6	-
	UGC SAP Physics (P.K. Bajpai)	46,90,49 5	-	1,87,620	-	48,78,1 15	-
	UGC Start Up (Dr Manish Kumar Gupta)	22,666	-	907	-	23,572	-
	UGC Start Up Grant (Dr. Bhaskar Chaurasia)	3,059	-	122	-	3,181	-
	Grand Total	**17,86,19,005**	**10,22,76 5**	**11,85,67,127**	**5,38,71,19 6**	**24,27,34,270**	**4,42,099**

4.6 अनुसूची : 3(स) भारत सरकार, यूजीसी एवं राज्य सरकार से प्राप्त शेष अनुदान

(राशि रूपये में)

विवरण		वर्तमान वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
A. योजना अनुदान : भारत सरकार			
	शेष लाया गया	–	–
	जोड़ा : वर्ष के दौरान प्राप्ति	–	–
	कुल योग (A1)	–	–
	घटाया : वापसी	–	–
	घटाया : राजस्वव्यय के लिये उपयोग	–	–
	घटाया : पूंजी व्यय के लिये उपयोग	–	–
	कुल योग (A2)	–	–
	अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (A1-A2)	–	–
B. यूजीसी अनुदान : XI			
	शेष लाया गया	3,89,04,206	3,65,98,500
	जोड़ा : वर्ष के दौरान प्राप्ति	–	–
	जोड़ा : निधि पर ब्याज	25,28,168	23,05,706
	कुल योग (B1)	**4,14,32,374**	**3,89,04,206**
	घटाया : वापसी	–	–
	घटाया : राजस्व व्यय के लिये उपयोग	–	–
	घटाया : पूंजी व्यय के लिये उपयोग	11500000.00	–
	कुल योग (B2)	11500000.00	–
	अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (B1-B2)	**2,99,32,374**	**3,89,04,206**
B. यूजीसी अनुदान: XII			
	शेष लाया गया	31,10,51,558	62,98,66,221
	जोड़ा : वर्ष के दौरान प्राप्ति	37,64,00,000	–
	जोड़ा : निधि पर ब्याज	4,92,40,093	3,61,02,675
	जोड़ा : अन्य	–	–
	कुल योग(B1)	**73,66,91,651**	**66,59,68,896**
	घटाया : वापसी	127174000.00	–
	घटाया : राजस्व व्यय के लिए उपयोग	57,13,340	67,61,714
	घटाया : फैलोशिप के लिए उपयोग एवं अन्य (विलय योजना एवं यूजीसी फैलोशिप)	7,86,946	1,31,56,156
	घटाया : पूंजी व्यय के लिए उपयोग	10,49,19,149	33,49,99,468
	कुल योग (B2)	**23,85,93,435**	**35,49,17,338**
	अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (B1-B2)	**49,80,98,216**	**31,10,51,558**
C. यूजीसी अनुदान गैर योजना			
	शेष लाया गया	4,75,11,070	4,07,45,092

	जोड़ा : XII योजना से स्थानांतरण	12,71,74,000	–
	जोड़ा : वर्ष के दौरान प्राप्ति	74,78,18,000	47,49,22,000
	जोड़ा : निधि पर ब्याज	1,93,92,523	2,45,51,514
	जोड़ा : अरंतरिक प्राप्तियों	9,96,52,466	8,89,11,848
	जोड़ा : अन्य(समग्र निधि)	4,48,92,932	–
	कुल योग(C1)	**108,64,40,991**	**62,91,30,454**
	घटाया : वापसी	–	–
	घटाया : राजस्व व्यय के लिए उपयोग	69, 42,02,057	58,06,35,863
	घटाया : पूंजी व्यय के लिए उपयोग	1,83,74,501	9,83,521
	कुल योग (C2)	**71,25,76,558**	**58,16,19,384**
	अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (C1-C2) (आय एवं व्यय खाते का अधिशेष)	**37,38,64,433**	**4,75,11,070**
D.	**राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान**		
	शेष लाया गया	–	–
	जोड़ा : वर्ष के दौरान प्राप्ति	–	–
	कुल योग (D1)	–	–
	घटाया : वापसी	–	–
	घटाया : राजस्व व्यय के लिए उपयोग	–	–
	घटाया : पूंजी व्यय के लिए उपयोग	–	–
	कुल योग (D2)	–	–
	अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (D1-D2)	–	–
	कुल योग (A+B+C+D)	**90,18,95,023**	**39,74,66,834**
नोट :			
1.	अप्रयुक्त अनुदान में आगामी वर्ष के लिए अग्रिम में प्राप्त अनुदान शामिल है।		
2.	बैंक शेष की संपत्तियां लघु अवधि जमा पूंजी खाते में अग्रिम के रूप में अप्रयुक्त अनुदान को प्रस्तुत किया जाता है।		

4.7 01 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 की अवधि हेतु प्राप्ति भुगतान खाता

प्राप्तियाँ			वर्तमान वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष	भुगतान			वर्तमान वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
i	**प्रारम्भिक शेष**				i.	**व्यय**			
	a)	रोकड़ शेष				a)	स्थापना व्यय	55,59,66,819	51,65,47,694
	b)	बैंक शेष	18,43,90,204	19,71,53,727		b)	अकाद्मिक व्यय	2,80,99,761	48,08,638
		i. चालू खाता				c)	प्रशासनिक व्यय	9,91,72,366.93	7,55,97,393
		ii. जमा खाता				d)	परिवहन व्यय	99,50,483	30,42,235
		iii. बचत खाता				e)	सुधार एवं मरम्मत	1,18,24,158.00	70,05,022
						f)	पूर्व अवधि व्यय	29,13,429	
ii	**प्राप्त अनुदान**				ii.	निर्दिष्ट विन्यास निधि फंड के विरूद्ध भुगतान		3,24,254	2,55,484
	a)	भारत सरकार से							

	b) राज्य सरकार से						
	c) अन्य स्त्रोतों से	1124218000	47,49,22,000				
iii	अकाद्मिक प्राप्तियां	93138824.9	8,27,63,252	iii.	प्रायोजित परियोजनाओं / योजना के विरुद्ध भुगतान	2,43,881	3,19,398
iv	निर्दिष्ट /विन्यास निधि फंड के विरुद्ध प्राप्तियां	77,236	8,85,441	iv.	प्रायोजित परियोजनाओं / योजना के विरुध भुगतान	2,69,77,425	4,07,77,589
v	प्रायोजित परियोजनाओं/ योजना के विरुद्ध	41,322	70,603	v.	निवेश एवं जमा		
					a) चिन्हित/विन्यास निधि से		
					b) स्वयं के कोष से बाहर (अन्य निवेश)	178,24,18,141	73,09,46,002
vi	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियां	11,00,80,927	4,61,00,821	vi.	अनुसूची बैंकों सावधि जमा		
vii	निवेश से आय			vii.	स्थायी परिसम्पत्ति और चालू निर्माण कार्य व्यय		
	a) चिन्हित / विन्यास निधि				a) स्थायी परिसम्पत्ति	6,03,54,715	32,78,81,016
	b) अन्य निधि				b) चालू निर्माण कार्य	7,44,38,935	
viii.	**प्राप्त ब्याज**			viii.	वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
	a) बैंक जमा पर						
	b) ऋण, अग्रिम आदि पर						
	c) बचत खाता बैंक						
ix	निवेश भुनाया	154,30,41,290	102,72,83,161	ix.	अनुदान की वापसी/ भुगतान	50,49,419	
x	अनुसूची बैंकों की सावधि जमा– भुनायी			x.	जमा एवं अग्रिम	3,69,94,421	2,94,65,775
xi	अन्य आय ;पूर्ववर्ती आय के साथ			xi.	अन्य भुगतान	74,07,650	49,00,778
xii	जमा एवं अग्रिम	60,50,024	35,71,853	xii.	**अंतिम शेष**		
					a) रोकड़ शेष		
					b) बैंक शेष		
					i. चालू खाता		
					ii. जमा खाता		
					iii. बचत खाता	46,88,10,688	18,43,90,204
xiii	वैधानिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां	65,13,641	61,48,596				
xiv	कोई अन्य राशि ब्योरा दीजिए						
	योग	**317,09,46,545**	**192,59,37,228**	**योग**		**317,09,46,546**	**192,59,37,228**

नोट : बैंक प्रारम्भिक शेष Rs.184390204/- (244952798-60562594)

बैंक अंतिम शेष Rs.468810690/- (508286225-39475535)

छात्र शक्ति एवं सुविधाएँ

5. छात्र सांख्यिकी एवं सुविधाएँ

5.1 छात्र संख्या

5.1.1 कुल छात्र संख्या

	पु.	म.	ट्रांस जेंडर	कुल
वि.वि.शिक्षण विभाग	3854	3007	0	6861

5.1.2 नये नामांकन

	पु.	म.	ट्रांस जेंडर	कुल
वि.वि.शिक्षण विभाग	1487	1263	0	2750

5.1.3 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग : छात्र संख्या

क्र.	विभाग	पाठ्यक्रम	सीट सं.	कुल				सामान्य				एससी				एसटी				ओबीसी				अल्पसंख्यक				दिव्यांग			
				पु	म.	ट्रांस जेंडर	कुल	पु	म.	ट्रांस जेंडर	कुल	पु	म.	ट्रांस जेंडर	कुल	पु	म.	ट्रांस जेंडर	कुल	पु	म.	ट्रांस जेंडर	कुल	पु	म.	ट्रांस जेंडर	कुल	पु	म.	ट्रांस जेंडर	कुल
1	अंग्रेजी	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर अंग्रेजी I सेम.	60	19	36	0	55	8	13	0	21	3	2	0	5	3	9	0	12	8	9	0	17	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर अंग्रेजी III सेम.	60	8	24	0	32	3	12	0	15	1	2	0	3	1	6	0	7	3	4	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृतस्नातक /स्नातकोत्तर अंग्रेजी V सेम.	60	6	8	0	14	3	3	0	6	1	0	0	1	2	0	0	2	0	5	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर अंग्रेजी Iसेम.	100	9	15	0	24	0	7	0	7	4	0	0	4	1	2	0	3	4	6	0	10	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर अंग्रेजी IIIसेम.	100	7	4	0	11	3	3	0	6	2	0	0	2	0	1	0	1	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
		फेंच भाषा में पत्रोपाधि	50																												
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		5	5	0	10	3	5	0	8	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	0	0
2	हिन्दी	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर हिन्दी I सेम.	60	13	8	0	21	1	3	0	4	4	1	0	5	2	1	0	3	6	3	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर हिन्दी III सेम.	60	6	7	0	13	1	1	0	2	0	2	0	2	0	3	0	3	5	1	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर हिन्दी V सेम.	60	1	4	0	5	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	2	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर हिन्दी I सेम.	80	1	5	0	6	1	2	0	3	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1
		स्नातकोत्तर हिन्दी III सेम.	80	5	3	0	8	1	1	0	2	0	1	0	1	3	0	0	3	1	1	0	2	0	0	0	0	1	0	0	1
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		3	2	0	5	0	2	0	2	1	0	0	1	0	0	0	0	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
3	पुस्तकालय एव सूचनाविज्ञान	बी .लिब I सेम..	60	8	13	0	21	1	1	0	2	1	2	0	3	3	4	0	7	3	6	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0
		एम.लिब I सेम..	50	4	28	0	32	0	5	0	5	1	10	0	11	2	8	0	10	1	5	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		3	1	0	4	1	1	0	2	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
4	पत्रकारिता एवं जनसंचार	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर पत्रकारिता एवं जनसंचार I सेम.	60	32	23	0	55	19	12	0	31	5	3	0	8	3	0	0	3	5	8	0	13	0	0	0	0	0	0	0	0

		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर पत्रकारिता एवं जनसंचार III सेम.	60	12	18	0	30	9	11	0	20	1	2	0	3	0	2	0	2	2	3	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर पत्रकारिता एवं जनसंचार V सेम.	60	23	13	0	36	9	6	0	15	5	2	0	7	2	0	0	2	7	5	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर पत्रकारिता एवं जनसंचार V सेम.																													
		एम. ए. जेएमसी	80	12	11	0	23	6	7	0	13	1	1	0	2	1	2	0	3	4	1	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
		एम .ए. जेएमसी	80	7	3	0	10	2	1	0	3	2	1	0	3	1	0	0	1	2	1	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	अर्थशास्त्र	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र I सेम.	60	37	23	0	60	9	11	0	20	9	2	0	11	8	3	0	11	11	7	0	18	0	0	0	0	0	2	0	2
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र III सेम.	60	27	21	0	48	9	7	0	16	3	5	0	8	2	5	0	7	13	4	0	17	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र V सेम.	60	14	15	0	29	3	9	0	12	1	1	0	2	4	1	0	5	6	4	0	10	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र I सेम.	80	9	8	0	17	4	3	0	7	0	2	0	2	0	1	0	1	5	2	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र III सेम.	80	9	6	0	15	1	1	0	2	3	0	0	3	3	1	0	4	2	4	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		5	2	0	7	2	0	0	2	1	0	0	1	0	1	0	1	2	1	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0
6	इतिहास	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर इतिहास I सेम.	60	29	17	0	46	8	3	0	11	12	6	0	18	5	2	0	7	4	6	0	10	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर इतिहास III सेम.	60	19	12	0	31	4	3	0	7	3	0	0	3	3	2	0	5	9	7	0	16	0	0	0	0	1	0	0	1
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर इतिहास V सेम.	60	18	7	0	25	1	1	0	2	3	2	0	5	3	3	0	6	11	1	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर इतिहास I सेम.	80	1	3	0	4	1	0	0	1	0	0	0	0	0	3	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर इतिहास III सेम.	80	5	3	0	8	1	1	0	2	2	2	0	4	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		3	0	0	3	2	0	0	2	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	राजनीति शास्त्र	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर राजनीति शास्त्र I सेम.	60	23	26	0	49	12	11	0	23	3	2	0	5	1	8	0	9	7	5	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर राजनीति शास्त्र III सेम.	60	20	13	0	33	1	1	0	2	8	2	0	10	3	2	0	5	8	8	0	16	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर राजनीति शास्त्र Vसेम.	60	15	10	0	25	4	5	0	9	5	1	0	6	2	1	0	3	4	3	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर राजनीति शास्त्र I सेम.	80	10	4	0	14	2	2	0	4	2	0	0	2	4	0	0	4	2	2	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर राजनीति शास्त्र III सेम.	80	4	4	0	8	1	2	0	3	2	0	0	2	1	0	0	1	0	2	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
		पी.एच.डी पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		2	0	0	2	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
8	समाज शास्त्र	बीएसडब्ल्यू I सेम.	30	10	8	0	18	6	4	0	10	0	1	0	1	0	1	0	1	4	2	0	6	1	2	0	3	0	0	0	0
		बीएसडब्ल्यू III सेम..	30	2	2	0	4	2	1	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	0
		बीएसडब्ल्यू V सेम.	30	2	1	0	3	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	2	0	1	0	1	0	0	0	0
		एमएसडब्ल्यू I सेम.	60	14	16	0	30	7	7	0	14	1	2	0	3	2	2	0	4	4	5	0	9	0	1	0	1	0	0	0	0
		एमएसडब्ल्यू III सेम	60	10	9	0	19	2	4	0	6	1	2	0	3	4	2	0	6	3	1	0	4	3	1	0	4	0	0	0	0

		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		2	0	0	2	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
9	शिक्षा शास्त्र	बी.एड. I सेम.	50	28	22	0	50	4	4	0	8	5	3	0	8	1	3	0	4	18	12	0	30	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी.एड. III सेम.	50	23	14	0	37	3	5	0	8	2	1	0	3	1	2	0	3	17	6	0	23	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्पेशल बी.एड. एच. आई I सेम.	30	17	12	0	29	1	2	0	3	8	3	0	11	2	1	0	3	6	6	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्पेशल बी.एड. एच. आई III सेम.	30	15	11	0	26	0	1	0	1	6	1	0	7	1	2	0	3	8	7	0	15	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्पेशल बी.एड. एल. डी. I सेम.	30	5	18	0	23	0	2	0	2	3	3	0	6	0	6	0	6	2	7	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्पेशल बी.एड. एल. डी. III सेम.	30	12	4	0	16	0	0	0	0	9	0	0	9	0	2	0	2	3	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
		एम.एड. I सेम.	50	16	16	0	32	1	6	0	7	4	3	0	7	1	4	0	5	10	3	0	13	0	0	0	0	0	0	0	0
		एम.एड. III सेम.	50	13	9	0	22	0	5	0	5	1	0	0	1	1	0	0	1	11	4	0	15	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		3	8	0	11	1	4	0	5	0	3	0	3	0	1	0	1	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
10	वाणिज्य	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर वाणिज्य I सेम.	120	72	54	0	126	19	18	0	37	14	7	0	21	13	4	0	17	26	25	0	51	2	0	0	2	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर वाणिज्य III सेम.	120	57	60	0	117	19	18	0	37	9	14	0	23	9	6	0	15	20	24	0	44	1	2	0	3	2	0	0	2
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर वाणिज्य Vसेम.	120	93	79	0	172	22	33	0	55	18	10	0	28	23	10	0	33	30	27	0	57	1	1	0	2	0	0	0	0
		एम.कॉम . I सेम.	120	35	78	0	113	13	34	0	47	6	10	0	16	5	11	0	16	11	24	0	35	1	1	0	2	0	0	0	0
		एम.कॉम . III सेम.	120	24	40	0	64	7	23	0	30	5	5	0	10	6	3	0	9	6	9	0	15	2	0	0	2	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		2	3	0	5	0	0	0	0	1	1	0	2	0	1	0	1	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
11	प्रबंध अध्ययन	एम.बी.ए. I सेम.	60	25	33	0	58	13	22	0	35	5	2	0	7	2	1	0	3	5	8	0	13	0	0	0	0	0	0	0	0
		एम.बी.ए. III सेम.	60	26	29	0	55	13	22	0	35	5	2	0	7	0	0	0	0	8	5	0	13	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		9	5	0	14	5	2	0	7	1	0	0	1	0	1	0	1	3	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
12	(बी.एस.सी.) एन्थ्रोपोलॉजी	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर एन्थ्रोपोलॉजीIसेम.	40	8	28	0	36	2	15	0	17	3	3	0	6	1	2	0	3	2	8	0	10	0	4	0	4	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर एन्थ्रोपोलॉजी III सेम.	40	9	26	0	35	1	11	0	12	2	5	0	7	1	3	0	4	5	7	0	12	0	1	0	1	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर एन्थ्रोपोलॉजी Vसेम.	40	9	15	0	24	2	6	0	8	1	3	0	4	2	0	0	2	4	6	0	10	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर एन्थ्रोपोलॉजी I सेम.	55	5	8	0	13	2	3	0	5	1	1	0	2	0	1	0	1	2	3	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर एन्थ्रोपोलॉजी III सेम.	55	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी पुराना																													
		पी.एच.डी (नये नियमानुसार 2009)																													
	बी.ए. एन्थ्रोपोलॉजी	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर एन्थ्रोपोलॉजी I सेम.	20	1	3	0	4	0	2	0	2	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर एन्थ्रोपोलॉजी III सेम.	20	2	5	0	7	0	4	0	4	2	0	0	2	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर एन्थ्रोपोलॉजी V सेम.	20																												

		स्नातकोत्तर एन्थ्रोपोलॉजी I सेम.	35	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर एन्थ्रोपोलॉजी III सेम.	35	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		2	2	0	4	1	1	0	2	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
13	बायोटेक्नॉलाजी	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बायोटेक्नॉलाजी I सेम.	60	26	31	0	57	10	20	0	30	2	5	0	7	3	1	0	4	11	5	0	16	2	3	0	5	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बायोटेक्नॉलाजी III सेम.	60	20	34	0	54	9	9	0	18	4	8	0	12	2	5	0	7	5	12	0	17	3	5	0	8	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बायोटेक्नॉलाजी V सेम.	60	16	33	0	49	6	13	0	19	5	6	0	11	0	2	0	2	5	12	0	17	1	0	0	1	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर बायोटेक्नॉलाजी I सेम.	90	6	19	0	25	1	11	0	12	2	1	0	3	2	2	0	4	1	5	0	6	0	4	0	4	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर बायोटेक्नॉलाजी III सेम.	90	21	23	0	44	7	12	0	19	4	1	0	5	3	2	0	5	7	8	0	15	2	2	0	4	0	0	0	0
		एम.एस.सी. I सेम.		5	22	0	27	4	12	0	16	1	0	0	1	0	3	0	3	0	7	0	7	1	2	0	3	0	0	0	0
		पी.एच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		6	4	0	10	3	0	0	3	1	2	0	3	0	1	0	1	2	1	0	3	0	1	0	1	0	0	0	0
14	वनस्पतिशास्त्र	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर वनस्पतिशास्त्र I सेम.	60	17	46	0	63	4	19	0	23	4	7	0	11	2	3	0	5	7	17	0	24	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर वनस्पतिशास्त्र III सेम.	60	12	35	0	47	5	10	0	15	2	2	0	4	0	6	0	6	5	17	0	22	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर वनस्पतिशास्त्रVसेम .	60	16	24	0	40	2	5	0	7	2	1	0	3	6	9	0	15	6	9	0	15	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर वनस्पतिशास्त्र I सेम.	90	21	24	0	45	8	11	0	19	6	4	0	10	1	5	0	6	5	4	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर वनस्पतिशास्त्र III सेम.	90	17	31	0	48	3	7	0	10	5	3	0	8	3	7	0	12	6	12	0	18	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		6	17	0	23	3	7	0	10	1	5	0	6	2	2	0	4	0	3	0	3	1	2	0	3	0	0	0	0
15	प्राणीशास्त्र	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र I सेम.	60	23	37	0	60	8	13	0	21	4	6	0	10	2	3	0	5	9	16	0	25	1	1	0	2	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र III सेम.	60	22	32	0	54	2	6	0	8	7	7	0	14	1	5	0	6	12	14	0	26	0	0	0	0	0	1	0	1
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र Vसेम.	60	17	33	0	50	2	5	0	7	3	5	0	8	5	6	0	11	7	17	0	24	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र Iसेम.	90	26	38	0	64	4	11	0	15	5	7	0	12	5	6	0	11	12	14	0	26	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र III सेम.	90	23	33	0	56	5	11	0	16	6	7	0	13	4	4	0	8	8	11	0	19	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		7	7	0	14	2	5	0	7	1	1	0	2	0	0	0	0	4	1	0	5	2	0	0	2	0	0	0	0
16	सीएसआईटी	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर कम्प्यूटरसांइस I सेम.	60	44	14	0	58	10	5	0	15	8	2	0	10	4	2	0	6	22	5	0	27	1	0	0	1	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर कम्प्यूटरसांइस III सेम.	60	37	14	0	51	5	2	0	7	8	1	0	9	3	1	0	4	21	10	0	31	1	0	0	1	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर कम्प्यूटरसांइस Vसेम.	60	50	20	0	70	18	17	0	35	5	2	0	7	0	0	0	0	27	4	0	31	4	4	0	8	0	0	0	0
		सीएससीसी एस. Iसेम.	75	17	16	0	33	2	2	0	4	5	5	0	10	3	4	0	7	7	5	0	12	1	0	0	1	0	0	0	0
		सीएससीसी एस. IIIसेम.	75	21	24	0	45	6	10	0	16	2	2	0	4	4	0	0	4	9	12	0	21	0	3	0	3	0	0	0	0

		एम.सी.ए. Iसेम.	60	37	23	0	60	9	8	0	17	8	3	0	11	1	4	0	5	19	10	0	29	1	2	0	3	0	0	0	0
		एम.सी.ए. IIIसेम.	60	25	13	0	38	12	5	0	17	3	0	0	3	0	2	0	2	10	6	0	16	1	2	0	3	0	0	0	0
		एम.सी.ए. Vसेम.	60	34	20	0	54	6	7	0	13	10	6	0	16	0	2	0	2	18	7	0	25	1	2	0	3	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		5	1	0	6	4	1	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0
17	केमेस्ट्री	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर केमेस्ट्रीIसेम.	60	28	29	0	57	4	10	0	14	8	3	0	11	1	3	0	4	15	13	0	28	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर केमेस्ट्री III सेम.	60	20	31	0	51	5	11	0	16	5	3	0	8	2	3	0	5	8	14	0	22	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर केमेस्ट्री Vसेम.	60	20	37	0	57	3	8	0	11	2	6	0	8	1	5	0	6	14	18	0	32	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर केमेस्ट्री I सेम.	75	34	33	0	67	9	12	0	21	10	3	0	13	2	3	0	5	13	15	0	28	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर केमेस्ट्री III सेम.	75	30	26	0	56	12	10	0	22	2	1	0	3	3	2	0	5	13	13	0	26	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		8	6	0	14	6	2	0	8	0	0	0	0	0	0	0	0	2	4	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0
18	फारेस्ट्री	बी.एस.सी.फारेस्ट्री I सेम.	60	37	16	0	53	12	9	0	21	7	4	0	11	3	2	0	5	15	1	0	16	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी.एस.सी.फारेस्ट्री III सेम.	60	26	21	0	47	7	4	0	11	4	3	0	7	3	6	0	9	12	8	0	20	2	2	0	4	0	0	0	0
		बी.एस.सी.फारेस्ट्री V सेम.	60	31	19	0	50	6	4	0	10	5	1	0	6	3	4	0	7	17	10	0	27	1	3	0	4	0	0	0	0
		बी.एस.सी.फारेस्ट्री VII सेम.	60	22	18	0	40	9	8	0	17	4	2	0	6	3	2	0	5	6	6	0	12	2	3	0	5	0	0	0	0
		एम. एस.सी.फारेस्ट्री I सेम	30	12	8	0	20	1	1	0	2	5	0	0	5	0	2	0	2	6	5	0	11	0	0	0	0	0	0	0	0
		एम. एस.सी.फारेस्ट्री III सेम	30	12	10	0	22	1	4	0	5	1	0	0	1	3	2	0	5	7	4	0	11	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		4	6	0	10	3	3	0	6	1	1	0	2	0	1	0	1	0	1	0	1	2	1	0	3	0	0	0	0
19	गणित	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर गणित I सेम.	60	46	18	0	64	7	4	0	11	10	0	0	10	6	0	0	6	23	14	0	37	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर गणित III सेम.	60	31	21	0	52	6	6	0	12	5	4	0	9	1	3	0	4	19	8	0	27	1	0	0	1	1	0	0	1
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर गणित Vसेम.	60	33	27	0	60	7	10	0	17	6	4	0	10	1	1	0	2	19	14	0	33	1	2	0	3	1	0	0	1
		स्नातकोत्तर गणित I सेम.	75	20	39	0	59	3	9	0	12	5	7	0	12	2	4	0	6	10	19	0	29	1	0	0	1	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर गणित IIIसेम.	75	8	27	0	35	2	8	0	10	0	2	0	2	1	4	0	5	5	13	0	18	1	0	0	1	0	0	0	0
		पी.एच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		5	1	0	6	4	0	0	4	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0
20	भौतिकी	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर गणित I सेम.	60	47	14	0	61	23	7	0	30	7	2	0	9	5	0	0	5	12	5	0	17	1	1	0	2	1	0	0	1
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर गणित III सेम.	60	28	18	0	46	5	6	0	11	6	2	0	8	1	0	0	1	16	11	0	27	1	2	0	3	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर गणित V सेम.	60	37	23	0	60	12	6	0	18	6	4	0	10	3	2	0	5	16	11	0	27	0	0	0	0	0	0	0	0

		स्नातकोत्तर गणित I सेम.	75	39	21	0	60	11	10	0	21	7	2	0	9	4	0	0	4	17	9	0	26	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर गणित III सेम.	75	19	26	0	45	11	21	0	32	4	0	0	4	0	0	0	0	4	5	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		12	6	0	18	10	2	0	12	1	0	0	1	0	1	0	1	1	3	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0
	इलेक्ट्रानिक्स	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर गणित I सेम.	60	36	24	0	60	18	9	0	27	4	5	0	9	5	4	0	9	9	6	0	15	0	1	0	1	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर गणित III सेम.	60	24	11	0	35	3	3	0	6	6	2	0	8	2	1	0	3	13	5	0	18	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर गणित V सेम.	60	24	10	0	34	13	5	0	18	2	1	0	3	1	0	0	1	8	4	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर गणित I सेम.	75	17	8	0	25	7	3	0	10	4	0	0	4	0	0	0	0	4	5	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर गणित III सेम.	75	3	6	0	9	0	1	0	1	2	0	0	2	0	1	0	1	1	4	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)																													
21	रूरलटेक्नॉलाजी	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर रूरलटेक्नॉलाजी I सेम.	60	40	19	0	59	5	7	0	12	8	3	0	11	8	3	0	11	19	6	0	25	0	1	0	1	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर रूरलटेक्नॉलाजी III सेम.	60	27	22	0	49	6	7	0	13	2	2	0	4	4	5	0	9	15	9	0	24	3	0	0	3	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर रूरलटेक्नॉलाजी V सेम.	60	23	20	0	43	6	11	0	17	2	1	0	3	5	3	0	8	10	5	0	15	0	1	0	1	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर रूरलटेक्नॉलाजी I सेम.	75	4	6	0	10	1	2	0	3	1	1	0	2	0	1	0	1	2	2	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर रूरलटेक्नॉलाजी III सेम.	75	7	11	0	18	1	4	0	5	0	2	0	2	2	2	0	4	4	3	0	7	0	2	0	2	0	0	0	0
		पीएच.डी. पुराना																													
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		5	0	0	5	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	4	0	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0
22	फार्मेसी	बी. फार्मेसी. I सेम.	60	33	26	0	59	8	5	0	13	6	5	0	11	1	5	0	6	18	11	0	29	4	4	0	8	1	0	0	1
		बी. फार्मेसी. III सेम.	72	38	29	0	67	10	7	0	17	9	7	0	16	1	3	0	4	18	12	0	30	2	1	0	3	1	0	0	1
		बी. फार्मेसी. V सेम.	72	40	26	0	66	8	10	0	18	8	5	0	13	3	4	0	7	21	7	0	28	1	2	0	3	0	0	0	0
		बी. फार्मेसी.VII सेम.	72	38	30	0	68	8	4	0	12	9	4	0	13	0	3	0	3	21	19	0	40	1	2	0	3	0	0	0	0
		एम. फार्मेसी. I सेम. (फार्मासेयुटिकस)	36	19	12	0	31	8	6	0	14	4	0	0	4	1	1	0	2	6	5	0	11	0	1	0	1	0	0	0	0
		एम. फार्मेसी. I सेम. (फार्मासेयुटिकस)	36	6	1	0	7	2	1	0	3	1	0	0	1	0	0	0	0	3	0	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0
		डी. फार्मा. I सेम.	60	33	27	0	60	14	16	0	30	7	2	0	9	5	0	0	5	7	9	0	16	0	3	0	3	0	0	0	0
		डी. फार्मा. I सेम.	60	39	18	0	57	17	13	0	30	9	0	0	9	1	2	0	3	12	3	0	15	0	2	0	2	0	0	0	0
		पीएच.डी.		28	17	0	45	11	8	0	19	2	3	0	5	1	2	0	3	14	4	0	18	0	0	0	0	0	0	0	0
23	केमिकलइंजी.	बी.टेक. I सेम.	60	18	5	0	23	10	4	0	14	3	0	0	3	2	0	0	2	3	1	0	4	4	1	0	5	0	0	0	0
		बी. टेक III सेम.	60	13	4	0	17	4	3	0	7	3	0	0	3	1	0	0	1	5	1	0	6	1	0	0	1	0	0	0	0
		बी. टेक V सेम.	60	23	4	0	27	7	3	0	10	3	0	0	3	2	1	0	3	11	0	0	11	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक VII सेम.	60	37	11	0	48	11	3	0	14	6	1	0	7	2	0	0	2	18	7	0	25	2	1	0	3	0	0	0	0

		एम. टेक I सेम.	18																												
		एम. टेक III सेम.	18	3	0	0	3	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		3	1	0	4	2	1	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0
24	सिविल इंजी.	बी.टेक. I सेम.	40	36	5	0	41	18	2	0	20	7	1	0	8	3	2	0	5	8	0	0	8	0	0	0	0	0	1	0	1
		बी. टेक III सेम.	40	23	1	0	24	11	0	0	11	5	1	0	6	2	0	0	2	5	0	0	5	0	0	0	0	1	0	0	1
		बी. टेक V सेम.	40	24	2	0	26	11	1	0	12	3	0	0	3	3	1	0	4	7	0	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक VII सेम.	40	32	4	0	36	15	2	0	17	5	0	0	5	2	0	0	2	10	2	0	12	0	0	0	0	1	0	0	1
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		4	0	0	4	4	0	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
25	कम्प्यूटरसाइंस एण्ड इंजी.	बी.टेक.I सेम.	60	38	18	0	56	9	4	0	13	5	5	0	10	1	3	0	4	23	6	0	29	3	0	0	3	1	0	0	1
		बी. टेकIIIसेम.	60	31	12	0	43	10	5	0	15	4	3	0	7	4	0	0	4	13	4	0	17	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक Vसेम.	60	22	11	0	33	4	7	0	11	7	1	0	8	2	1	0	3	9	2	0	11	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक VII सेम.	60	38	13	0	51	23	4	0	27	3	2	0	5	2	1	0	3	10	6	0	16	0	0	0	0	0	0	0	0
		पीएच.डी.		3	1	0	4	3	1	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
26	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्यू. इंजी.	बी.टेक.I सेम.	60	22	11	0	33	6	2	0	8	4	0	0	4	0	3	0	3	12	6	0	18	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक III सेम.	60	21	6	0	27	7	1	0	8	5	0	0	5	2	2	0	4	7	3	0	10	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक V सेम.	60	28	5	0	33	11	1	0	12	4	1	0	5	2	0	0	2	11	3	0	14	0	0	0	0	1	0	0	1
		बी. टेक VIIसेम.	60	32	22	0	54	6	12	0	18	5	2	0	7	2	0	0	2	19	8	0	27	0	0	0	0	0	1	0	1
		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
27	इण्डस्ट्रीयल एण्ड प्रोड. इंजी.	बी.टेक.I सेम.	60	15	0	0	15	12	0	0	12	0	0	0	0	1	0	0	1	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक III सेम.	60	2	1	0	3	0	0	0	0	1	1	0	2	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक V सेम.	60	19	3	0	22	4	1	0	5	3	0	0	3	2	0	0	2	10	2	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक VII सेम.	60	45	4	0	49	6	4	0	10	7	0	0	7	2	0	0	2	30	0	0	30	0	0	0	0	0	0	0	0
28	इनफारमेंशन टेक्नॉलाजी	बी.टेक.I सेम.	60	25	14	0	39	5	4	0	9	7	6	0	13	1	3	0	4	12	1	0	13	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक III सेम.	60	8	0	0	8	3	0	0	3	2	0	0	2	1	0	0	1	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक V सेम.	60	19	3	0	22	9	0	0	9	4	0	0	4	1	0	0	1	5	3	0	8	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक VII सेम.	60	25	11	0	36	11	3	0	14	2	2	0	4	0	2	0	2	12	4	0	16	0	0	0	0	0	0	0	0
29	मेकेनिकल इंजी..	बी.टेक.I सेम.	60	51	8	0	59	9	2	0	11	19	2	0	21	6	1	0	7	17	3	0	20	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक III सेम.	60	27	5	0	32	9	2	0	11	8	0	0	8	1	1	0	2	9	2	0	11	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक V सेम.	60	32	0	0	32	9	0	0	9	5	0	0	5	0	0	0	0	18	0	0	18	0	0	0	0	0	0	0	0
		बी. टेक VII सेम.	60	52	0	0	52	17	0	0	17	7	0	0	7	3	0	0	3	25	0	0	25	0	0	0	0	0	0	0	0
		एम.. टेक I सेम..	18	13	2	0	15	6	1	0	7	0	0	0	0	1	0	0	1	6	1	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0
		एम.. टेक III सेम.	18	8	0	0	8	3	0	0	3	1	0	0	1	0	0	0	0	4	0	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0
30	फिजीकल एजुकेशन	बीकृपी.एड.Iसेम.	50	46	5	0	51	6	1	0	7	9	2	0	11	9	0	0	9	22	2	0	24	2	0	0	2	0	0	0	0
		बीकृपी.एड. III सेम.	50	33	10	0	43	7	2	0	9	5	2	0	7	11	3	0	14	10	3	0	13	0	0	0	0	0	0	0	0
		एम.पी.एड. Iसेम.	40	29	11	0	40	5	3	0	8	4	2	0	6	5	3	0	8	15	3	0	18	0	1	0	1	0	0	0	0
		बीकृपी.एड. IIIसेम.	40	30	2	0	32	5	0	0	5	7	1	0	8	3	0	0	3	15	1	0	16	0	0	0	0	0	0	0	0

		पीएच.डी. (नये नियमानुसार 2009)		10	4	0	14	6	3	0	9	1	0	0	1	1	0	0	1	2	1	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0
31	फोरेन्सिक सांइस	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर फोरेन्सिकसांइस I सेम.	30	7	20	0	27	3	7	0	10	1	4	0	5	0	1	0	1	3	8	0	11	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर फोरेन्सिकसांइस IIIसेम.	30	6	12	0	18	2	3	0	5	2	3	0	5	0	2	0	2	2	4	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर फोरेन्सिकसांइसV सेम.	30	5	11	0	16	0	5	0	5	1	1	0	2	1	0	0	1	3	5	0	8	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर फोरेन्सिकसांइस Iसेम.	50	11	30	0	41	4	11	0	15	2	2	0	4	1	4	0	5	4	13	0	17	0	0	0	0	0	0	0	0
		स्नातकोत्तर फोरेन्सिकसांइसIII सेम.	50	13	12	0	25	3	3	0	6	3	2	0	5	1	2	0	3	6	5	0	11	0	1	0	1	0	0	0	0
32	विधि	एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बी. ए. एल.एल.बी. I सेम.	60	30	30	0	60	6	11	0	17	7	5	0	12	3	2	0	5	14	12	0	26	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बी. ए.एल.एल.बी. III सेम.	60	17	20	0	37	6	6	0	12	2	2	0	4	3	3	0	6	6	9	0	15	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बी. ए.एल.एल.बी. V सेम.	60	14	14	0	28	9	8	0	17	1	2	0	3	2	1	0	3	2	3	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बी. ए. एल.एल.बी.VII सेम.	60	15	14	0	29	11	11	0	22	1	1	0	2	0	0	0	0	3	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बी. ए.एल.एल.बी. IX सेम.	60	17	14	0	31	12	10	0	22	2	0	0	2	0	2	0	2	3	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बी. कॉम एल.एल.बी. Iसेम.	60	36	17	0	53	14	9	0	23	8	1	0	9	2	1	0	3	12	6	0	18	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बी. कॉम. एल.एल.बी.III सेम.	60	31	17	0	48	15	12	0	27	2	1	0	3	1	1	0	2	13	3	0	16	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बी. कॉम. एल.एल.बी. V सेम.	60	23	24	0	47	16	18	0	34	2	0	0	2	1	1	0	2	4	5	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बी. कॉम. एल.एल.बी. VII सेम.	60	14	18	0	32	10	12	0	22	0	0	0	0	1	5	0	6	3	1	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0
		एकीकृत स्नातक /स्नातकोत्तर बी. कॉम. एल.एल.बी. IXसेम.	60	17	17	0	34	16	14	0	30	0	0	0	0	0	1	0	1	1	2	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0
		योग–	10500	3854	3007	0	6861	1204	1181	0	2385	715	398	0	1113	385	377	0	762	1550	1064	0	2614	72	86	0	158	14	5	0	19

5.2 परिणाम, उपाधि एवं पत्रोपाधि

5 2 1 विभिन्न परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम

परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी				उत्तीर्ण प्रतिशत			
पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	
स्नातक	825	651	1476	799	647	1446	97.96
परास्नातक	336	345	681	328	338	666	97.79
एम.फिल.	-	-	-	-	-	-	-
पत्रोपाधि	34	20	54	33	20	53	98.14
योग	1195	1016	2211	1160	1005	2165	97.91

5.2.2 उपाधि एवं पत्रोपाधि (अध्ययनशालावार)

5.2.2.1 कला अध्ययनशाला

विभाग का नाम	परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत %
मानव विज्ञान	स्नातक	-	-	-	-	-	-	-

एवं आदिवासी विकास विभाग	परास्नातक	-	-	-	-	-	-	-
आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग	पत्रोपाधि	-	-	-	-	-	-	-
	स्नातक	-	-	-	-	15	15	100.00
	परास्नातक	09	16	25	09	16	25	100.00
हिन्दी विभाग	स्नातक	-	-	-	-	06	06	100.00
	परास्नातक	02	08	10	02	08	10	100.00
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	स्नातक	11	07	18	11	07	18	100.00
	परास्नातक	02	02	04	02	02	04	100.00
पुस्तकालय एवं सूचना विभाग	स्नातक	04	13	17	04	13	17	100.00
	परास्नातक	09	15	24	09	15	24	100.00
शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग	स्नातक	35	08	43	35	08	43	100.00
	परास्नातक	23	07	30	22	07	29	96.66
योग	पत्रोपाधि	-	-	-	-	-	-	.
	स्नातक	50	49	99	50	49	99	100.00
	परास्नातक	45	48	93	44	48	92	98.92

5.2.2.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला

विभाग का नाम	परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत %
रसायन अभियांत्रिकी	स्नातक	30	08	38	21	08	29	76.31
	परास्नातक	01	-	01	01	-	01	100.00
सिविल अभियांत्रिकी	स्नातक	28	04	32	28	04	32	100.00
	परास्नातक	-	-	-	-	-	-	-
संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी	स्नातक	34	16	50	32	16	48	96.00
	परास्नातक	-	-	-	-	-	-	-
इलेक्ट्रानिक्स एवं संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी	स्नातक	32	14	46	30	14	44	95.65
	परास्नातक	-	-	-	-	-	-	-
औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	स्नातक	42	04	46	40	04	44	95.65
	परास्नातक	-	-	-	-	-	-	-
सूचना प्रौद्योगिकी	स्नातक	26	07	33	23	07	30	90.90
	परास्नातक	-	-	-	-	-	-	-
यांत्रिक अभियांत्रिकी	स्नातक	50	04	54	48	04	52	96.29
	परास्नातक	08	-	08	06	-	06	75.00
योग	स्नातक	242	57	299	222	57	279	93.31
	परास्नातक	09	-	09	09	-	09	100.00

5.2.2.3 विधि अध्ययनशाला

विभाग का नाम	परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत %
विधि विभाग	स्नातक	26	22	48	26	22	48	100.00
	परास्नातक	-	-	-	-	-	-	-

5.2.2.4 जीव विज्ञान अध्ययनशाला

विभाग का नाम	परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत %
मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	स्नातक	09	10	19	09	10	19	100.00
	परास्नातक	01	-	01	01	-	01	100ण00
जैव प्रौद्योगिकी	स्नातक	09	28	37	09	28	37	100.00
	परास्नातक	03	31	34	03	31	34	100.00
वनस्पति विभाग	स्नातक	06	16	22	06	16	22	100.00
	परास्नातक	21	15	36	20	15	35	97.22
न्यायालयिक विज्ञान	स्नातक	07	22	29	07	22	29	100.00
	परास्नातक	06	06	12	06	06	12	100.00
प्राणीशास्त्र विभाग	स्नातक	17	21	38	17	21	38	100.00
	परास्नातक	17	18	35	17	18	35	100.00
योग	स्नातक	48	97	145	47	97	144	99.31
	परास्नातक	48	70	118	47	70	117	99.15

5.2.2.5 वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन अध्ययनशाला

विभाग का नाम	परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत %
वाणिज्य	स्नातक	150	197	347	150	196	346	99.71
	परास्नातक	25	21	46	25	21	46	100.00
प्रबंध अध्ययन विभाग	स्नातक	-	-	-	-	-	-	-
	परास्नातक	18	27	45	12	20	32	71.11
योग	स्नातक	150	197	347	150	196	346	99.71
	परास्नातक	43	48	91	37	41	78	85.71

5.2.2.6 गणितीय एंव अभिकलन विज्ञान अध्ययन शाला

विभाग का नाम	परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी					उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम		छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत %
संगणक विज्ञान विभाग	स्नातक		36	23	59	36	23	59	100.00
	परास्नातक	MCA	38	19	57	38	19	57	100.00
		M.Sc	19	30	49	19	30	49	100.00
शुद्व एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग	स्नातक		20	38	58	20	37	57	98.27
	परास्नातक		18	22	40	18	22	40	100.00
योग	स्नातक		56	61	117	56	60	116	99ण14
	परास्नातक		75	71	146	75	71	146	100ण00

5.2.2.7 प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला

विभाग का नाम	परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत %
वाणिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	स्नातक	26	15	41	26	15	41	100.00
	परास्नातक	10	15	25	10	15	25	100.00

भैषजिक विज्ञान	पत्रोपाधि	34	20	54	33	20	53	98.14
	स्नातक	41	24	65	36	23	59	90.76
	स्नातक	06	04	10	06	04	10	100.00
ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास	परास्नातक	24	18	42	24	18	42	100.00
	स्नातक	08	10	18	08	10	18	100.00
योग	पत्रोपाधि	34	20	54	33	20	53	98.14
	स्नातक	91	57	148	86	56	142	95.94
	परास्नातक	24	29	53	24	29	53	100.00

5.2.2.8 भौतिकीय विज्ञान अध्ययनशाला

विभाग का नाम	परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत %
रसायन शास्त्र विभाग	स्नातक	29	31	60	29	31	60	100.00
	परास्नातक	20	23	43	20	23	43	100.00
इलेक्ट्रानिक्स विभाग	स्नातक	15	12	27	15	12	27	100.00
	परास्नातक	01	08	09	01	08	09	100.00
शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	स्नातक	36	25	61	36	24	60	98.36
	परास्नातक	26	19	45	26	19	45	100.00
योग	स्नातक	80	68	148	80	67	147	99.32
	परास्नातक	47	50	97	47	50	97	100.00

5.2.2.9 समाज विज्ञान अध्ययनशाला

विभाग का नाम	परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी					उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम		छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत %
अर्थशास्त्र विभाग	स्नातक		13	10	23	13	10	23	100.00
	परास्नातक		03	06	09	03	06	09	100.00
शिक्षा शास्त्र विभाग	स्नातक	B.Ed.	29	10	39	29	10	39	100.00
	स्नातक	B.Ed.(L.D)	13	06	19	13	06	19	100.00
	स्नातक	B.Ed.(H.I)	16	08	24	16	08	24	100.00
	परास्नातक		29	09	38	29	09	38	100.00
इतिहास विभाग	परास्नातक		03	04	07	03	04	07	100.00
	स्नातक		04	05	09	04	05	09	100.00
राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन	स्नातक		07	05	12	07	05	12	100.00
	परास्नातक	राजनीति	03	00	03	03	00	03	100.00
	परास्नातक	लोक प्रशासन	-	-	-	-	-	-	-
समाजकार्य विभाग	स्नातक		01	.	01	01	.	01	100.00
	परास्नातक		06	09	15	06	09	15	100.00
योग	स्नातक		82	43	125	82	43	125	100.00
	परास्नातक		45	29	74	45	29	74	100.00

5.2.2.10 चिकित्सा विज्ञान अध्ययनशाला

नोटः वर्तमान में यह अध्ययनशाला अस्तित्व में नही है। इस सत्र में कोई भी छात्र परीक्षा में सम्मिलित नहीं हुए हैं।

5.2.3 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात प्रदत उपाधियाँ

पाठ्यक्रम	पत्रोपाधि	स्नातक	परास्नातक	कुल	योग
शिक्षण एवं महाविद्यालय	23	1837	1264	3224	3253
दूरवर्ती शिक्षा	13	99	19	129	

5.2.4 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी द्वितीय प्रति अंकपत्रक

पाठ्यक्रम	पत्रोपाधि	स्नातक	परास्नातक	कुल	योग
वि.वि.शिक्षण विभाग	07	336	48	391	732
महाविद्यालय	11	269	26	306	
दूरवर्ती शिक्षा	03	21	11	35	

5.2.5 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी ट्रांसक्रिप्ट

पाठ्यक्रम	पत्रोपाधि	स्नातक	परास्नातक	कुल	योग
वि.वि.शिक्षण विभाग	03	115	29	147	234
महाविद्यालय	07	29	21	57	
दूरवर्ती शिक्षा	01	18	11	30	

5.2.6 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी प्रव्रजन प्रमाण पत्र

शिक्षण विभाग	महाविद्यालय	दूरवर्ती शिक्षा	योग
1697	1934	52	3683

5.2.7 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी अस्थायी उपाधी

शिक्षण विभाग	पत्रोपाधि	स्नातक	परास्नातक	कुल	योग
वि.वि.शिक्षण विभाग	03	673	206	882	1298
महाविद्यालय	07	290	83	380	
दूरवर्ती शिक्षा	01	27	08	36	

5.2.8 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात अभिप्रमाणन

वि.वि.शिक्षण विभाग	महाविद्यालय	दूरवर्ती शिक्षा	योग
347	3808	64	4219

5.2.9 कुल विभूषित शोध उपाधि 2017–2018

क्र.	शोधार्थी	शोध निर्देशक/ सह निर्देशक	विषय/संकाय	शीर्षक	अधिसूचना क्रमांक/ दिनांक
1	खुशबू भांगे	डॉ. रेणू भट्ट	जैव प्रौद्योगिकी/ जीव विज्ञान	आइसोलेशन एण्ड केरेक्टेराइजेशन ऑफ माइक्रोबियल केराटिनेजेस एण्ड देअर एप्लीकेशन्स	380/Conf./Ph.D 10.04.2017
2	आनंद बारापात्रे	डॉ. हरित झा	जैव प्रौद्योगिकी/ जीव विज्ञान	माइक्रोबियल बायोट्रॉसफॉरमेशन ऑफ लिग्निन फॉर वैल्यू एडेड प्रोडक्टस एंड एसेसमेंट ऑफ देयर इंडस्ट्रीयल एप्लिकेशन	390/Conf./Ph.D 13.04.2017
3	श्रीमती रमा नायडू	डॉ.(श्रीमती) सुनीता तिवारी	अंग्रेजी / कला	अरूंधति राय की रचनाओं का सामाजिक–राजनैतिक आलोचनात्मक अध्ययन	461/Conf./Ph.D 08.05.2017
4	अनिंदय सुन्दर पिल्ले	डॉ. अनुराग चौहान	अंग्रेजी / कला	बियोंड फिजिकल वायोलेंस : दि अदर साइड्स अव होमिसाईड इन सोलेक्टेड पोस्ट – 1950 अमेरिकन नॉवेल्स	601/Conf./Ph.D 03.07.2017
5	कुमारी श्वेता	डॉ. हरित झा	जैव प्रौद्योगिकी/ जीव विज्ञान	सिन्थेसिस ऑफ लिग्नीन–टी ई ओ एस नैनो–कम्पोजिट्स, देयर कैरेक्टेराइजेसन एण्ड एप्लीकेसन	603/Conf./Ph.D 03.07.2017
6	तरूण कुमार पटेल	डॉ. भूपेन्द्र नाथ तिवारी/ डॉ. जटा शंकर	जैव प्रौद्योगिकी/ जीव विज्ञान	मोलेकुलर केरेक्टराईजेशन ऑफ सेलेक्टेड एस्परजिलस फ्लेक्स एण्ड अदर एन्टोमोपेथोजेनिक फंजाई एसोसिएटेड विथ पेथेजिनिसिस	681/Conf./Ph.D 24.07.2017
7	अरविन्द राजे नामदेव	डॉ. ब्रजेश तिवारी	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान / कला	फिजिबिलिटी ऑफ़ एप्लीकेशन ऑफ कोहा एंड जी एस डी एल इन इनफार्मेशन मैनेजमेंट इन आई आई टी लाइब्रीज आफ़ इंडिया	861/Conf./Ph.D 08.09.2017
8	कु. विजय लक्ष्मी नायडू	डॉ. ए.एन. बहादुर	वनस्पति शास्त्र/जीव विज्ञान	फ्लोरिस्टिक कम्पोजिशन एण्ड इथनोबॉटेनिकल स्टडीज् ऑफ भूपदेवपुर रिजर्व फॉरेस्ट, छ.ग.	863/Conf./Ph.D 08.09.2017

9	शिवेन्द्र दूबे	डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह	शारीरिक शिक्षा / कला	कम्पेरटिव स्टडी ऑफ सेलेक्टेड साइकोलॉजिकल वेरिएबल्स एण्ड जॉब सेटीसफेक्शन बीटवीन स्पोर्ट्समेन एण्ड नॉन–स्पोट्समेन ऑफ छत्तीसगढ़ पुलिस	881/Conf./Ph.D 14.09.2017
10	शिल्पी प्रसाद	डॉ. जे.एस. दांगी	फार्मेसी / प्राकृतिक संसाधन	डेवलपमेंट ऐण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ पौलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स ऑफ एस एन – 38 फौर कोलोरेक्टल कैंसर	902/Conf./Ph.D 21.09.2017
11	श्रीमती अर्चना सिंह	डॉ. मनीषा दुबे	अर्थशास्त्र / सामाजिक विज्ञान	आदिवासी महिला श्रमिकों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति के उन्नयन में विकास परियोजनाओं की भूमिका (छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में)	1002/Conf./Ph.D 08.11.2017
12	मोहम्मद रफीवानी	प्रो. एस.एस. सिंह	वानिकी / प्राकृतिक संसाधन	जेनेटिक डाइवर्सिटी एनालिसिस थ्रू मोलेकुलर मार्कर्स एंड रेडियोसेंसिटिविटी ऑफ सम ट्रॉपिकल फारेस्ट ट्री स्पीशीज ऑफ अचानकमार अमरकंटक बायोस्फियर रिजर्व (ए ए बी आर) छत्तीसगढ़	1012/Conf./Ph.D 09.11.2017
13	शेख इकबाल	डॉ. एस.सी. तिवारी	वानिकी / प्राकृतिक संसाधन	स्टडी ऑफ सॉईल आर्गेनिक कार्बन स्टॉक्स अंडर डिफरेंट लैण्ड यूज लैण्ड कवर इन बिलासपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ अचानकमार अमरकंटक बॉयोस्फियर रिज़र्व, छत्तीसगढ़	1014/Conf./Ph.D 09.11.2017
14	श्वेता तिवारी	डॉ. एस.के. पाण्डेय	वनस्पतिशास्त्र / जीवविज्ञान	स्टडी ऑन इन्टऐक्शन्स ऑफ टॉक्सिक मेटल्स विद् प्लांट्स	1087/Conf./Ph.D 29.11.2017
15	नीलिमा मेरावी	डॉ. एस.के. प्रजापति	वनस्पतिशास्त्र / जीवविज्ञान	एनटीपीसी सीपत, के आस–पास के पारिस्थितिकी पर भारी धातुओं का प्रभाव	1123/Conf./Ph.D 06.12.2017
16	सचिन मारोतराव हिरादेवे	डॉ. विनोद डी रंगारी	फार्मेसी / प्राकृतिक संसाधन	फायटोकेमिकल इन्वेस्टीगेशन एंड फार्माकोलॉजिकल स्टडीज ऑफ एलीफंटोपस स्कॅबर लींन	55/Conf./Ph.D 29.01.2018
17	संजय कुमार गुप्ता	डॉ. सुरेन्द्र एच. बोडखे	फार्मेसी / प्राकृतिक संसाधन	इवैल्यूएशन ऑफ इफेक्टिव मेकेनिज्य फॉर द मेन्टेनेन्स ऑफ पल्स प्रेशन बॉय एंटीहाइपरटेंसिव एजेंट्स	57/Conf./Ph.D 29.01.2018
18	मुद्दसीर बशीर	डॉ. (श्रीमती सीमा राय)	जन्तु विज्ञान / जीव विज्ञान	एक्सप्रेशन ऑफ मेलाटोनिन (एम टी 1 एण्ड एम टी 2) एण्ड सॉइटोकाईन (आई एल–2 आर एण्ड आई एल–6 आर) रिसेप्टर इन लेट्रोजॉल पी.सी.ओ.एस. इन्ड्यूज्ड फीमेल रैट "रैट्स नारवेजिकस" : इफेक्ट ऑफ न्यूरोहार्मोन मेलाटोनिन एण्ड एल्कोहलिक सीड एक्स्ट्रैक्ट ऑफ टेफ्रोसिया परप्यूरिया	61/Conf./Ph.D 29.01.2018
19	पंकज पाण्डेय	डी. बी0बी0 चतुर्वेदी	गणित / गणितीय एवं संगणक विज्ञान	सम इन्वेस्टिगेसन्स आन काम्प्लेक्स मैनीफोल्ड्स	59/Conf./Ph.D 29.01.2018
20	आशुतोष कुमार मंडावी	डॉ. गोपा बागची	पत्रकारिता एवं जनसंचार / कला	पत्रकारिता में विज्ञापन की भूमिका (छत्तीसगढ़ से प्रकाशित प्रमुख हिन्दी दैनिक समाचार–पत्रों के विशेष संदर्भ में)	222/Conf./Ph.D 07.02.2018
21	वनिता कुमारी सोनी	डॉ. बुद्धेश्वर प्रसाद सिंघरौल	वाणिज्य / प्रबंध एवं वाणिज्य	छत्तीसगढ़ के शासकीय अस्पतालों में कर्मचारियों के मध्य कार्य संतुष्टि – एक अध्ययन	309/Conf./Ph.D 07.03.2018
22	विजय कुमार पटेल	डॉ. हरीश रजक	फार्मेसी / प्राकृतिक संसाधन	डिजाइन, सिंथेसिस एंड एंटीकैंसर इवैल्यूएशन ऑफ नोवेल कंब्रेटास्टेटिन ए–4 एनलॉग्स	311/Conf./Ph.D 07.03.2018
23	मनमोहन सिंह कुर्रे	प्रो.एम.एस.के. खोखर	भौतिक / भौतिकीय विज्ञान	सिंथेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ नैनो साईज्ड मटेरियल्स फॉर मेकोनोल्युमिनिसेंस डोसीमेट्री	381/Conf./Ph.D 27.03.2018
24	राजेश कुमार बघेल	डॉ. वाय.एन. झा	प्राणीशास्त्र / जीव विज्ञान	स्टडीज ऑन बायोलाजी, ईकोलाजी एण्ड रियरिंग ऑफ ऐन्थिरिया माईलिट्टा ड्रूरी ऑन अल्टरनेटीव फुड प्लान्टस अण्डर डिफरेन्ट क्लाईमेटिक कंडिशन्स ऑफ बिलासपुर एरिया ऑफ छत्तीसगढ़	383/Conf./Ph.D 27.03.2018

5.3 छात्र सुविधाएं

5.3.1 अधिष्ठाता छात्र कल्याण

अधिष्ठाता छात्रकल्याण शाखा द्वारा वर्ष पर्यन्त विश्वविद्यालय से संपर्क करने वाले छात्र–छात्राओं तथा अभिभावकों को दूरभाष सहायता पटल पर वांछित जानकारी प्रदान की जाती है। प्रत्येक साहित्यिक, सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी एवं उनकी भागीदारी सुनिश्चित् करना एवं विश्वविद्यालय परिसर में छात्र/छात्राओं की समस्याओं के समाधान हेतु त्वरित कार्यवाही करना तथा उनके प्रति सहयोग भाव रखना छात्रकल्याण शाखा का प्राथमिक कार्य है।

स्वच्छता पखवाड़ा–गांधी जयंती

साइकिल रैली

रेल्वे रियायत फार्म वितरण संबंधी

विश्वविद्यालय में न केवल स्थानीय अपितु प्रादेशिक एवं देश के विभिन्न प्रांतों के छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। विभिन्न प्रांतो से आये छात्र–छात्राओं को अकादमिक कैलेण्डर के अनुसार घोषित अवकाश में उनके गृह नगर जाने के लिये एवं शैक्षणिक भ्रमण पर जाने वाले छात्र–छात्राओं को व्यक्तिगत एवं सामुहिक रूप से भी भ्रमण हेतु रेलवे रियायत फार्म प्रदान किया जाता है। उसके अतिरिक्त मासिक रियायत फार्म की सुविधा छात्र–छात्राओं को गृह नगर से प्रति दिन आने जाने के लिये प्रदान की जाती है।

स्वतंत्रता दिवस एवं गणत्रंत दिवस समारोह

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस समारोह का विधिवत आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात् कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता ने अपना उद्बोधन उपस्थित शिक्षक, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं के बीच दिया। कार्यक्रम के पश्चात् मिष्ठान्न वितरण भी किया गया।

राज्य निर्वाचन आयोग का विशेष शिविर (22.07.2017)

दिनांक 22.07.2017 को राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के 18–19 आयुवर्ग के समस्त छात्र–छात्राओं के नाम को सम्मिलित करने के लिये विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के अधिष्ठाता छात्रकल्याण के कार्यालय में किया गया।

नव भारत संकल्प (09.08.2017)

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा दिनांक 09.08.2017 को नए भारत के निर्माण का संकल्प लिया गया जिसमें भारत को स्वच्छ, गरीबी मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त, आंतक मुक्त और सांप्रदायिकता एवं जातिवाद से मुक्त होने का संकल्प हैं।

इस कार्यक्रम में विभिन्न संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुलसचिव प्रो. बी.एन.तिवारी की गरिमामय उपस्थिति में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा नये भारत के निर्माण का संकल्प लिया गया।

गांधी जयंती समारोह (02.10..2017)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा गांधी जयंती, लाल बहादुर शास्त्री जयंती एवं विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर 02 अक्टूबर 2017 को प्रबंधन विभाग सभागार में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री कांशीनाथ गोरे (वरिष्ठ समाज सेवी बिलासपुर) उपस्थित थे। प्रातः 8:30 बजे गुरु घासीदास के प्रतिमा से लेकर श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के प्रतिमा (प्रबंधन विभाग) तक 'परिसर स्वच्छता यात्रा' रैली निकाली गई। जैविक और अजैविक कचरों के निष्पादन के लिये विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थानों पर कुड़ेदान रखे गये। कार्यक्रम के अवसर पर गांधी जी के भजन एवं गीत भी प्रस्तुत किये गये एवं भारत को स्वच्छ रखने का संकल्प भी लिया गया। विश्वविद्यालय द्वारा 15 सितम्बर 2017 से 02 अक्टूबर 2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतिम दिन कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता द्वारा 'चलो गांव की ओर' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना' के समस्त इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयं सेवकों से ग्रामवासियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने एवं उनके ग्राम को हरा–भरा रखने में मद्द करने की अपील की गई।

'भारत–नवोन्मेष' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (15–17 अक्टूबर 2017)

'भारत–नवोन्मेष : गौरवपूर्ण अतीत से आधुनिक अभ्युदय तक' त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 15–17 अक्टूबर 2017 को विश्वविद्यालय में किया गया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) (31 अक्टूबर 2017)

छात्रकल्याण एवं खेल मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर 2017 को सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के निर्देशन में विश्वविद्यालय के रजत जयंती सभागार में संध्या 4:00 बजे किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता उपस्थित रहीं। इसके साथ ही श्री एच.एन.चौबे, प्रभारी कुलसचिव, अधिष्ठाता छात्रकल्याण, डॉ. एम.एन.त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक एवं समस्त अधिकारीगण, विभिन्न संकायों के अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

साम्प्रदायिक सौहार्द्र सप्ताह एवं झंडा दिवस (19–25 नवम्बर 2017)

विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता छात्रकल्याण के निर्देशन में साम्प्रदायिक सौहार्द्र सप्ताह का आयोजन 19–25 नवम्बर 2017 के दौरान किया गया। झंडा दिवस पर साम्प्रदायिक सौहार्द्र सप्ताह के तहत 24 नवम्बर 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा कार्यक्रम अधिकारी एवं संयोजक के निर्देशन में ध्वज चिन्ह (फ्लैग स्टीकर) का आवंटन कर धनराशि एकत्रित की गई। स्वयं सेवकों ने साम्प्रदायिक सदभाव, राष्ट्रीय एकीकरण और बंधुत्व को बढ़ावा देने की आवश्यकता के बारे में शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिये भी अभियान चलाया। साम्प्रदायिक या आंतकवादी हिंसा आदि में अनाथ या निराधार बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिये स्वैच्छिक दान करने की अपील की। इस योजना के तहत उनकी शिक्षा, देख–भाल एवं पुनर्वास को प्राथमिकता दी गई। इस योजना में विश्वविद्यालय में एकत्रित हुई कुल दान राशि 10,037/– (दस हजार सैंतीस रूपये) थी जिसे राष्ट्रीय साम्प्रदायिक भावना फाउन्डेशन (NFCH) को भेजा गया।

ध्वज दिवस (07 दिसम्बर 2017)

आर्म फोर्स डे को ध्वज दिवस के रूप में मनाया जाता है। 07 दिसम्बर 2017 को विश्वविद्यालय में यह दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालयीन कर्मचारियों के वेतन से 35940/– (पैंतीस हजार नौ सौ चालीस रूपये) की कटौती कर इस राशि को जिला सेना कल्याण कार्यालय बिलासपुर में जमा किया गया।

गुरु घासीदास जयंती (18 दिसम्बर 2017)

18 दिसम्बर 2017 को विश्वविद्यालय में गुरु घासीदास जयंती उत्साह के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ बाबा गुरु घासीदास जी को प्रतिमा से लेकर रजत जयंती सभागार तक पदयात्रा से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती कमला देवी पाटले, उपस्थित थीं, जो सांसद, लोकसभा सदस्य जांजगीर चांपा, विज्ञान एवं तकनीकी समिति के सदस्य महिला एवं बाल कल्याण समिति के सदस्य, राजीव गांधी शिक्षा मिशन एवं कृषि

उत्पाद मण्डी समिति, नैला जांजगीर की अध्यक्ष हैं। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि के रूप में श्री प्रभाकर चंदेल, (अध्यक्ष राज्य अधिवक्ता संघ एवं राष्ट्रीय अधिवक्ता समिति) श्रीमती सुरूज बाई खांडे (भरथरी लोक गायिका), श्री दिलीप बंजारे (अंतरराष्ट्रीय पंथी नृत्य कलाकार एवं इनके सहयोगी), डॉ. मंगत रविन्द्र, श्री सुदर्शन कैसारिया, श्री शंकरलाल टोडर, श्री हरिप्रसाद निगार, डॉ. बसंत अंचल और अन्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. देवेन्द्र सिंह (सहायक प्राध्यापक, अभियांत्रिकी संस्थान) द्वारा संत गुरु घासीदास जी की जीवनी एवं दर्शन को पढ़ा गया। लोक कलाकार सुरूज बाई खांडे एवं श्री दिलीप बंजारे द्वारा अपने कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालयीन जीजीवी न्यूज लेटर का विमोचन भी किया गया।

छात्र कल्याण योजना के तहत नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण

गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को छात्रकल्याण योजनाओं के तहत पुरस्कार दिया गया। जिन छात्रों ने अपने अध्ययन से संबंधित अध्ययनशाला में उच्चतम् अंक प्राप्त किये हैं एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेल में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया है उन्हें विभिन्न श्रेणियों के अन्तर्गत प्रमाण पत्र एवं 2500/–, 2000/– एवं 1500/– तक पुरस्कार राशि एवं गांधी–दर्शन की की एक किताब प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के आधार पर प्रदान किया गया। सत्र 2016–17 के दौरान संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों द्वारा निम्नलिखित विद्यार्थियों का चयन विभिन्न श्रेणियों में किया गया। जिसकी अंतिम मंजूरी कुलपति प्रो.अंजिला गुप्ता द्वारा दी गई।

उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची

क्रमांक	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
1.	झरना	एम.एससी.प्रथम सेमेस्टर	न्यायालयिक विज्ञान	जैव विज्ञान
2.	अंजली नायक	एम.एससी.प्रथम सेमेस्टर	गणित	गणित एवं कम्पुटेशनल विज्ञान
3.	सुष्मिता कविराज	बी.टेक, अष्टम सेमेस्टर	इलेक्ट्रानिक एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग	अभियांत्रिकी एवं तकनीकी
4.	मेमन साहू	एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर	रसायनशास्त्र	शारीरिक विज्ञान
5.	किशोर कुमार कोठारी	एम.ए.प्रथम सेमेस्टर	अर्थशास्त्र	समाजिक विज्ञान
6.	प्रिया मंडलेश्वर	बी.कॉम पंचम सेमेस्टर	कामर्स	प्रबंधन एवं वाणिज्य
7	श्रीदाम धाली	एम.ए.तृतीय सेमेस्टर	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	कला
8.	शिवांगी अग्रवाल	बी.ए.,एलएलबी तृतीय सेमेस्टर	विधि	विधि
9.	प्रतिमा दत्ता	बी.एससी. ग्रामीण प्रौद्योगिकी	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	प्राकृतिक संसाधन

खेल गतिविधियाँ

क्रमांक	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
1.	रेणु गोसांइ	एमपीएड तृतीय सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षण	कला
2.	आशीष कुमार मिश्रा	बीपीएड तृतीय सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षण	कला
3.	ऋषि वर्मा	बीपीएड तृतीय सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षण	कला
4.	सिंह सतीश ओमप्रकाश	एमपीएड प्रथम सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षण	कला
5.	पूजा अकेला	एमपीएड प्रथम सेमेंस्टर	शारीरिक शिक्षण	कला
6.	शिवाकांत मिश्रा	एमपीएड प्रथम सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षण	कला
7.	संजू ठाकुर	बीपीएड तृतीय सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षण	कला
8.	गौतम कुमार	बीपीएड, प्रथम सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षण	कला
9.	मनोज पासवान	एमपीएड प्रथम सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षण	कला
10.	कृष्ण प्रताप सिंह	एमपीएड तृतीय सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षण	कला
11.	अजय कुमार	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	राजनीति विज्ञान	समाजिक विज्ञान
12.	मेघेन्द्र कुमार शर्मा	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	इतिहास	समाजिक विज्ञान
13.	शिवम कुमार जायसवाल	बी.कॉम प्रथम सेमेंस्टर	कामर्स	प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग
14.	अजय कुमार	एम.एससी.प्रथम सेमेस्टर	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	शारीरिक विज्ञान
15.	प्रांजल सिंह	बीकॉम एलएलबी तृतीय सेमेस्टर	विधि	विधि
16.	किशोर कुमार कोठारी	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	अर्थशास्त्र	सामाजिक विज्ञान

कुलपति विवेकाधीन कोटे से गरीब एंव मेघावी छात्रों के लिए पूर्ण शुल्क माफ किये गये छात्रों की सूची (2016–17)

क्रमांक	नाम	कक्षा	विभाग
1.	नवीन कुमार माझी	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	मानवशास्त्र
2.	शिवशंकर लहरे	बीकॉम तृतीय सेमेस्टर	वाणिज्य
3.	प्राची मिश्रा	एम.एससी तृतीय सेमेस्टर	संगणक विज्ञान

दिव्यांग वर्ग

कृष्णा यादव, एम.ए.प्रथम सेमेस्टर, हिन्दी विभाग, कला अध्ययनशाला को तिपहिया मोटर साइकिल प्रदान की गई।

गुरु घासीदास पुरस्कार (समस्त अध्ययनशालाओं में शीर्ष स्थान पाने वाले छात्र)

झरना, एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर, न्यायालयिक विज्ञान विभाग, जैव विज्ञान अध्ययन शाला गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर 16 दिसम्बर 2017 को विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेताओं के सम्मान में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः 2500/–, 2000/– एवं 1500/– पुरस्कार राशि वितरित की गई। विजेताओं की सूची निम्नवत है।

भाषण प्रतियोगिता

स्थान	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
प्रथम	शैलेश पाण्डेय	बीकॉम एलएलबी अष्ठम् सेमेस्टर	विधि	विधि
द्वितीय	अभिषेक कुमार सिंह	बीए पंचम सेमेस्टर	अर्थशास्त्र	सामाज विज्ञान
तृतीय	वेदांश मिश्रा	बीए पंचम सेमेस्टर	राजनीति विज्ञान	सामाज विज्ञान

निबंध प्रतियोगिता

स्थान	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
प्रथम	चेतन कुमार	बीटेक अष्ठम् सेमेस्टर	इलेक्ट्रानिक एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग	अभियांत्रिकी एवं तकनीकी
द्वितीय	मीमांसा सोनी	बीएससी पंचम सेमेस्टर	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	प्राकृतिक संसाधन
तृतीय	माधवी सिंघल	बीटेक षष्ठ सेमेस्टर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अभियांत्रिकी एवं टेक्नालाजी

चित्रकला प्रतियोगिता

स्थान	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
प्रथम	आकृति ताम्रकार	बीएससी सप्तम सेमेस्टर	वानिकी	प्राकृतिक संसाधन
द्वितीय	देवस्मिता नंदन	बीएससी तृतीय सेमेस्टर	जन्तु विज्ञान	जैव विज्ञान
तृतीय	प्रकृति निषाद	बीएससी प्रथम सेमेस्टर	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	प्राकृतिक संसाधन

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर साइकल रैली– (06 जनवरी 2018)

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर बिलासपुर के पुलिस ग्राउंड में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के 50 स्वयं सेवकों एवं शिक्षकों ने राष्ट्रीय स्तर की साइकल रैली में भाग लिया। रैली का आयोजन अधिष्ठाता छात्रकल्याण डॉ. एम.एन.त्रिपाठी, एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. बृजेश तिवारी, के मार्गदर्शन में किया गया। रैली प्रातः 7:00 बजे से गुरु घासीदास जी के प्रतिमा से शुरू होकर 8:00 बजे नियत स्थान पर पहुंची।

स्वामी विवेकानंद जयंती– (12 जनवरी 2018)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 12 जनवरी, 2018 को कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानंद जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री पी.दयानंद, आई.ए.एस. जिलाधीश बिलासपुर एवं मुख्य वक्ता के रूप में श्री प्रतीक शर्मा, अधिवक्ता छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय उपस्थित थे। कार्यक्रम के अवसर पर **'भारत का भविष्य और युवा शक्ति'** विषय पर भाषण प्रतियोगिता दिनांक 11.01.2018 को आयोजित की गई। विजेताओं के सम्मान में नगद पुरस्कार राशि 2500/–, 2000/– और 1500/– क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर दिया गया। भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं की सूची निम्नवत् है –

भाषण का शीर्षक– भारत का भविष्य और युवा शक्ति

स्थान	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
प्रथम	वेदांश मिश्रा	बी.ए.प्रथम सेमेंस्टर	राजनीति विज्ञान	सामाजिक विज्ञान
द्वितीय	शिवम मिश्रा	बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	वानिकी	प्राकृतिक संसाधन
तृतीय	शैलेश पाण्डेय	बी.कॉम. एलएलबी अष्ठम सेमेस्टर	विधि	विधि

स्थापना दिवस (15 जनवरी 2018)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस 15 जनवरी, 2018 को कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता की अध्यक्षता में मनाया गया। स्थापना दिवस के मुख्य अतिथि सोनमणी बोरा, सचिव जलसंसाधन, धर्मार्थ ट्रस्ट एवं विधि विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार एवं विशिष्ट अतिथि श्री कुलदीप प्रसाद तकनीकी निदेशक, साउथ इस्टर्न कोल फिल्ड लिमिटेड (SECL), बिलासपुर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय का जीजीवी न्यूज लेटर, वाल कैलेण्डर एवं टेबल कैलेण्डर का भी विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि एवं अन्य सम्मानित अतिथियों द्वारा आम और अन्य फलदार वृक्ष लगाये गये।

नशा मुक्ति दिवस (30 जनवरी 2018)

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 30 जनवरी, 2018 को महात्मा गांधी निर्वाण दिवस को नशा मुक्ति दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा नशा न करने का शपथ एवं संकल्प लिया गया। इस शपथ एवं संकल्प को लिखित रूप में भी जमा किया गया। इस दिन नशे के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों पर विचार विमर्श भी किया गया।

छात्र परिषद का गठन (2017–18)

17 फरवरी, 2018 को विश्वविद्यालय में प्रत्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया आयोजित की गई जिस पर निम्नलिखित पदाधिकारी एवं सदस्य निर्वाचित हुए –

पदाधिकारी

1.	अध्यक्ष	–	उदयन शर्मा
2.	उपाध्यक्ष	–	अन्वेषिका मिश्रा
3.	सचिव	–	सौरनाव जाना
4.	सह सचिव	–	विवेक शर्मा

सदस्य

1.आदर्श मिश्रा, 2. आकाश मिश्रा, 3. अंचला गिरी 4. अंजली नायक 5. अनुभव किरण 6. अनुपात गुप्ता 7. आशुतोष नायक 8. अतुल 9. अविनाश कुमार यादव 10. चुलेश्वर 11. देवसरूण दास भौमिक 12. दीपक यादव 13. दीपेश साहू 14. एक्ता श्रीभाते 15. गोपाल पटेल 16. हर्षवर्धन पाण्डेय 17. झरना 18. किशोर कुमार कोठारी 19. मेमन साहू 20. निकिता दास 21. निशा कश्यप 22. निशांत तिवारी 23 प्रवीण कुमार धीवर. 24 प्रिया मण्डलेश्वर 25. पुना राम साहू 26. रजनीकांत वर्मा 27. रोशन कुमार 28. सत्यजीत राय 29. शैलेष कुमार सोनी 30.शशांक गुप्ता 31. शिवम मित्रा 32.शिवांगी अग्रवाल 33. सुरेश साव 34. सुशोभित श्रेयांशु लाल 35.विमल कुमार 36. विनोद चंद्रा

छात्र परिषद् शपथ ग्रहण समारोह 2017–18 (19.03.2018)

कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता की अध्यक्षता एवं माननीय मंत्री अमर अग्रवाल, मंत्री वाणिज्यकर, शहरी प्रशासन, वाणिज्य विभाग, उद्योग उपक्रम सूचना तकनीकी एवं इलेक्ट्रानिक छत्तीसगढ़ सरकार की उपस्थिति में दिनांक 19 मार्च, 2018 को छात्र परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में प्रो. बी.एन.तिवारी, प्रभारी कुलसचिव, प्रो. एल.पी. पटेरिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं डॉ. एम.एन. त्रिपाठी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, अधिकारी विभिन्न अध्ययनशालाओं के अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, पदाधिकारियों के अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

वर्ष 2017–18 छात्र परिषद चुनाव 2016–17 फरवरी, 2018 को आयोजित किया गया। जिसमें सदस्यों का चुनाव 16 फरवरी, 2018 और पदाधिकारियों का चुनाव 17 फरवरी, 2018 को हुआ। प्रथम बार गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के छात्र परिषद चुनाव में मनोनित सभी 40 सदस्य निर्वाचित हुए और जो 20 सदस्य मनोनीत थे वो भी निर्वाचित हुए। छात्रपरिषद के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विश्वविद्यालय का आधिकारिक ब्लेजर भी प्रदान किया गया।

5.3.2 कुलानुशासक मंडल

किसी भी शिक्षण संस्थान एवं विद्यार्थियों के विकास एवं सफलता के लिए अनुशासन महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय में अनुशासन बनाये रखने हेतु एवं छात्रों से संबंधित समस्त अनुशासनात्मक मुद्दों पर कार्यवाही के लिए कुलानुशासक मंडल की स्थापना की गई है विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित नियम–अधिनियम का छात्रों द्वारा परिपालन कराना कुलानुशासक मंडल का मुख्य दायित्व है। विश्वविद्यालय द्वारा गठित कुलानुशासक मंडल में एक मुख्य कुलानुशासक एवं विभिन्न अध्ययनशालाओं के शिक्षक सहायक कुलानुशासक के रूप में नियुक्त होते हैं। विश्वविद्यालय में प्रत्येक अध्ययनशाला में अध्यक्ष के नेतृत्व में गठित अनुशासन समिति भी छात्रों के बीच अनुशासन बनाये रखने के लिए कुलानुशासक मंडल की सहायता करती है।

सत्र 2017–18 के दौरान विश्वविद्यालय एवं छात्रावास में कुल 10 अनुशासनहीनता के प्रकरण पाये गये जिस पर कुलानुशासक मंडल द्वारा प्रत्येक मामले में परामर्श, चेतावनी पत्र, अर्थदण्ड और छात्रावास से निष्कासन जैसी कार्यवाही की गई। विश्वविद्यालय परिसर में शांति एवं सुव्यवस्था बनाये रखने के लिए किसी भी अनुशासनहीनता की अनदेखी न करने को कुलानुशासक मंडल सदैव तत्पर रहता है।

5.3.3 अध्येतावृत्तियाँ एवं परिवहन संबंधी आर्थिक सहायता

5.3.3.1 फेलोशिप

सत्र 2017–18 के दौरान कुल 201 शोधार्थियों ने निम्नलिखित शोधवृत्तियाँ प्राप्त की

क्रमांक	शोधवृत्तियाँ / छात्रवृत्तियाँ	छात्रों की संख्या
01.	गुरु घासीदास विश्वविद्यालय पीएच.डी. अध्येतावृत्ति	147
02.	यूजीसी राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति (अनुसूचित जाति)	02
03.	यूजीसी राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति (अनुसूचित जनजाति)	09
04.	स्वामी विवेकानंद एकल कन्या छात्रवृत्ति	03
05.	यू.आर.एच.	01
06.	नेट– जे.आर.एफ.	03
07.	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति (अन्य पिछड़ा वर्ग)	03
08.	आयुष	02
09.	छत्तीसगढ़ (सीजीकास्ट)	06
10.	सी.एस.आई.आर.	02
11.	डी.बी.टी.	10
12.	डी.बी.टी–एस.ई.आर.बी.	07
13.	आई.सी.एम.आर.	02
14.	आई.यू.एस.सी.	04
	कुल योग	**201**

5.3.3.2 शिक्षकों एवं शोधार्थियों हेतु प्रदत्त अन असाइन्ड अनुदान

क.	आवेदक का नाम	विभाग	कार्य के प्रकार	स्थान	कार्य की अवधि	संयोजक	वित्तीय सहायता आदेश क्रमांक
01.	डॉ. गौतम पात्रा	रसायन शास्त्र	आमंत्रित व्याख्यान	कोलकता	07.01.17 से 11. 01.17	टीआई.एफआर. मुम्बई और आई.ए.सीएस कोलकता	आ.क्र.581,दिनांक–20.02.2017
02.	डॉ. कृष्ण कुमार चन्द्रा	वानिकी विभाग	राष्ट्रीय	गोवा	15.02.17 से 17. 02.17 तक	इंटरनेशनल सेंटर दोना	आ.क्र.581,दिनांक–20.02.2017
03.	श्री सोमेन पात्रा	रसायन शास्त्र विभाग	राष्ट्रीय	तिरूपति	03.01.17 से 07. 01.17 तक	श्री वेंकेटेश्वर यूनिवर्सिटी	आ.क्र.581,दिनांक–20.02.2017
04.	डॉ. विजय के. राय	रसायन शास्त्र विभाग	अन्तर्राष्ट्रीय	चेन्नई	08.02.17 से 10. 02.17 तक	इण्डियन सोसायटी आफ केमेसिस्ट एण्ड बायोलॉजिस्ट एसआरएम यूनिवर्सिटी	आ.क्र.581,दिनांक–20.02.2017

05.	डॉ. शबाना यास्मीन खान	अंग्रेजी विभाग	अन्तर्राष्ट्रीय	वाराणसी	17.11.17 से 18.11.17 तक	बी.एच.यू. वाराणसी	आ.क्र.581, दिनांक–20.02.2017
06.	डॉ. पुष्पराज सिंह	ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग	अन्तर्राष्ट्रीय	रांची	27.03.17 से 29.03.17 तक	सेंट जेवियर्स कॉलेज	आ.क्र.01/विकास,17 दिनॉक–02.06.17
07.	डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी	प्राणीशास्त्र विभाग	अन्तर्राष्ट्रीय	हैदराबाद	09.02.17 से 11.02.17 तक	यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद	आ.क्र. 01/विकास,17दिनॉक–02.06.17
08.	श्री संतोष सोनी	प्रौद्योगिकी संस्थान	राष्ट्रीय	भोपाल	26.05.17 से 27.05.17 तक	इम्लेब रिसर्च एण्ड इनोवेशन फाउण्डेशन सोसायटी भोपाल	आ.क्र.01/विकास,17 दिनांक–02.06.17
09.	प्रो. पी.के. बाजपेयी	भौतिकी	अन्तर्राष्ट्रीय	हैदराबाद	14.07.17 से 16.07.17 तक	उस्मानिया यूनिवर्सिटी हैदराबाद	आ.क्र.50/विकास,17 दिनॉक–03.07.17
10.	श्री वैभवकांत सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अन्तर्राष्ट्रीय	इंदौर	17.08.17 से 19.08.17 तक	मेडि केप्स यूनिवर्सिटी इंदौर	आ.क्र.50/विकास,17 दिनांक–03.07.17
11.	डॉ. मनीष कुमार गुप्ता	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग	अन्तर्राष्ट्रीय	हैदराबाद	14.07.17 से 16.07.17 तक	उस्मानिया यूनिवर्सिटी हैदराबाद	आ.क्र.50/विकास,17 दिनांक–03.07.17
12.	सुश्री शर्मिष्ठा बाजपेयी	भौतिकी विभाग	अन्तर्राष्ट्रीय	हैदराबाद	14.07.17 से 16.07.17 तक	उस्मानिया यूनिवर्सिटी हैदराबाद	आ.क्र.50/विकास 17, दिनांक–03.07.17
13.	श्री मनोजीत डे	भौतिकी विभाग	अन्तर्राष्ट्रीय	हैदराबाद	14.07.17 से 16.07.17 तक	उस्मानिया यूनिवर्सिटी हैदराबाद	आ.क्र.50/विकास, 17, दिनांक– 03.07.17
14.	सुश्री रश्मि तिवारी	भौतिकी विभाग	अन्तर्राष्ट्रीय	हैदराबाद	14.07.17 से 16.07.17 तक	उस्मानिया यूनिवर्सिटी हैदराबाद	आ.क्र.50/विकास, 17 दिनांक– 03.07.17

5.3.4 आवासीय सुविधाएँ

विवेकानंद बालक छात्रावास

विवेकानंद बालक छात्रावास की स्थापना वर्ष 1989 में की गई। जिसमें 228 कमरे, दो कॉमन हॉल एवं मनोरंजन कक्ष है। छात्रावास में 475 विद्यार्थियों के आवास की व्यवस्था है । इस सत्र में छात्रावास में 435 छात्रों को प्रवेश दिया गया है, जिनमें सामान्य–136, अ.जा.–72, अ.जा.जा.–19, अ.पि.व.–208 एवं दिव्यांग वर्ग में सामान्य–04,अ.पि.व–02, अ.जा.–01 हैं। कक्ष आबंटन के समय छात्रावास में आरक्षण नियमों का कठोरता से अनुपालन किया जाता है।

छात्रावास में 02 मेस सुविधा सहकारी आधार पर उपलब्ध है। यहाँ साइकिल स्टैण्ड, मनोरंजन कक्ष, कॉमन हॉल एवं अध्ययन कक्ष की सुविधा है। छात्रों के लिए टेबल–टेनिस, बैडमिंटन एवं कैरम की सुविधा भी उपलब्ध है। विभिन्न आवश्यक स्थानों पर पांच जल प्रशीतक भी लगाये गये हैं।

बी.टेक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिये टाईप–04 बालक छात्रावास भी बनाया गया है। जिसमें आरक्षण नियमों के आधार पर कुल 145 छात्रों को प्रवेश दिया गया है। (सामान्य–36,अ.जा.–39,अ.ज.जा.–09,अ.पि.व–61,दिव्यांग वर्ग–सामान्य–02) इस छात्रावास में भी अलग से मेस, अध्ययन कक्ष, कॉमन हॉल, मनोरंजन कक्ष और खेल सुविधाओं में कैरम, शतरंज भी उपलब्ध हैं। यहां भी आवश्यक स्थानों पर दो जल प्रशीतक लगाये गये हैं।

इन सब के अतिरिक्त वानिकी विभाग के छात्रों के लिये अलग से विशेष छात्रावास की स्थापना की गई है। जिसमें वर्तमान समय में 37 छात्रों को प्रवेश दिया गया है। जिनमें सामान्य–09, अ.जा.–04, अ.ज.जा.–01,अ.पि.व–23 वर्ग से हैं।

छात्रावास दिवस समारोह 2017–18

वार्षिकोत्सव–आरोहण 2018

13 अप्रैल, 2018 को छात्रावास वार्षिकोत्सव दिवस– **'आरोहण'** का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएँ यथा क्रिकेट, फुटबॉल, बैंडमिंटन, एथलेटिक्स, शतरंज, रस्सा–कसी, टेबल टेनिस, बॉलीबाल आयोजित की गई। कार्यक्रम की

संध्या को सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए।

छात्रावास में एक छात्रावास–पुस्तकालय भी उपलब्ध है जिसकी स्थापना छात्रों द्वारा दान की गई पुस्तकों से हुआ है। 'पुस्तक अवदान शिविर' का नाम **प्रयास** रखा गया है जिसमें प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों द्वारा दान की जाने वाली पुस्तकों का संग्रह किया जाता है।

बालिका छात्रावास

छात्राओं को आवास की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय में बालिका छात्रावास की स्थापना वर्ष 1989 में की गई। तब से छात्रावास सुविधा में प्रतिवर्ष सुधार हो रहा है। हमारा उद्देश्य छात्राओं को शांत, सुरक्षित, शैक्षिक और पारिवारिक माहौल उपलब्ध करना है, ताकि वो अपने उज्ज्वल भविष्य के लिये जो करना चाहती है, उसको पूरा कर सके। सत्र 2017–18 में 436 सीट छात्रावास में उपलब्ध थी। प्रतिवेदन वर्ष में अन्तःवासियों की संख्या संवर्ग के अनुसार है –सामान्य–148, पिछड़ा वर्ग–169, अनुसूचित जाति–59 एवं अनुसूचित जनजाति–41. कुल 417 छात्राओं ने प्रवेश लिया है।

24 मार्च 2018 को आयोजित छात्रावास दिवस

24 मार्च 2018 को आयोजित छात्रावास दिवस पर कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएँ

उपलब्ध सुविधाएँ

- प्रतिवर्ष जरूरत के अनुसार छात्रावास की सुविधाओं को बढ़ाते रहते हैं।
- साफ–सफाई एवं अन्य आधारभूत संसाधनों का रख–रखाव सुनिश्चित किया गया है।
- छात्रावास में उपलब्ध सुविधाएँ जैसे–मेस, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा व्यवस्था, टीवी कक्ष, हिन्दी और अंग्रेजी पेपर के अलावा इंटरनेट और वाई–फाई की सुविधा से भी छात्रावास को जोड़ दिया गया है।
- अन्तःवासियों के लिए दो फैक्स मशीन की सुविधा को पहले की तरह प्रदान किया गया है, जिससे वो घर जाने और बाहर जाने के लिए अभिभावक की अनुमति पत्र तथा अन्य जरूरी दस्तावेज को ग्रहण कर सकती है।
- सभी विंग में अलग–अलग वाटर फिल्टर से युक्त वाटर कूलर प्रदान किया गया है।
- सभी विंग में अलग–अलग इंडक्शन चूल्हा की सुविधा खाद्य सामग्रियों के पकाने हेतु तथा पेय पदार्थो के उबालने हेतु 24 घंटे अन्तःवासियों के लिए उपलब्ध है।
- जनरेटर की सुविधा भी छात्रावास में अन्तःवासियों के लिए उपलब्ध है।
- सुंदर बगीचे और हरियाली छात्रावास की मनमोहक सुंदरता को बढ़ा रहे हैं।
- खेलकूद के लिए छात्रावास में बैडमिन्टन, टेबल टेनिस, कैरम तथा शतरंज उपलब्ध है।
- छात्रावास में छात्राओं की सुविधा एवं कार्य को और अधिक सुचारू रूप से संचालित करने के लिये एक अतिरिक्त वार्डन

की नियुक्ति की गई है।

- दो महिला गार्ड छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा छात्रावास में अन्तःवासियों की रात–दिन सुरक्षा के लिए रखी गई है।

अन्य गतिविधियाँ

- समय–समय पर छात्रावास में अन्तःवासियों के व्यक्तित्व विकास एवं सांस्कृतिक विकास के लिए अनेक गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता।
- छात्रावास में छात्राओं के बहुमुखी व्यक्तित्व के विकास हेतु प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है। इसी क्रम में दिनांक 23 मार्च 2018 को छात्रावास में रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया एवं उत्साह का प्रदर्शन किया।

बालिका छात्रावास की छात्राओं की उपलब्धियाँ

छात्राओं द्वारा अकादमिक एवं विभिन्न गतिविधियों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं, जिनकी सूची निम्नानुसार है।

गेट परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची

- ई. लवन्या, बी.टेक. –ईसीई
- एस. माधुरीलथी, बी.टेक. –ईसीई
- बी. शैनीविद्या, बी.टेक. –ईसीई
- टी. स्पंदिता देवी, बी.टेक. –सिविल
- एस. साईं देविका, बी.टेक. –सिविल
- रजनी, बी.टेक. –सिविल
- दिव्या तनु, बी.टेक. –आईपीई
- प्रतिभा, बी.टेक. –आईटी
- काजल, बी.टेक. –केमिकल
- पूजा, बी.टेक. –केमिकल
- तान्या, बी.टेक. –केमिकल
- झरना कश्यप को रू.15,000/– की छात्रवृत्ति एम.एससी. (फॉरेसिंक साईंस) में उच्चतम अंक प्राप्त करने पर एवं रू. 10,000/– की छात्रवृत्ति जीव विज्ञान संकाय में उच्चतम अंक प्राप्त करने पर प्रदाय की गई।
- शिवानी पटनायक, बी.कॉम. एलएलबी को क्रमशः 3 साल तक रू.10,000/– की छात्रवृत्ति प्रदाय की गई।
- बबीता सिंह ने यू.जी.सी नेट एम.एड. में उत्तीर्ण किया।
- स्मिता मिश्रा ने यू.जी.सी नेट एम.एड. में उत्तीर्ण किया।
- पूजा मिश्रा ने ताइक्वांडों में गोल्ड मेडल प्राप्त किया।
- अदिति चन्दर ने पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर की प्रावीण्य सूची में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।
- उर्वशी काडवे ने बास्केटबॉल में रजत पदक प्राप्त किया।

- शिवांगी जिंदल ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर स्लोगन लिखो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बालिका छात्रावास के कर्मचारियों की उपलब्धियाँ

- श्रीमती कांति परधान – महिला खेलकूद

1. कुर्सी दौड़ – प्रथम स्थान
2. चम्मच दौड़ – प्रथम स्थान
3. बेडमिन्टन – द्वितीय स्थान प्राप्त।

- श्रीमती गीता साहू – महिला खेलकूद –

1. चम्मच दौड़ – तृतीय स्थान प्राप्त।

5.3.5 व्यायाम–शाला

पूरे देश के छात्रों की बड़ी संख्या विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों में रह रही है। छात्रों के लिए परिसर में अच्छी तरह सुसज्जित और अत्याधुनिक व्यायामशाला स्थापित किया गया है।

5.3.6 केन्द्रीय स्थानन प्रकोष्ठ

सत्र 2017–18 के दौरान केन्द्रीय स्थानन प्रकोष्ठ ने सफलतापूर्वक अपना लक्ष्य पूरा किया एवं विभिन्न विभागों के 76 छात्रों का परिसर चयन कराने में भूमिका निभाई।

क.	छात्र का नाम	विभाग	कम्पनी का का नाम	नम्बर	वेतन	दिनांक
1.	मयूख चौधरी	बी. एड	केरियर पाइंट बिलासपुर	01	3 लाख	07.04.2017
2.	अमन कुमार	बी. टेक	श्रीराम ट्रांसपोर्ट फायनेंस कंपनी	02	2.40 लाख	10.04.2017
3.	सैजू एस.आर.	बी. टेक			2.40 लाख	
4.	अर्पिता मिश्रा	जैव प्रौद्यो.	इटिका क्लीन फार्मा प्राइवेट लिमि. रायपुर	03	1.80 लाख	18.04.2017
5.	दीपा चतुर्वेदी	जैव प्रौद्यो.	––''––		1.80 लाख	
6.	डी. कामाक्षी	बी. कॉम	––''––		1.80 लाख	
7.	सौरभ कुमार तिवारी	एमबीए	एचडीएफसी बैंक रायपुर	02	2.87 लाख	01.05.2017
8.	विनय कुमार तिवारी	एमबीए	––''––		2.87 लाख	
9.	पम्मी खन्ना	बी. फॉर्मा	ए बोट मुंबई	03	2.10 लाख	26.05.2017
10.	जितेन्द्र मिश्रा	बी. फॉर्मा	––''––		2.10 लाख	
11.	मोहम्मद शहनवाज	बी. फॉर्मा	––''––		2.10 लाख	
12.	गीतिका गुलहरे	एमबीए	वेब्स 2 केपिटल	07	2.45 लाख	
13.	विद्या भारती शर्मा	एमबीए	––''––		2.45 लाख	
14.	अंशुल शुक्ला	एमबीए	––''––		2.45 लाख	
15.	अनुश्री केशरवानी	एमबीए	––''––		2.45 लाख	
16.	अपूर्वा पाठक	एमबीए	––''––		2.45 लाख	
17.	सुरूचि यादव	एमबीए	––''––		2.45 लाख	
18.	सोनम दुबे	एमबीए	––''––		2.45 लाख	
19.	दीपक यदु	बी. कॉम	गोदरेज एण्ड ब्वायज मेनीफेक्चरिंग कंपनी लिमि.	01	3.00 लाख	05.06.2017
20.	आशुतोष कुमार गुप्ता	बी. टेक	एपास्टेक	01	4.50 लाख	14.06.2017
21.	रूचि कुमारी	बी. टेक	बारहकोडा	03	5.5 लाख	06.07.2017

22.	संजू पाटिदार	बी. टेक	सरल		2.6 लाख	
23.	हिमांशु भागवानी	बी. टेक	कोरियोलिस		4 लाख	
24.	आशुतोष कुमार गुप्ता	बी. टेक	इ–लिटमस आईडी/हरमन	02	4.5 लाख	03.10.2017
25.	मयंक कुमार	बी. टेक	जेबी		4.2 लाख	
26.	अभिजीत त्रिवेदी	एमबीए	ग्रीफो	15	3 लाख	18.11.2017
27.	अंकिता दुबे	एमबीए	––''––		3 लाख	
28.	अर्निमा तिवारी	एमबीए	––''––		3 लाख	
29.	आयुशी जायसवाल	एमबीए	––''––		3 लाख	
30.	मोहम्मद अब्दुल रहीम	एमबीए	––''––		3 लाख	
31.	प्राची गुप्ता	एमबीए	––''––		3 लाख	
32.	राजेश कुमार चन्द्रा	एमबीए	––''––		3 लाख	
33.	ऋषभ राहुल साव	एमबीए	––''––		3 लाख	
34.	रिया विश्वकर्मा	एमबीए	––''––		3 लाख	
35.	साहिबा हरियाणी	एमबीए	––''––		3 लाख	
36.	साकेत	एमबीए	––''––		3 लाख	
37.	सौरभ भार्गव	एमबीए	––''––		3 लाख	
38.	श्रेया खंडेलवाल	एमबीए	––''––		3 लाख	
39.	विप्लवी गौतम	एमबीए	––''––		3 लाख	
40.	योगेश बघेल	एमबीए	––''––		3 लाख	
41.	प्रदीप कुमार कौशिक	एम.एससी (सीएस)	इंटरडिस कन्सलटिंग	01	2.5 लाख	22.12.2017
42.	राहिबा समरीन	एमबीए	कर्वेस्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड	01	2.5 लाख	16.01.2018
43.	अदिति	बी.टेक	बीवायजेयू.एस	01	9 लाख	07.02.2018
44.	दीपिका अग्रवाल	बी.टेक	विक्टर इंडिया प्रायवेट लिमिटेड	01	3.45 लाख	09.02.2018
45.	अभिजीत त्रिवेदी	एमबीए	वेस 2 केपिटल	13	3.45 लाख	20.02.2018
46.	अर्निमा तिवारी	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
47.	प्रशांत साहू	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
48.	प्रीति साहू	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
49.	ऋतु सलूजा	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
50.	समीर कुमार	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
51.	संदीप भौमिक	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
52.	संदीप कोशले	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
53.	तोष कुमार लहरे	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
54.	रिया विश्वकर्मा	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
55.	अक्षय दुबे	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
56.	सुमन कुम्भकर	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
57.	स्वाति गेदम	एमबीए	––''––		3.45 लाख	
58.	समीर कुमार	एमबीए	आईसीआईसीआई प्रोविडेंसियल	09	1.70 लाख	06.03.2018
59.	रीना कुमारी	बी.कॉम	––''––		1.70 लाख	
60.	प्रशांत साहू	एमबीए	––''––		1.70 लाख	
61.	सुमन कुम्भकर	एमबीए	––''––		1.70 लाख	
62.	तोष कुमार लहरे	एमबीए	––''––		1.70 लाख	
63.	आकाश खत्री	एमबीए	––''––		1.70 लाख	
64.	संदीप कोशले	एमबीए	––''––		1.70 लाख	
65.	हर्षा सिरमौर	बी.कॉम	––''––		1.70 लाख	
66.	प्रतीक्षा सिंह	बी.कॉम	––''––		1.70 लाख	13.03.2018
67.	उत्तम उपाध्याय	बी.टेक	वाइब्रेंट एकेडमी	06	1.80 लाख	

68.	रविकांत कुमार	बी.टेक	——''——		1.80 लाख	
69.	प्रिया राज	बी.टेक	——''——		1.80 लाख	
70.	मनीष कुमार	बी.टेक	——''——		1.80 लाख	
71.	आखीकैरा	बी.टेक	——''——		1.80 लाख	
72.	पद्मता मोनिका	बी.टेक	——''——		2.40 लाख	
73.	टी. आशा	बी.टेक	मिडकेम टेक्नालॉजी मुम्बई	04	2.40 लाख	31.03.2018
74.	पप्पू कुमार	बी.टेक	——''——		2.40 लाख	
75.	सिद्धांत सिंह	बी.टेक	——''——		2.40 लाख	
76.	मुकेश करेला	बी.टेक	——''——		2.40 लाख	

बी.कॉम एवं एम कॉम के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

प्रशिक्षकों का नाम	दिनांक	आयोजक
सीएमए मृगांका मैटी सीएमए आलोकेश दत्ता	24.01.2018	इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट एकाउंट ऑफ इण्डिया बिलासपुर ब्रांच

5.3.7 'उड़ान' विद्यार्थियों की आधिकारिक पत्रिका

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की आधिकारिक पत्रिका 'उड़ान' अपने हर संस्करण में एक नया कीर्तिमान गढ़ता है। प्रत्येक संस्करण में पत्रिका के तथ्य में गुणात्मक सुधार हुआ है और निरंतर विस्तार को प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय समूह में इसकी खूब चर्चा होती है।

पत्रिका का मुख्य उद्देश्य सभी विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करना है। इसका प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति के अंदर के कलाकार को बाहर निकालना है। उड़ान के सातवें संस्करण का विषय '' व्यक्ति और कलाकार'' था। इस संस्करण में कई नए बिन्दुओं को शामिल किया गया मसलन विशिष्ट कलाकर एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशिष्ठ स्थान रखने वाले लोगों से साक्षात्कार। अपने ज्ञानपूर्ण शब्दावली के माध्यम से उड़ान अधिकतम लोगों तक पहूँचने एवं प्रभाव बनाने में सक्षम है। एक कोशिश यह भी है कि

उड़ान के माध्मय से ऐसे लोगों के लिए एक मंच तैयार करना जो यह सोचते हैं कि उनके अंदर कोई कलात्मक प्रतिभा नहीं है। इस वर्ष पत्रिका का विमोचन अगस्त महीने में बिलासपुर के आई जी श्री दीपांशु काबरा के द्वारा किया गया। वे इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे और कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता ने की जो इस कार्यक्रम के प्रेरणा भी हैं। इस कार्यक्रम में सुबह की पाली में प्रो. अंजिला गुप्ता ने कला प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया जिसका आयोजन उड़ान के द्वारा किया गया था। इस तरह का आयोजन उड़ान के द्वारा विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार किया गया।

5.3.8 तरंग

वर्ष 2013 से विश्वविद्यालय के छात्रों का म्यूजिकल बैंड तरंग की शुरूआत हुई है। प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले ऑडिशन इस बैंड को उर्जावान बनाता है क्योंकि इसके माध्यम से उत्साही एवं सक्रिय विद्यार्थी इससे जुड़ते हैं। कुल तीस विद्यार्थी इस बैंड के माध्यम के अपनी प्रस्तुति देते हैं जिसमें तबला, बाँसुरी, गिटार, सेक्सोफोन, हार्मोनियम, सिन्थेसाइजर, ढोल इत्यादि वाद्य यंत्र का प्रयोग किया जाता है। तरंग के प्रतिभागी विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों से आते हैं। अकादमिक सत्र 2017–18 में तरंग ने विश्वविद्यालय में महत्वपूर्ण प्रस्तुतियाँ दी।

- विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन (15.01.2018)
- तरंग का वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम
- विश्वविद्यालय के तकनीकी मेला इक्यूलिब्रियो में सांस्कृतिक कार्यक्रम
- विश्वविद्यालय के कला मेला 'अक्स' में सांस्कृतिक कार्यक्रम
- विश्वविद्यालय के विज्ञान मेला 'एस्पेक्ट्रो' में सांस्कृतिक कार्यक्रम
- विश्वविद्यालय के वाणिज्य मेला 'कॉम्फेस्ट' में सांस्कृतिक कार्यक्रम

इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी अधिकारिक कार्यक्रमों में तरंग बैंड कुलगीत एवं सरस्वती वंदना में अपनी प्रस्तुति देता है।

5.3.9 राष्ट्रीय सेवा योजना

परंपरा एवं विकास

राष्ट्रीय सेवा योजना की आरंभिक परिकल्पना उच्च शिक्षा प्रणाली के विभिन्न आयामों को विस्तार देना एवं छात्रों को सामुहिक सेवा हेतु उन्मुख करना है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का आरंभ 6 इकाईयों के साथ हुआ। जून 2017 को 11 इकाईयों के अन्तर्गत 650 स्वयं सेवकों के साथ गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की स्थापना की गई।

पंजीकृत छात्र एवं छात्राएँ

क्रमांक	छात्राएँ	छात्र	कुल
1-	314	418	732

वर्गवार पंजीकरण

क्रमांक	सामान्य	अपिव	अजा	अजजा	दिव्यांग	कुल
1-	209	203	176	95	49	732

दैनिक गतिविधियाँ

पौधा रोपण 18.11.2017 स्थान स्वामी विवेकानंद बालक छात्रावास, दिनांक 02.09.2017 स्थान विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग से केन्द्रीय ग्रंथालय मार्ग।

रा.से.यो की जीव विज्ञान इकाई द्वारा प्रति शुक्रवार को युवाओं से समकालीन मुद्दों पर परिचर्चा एवं साप्ताहिक श्रमदान का आयोजन।

दिनांक 28 जनवरी 2018 रा.से.यो. की कला इकाई एवं यू.टी.डी. महिला इकाई द्वारा परिसर में सफाई एवं वृक्षारोपण का आयोजन।

रक्तदान रा.से.यो. प्रकोष्ठ द्वारा 12 जनवरी 2018 को फार्मेसी बिल्डिंग में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रा.से. यो. के 139 कार्यकर्ताओं द्वारा रक्तदान किया गया।

श्रमदान विश्वविद्यालय के भीतर एवं बाहर रा.से.यो की विभिन्न इकाईयों द्वारा श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्वच्छता पखवाड़े के तहत ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग एवं वानिकी विभाग के आस–पास क्षेत्र में गाजर घास एवं अन्य खर–पतवार

का उन्मूलन किया गया।

रा.से.यो के विभिन्न इकाइयों द्वारा बाबा गुरु घासीदास की जन्मभूमि गिरौदपुरी का भ्रमण किया गया एवं वहां के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

दैनिक एवं साप्ताहिक अवलोकन

रा.से.यो के इकाइयों द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये

- 24 सितम्बर 2017 को रा.से.यो. दिवस के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए।
- पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह 25 सितम्बर 2017 को मनाया गया।
- स्वच्छता पखवाड़ा–स्वच्छता ही सेवा–(15 सितम्बर 2017 से 02 अक्टूबर 2017) विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 15 सितम्बर 2017 को मनाया गया।
- 02 अक्टूबर 2017 को गांधी जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में कूड़ादान वितरित किया गया।
- 02 अक्टूबर 2017 को गांधी जयंती के अवसर पर रा.से.यो. द्वारा 'चलो गांव की ओर' कार्यक्रम आयोजित हुआ।
- सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती (31 अक्टूबर 2017) का आयोजन एकता दिवस के रूप में किया गया।
- 16 अक्टूबर 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'भारत नवोन्मेष' के अन्तर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 18 नवम्बर 2017 को रा.से.यों. के विभिन्न इकाईयों द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिये विश्वविद्यालय के गोद ग्राम में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम '**दिवा शिविर**' का आयोजन किया गया।
- 06 जनवरी 2018 को मतदाता जागरूकता हेतु रा.से.यो. के विभिन्न इकाईयों द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया गया।
- 12 जनवरी 2018 को विवेकानंद जयंती युवा दिवस के रूप में मनाया गया।
- 25 जनवरी 2018 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह मनाया गया।
- 08 मार्च 2018 को महिला दिवस समारोह मनाया गया।

संगोष्ठी एवं सम्मेलन

रा.से.यो द्वारा सामुदायिकता के विकास एवं उन्मुखीकरण के लिये विभिन्न संगोष्ठी और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

- विश्वविद्यालय और NCRI हैदराबाद के बीच MOU साइंन किया गया।
- दिनांक 11.04.2017 को NCRI हैदराबाद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षण विभाग, GOI के अन्तर्गत कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता की अध्यक्षता में ग्रामीण सामुदायिक नियोजन कार्यक्रम पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित हुआ।
- दिनांक 29–30 नवम्बर 2017 के दौरान उच्च शिक्षा में स्नातकोत्तर स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में पाठ्यक्रम नियोजन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विशेष शिविर–रा.से.यो. के सभी 11 इकाईयों के द्वारा फरवरी–मार्च 2018 में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का विवरण

क्रं.	इकाई का नाम	स्थान	समय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	i- वि.वि.शिक्षण विभाग इकाई ii-तकनीकी संस्थान इकाई, जीजीवी–01	ग्राम–तेन्दुभाटा, ब्लाक कोटा जिला बिलासपुर	23.02.2018 से 01.03.2018 तक	छात्र–57 छात्राएँ– 18 T/O-02 कुल–77
2.	i- यू.टी.डी. महिला इकाई ii- कला अध्ययनशाला इकाई iii-जीव विज्ञान अध्ययनशाला इकाई	ग्राम–उमरिया दादर, ब्लाक कोटा जिला बिलासपुर	10.03.2018 से 16.03.2018 तक	छात्र–32 छात्राएँ–33 T/O-05 कुल–70
3.	i- शारीरिक विज्ञान इकाई ii- प्राकृतिक संसाधन इकाई iii- वाणिज्य एवं प्रबंधन इकाई iv- अभियांत्रिकी संस्थान इकाई, जीजीवी–02	ग्राम–पचरा, ब्लाक कोटा जिला–बिलासपुर	10.03.2018 से 16.03.2018 तक	छात्र–50 छात्राएँ–15 T/O-11 कुल–76
4.	i- फार्मेसी इकाई ii- विधि इकाई	ग्राम–पुडु, ब्लाक कोटा जिला–बिलासपुर	22.03.2018 से 28.03.2018 तक	छात्र–43 छात्राएँ–10 T/O-05 कुल–58

राष्ट्रीय शिविर में सहभागिता

4 स्वयं सेवकों ने रा.से.यो. के राष्ट्रीय शिविर में भाग लिया।

AKSA-2K17
Presents
BUD-E

सामान्य सुविधाएं

6. सामान्य सुविधाएँ

6.1 आवासीय सुविधाएँ

जवाहर अतिथि गृह

हरियाली युक्त एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण से परिपूर्ण विश्वविद्यालय अतिथिगृह में पूर्णतः सुसज्जित 16 कक्ष हैं विशिष्ट अतिथियों के ठहरने हेतु वातानुकूलित कमरे उचित दर पर उपलब्ध हैं और बैठक हेतु 01 वातानुकूलित कक्ष भी हैं। अतिथियों को उचित मूल्य पर शुद्ध एवं स्वादिष्ट शाकाहारी व्यंजनों की उपलब्धता हेतु अतिथि गृह परिसर में ही रसोई घर भी उपलब्ध है। विशिष्ट अतिथियों के 10 कक्षों में डीटीएच सिस्टम से युक्त एलसीडी टेलीविजन एवं रेफ्रिजरेटर की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। चार अति विशिष्ट कक्षों में डायरेक्ट डायलिंग टेलीफोन की सुविधा भी उपलब्ध है।

वानिकी अतिथि गृह

वानिकी अतिथि गृह का निर्माण इंडियन काउन्सिल फॉर फॉरेस्ट्री रिसर्च एण्ड एजुकेशन (आईसीएफआरई) द्वारा प्राप्त अनुदान की सहायता से किया गया था। इसमें 31 कक्ष हैं। यह अतिथि गृह विभिन्न प्रकार के वृक्षों की प्रजातियों से घिरा हुआ है। अतिथि गृह अस्थायी तौर पर आने वाले अतिथियों, शोध छात्रों एवं विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराता है। अतिथि गृह में पूर्ण रूप से सुसज्जित एक व्यायामशाला भी है। सभी कक्ष अत्यन्त ही सुसज्जित हैं। छात्रों की बढ़ती संख्या एवं छात्रावास की आवश्यकताओं को देखते हुए वर्तमान में वानिकी अतिथि गृह को अस्थायी छात्रावास का रूप दे दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की 11वीं योजना के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह का निर्माण किया गया। इसमें भूतल सहित दो अतिरिक्त तल है। इसमें 5 वीआईपी कक्ष, 38 कक्ष, 1 पार्टी हॉल एवं व्यायामशाला की सुविधा है। यह परिसर के दक्षिण भाग में स्थित हैं एवं हरे –भरे वृक्षों से अच्छादित है।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों हेतु आवासीय सुविधाएँ

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों हेतु आवासीय सुविधा भी प्रदान की गयी है। वर्तमान में शिक्षकों एवं कर्मचारियों हेतु 233 आवास उपलब्ध है। कॉलोनी परिसर से अच्छी सड़क एवं अन्य सुविधाओं से जुड़ी है। यह कॉलोनी हरे–भरे प्रसन्नतापूर्ण वातावरण से घिरी है। विशेष सामाजिक उत्सवों एवं आध्यात्मिक शांति के लिए एक मंदिर भी है।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों हेतु परिसर में आवासीय सुविधा इस प्रकार है

कमांक	आवास के प्रकार	आवासों की संख्या
1	Type 1	02
2	Type 2	48
3	Type 3	48
4	Type 4	75
5	Type D	32
6	Type G	08
7	Type I	20

6.2 सम्मेलन कक्ष एवं प्रेक्षागृह

रजत जयंती सभागार

विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष 2007 के उपलक्ष्य में भारत सरकार से प्राप्त अनुदान से निर्मित एक केन्द्रीकृत वायु प्रशीतक सुविधा से युक्त लगभग 800 व्यक्तियों की बैठक क्षमता वाले सभागार की सुविधा उपलब्ध है। सभागार की संपूर्ण बैठक व्यवस्था मंच के दृश्यानुकूल एवं व्यवस्थित है। वार्षिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त इस सभागार में विविध कार्यक्रम यथा– दीक्षांत समारोह, गुरु घासीदास जयंती, केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, शिक्षक दिवस तथा बड़ी संख्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठी, वाद–विवाद प्रतियोगिताएं एवं व्याख्यान भी आयोजित किये जाते हैं।

कांफ्रेंस हॉल

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में स्थित कांफ्रेंस हॉल पूर्ण रूप से वातानुकूलित एवं लगभग 100 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता से युक्त है। कांफ्रेंस हॉल बहुद्देशीय कार्यों–बैठकों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध मौखिकी एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु प्रयुक्त होने वाला स्थान है, जो सभी प्रकार की आधुनिक दृश्य–श्रव्य सुविधाओं से युक्त है।

मिनी कांफ्रेंस हॉल

- कांफ्रेंस हॉल के साथ ही प्रशासनिक भवन में प्रथम तल एक पूर्ण वातानुकूलित मिनी काफ्रेंस हॉल भी स्थित है जो लगभग 40 लोगों की बैठक क्षमता से युक्त है।
- प्रशासनिक भवन में 15 व्यक्तियों के बैठने योग्य सभी सुविधाओं से परिपूर्ण वतानुकूलित सभागृह की सुविधा उपलब्ध है। जिसको रेनोवेशन पश्चात् उद्घाटन 15 अगस्त 2017 को माननीया कुलपति महोदया द्वारा किया गया। इसका उपयोग मुख्यतः माननीय कुलपति महोदया द्वारा कार्यपरिषद बैठक आदि के लिये किया जाता है।

6.3 केन्द्रीय ग्रंथालय

विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों की अकादमिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर 26 अक्टूबर 1984 में केन्द्रीय ग्रंथालय की स्थापना विश्वविद्यालय में की गई। इसके विशाल भवन में 500 से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता है। इसमें भारतीय एवं विदेशी विद्वानों की पत्रिकाओं 1,52,033 किताबें, 5,2,58 ई–बुक्स, 4,567 शोध प्रबंधों का संग्रह है। ग्रंथालय अपने सदस्यों को वर्तमान समय में जुड़े रहने के लिए एसओयूएल 2.0 साफ्टवेयर ई रिर्सोसेज, मुक्त इंटरनेट एवं वाई–फाई सेवा उपलब्ध कराता है। ग्रंथालय उपभोक्ताओं को अद्यतन रखने के लिए आर एफ आई डी आधारित सेवा रिप्रोग्राफी सहित सीएएस और एसडीआई सेवा भी प्रदान करता है।

सेवाएँ और सुविधाएँ

किताब निकासी

- अन्तरपुस्तकालीय ऋण
- अनुवाद (माँग किये जाने पर आवश्यकता के अनुरुप)
- रिप्रोग्राफी
- संदर्भ और संदर्भ संज्ञान
- इंटरनेट
- ओ पी ए सी
- वाई–फाई (परिसर में)
- आरएफआईडी आधारित वितरण सेवा
- सीएएस और एसडीआई (माँग किये जाने पर आवश्यकता के अनुरूप)

उपलब्धियाँ

- सत्र 2017–18 में 7260 मुद्रित किताबें एवं 5,258 ई बुक्स किताबें और सम्मिलित की गई।
- सत्र 2017–18 में एआईसीटीई, द्वारा आवश्यक रूप से निर्देशित ई–जर्नल, आईईई,ए.एस.एम.ई., एएससीई,इलसेवियर (फार्मेसी) बिजनेस सोर्स, एलिट प्लस, इंडियास्टेट, कॉम एवं सीएमआइई का ऑनलाईन पाठ।

उपलब्ध संसाधन

किताबें / ई–किताबें			
सामान	विगत् वर्ष (2016–17)	इस वर्ष के दौरान वार्षिक वृद्धि (2017–18)	कुल
किताबें	1,44,773	7260	1,52,033
संदर्भ पुस्तकें	7224	215	7,439
सीडी–आरओएम	1009	52	1061
ई–किताबें	1095	4163+1095 क्रमशः	5258

पत्रिकाएँ (मुद्रित / ऑनलाईन)

सामग्री	विगत् वर्ष (2016–17)	इस वर्ष के दौरान वार्षिक वृद्धि (2017–18)	कुल
पिछले अंक मुद्रित	4552	15	4567
जर्नल सब्सक्राईड (मुद्रित)	418	15	433
ऑनलाईन जर्नलस आइएनएफएलआईबीएनईटी (यूजीसी द्वारा स्वायत्त संरचना)–ई शोध सिंधु	8156	क्रमशः 7443	7443
बिबलियोग्राफिकल डाटाबेस (आइएनएफएलआईबीएनईटी)	02	क्रमशः 02	02
बिजनेस सोर्स एलिट प्लस (ईबीएससीओ)	1016	क्रमशः 1016	1016
फार्माकोलॉजी, टॉक्सिलोलाजी एंड फार्मास्यूटिक्स (अल्जवाइवर)	88	क्रमशः 88	88
आई. ई.ई.ई. ई–जर्नलस पैकेज	169	क्रमशः 169	169
ए.एस.एम.इ. ई–जर्नलस पैकेज	28	क्रमशः 28	28
ए.एस.सी.ई. ई–जर्नलस पैकेज	35	क्रमशः 35	35
सी.एम.आई.इ. प्रोवेस डाटाबेस	01	क्रमशः 01	01
www.indiastst.com स्टैटिस्टिकल डाटा बेस	01	क्रमशः 01	01

अन्य संग्रह

सामग्री	विगत् वर्ष(2016–17)	इस वर्ष के दौरान वृद्धि (2017–18)	कुल
एम.फिल शोध परियोजना	650	0	650
पीएच.डी. शोध	1438	0	1438
सामाचार पत्र (हिंदी / अंग्रेजी, प्रादेशिक)	13	क्रमशः 13+03	16
पत्रिकाएँ (हिंदी / अंग्रेजी, प्रादेशिक)	08	क्रमशः 08+01	09

सदस्यता विवरण

सदस्यता संवर्ग	सदस्यों की संख्या (2016–17)	नव पंजीकृत सदस्य वर्ष 2017–18	सत्र के दौरान जमा	कुल
यूटीडी छात्र	6848	1958	1221	7585
यूटीडी अध्यापकगण	131	18	25	124
शोध छात्र	360	01	20	341
कर्मचारी	314	01	01	314

साइंस डायरेक्ट, विली ब्लैकवेल, टेलर एंड फ्रांसिस, स्प्रिंगर लिंक, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस इकोनामिक एंड पालिटिकल वीकली, एमराल्ड लाइब्रेरी साइंस, इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, नेचर, एसआईएएम जर्नल एवं जे एस टी ओ आर (विश्वविद्यालय में पूरा पाठ आनलाइन उपलब्ध है) ।

भविष्य की योजना

- भविष्य में ग्रंथालय की सुविधाओं को बढ़ाना एवं उसकी प्रक्रिया को सरल करना।
- गैर आवासीय छात्रों के लिए बिलासपुर शहर में अध्ययन केन्द्र की स्थापना करना ।

6.4 कैफेटेरिया

विश्वविद्यालय कैफेटेरिया की शुरूआत वर्ष 2009 में हुई इसका प्रबंधन समर्पित शिक्षकों, गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों एवं छात्रों के समूह द्वारा होता है, जो लाभ–हानि मुक्त आधार पर चलता है। इसके द्वारा विश्वविद्यालय समुदाय की खान–पान संबंधी दैनिक आवश्यकताएं सफलतापूर्वक पूरी की जाती हैं। कैफेटेरिया सभी कार्यदिवसों में प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक तथा विशेष अवसरों पर अवकाश के दिन भी खुला रहता है। छ.ग. सहकारी दुग्ध उद्योग के उपक्रम 'देवभोग' ने कैफेटेरिया के सहयोगी रूप में अपनी शाखा खोली है। इससे विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को गुणवत्ता पूर्ण दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थ उपलब्ध होते हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की 11वीं योजना के अंतर्गत न्यू कैफेटेरिया बिल्डिंग का निर्माण भूतल एवं प्रथम तल सहित पूर्ण किया जा चुका है। यह विश्वविद्यालय सभागार के पीछे स्थित है। इसमें भूतल पर 400 वर्ग मीटर का एक वृहद आकार बैठक हॉल है। प्रथम तल पर 5 बड़े हॉल हैं। यह न्यू कैफेटेरिया 1005 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित है।

6.5 केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग

विश्वविद्यालय लगभग 656 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें बड़ी संख्या में आवास, भवन, प्रयोगशालाएँ आवासीय परिसर, अतिथिगृह, छात्रावास के साथ–साथ बहुमूल्य वृक्षों की प्रजातियाँ एवं जलाशय स्थित है। इस विस्तृत परिसर की सुरक्षा हेतु क्षमता सम्पन्न एवं सशस्त्र सुरक्षा व्यवस्था की स्थापित है। इस अनुभाग में एक कार्यवाहक नियंत्रक, एक सहायक सुरक्षा अधिकारी एवं 5 सुरक्षा पर्यवेक्षक हैं। केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग विश्वविद्यालय प्रशासन के अधीनस्थ है और परिसर की सुरक्षा के प्रति उत्तरदायी है। इसके लिये परिसर को चार भागों – उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी भाग में विभक्त किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र की देख–रेख सहायक सुरक्षा अधिकारी एवं सुरक्षा पर्यवेक्षक द्वारा की जाती है और मुख्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा समय–समय पर चारों भागों का निरीक्षण किया जाता है। केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग विश्वविद्यालय प्रशासन और अनुबंधित सुरक्षा एजेंसी के बीच कार्य करता है।

सुरक्षा गार्डो की ड्यूटी को तीन पालियों में विभक्त कर 24 घंटे संस्था की सुरक्षा पर तैनात रखा जाता है। केंन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग के दायित्वों में यातायात परिचालन को नियंत्रित करना, पार्किंग व्यवस्था देखना, अनुशासन बनाये रखना जान माल की रक्षा करना साथ ही कोई भी बड़े एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम को शांतिपूर्वक व अनुशासनात्मक ढंग से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करना तथा प्रशासन के द्वारा समय समय पर दिये गये निर्देशों का पालन करना तथा कुलानुशासक मंडल की सहायता करना भी सम्मिलित है।

6.6 स्वास्थ्य केंद्र

स्वास्थ्य केन्द्र विश्वविद्यालय परिसर के केन्द्र में स्थित है। जहाँ पुरूष और महिला वार्ड की पैथोलॉजिकल प्रयोगशाला की व्यवस्था है। यह विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, परिसर वासियों, विद्यार्थियों की स्वास्थ्य संबंधी आव यकताओं की पूर्ति करता है। एक मेडिकल आफिसर की सहायता के लिए कम्पाउंडर, ए.एन.एम. (महिला) और एम्बुलेंस चालक स्वास्थ्य केन्द्र में नियुक्त हैं । स्वास्थ्य केन्द्र में समय–समय पर आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ चिकित्सक की सुविधा भी मुहैया करायी जाती है। इसके साथ ही आवश्यकता पड़ने पर अग्रिम उपचार के लिए रोगी को मेडिकल कॉलेज (सिम्स) अथवा अपोलो हॉस्पिटल भेजने की भी व्यवस्था है। वर्ष 2015–16 की अवधि में स्वास्थ्य केन्द्र में कुल 10,868 मरीजों की जांच एवं उपचार निःशुल्क किया गया। स्वास्थ्य केन्द्र में एक इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी) मशीन एवं केमिकल ब्लड एनालाईजर की सुविधा उपलब्ध है, जिससे खून की विभिन्न प्रकार की जांच की जाती है। स्वास्थ्य केन्द्र में 24 घंटे एम्बुलेंस सुविधा एवं आमंत्रण पर चिकित्सक को बुलाने की सुविधा केन्द्र द्वारा मुहैया करायी जाती है।

6.7 आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के दिन–प्रतिदिन के कार्यो में सुधार लाना एवं परिवर्तन के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में आंशिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। प्रकोष्ठ द्वारा लिये गये निर्णयों के प्रभावकारी, क्रियान्वयन हेतु कार्य के अलावा विश्वविद्यालय में कार्यालयीन कार्यों में बढ़ोत्तरी हेतु सलाह एवं पर्यवेक्षण का कार्य करती है।

6.8 मीडिया प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय में मीडिया प्रकोष्ठ अक्टूबर 2009 से कार्य कर रहा है। यह समाज के लिये विश्वविद्यालय के झरोखे के रुप में कार्यरत है। इस प्रकोष्ठ का प्रमुख उद्देश्य मीडिया एवं समाज के साथ सम्पर्क सूत्र के रुप में कार्य करना है। विश्वविद्यालय की ओर से मीडिया को सामाचार एवं फोटोग्राफ भेजना इसके प्रमुख कार्यों में से एक है। प्रकोष्ठ समाचार एवं सूचनाओं के प्रेषण के साथ–साथ विश्वविद्यालय में समय–समय पर आयोजित होने विभिन्न आयोजनों/कार्यक्रमों की निर्देशानुसार फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी (आउटसोर्सिंग के माध्यम से) कराये जाने की समुचित व्यवस्था करता है।

वर्तमान में मीडिया सेल में प्रोफेसर प्रतिभा जे. मिश्रा, प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं। जनसंपर्क अधिकारी एवं हिंदी अधिकारी तथा अन्य सदस्य भी प्रकोष्ठ में कार्यरत हैं जिनका नामांकन सक्षम अधिकारी द्वारा समय–समय पर किया जाता हैं,। मीडिया सेल का कार्यालय प्रशासनिक भवन के प्रथम तल पर स्थित है एवं कार्यालय में इंटरनेट सुविधा युक्त कम्प्यूटर, स्केनर, प्रिंटर एवं लेपटाप साथ ही अन्य अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु समय–समय पर प्रेसवार्ता का आयोजन भी किया जाता है जिसमें दीक्षांत समारोह एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी मुख्य हैं।

विश्वविद्यालय में वर्ष 2017–18 में विभिन्न कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी का कार्य मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा संपादित कराया गया। जिनमें 15 से 17 अक्टूबर 2017 को आयोजित पष्ठम दीक्षांत समारोह एवं अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस (भारत नवोन्मेष), स्वंतत्रता दिवस समारोह, विवेकानंद जयंती समारोह, गुरु घासीदास जयंती कार्यक्रम, केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह, स्थापना दिवस सप्ताह पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, उन्नत भारत अभियान द्वारा आयोजित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम, विभिन्न वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभिन्न विभागों में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, कार्यशालाएँ इत्यादि शामिल हैं।

कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग के अतिरिक्त मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा दस समाचार पत्रों का प्रतिदिन सुबह विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारी (समाचार) का अवलोकन कर, कटिंग एवं पेस्टिंग कर सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत करता है।

विश्वविद्यालय के वेब पटल के प्रथम पृष्ठ एवं फोटो गैलरी में नवीनतम फोटो के अपलोड किये जाने हेतु विभिन्न आयोजनों के फोटो वेबसाइट सेल को उपलब्ध कराने का दायित्व भी प्रकोष्ठ द्वारा निभाया जाता है।

मीडिया प्रकोष्ठ के द्वारा विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न आयोजनों/कार्यक्रमों के फोटो एवं वीडियो के डिजीटल स्वरुप का संधारण कार्य किया जाता है। जिसे विभिन्न विभागों/प्रभागों/प्रकोष्ठ को वार्षिक प्रतिवेदन, न्यूज लेटर, वॉल कैलेंडर, टेबल कैलेंडर, डायरी, फेसबुक एवं वेब पटल आदि हेतु आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराता है।

6.9 राजभाषा प्रकोष्ठ

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना सन् 2009 में हुई। यह प्रकोष्ठ प्रारंभिक तौर पर विकास शाखा के अंतर्गत कार्य कर रहा था। अब यह स्वतंत्र प्रकोष्ठ के रूप में कार्य कर रहा है। राजभाषा प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य राजभाषा अधिनियम, नियम एवं राजभाषा नीति का विश्वविद्यालय में अनुपालन है। इसके लिए कुलपति की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाती है। प्रकोष्ठ द्वारा हर तीन माह में राजभाषा संबंधी आंकड़ें समस्त शैक्षणिक विभागों एवं प्रशासनिक अनुभागों से एकत्र एवं संकलित कर त्रैमासिक प्रतिवेदन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग को नियमित रूप से प्रेषित किया जाता है। विश्वविद्यालय में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु हिंदी अधिकारी की नियुक्ति की गई है। राजभाषा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय के सभी नाम एवं सूचना पट्टिकाओं को द्विभाषी किया गया है।

प्रतिवेदन वर्ष की उपलब्धियाँ

राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 22 दिसम्बर, 2017 को प्रशासनिक अनुभागों के कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय राजभाषा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कुल 16 कर्मचारियों ने भाग लिया। इसी तरह दिनांक 21 मार्च, 2018 को आयोजित कार्यशाला में कुल 41 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितम्बर, 2017 को प्रख्यात ललित निबंधकार, साहित्यकार डॉ. श्रीराम परिहार का '' राष्ट्रीय अस्मिता और हिंदी भाषा'' विषय पर एकल व्याख्यान एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसी तरह मातृभाषा दिवस पर दिनांक 21 फरवरी, 2018 को समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. विनय पाठक, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग ने मातृभाषा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

6.10 डाकघर एवं बैंक

परिसर में रहने वाले लोगों एवं विद्यार्थियों के लिए संचार व्यवस्था एवं बैंकिंग सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन सेवाओं की पूर्ति डाकघर एवं पंजाब नेशनल बैंक के माध्यम से होती है। विश्वविद्यालय परिसर में दो बैंकों पंजाब नेशलन बैंक एवं बैंक ऑफ इंडिया की शाखाएँ स्थित हैं। विश्वविद्यालय के पश्चिमी छोर पर स्थित डाकघर 'स्पीड पोस्ट' टेलीफोन बिल जमा करने एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति करता है। एक नवीन इलेक्ट्रॉनिक टेलीफोन एक्सचेंज भी परिसर में स्थापित किया गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम परिसर में स्थित है जो 24 घंटे सेवा प्रदान करते हैं। बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम की सुविधा बैंक खुले होने के स्थिति में ही प्राप्त होती है।

6.11 मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र

मानव संसाधन और विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार, छत्तीसगढ़ राज्य सरकार व मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सालय, सेन्दरी बिलासपुर के निर्देशन में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में 19 नवम्बर 2016 को मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र की स्थापना हुई। केन्द्र के सुचारू रूप से संचालन के लिये तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया। जिसमें प्रो. पी.जे.मिश्रा, को समन्वयक और डॉ. पायल बनर्जी तथा डॉ. प्रसेनजीत पण्डा को सदस्य नियुक्त किया गया।

मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में स्थित है। केन्द्र का समय सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक, 01:00 बजे से 02:00 बजे तक तथा सायं 4:30 बजे से 5:30 बजे तक प्रतिदिन है। केन्द्र के बाहर एक लेटर बाक्स लगा हुआ है जिसमें छात्र अपनी समस्या लिख कर डाल सकते हैं जिसे केन्द्र के सदस्यों द्वारा गोपनीय रखा जाता है।

केन्द्र के सभी सदस्य नियमित रूप से छात्रों की व्यक्तिगत और सामुहिक, सामाजिक समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हैं और उनका निदान करते हैं। गंभीर मामलों में परामर्श केन्द्र उचित उपचार और सलाह उपलब्ध कराता है।

मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र द्वारा समय–समय पर अवसाद जैसी गंभीर समस्याओं के निवारण हेतु विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लिये व्याख्यान परिचर्चा आदि आयोजित करता है। साथ ही विभिन्न खेल–कूद की गतिविधियों के माध्यम से अवसाद और तनाव से दूर रहने का तरीका भी केन्द्र द्वारा बताया जाता है।

मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र द्वारा लाभान्वित छात्रों की संख्या

क्रमांक	माह	छात्रों की संख्या
1.	जुलाई 2017	200
2.	अगस्त 2017	150
3	सितम्बर 2017	100
4.	अक्टूबर 2017	150
5.	नवम्बर 2017	90
6.	दिसम्बर 2017	50
7.	जनवरी 2018	60
8.	फरवरी 2018	75
9.	मार्च 2018	47
	कुल योग–	922

मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र द्वारा मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रस्त छात्रों के नियमित स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की जाती है जो छात्र अवसाद या मनोवैज्ञानिक समस्याओं से जूझ रहे हैं केन्द्र उनके साथ पारिवारिक सदस्य की भांति व्यवहार करता है और उनकी सारी सूचनाओं को गोपनीय रखता है।

मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र और इसके सदस्यों की विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सामाजिक जिम्मेदारी का बोध कराने और एक शांतिपूर्ण वातावरण के निर्माण में महती भूमिका है।

6.12 सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ (RTI Cell)

विश्वविद्यालय में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 लागू किया गया है। वर्ष 2017–18 (अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक) में सूचना के अधिकार के अन्तर्गत 184 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदकों से प्राप्त आवेदनों को संबंधित लोक सूचना अधिकारियों को सूचना उपलब्ध कराने हेतु प्रेषित किया गया। वर्ष 2017–18 (अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक) में कुल 40 प्रथम अपील आवेदन सक्षम अपीलीय अधिकारी के समक्ष नियमानुसार निराकरण हेतु प्रस्तुत किये गये।

सूचना प्रकोष्ठ द्वारा मासिक जानकारी भी मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली तथा केन्द्रीय सूचना आयोग, नई दिल्ली को सूचनार्थ प्रेषित की जाती है। सूचना के अधिकार के संबंध में वार्षिक प्रतिवेदन प्रणाली के अंतर्गत तिमाही प्रतिवेदन प्रत्येक त्रैमासिक अवधि में यथा समय केन्द्रीय सूचना आयोग की वेबसाईट में अपलोड की जाती है।

6.13 एस.टी.डी./पी.सी.ओ./फोटोकॉपी केन्द्र

विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध इन सुविधाओं में से एक प्रशासनिक भवन परिसर में स्थित है, तथा दूसरी सुविधा केन्द्रीय ग्रंथालय भवन में उपलब्ध है। फोटोकॉपी केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित एवं संशोधित दर पर छायाप्रति की सुविधा उपलब्ध कराता है। छायाप्रति के साथ–साथ टेलीफोन एवं फैक्स की सुविधा भी उपलब्ध है। ये केन्द्र लेखन सामग्री भी MRP दरों पर उपलब्ध कराते हैं।

6.14 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/प्रकोष्ठ नवम्बर 1988 में यूजीसी की मार्गदर्शिका के आधार पर इस विश्वविद्यालय में स्थापित किया गया। यह प्रकोष्ठ अ.जा./अ.ज.जा. छात्र/छात्राओं को शासन की ओर से मिलने वाली छात्रवृत्ति को प्राप्त करने हेतु नियमानुसार मदद करता है तथा जो भी समस्याएँ छात्रवृत्ति से संबंधित आती है निकारण करता है। उक्त छात्र/छात्राओं के प्रवेश संबंधी प्रक्रिया में भी यह प्रकोष्ठ आरक्षण नीति का पालन करने के लिए मदद करता है।

मुख्य उद्देश्य

- छ.ग. एवं अन्य राज्य के अ. जा./अ.ज.जा./अन्य पि.वर्ग/अल्पसंख्यक एवं दिव्यांग छात्र/छात्राओं को उनकी

छात्रवृत्ति दिलाने में सहायता करना।

- छ.ग. एवं अन्य राज्य के अ.जा./अ.ज.जा./अन्य पि.वर्ग/अल्पसंख्यक एवं दिव्यांग छात्र/छात्राओं के छात्रवृत्ति संबंधी दस्तावेजों का संधारण करना।
- काउन्सिलिंग द्वारा छात्र/छात्राओं को मदद करना।
- छ.ग. एवं अन्य राज्य के जिला एवं राज्य स्तर पर सरकारी अधिकारी एवं सरकारी कर्मचारियों के साथ संपर्क साधना।

आरक्षण एवं छूट के नियम (प्रवेश के विशेष के संबंध में)

यू.जी.सी. तथा भारत सरकार की नीति के अनुसार अ.जा. वर्ग हेतु 15 प्रतिशत अ.ज.जा. वर्ग हेतु 7.5 प्रतिशत तथा अन्य पि.वर्ग के लिए 27 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। प्रावधानानुसार जहाँ आवश्यक हो वहाँ वर्गो के आरक्षण में अन्तर बदलाव किया जा सकता है। जहाँ से अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्र अपना जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करते हैं उसे प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। सभी का प्रवेश विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के द्वारा होता है।

भारत सरकार के द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति

विश्वविद्यालय भारत सरकार के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण छात्रवृत्ति के अन्तर्गत योग्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। अ.जा./अ.ज.जा. एवं अन्य पि.वर्ग के छात्र/छात्राओं हेतु वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 में 2198 छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति की प्राप्ति हेतु अनुमोदन किया गया। इस छात्रवृत्ति के छात्र/छात्राओं का प्रवेश शुल्क, शिक्षण शुल्क, हॉस्टल शुल्क वार्षिक आधार पर दिया जाता है।

निम्नलिखित तालिका से यह स्पष्ट है कि आरक्षित वर्ग से छात्र/छात्राएँ छात्रवृत्ति का लाभ ले रहे हैं

स.क्र.	वर्ष	वर्ग	छात्र/छात्राओं की संख्या
01.	2017–18	अन्य पि.वर्ग	1298
02.	2017–18	अ.जा.	599
03.	2017–18	अ.ज.जा.	301
		कुल योग	**2198**

6.15 यातायात सुविधाएँ

नये पाठ्यक्रम संचालित होने के कारण विद्यार्थियों की सख्या में होने वाली क्रमशः वृद्धि से आवागमन की सुदृढ़ सुविधा की आवश्यकता महसूस की गई। विश्वविद्यालय की बसें नियमित रूप से पूरे दिन नगर के प्रमुख स्थलों से विश्वविद्यालय के बीच चलती है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के आवागमन हेतु 2 बसे संचालित की जाती हैं। इस वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा 52 सीट की एक बस खरीदी गई है जिसके द्वारा अधिक छात्रों को यातायात सुविधा उपलब्ध करायी जा सके। विभागाध्यक्षों की संस्तुति पर विश्वविद्यालय छात्रों के शैक्षणिक भ्रमण के लिये भी बस सुविधा की व्यवस्था करता है।

6.16 खेलकूद सुविधाएँ

विश्वविद्यालय परिसर में खेल सुविधाएँ एवं इनकी देख–रेख शारीरिक शिक्षण एवं खेल–कूद विभाग द्वारा की जाती है। वर्तमान में उपलब्ध खेल सुविधाओं में दो दूधिया रोशनी एक बास्केट बॉल कोर्ट, बॉलीबाल कोर्ट, क्रिकेट, टेनिस कोर्ट, चार खो–खो कोर्ट, फुटबाल का मैदान जिम्नास्टीक कोर्ट अत्याधुनिक व्यायामशाला, कबड्डी कोर्ट, टेबल टेनिस हॉल, हैण्ड बॉल ग्राऊंड और बालक एवं बालिका छात्रावासों में बैडमिंटन कोर्ट सम्मिलित हैं। इन खेल सुविधाओं का विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले विद्यार्थियों शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा उपयोग किया जाता है। छात्रों को विशेष प्रशिक्षकों द्वारा खेल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

6.17 विश्वविद्यालय मुद्रणालय

विश्वविद्यालय प्रेस की स्थापना वर्ष 1989 में की गई थी। वर्तमान में उत्तर पुस्तिकाओं में रूलिंग (लाइनिंग) का कार्य रूलिंग मशीन से किया जा रहा है एवं उत्तर–पुस्तिकाओं सहित सभी प्रकार की छपाई का कार्य ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन द्वारा किया जाता है प्रेस में छपाई संबंधित विभिन्न कार्य संपन्न किए जाते हैं जिनमें मुख्य एवं पूरक परीक्षाओं के लिए आवेदन पत्र एवं परीक्षा पत्र सम्मिलित हैं। विश्वविद्यालय प्रेस द्वारा सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षाओं हेतु उत्तर पुस्तिकाओं की छपाई की जाती है। इसके साथ–साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों एवं विभाग से जुड़े पत्रकों तथा परीक्षा केन्द्रों पर उपयोग में लाए जाने वाले विभिन्न पत्रकों के मुद्रण का कार्य भी प्रेस द्वारा किया जाता है।

6.18 बच्चों का पार्क

विश्वविद्यालय आवासीय परिसर के कर्मचारियों के बच्चों की मनोरंजन सुविधा के लिए पार्क को नए आवासीय परिसर के मध्य में स्थापित किया गया है। इसका उद्घाटन 26 जनवरी, 2016 को कुलपति प्रो.अंजिला गुप्ता के द्वारा गणतंत्र दिवस का शुभ अवसर पर किया गया। कर्मचारी और उनके बच्चे सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। पार्क में निम्नलिखित मनोरंजन की सुविधाएँ उपलब्ध हैं

1. टू सीटेट स्विंग
2. सी–सा
3. जंगल जिम
4. स्पाइडर वेब
5. स्लाइड
6. मैरी गो राऊंड
7. पैरेलर बार
8. ट्रेम्पोलिन
9. दूधिया रोशनी के साथ बैडमिंटन कोर्ट
10. वॉलीबॉल कोर्ट

6.19 विश्वविद्यालय के छात्रों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्राप्त छात्रवृत्तियों के लिए डीबीटी मॉडल (https://scholarship.canarabank.in/)

क्र.	छात्रवृत्तियों के लघु नाम	छात्रवृत्तियों के नाम	30.03.2018 के अनुसार रिकार्ड अपलोड(20)
1	आर.जी.एन. एफ–एस.टी	राजीव गांधी राष्ट्रीय शोधवृत्ति– अनुसुचित जनजाति के लिए	09 सुमन लकरा, चंद्रावती निराला, मैरी अराधना केरकेट्टा, पूजा मोंगिया, लीलाधर कन्वर, राबिन एनिगो मिंज,रविन्द्र सिंग, सीमा मंडावी, अपर्णा कुमारी
2	आर.जी.एन. एफ–एस.सी	राजीव गांधी राष्ट्रीय शोधवृत्ति– अनुसुचित जाति के लिए	02 लक्ष्मी, पूजा पचुरेकर
3	एस.जी.सी	इंदिरा गांधी शोधवृत्ति एकल कन्या के लिए	03 आस्था दुबे, ग्लेडिस एस मेथ्यु, अर्पिता मन्ना
4	यू.आर.एच	परास्नातक छात्रवृत्ति–विश्वविद्यालय रैंक होल्डर के लिए	01 स्वाती सोनाली जेना (अप्लाइड)
5	नेट जे.आर.एफ.	नेट जे.आर.एफ. शोधवृत्ति	03 प्रभात कुमार, संतोष कुमार, विवके कुमार सोनी
6	एन.एफ.ओ.बी.सी.	राष्ट्रीय शोधवृत्ति	03 प्रीति पटेल, अनुपमा महतो, प्रियंका श्रीवास

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/ मानव संसाधन विकास मंत्रालय निर्देशित विभिन्न योजनाएँ / परियोजनाएँ / प्रकोष्ठ

7. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/मानव संसाधन विकास मंत्रालय निर्देशित विभिन्न योजनाएँ

7.1 एलुमनी जीजीवी

- अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के छात्रों द्वारा 24.12.2017 को नई आईटी बिल्डींग के ई रूम में पूर्व छात्र समारोह आयोजित किया गया। वर्ष 2001 एवं 2002 के पूर्व छात्रों ने इस समारोह में भाग लिया एवं अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के पूर्व अंतिम वर्ष के छात्रों को प्रोत्साहित किया।
- श्री अक्षय शुक्ला जो कि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के छात्र है तथा स्टार न्यूज द्वारा आयोजित स्टार एंकर हंट में नेशनल टैलेंट हंट के विजेता हैं तथा वर्तमान में न्यूज नेशन के वरिष्ठ निर्माता एवं एंकर हैं ने अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के छात्रों से 13 जनवरी 2018 को बात–चीत की।
- श्री मिथलेश पाण्डेय, टेक्नीकल प्रोजेक्ट मैनेजर, अमेरिकन एक्सप्रेस फोनिक्स रिजोना द्वारा टेक फेस्ट 2018 में अंतिम वर्ष के छात्रों से बात–चीत की गई। कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता द्वारा श्री पाण्डेय को स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया।
- प्रबधंन संस्थान के पूर्व छात्र एवं निर्देशक श्री चन्द्रजीत होरा द्वारा 05.10.2017 को प्रबंधन के छात्रों को सफलता संबंधी प्रोत्साहन भाषण दिया गया।

7.2 विश्वविद्यालय एंटी रैगिंग समिति

- वर्ष 2017–18 में यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय के सभी विभागों में छात्रों द्वारा ऑन लाईन एंटी रैगिंग शपथ पत्र भराया गया।
- एंटी रैगिंग से संबंधित यूजीसी के दिशा निर्देशों को विश्वविद्यालय के समस्त विभागों एवं मुख्य–मुख्य स्थलों जैसे प्रशासनिक भवन, कैफेटेरिया, केन्द्रीय ग्रंथालय, छात्रावास आदि जगहों पर प्रदर्शित किया गया।
- यूजीसी द्वारा प्रस्तुत सूचनाओं को साथ ही दूसरी उन सभी संस्थाओं जो कि एंटी रैगिंग से संबंधित है की सूचनाओं को विभागों के अध्यक्षों द्वारा तथा एंटी रैगिंग के सदस्यों को उपलब्ध कराया जाता है।
- एंटी रैगिंग समिति के समन्वयक/सदस्यों द्वारा विभिन्न विभागों का समय–समय पर भ्रमण एवं निरीक्षण किया जाता है साथ ही साथ छात्रों को परामर्श दिया जाता है।
- यूजीसी के वेब साईट पर मौजूद एंटी रैगिंग से संबंधित लघु फिल्म को विभिन्न विभागों द्वारा छात्रों को दिखाया जाता है।
- यूजीसी के दिशा निर्देशों अनुसार विभिन्न विभागों के छात्रों द्वारा एंटी रैगिंग से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर हुई प्रतियोगिता के लिये लघु फिल्म का निर्माण किया गया जिसमे से सर्वश्रेष्ठ तीन फिल्मों को यूजीसी भेजा गया।
- विभिन्न अध्ययनशालाओं की समितियों से संबंधित सदस्यों द्वारा अध्ययनशालाओं का लगातार निरीक्षण किया जाता है और रैगिंग मुक्त परिसर बनाने के लिए विभागों के अध्यक्षों के लगातार संपर्क में रहते हैं।

- समिति के समन्वयक रैगिंग मुक्त परिसर के निर्माण के लिये समय–समय पर सभी सदस्यों के साथ बैठक करते हैं।
- समिति के सभी जिम्मेदार सदस्यों के फोन नम्बर और ई–मेल एड्रेस gguantiragging @gmail.com विश्वविद्यालय की वेब साइट से साथ–साथ सूचना पटल पर मौजूद है जिससे रैगिंग होने की दशा में छात्र तुरन्त संपर्क कर सकते हैं।
- सम्पूर्ण सत्र रैगिंग मुक्त रहा।

7.3 भेद–भाव निवारण प्रकोष्ठ

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में शिक्षकों एवं छात्रों के मध्य धर्म, जाति, पंथ, लिंग आदि के भेद–भाव संबंधी मामलों के तत्काल निवारण हेतु भेद–भाव निवारण प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के सभी विभागों के समन्वय में काम करता है। वर्ष 2017–18 में शिक्षकों या छात्रों, किसी के द्वारा इस प्रकोष्ठ में कोई शिकायत दर्ज नहीं करवायी गयी है।

7.4 एपेक्स शिकायत समिति (ACC)

यूनिवर्सिटी के सर्वोच्च शिकायत समिति पत्र संख्या 1864/स्था./प्रशा./2016 दिनांक 08.12.2016 द्वारा गठित की गई है।

- डॉ. रश्मि अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर वानिकी विभाग, अध्यक्ष के रूप में।
- डॉ. चारू अरोड़ा, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग। उनका कार्यालय नोडल एजेंसी और सचिवालय के रूप में कार्य करेगा।
- डॉ. नमिता शर्मा, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग को कुलपति द्वारा प्रोक्टोरियल टीम के प्रतिनिधि के रूप में मनोनित किया गया है।
- प्रो. वी.एस.राठौर, शारीरिक शिक्षा विभाग, और श्री एन बेहर, सीएसई विभाग, को कुलपति द्वारा दो शिक्षक प्रतिनिधियों के रूप में मनोनित किया गया।
- श्री एच.एन. चौबे, संयुक्त कुलसचिव और श्रीमती ज्योति मोने, कक्ष अधिकारी, को कुलसचिव द्वारा दो गैर शैक्षणिक प्रतिनिधियों के रूप में नामित किया गया।
- अधिष्ठाता छात्रकल्याण द्वारा प्रस्तुत छात्रों के पैनल में से तीन छात्र प्रतिनिधियों का कुलपति द्वारा नामांकन। इनमें एमएस वैशाली पॉल (आरएस), सुश्री पूनम पुरोहित (पीजी) और मिस चंद्रवंशी (यूजी) शामिल हैं।
- महिलाओं के मुद्दों में ज्ञात योगदान के लिये विश्वविद्यालय की एक महिला शिक्षक, डॉ. भावना दीक्षित को समिति द्वारा सह सदस्य के रूप में चुना गया है।
- दो व्यक्ति श्रीमती विद्या केडिया, अध्यक्ष संयुक्त महिला संगठन, बिलासपुर और श्री सीबीएस पटेल, सेवानिवृत्त सीजेएम, बिलासपुर को कुलपति द्वारा मनोनीत किया गया।
- डॉ. शारदा कश्यप, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय को कुलपति द्वारा मनोनीत किया गया।

लक्ष्य

- यौन उत्पीड़न से मुक्त एक सुरक्षित वातावरण बनाने और सुनिश्चित करने के लिए।
- समानता और जेंडर न्याय को बढ़ावा देने वाला माहौल तैयार करना।
- हिंदी में नीति को सार्वजनिक रूप से प्रचारित करने के लिए, विशेष रूप से प्रॉस्पेक्टस और नोटिस बोर्ड
- इत्यादि के माध्यम से।
- समितियों के सदस्यों के नाम और फोन नंबर अंग्रेजी और हिंदी में प्रचारित करना।

- लिंग संवेदनशीलता समितियों और डब्ल्यूडीसी की सहायता से लिंग संवेदीकरण के लिए कार्यक्रमों की
- योजना बनाने और संचालन करने के लिए।

यौन उत्पीड़न के मामलों पर वार्षिक विवरण

क्रमांक	विवरण	मामलों की संख्या
1.	यौन उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या	02
2.	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	02

7.5 ''एक भारत श्रेष्ठ भारत''

परिचय

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB) पहल, श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 140 वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर 2015 को घोषित की गई। कार्यक्रम मूल रूप से कला, संस्कृति, इतिहास, परंपरा, शिक्षा, भाषा इत्यादि के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए डिजाइन किया गया है। विभिन्न राज्यों के बीच कला, संस्कृति, इतिहास, परंपरा, शिक्षा, भाषा इत्यादि का आदान–प्रदान होगा। केंद्रीय स्तर पर दो राज्यों संघ राज्य क्षेत्रों / केंद्र शासित प्रदेशों की जोड़ी बनाई गई है। इस पहल के तहत, गुजरात और छत्तीसगढ़ एक–दूसरे के साथ जोड़े गए हैं। इस योजना के मौलिक उद्देश्यों में से एक कला, संस्कृति, इतिहास, विभिन्न राज्यों और देश की परंपरा को समझना है। यह विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच लगाव को बढ़ाएगा और भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करेगा। इसलिए, हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है, सरदार वल्लभभाई पटेल ने हमें एक भारत दिया, अब यह 125 करोड़ भारतीयों की जिम्मेदारी है कि भारत को श्रेष्ठ बनायें हैं। इस तरह, सभी राज्यों और उसके लोग अगले कुछ वर्षों में एक–दूसरे से जुड़ेंगे। पहले चरण में, छात्र इस पहल पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस पहल के लिए संभावित छात्रों का चयन किया जाएगा और उन्हें कला, संस्कृति, इतिहास, परंपरा को बड़े पैमाने सीखने और समझने के लिए जोड़े गए राज्य की यात्रा करने की आवश्यकता है। यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करेगा।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य

लक्ष्य

एक भारत श्रेष्ठ भारत का मौलिक उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों की कला, संस्कृति, इतिहास, परंपरा, शिक्षा, भाषा इत्यादि से छात्रों का परिचय कराना है।

उद्देश्य

- हमारे राष्ट्र की विविधता में एकता की संस्कृति का जश्न मनाने और हमारे देश के लोगों के बीच पारंपरिक रूप से मौजूद भावनात्मक बंधनों के तन्तु को बनाये और मजबूत रखने के लिए।
- राज्यों के बीच एक साल की योजनाबद्ध भागीदारी के माध्यम से सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच गहरी और संरचित भागीदारी के द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को बढ़ावा देना।
- लोगों को राज्यों की समृद्ध विरासत और संस्कृति, रीति–रिवाजों और परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए तथा लोगों को भारत की विविधता को समझने और उनकी सराहना करने के लिए सक्षम बनाने हेतु इस प्रकार सम्मिलित पहचान की भावना को बढ़ावा देना।

- दीर्घकालिक जुड़ाव स्थापित करना।
- एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करके राज्यों के बीच सीखने को बढ़ावा देता है।

18 जून 2017 से 24 जून 2017 तक केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात टीम की पहली यात्रा

- 18 जून को छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के सहयोग से सीयूजी टीम ने छत्तीसगढ़ का ऐतिहासिक स्थान सिरपुर का दौरा किया। जहां उन्होंने छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक और पुरातात्विक ज्ञान को देखा और जाना।
- 19 से 23 जून तक बांस और लकड़ी की कला सीखने के आधिकारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। प्रतिभागियों के समक्ष उन उपकरणों को भी पेश किया गया जिनका उपयोग दोनों कला सीखने में किया जाना था।
- 21 जुलाई को विश्वविद्यालय के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने योग में भाग लिया।
- सीयूजी टीम 21 जून 2017 को कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क की यात्रा की।
- 23 जुलाई को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता के एक बात–चीत हुई बात–चीत बहुत सार्थक रही और कुलपति, कुलसचिव और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों के उपस्थिति में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर और केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के मध्य समझौता ज्ञापन MoU पर हस्ताक्षर हुए।
- केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात टीम ने आर्किओलॉजी विभाग के सहयोग से 23 जून को ऐतिहासिक महामाया मंदिर, खूँटा –घाट बांध आदि का दौरा किया।

एकता दिवस 31 अक्टूबर 2017

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में 31.10.2017 को एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस शुभ दिन के अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल व्यक्तित्व और कृतित्व विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विभाग द्वारा और एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के तहत आयोजन किया गया। इस निबंध प्रतियोगिता के लिए बीस छात्र पंजीकृत हुए। पहला, दूसरा और तीसरा पुरस्कार जूरी द्वारा दिए गए फैसले के आधार पर वितरित किया गया था। 31.10.2017 को विश्वविद्यालय सभागार में एकता दिवस के उत्सव के अंत में विजेताओं को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की कुलपति द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

26 सितंबर 2017 से 4 अक्टूबर 2017 को UGC से CUG की यात्रा

- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने कपड़े की डिजाइन और रंग बनाने से संबंधित गुजरात की परंपरागत कला टाई और डाई सीखना शुरू कर दिया।
- कुलपति ने जीजीयू टीम से मुलाकात की और अकादमिक और सामाजिक जीवन पर ईबीएसबी कार्यक्रम के महत्व को समझाया यहां प्रतिभागियों द्वारा कम से कम प्रारंभिक गुजराती भाषा सीखने का एक वादा किया गया।
- टीम के सदस्यों ने प्रसिद्ध गुजराती नृत्य गरबा सीखा और विदाई समारोह में सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।
- प्रतिभागियों द्वारा गुजरात के चर्चित लोकनृत्य भवाई, जिसे वेशा या स्वांग नाम से जानते हैं को सीखा गया और विदाई समारोह में प्रस्तुत किया गया।
- जीजीयू ईबीएसबी के सभी सदस्यों द्वारा पाटन (पटोला हाऊस) का भ्रमण किया गया जहां उन्होंने शाल्वी समुदाय से मुलाकात की जो कि प्राकृतिक रंगों के दोहरे इकत पाटन पटोला का निर्माण करते हैं।
- प्रतिभागी सदस्यों ने गुजरात के ऐतिहासिक स्थल मोटेरा सूर्य मंदिर और रानी की बाव का भी भ्रमण किया ।

- प्रतिभागियों की टीम अहमदाबाद के गाँधी आश्रम और गाँधी नगर के अक्षर धाम मंदिर का भ्रमण किया साथ ही कठोपनिषद में वर्णित नचकेता की कहानी के वर्णन पर आधारित सतचित आनंद वाटर शो को भी देखा।

20 दिसमबर 2017 से 27 दिसम्बर 2017 तक केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात समूह की जीजीवी की दूसरी यात्रा

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा सीयूजी गुजरात के प्रतिभागियों को ढोकरा कला के प्रशिक्षण को उपलब्ध कराया गया, ढोकरा एक पुरानी लोक कला है जिसे भारत के पूर्वी राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, उडीसा, झारखण्ड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में संरक्षित किया गया है। ढोकरा शिल्प कला की वस्तुएं अलौह धातुओं के लौस्ट वैक्स कास्टिंग तकनीक से बनाई जाती है। यह हमारे भारत के मानव सभ्यता के जारी गई अत्याधिक मेटल कास्टिंग की तकनीक थी जिसकी जड़े आज से 45 सौ साल पहले की नदी घाटी सभ्यता के शहर मोहनजोदडो में खोजी जा सकते हैं। इस शिल्प कला का नाम ढोकरा दमर घुमंतु जाति के नाम पर रखा गया है जो कि बंगाल, ओडिशा और मध्य प्रदेश में फैले हुए थे और अपने सुन्दर आकार और अलंकृत धातु के पात्रों के लिये जाने जाते हैं।

प्रतिभागियों द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न लोक नृत्यों को सीखा गया और उन्होंने कर्मा नृत्य का अभ्यास किया और विदाई समारोह में उसे प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अंज़िला गुप्ता, सीयूजी टीम से मिली और उन्हें अकादमिक और सामाजिक जीवन पर ईबीएसबी कार्यक्रम के महत्व को समझाया यहॉं प्रतिभागियों द्वारा कम से कम प्रारंभिक छत्तीसगढ़ी भाषा सीखने का एक वादा किया गया।

प्रतिदिन एक छत्तीसगढ़ी भोजन के निर्माण की विधि प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत की गई और रात के भोजन में उस व्यंजन को परोसा गया।

सीयूजी समूह ने मदकूद्वीप और ताला गाँव जैसे ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परम्परा को जाना।

वन विभाग छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से सीयूजी टीम ने शहद निर्माण के प्रक्रिया को देखा और इसके शुद्धिकरण एवं पैकेजिंग और इसके बाजार व्यवस्था को भी जाना। प्रतिभागियों ने जुलोजिकल पार्क का भी भ्रमण किया।

यह कार्यक्रम ऑल इंडिया रेडियों द्वारा नव विहान कार्यक्रम के अन्तर्गत 24 दिसम्बर 2017 को प्रसारित किया।

7.6 समान अवसर प्रकोष्ठ (EOC)

छात्रों को यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने में सहायता प्रदान करने के लिए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में समान अवसर सेल स्थापित किया गया है। नॉन क्रिमिलेयर से संबंधित ओबीसी और एससी, एसटी और कैंपस में पढ़ रहे अल्पसंख्यक छात्रों को यूजीसी, यूपीएससी, उपचारात्मक अंग्रेजी के नए पाठ्यक्रम के अनुसार कोचिंग की सुविधा दी जाती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढाया जाता है। अकादमिक सत्र 2017–18 के दौरान अर्हता प्राप्त और अनुभवी संकाय सदस्यों ने नियमित कक्षाएँ संचालित की और बच्चों को सफल होने के तरीके बताये।

तालिका में विभिन्न कोचिंग कक्षाओं का विवरण दिया जाता है

सारणी– (2017–18) के दौरान आयोजित कोचिंग कक्षाओं का विवरण–

कमांक	पाठ्यक्रम	पंजीकृत छात्रों की संख्या	संचालित कक्षों की संख्या	अध्यापकों की संख्या
1.	यूजीसी नेट	50	20	02
2.	सीएसआईआर (लाईफ साइंस, फिजीकल साइंस, मेथमिटिकल साइंस और केमिकल साइंस)	206	12	20 (शिक्षण के लिये सहमति दी गई)
3.	रेमिडियल क्लास (अंग्रेजी)	68(एससी 27, एसटी 08, अपिव 29,सामान्य 04)	11	02
4.	यूपीएससी कोचिंग	213 लोगों ने फार्म भरा	32	04

7.7 जेंडर चैंपियन

लड़के और लड़कियों में सामाजिक स्तर पर लैंगिक चेतना का विकास आयु विकास की आरंभिक अवस्था में ही हो जाता है, ऐसे में उनके परिवर्तित व्यवहारों को एक सार्थक रूप देने एवं परिवर्धित करने हेतु शुरूआत से ही कदम उठाया जाना महत्वपूर्ण है। शिक्षण संस्थान इस संबंध में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि ऐसे उपक्रम में विद्यार्थी अपने साथियों के साथ अत्यधिक समय बिताते हैं। लड़कियों की स्थिति में सुधार एवं दीर्घकालिक व सतत् सामाजिक परिवर्तन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शिक्षण संस्थानों में बालिकाओं एवं उनके अधिकारों को महत्व देने वाले सकारात्मक सामाजिक मानकों का निर्माण महत्वपूर्ण है। समान उपचार को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार देश भर के सभी स्कूल और कॉलेजों में जेंडर चैंपियन की भागीदार पर विचार कर रही है। जेंडर चैंपियन 16 वर्ष से ऊपर किसी संस्थान में दाखिला लेने वाले लड़का या लड़की दोनों हो सकते हैं। यह महिला और बाल विकास मंत्रालय एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संयुक्त पहल है।

दृष्टिः— जेंडर चैंपियन की परिकल्पना ऐसे नेतृत्वकर्ताओं के रूप में की गयी है, जो शिक्षण संस्थानों में बालिकाओं के साथ गरिमापूर्ण एवं आदरपूर्ण व्यवहार योग्य वातावरण बना सकें। वे लैंगिक समानता का पक्ष रखने एवं लैंगिक न्याय की दिशा में हुई प्रगति को मॉनिटर करने हेतु युवा छात्र—छात्राओं की अभिक्षमता को मजबूत करेंगे।

उद्देश्य :— समाज में पुरूषों और महिलाओं के अनुभवों को आकार देने वाले लिंग संबंधी सामाजिक एवं सांस्कृतिक विनिर्मित को समझने हेतु समन्वय एवं अन्तरानुशासनिक दृष्टि प्रदान करना।

यूजीसी ने अकादमिक संस्थान में और संस्थान के बाहर लड़के और लड़कियों के बीच समानता को बढ़ावा देने के लिये दिशा निर्देश जारी किये हैं। विश्वविद्यालय ने इस विषय पर गहरी रूचि दिखाते हुए तुरन्त साक्षात्कार आयोजित किया और अकादमिक सत्र 2017—18 के लिये निम्न 9 छात्रों एवं 9 छात्राओं का चयन लिंग चैंपियन के रूप में किया।

क्रम संख्या	विद्यार्थी का नाम (महिला) 9	विभाग	क्रम संख्या	विद्यर्थी का नाम(पुरूष) 9	विभाग
1	ग्लैडिस एस मैथ्यू	मानव विज्ञान	1.	शैलेश कुमार पाण्डेय	विधि
2.	आकृति ताम्रकार	वानिकी	2.	सैकत पाण्डा	अर्थशास्त्र
3.	वेदिका चंदेल	संगणक विज्ञान और प्रौद्योगिकी	3.	वेदांत मिश्रा	राजनीति विज्ञान
4.	रक्षिता शर्मा	जीवविज्ञान	4.	शुभम कुमार	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन
5.	शालिनी कुजूर	वाणिज्य	5.	अमन कुमार	वानिकी
6.	संध्या	शिक्षाशास्त्र	6.	हरीश गुंडापू	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन
7.	पूनम भारतीय पटेल	जीव विज्ञान	7.	चेतन कुमार	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन
8.	वर्षा दूबे	पत्रकारिता और जनसंचार	8.	बच्चालाल यादव	शिक्षाशास्त्र
9.	ममता महतो	जीव विज्ञान	9.	प्रांजल सिंह	विधि

चयनित जेंडर चैंपियंस ने इस विषय के उद्देश्य और दृष्टि को समझने के लिए एक छोटी सी फिल्म बनाने का फैसला किया और इसी विषय के लिए एक अलग बेबसाईट का निर्माण किया। छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिये पास के सभी गाँवों के स्कूलों का निरीक्षण किया गया। लिंग चैंपियनों ने अकादमिक सत्र 2017—18 के लिये निम्नलिखित गतिविधि कैलेण्डर का निर्माण किया।

गतिविधि	माह	दिनांक
लैंगिक समानता पर जेंडर चैंपियंस जीजीवी द्वारा लघु फिल्म का निर्माण किया गया।	मार्च	27 मार्च 2018
वेब पेज डिजाईन	मार्च	27 मार्च 2018
पोस्टर प्रदर्शनी	मार्च	28 मार्च 2018

7.8 ग्लोबल इनीशिएटिव ऑफ एकेडेमिक नेटवर्क्स (GIAN)

ज्ञान चरण दो के अन्तर्गत 2017–18 में विश्वविद्यालय में निम्नलिखित पाठ्यक्रम को संचालित किया गया।

क्र.	पाठ्यक्रम समन्वयक	विभाग	विदेशी विषय विशेषज्ञ	पाठ्यक्रम शीर्षक	अवधि
1	डॉ.पी.पी.मूर्ती	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	प्रो.डोरेल मिहेट,वेस्ट यूनिर्सिटी ऑफ टीमी सोरा, रोमानियां	फिक्स पाइंट थ्योरी इन प्रोवेबलिस्टिक एण्ड फजी स्ट्रेकचर	अक्टूबर 23 से 27, 2017, (5 .44 लाख)
2	डॉ. अनुराग चौहान	आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग	1.प्रो. विलिएम कुस्किन, युनिवर्सिटी ऑफ कोलेरोड़ा,वोल्डर, यूएसए 2. पिनाकी डे, एसो.प्रोफेसर, राजा पैरी मोहन कॉलेज, कोलकता विश्वविद्यालय	कॉमिक्स बुक्स ग्राफिक्स नॉवेल्स एण्ड दी इमैयजीनेशन	07 से 15 नवम्बर 2017 (8.16 लाख)
3	डॉ. रेणु भट्ट	जैव प्रौद्योगिकी	डॉ.मनोज के मिश्रा, आल्बाना स्टेट, यूनिवर्सिटी,यूएसस	कैंसर हेल्थ डिसपेरिटि	16 से 22 दिसम्बर 2017 (5.44 लाख)
4	डॉ. एम.सी.राव	सिविल इंजी . विभाग	प्रो. नेम कुमार बांडिया द ब्रिटिश कोलम्बिया यूनिवर्सिटी वानकुवर, कनाडा	रिपेयर रिहैबिलिटेशन ट्रन्थेनिंग कंक्रीट स्ट्रक्चरस यूजिंग हाई परफॉमेंस सिमेन्ट बेस्ड मैटेरियलस	13 से 17 फरवरी 2018 (5.44 लाख)

7.9 इन्क्यूबेटर सेल

दिनांक 26 एवं 27 फरवरी 2016 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नालॉजी रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में ''इन्टेलेक्चुअल प्रापर्टी राइटस, आई.पी. कर्मसियलीजेसन एण्ड प्रिवेन्सन ऑफ प्लेगीयरीज्म'' विषय पर 02 दिवसीय वर्कशाप का सफलता पूर्वक आयोजन पश्चात् एवं अप्रैल 2016 में आई.पी.आर क्लीनिक की आगे की व्यवस्था करने के बाद शोधार्थी एवं शिक्षकों द्वारा उनके पेटेंट सर्च हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये एवं डाटा के प्रक्रिया हेतु सत्र 2017–18 में सम्पूर्ण अकादमिक सत्र भर कार्य चलता रहा। वर्ष 2017–18 में इन्क्युवेटर सेल के द्वारा किये गये विभिन्न क्रियाकलापों को विवरण निम्नानुसार है

शोध परियोजना अनुदान :– आई.सी.एम.आर.नई दिल्ली द्वारा श्री संत कुमार वर्मा, इंस्टीट्यूट ऑफ फार्म, सांईसेस को शोध अनुदान प्रदाय किया गया है।

पेटेंट आवेदन का शीर्षक :– ''सिंथेसिस एंड युसेज ऑफ 5 बेंजीलिडीन थायाइलोलिडीन–2,4–डायोन डेरीवटिस ''

शोधकर्ता के नाम :– डॉ. सुरेश थरेजा, श्री संत कुमार वर्मा, अखिलेश के. जैन एवं प्रोफेसर टी.आर. भारद्वाज

- डॉ.सुरेश थरेजा एवं उनके सहकर्मियों द्वारा एक और पेटेंट प्रक्रियाधीन है जो कि TIFAC नई दिल्ली में भारतीय पेटेंट आवेदन फाइलिंग के लिये स्क्रीनिग के अंतर्गत है।

प्रदत्त पेटेंट :–

- डॉ.विनोद डी. रंगारी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, फार्मेसी को भारतीय पेटेंट (पेटेंट क्रमांक 283354) दिनांक 17.05.2017 को प्रदाय किया गया है। यह पेटेंट उन्हें उनके अन्वेषण शीर्षक ''ए प्रोसेस फार द आइसोलेशन ऑफ ओलियोनोलिक

  एसिड फ्रॉम युजेनिया केरियोफायलस फ्ल्लवर बड्स'' (पेटेंट आवेदन क्रमांक 2428/MUM/2008,) फाइलिंग तिथि 18.11.2008) के लिये प्रदाय किया गया है।

- डॉ0 विवेकानंद मण्डल, सहायक प्राध्यापक, फार्मेसी को भारतीय पेटेंट (पेटेंट क्रमांक 290354) दिनांक 06.12.2017 को प्रदाय किया गया है। उक्त पेटेंट उन्हें उनके अन्वेषण शीर्षक ''अ माईक्रोवेव असीस्टेड प्रोसेस फार एक्सट्रेक्सन ऑफ टोटल फिलोलिक एन्टीआक्सीडेंट फाम प्लांट मटेरियल''पेटेंट आवेदन क्रमांक 14731 /COL/2012, फाइलिंग तिथि 28. 12.2012 के लिये प्रदाय किया गया।

शिक्षकों का प्रशिक्षण विवरण

- आई.पी.आर.ट्रेनिंग प्रोग्राम हेतु इन्क्युबेटर सेल के द्वारा डॉ.विवेकानंद मंडल को नामित किया गया था। वे दिनांक 19–23 मार्च 2018 तक RGNI IPM (कॉमर्स एवं उद्योग मंत्रालय के अन्तर्गत संचालित संस्थान) द्वारा आई.पी.आर. विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित हुये। डॉ. विवेकानंद मण्डल ने विभिन्न फेकल्टी के साथ आई.पी. आर. विषय पर विचारों के आदान प्रदान द्वारा एवं पेटेंट सर्च, ड्राफ्टिंग एवं पेटेंट फाइलिंग से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सराहनीय अनुभव एवं ज्ञान प्राप्त किये।

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विश्वविद्यालय स्तर पर प्रशिक्षण

इन्क्युबेटर सेल द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को जागरूक करने एक आई.पी.आर. कार्यशाला (workshop) का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। दिनांक 23.04.2018 को समय 11:30 बजे 6:00 अपरान्ह तक एक दिवसीय आई.पी.आर. कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के लगभग 40 शोधार्थी एवं शिक्षक इसमें सम्मिलित हुए उक्त वर्कशाप के तकनीकी सत्र का विवरण निम्नानुसार है :–

- सत्र–1– 10:30 बजे पूर्वान्ह से 11:00 बजे पूर्वान्ह ट्रेडिशनल नॉलेज (IPR) एण्ड कामर्सीयलाइजेशन –प्रोफेसर व्ही.डी. रंगारी.
- सत्र–2– 14:00 बजे पूर्वान्हे से 15:00 अपरान्ह आई.पी.आर.एण्ड देयर एप्लीकेशन– डॉ. एस.के.शाही।
- सत्र–3– 15:00 बजे अपरान्ह से 16:00 बजे अपरान्ह हेन्डस ऑन ट्रेनिंग इन पेटेंट सर्च, ड्राफ्टिग एण्ड फायलींफा–डॉ. विवेकानंद मंडल।
- सत्र–4–15:00 बजे अपरान्ह से 16: बजे अपरान्ह पेनल परिचर्चा।
- इस एक दिवसीय आई.पी.आर.वर्कशाप के संयोजक–डॉ.वी.डी.रंगारी एवं समन्वयक, डॉ.एस.के. शाही थे।

7.10 इंडस्ट्री इन्टरफेस सेल (IIC)

स्थानीय उद्योगों और गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के बीच सहयोग की संभावनाओं की तलाश के साथ–साथ इंटरफेस सेल के मार्गदर्शन में बैचलर ऑफ फार्मेसी 8 वीं सेमेस्टर के छात्रों के द्वारा बिलासपुर की परीधि में दो स्थानीय फार्मास्युटिकल उद्योगों की शैक्षणिक भ्रमण यात्रा की गई। यह भ्रमण 3 फरवरी 2018, शनिवार को श्री अनिरूध्द अग्रवाल, प्रबंधक निर्देशक आयुर्वेद हेल्थ हाउस और श्री एस. पी. चौहान, जी. एम. संयंत्र, नर्मदा ड्रिंक प्रा. लि. के सहयोग से किया गया था। इस औद्यौगिक भ्रमण में डॉ. दिलीप कुमार पाल, नोडल अधिकारी एवं कोआर्डिनेटर सहायक प्राध्यापक फार्मेसी विभाग, सुश्री प्रीति दूबे(फेकल्टी) फार्मेसी विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय एवं बी. फार्म 8 वीं सेमेस्टर 2017–18 के कुल 64 छात्र–छात्राएं शामिल थे। टीम के सदस्यों ने फैक्ट्री परिसर में रोपित औषधीय पौधों का अवलोकन किया। प्रबंध निदेशक द्वारा औषधीय पौधों के महत्व एवं इनके खेती के प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। फैक्ट्री में छात्र–छात्राओं एवं सदस्यों द्वारा विभिन्न आयुर्वेदिक उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया भी देखी गई। संकाय सदस्यों एवं प्रबंध निदेशक द्वारा जानकारी दी गई कि आयुर्वेदिक औषधीय निर्माण के क्षेत्र में परस्पर सहभागिता, परामर्श एवं सहयोग विशेषकर दवाओं के परीक्षण, पादप संघटक को प्राप्त करने, नयी दवाओं के विकास तथा इनके खुराक एवं आयुर्वेदिक दवाओं का प्रचार–प्रसार में असीमित संभावनाएँ उपलब्ध हैं। उद्योग के अधिकारियों द्वारा व्यावहारिक अनुभव के लिए शैक्षणिक, एम. फार्म, बी. एस. सी., एम. एस. सी. (वानिकी एवं वनस्पति विज्ञान) के छात्र–छात्राओं को भी शैक्षणिक भ्रमण पर आने का सुझाव दिया गया।

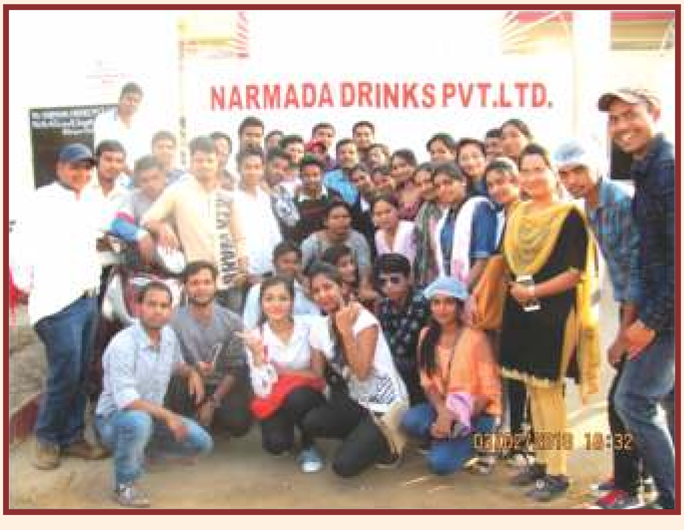

7.11 मैसिव ओपन ऑनलाईन पाठ्यक्रम (MOOCS)

मूक्स के नोडल ऑफिसर डॉ.एम.सी.राव को यूजीसी स्वयं का समन्वयक नियुक्त किया गया है। वे मूक्स पाठ्यकम के भी नोडल अधिकारी हैं। उनके द्वारा स्वयं समन्वयकों हेतु आयोजित एक दिवसीय उन्नमुखिकरण कार्यक्रम में भाग लिया गया जो कि विश्वविद्यालय के नियम और दायित्वों पर आधारित रहा। जिसमें विश्वविद्यालय के स्वयं को आगे बढ़ने एवं प्रोत्साहित करने पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बल दिया। भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों ने स्वयं के अन्तर्गत मूक्स पाठ्यक्रम को अपनाया एवं इसी के अन्तर्गत यूजीसी द्वारा दिनांक 02.02.2018 को एआईसीटी ने भी इस पाठ्यकम को अपनाया।

7.12 राष्ट्रीय अकादमिक संग्रह स्थान/निक्षेपागार (NAD)

एन.ए.डी. एक ऑनलाइन गोदाम है जिसमें शैक्षिक संस्थानों के अकादमिक उपाधि का डिजिटल प्रारूप संग्रहित होता है। इसे दो इंटर ऑपेरेबल इंटर डिपोजिटरर्स समावेशित हैं– एनएसडीएल डेटाबेस मेनेजमेंट लिमिटेड (एनडीएमएल) और सीडीएसएल बेंचर्स लिमिटेड (सीवीएल) प्रो.ए.एस.रणदिवे, तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक (प्रभारी) ने शुरूआती कदम उठाते हुए प्रत्रांक संख्या 90/परीक्षा/2017 दिनांक 01.05.2017 को जारी किया जिसके अंतर्गत सभी विभागाध्यक्ष, विभागीय शिक्षक, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय को निर्देश दिया कि सत्र 2016–17 के पंजीकृत सभी विद्यार्थियों के आधार कार्ड उपलब्ध कराएं ताकि एन.ए.डी. के निर्देशानुसार भविष्य में सभी विद्यार्थियों के उपाधि/डिप्लोमा/प्रमाण पत्र आधार कार्ड से जोड़ा जा सके। प्रो.रणदिवे ने 30.06. 2017 को भोपाल में आयोजित नेशनल एकेडमिक अवेयरनेस प्रोग्राम में हिस्सा लिया जिसमें एन.ए.डी. के कार्यप्रणाली पर बात की। 22.08.2017 को जारी अध्यादेश में प्रो.ए.एस.रणदिवे, परीक्षा नियंत्रक, को एन.ए.डी. एवं आई.टी. सेल का नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया एवं इनके सहयोग के लिए सहायक, सचिव, अकादमिक को भी एन.ए.डी. के साथ जोड़ा गया।

एन.ए.डी. की सुविधा उपलब्ध कराने वाली एजेंसी को एन.एस.डी.एल. डेटाबेस (एन.डी.एम.एल) के विशेषज्ञों ने एन.ए.डी. की कार्य प्रणाली पर दिनांक 25.09.2017 अपनी प्रस्तुती दी। इस तरह की प्रस्तुती 16.10.2017 को सीडीएसएल बेंचर्स लिमिटेड (सीवीएस) के विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। एनएसडीएल और सीडीएसएल निक्षेपागारों के साथ एक सर्विस लेबल एग्रीमेंट (एसएलए) किया गया। ये निक्षेपागार जीजीवी द्वारा दिए गए डेटा को डिजिटल प्रारूप में संग्रहित करेंगे एवं उसकी गोपनीयता एवं सत्यनिष्ठा का ध्यान रखेंगे। माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के डीओ सं0 8–10/207–V.Policy, दिनांक 20.03.2018 के आलोक में विश्वविद्यालय ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में एन.ए.डी. को लागू करते हुए एन.ए.डी. सेल स्थापित करने का निर्णय लिया। यह निर्णय आदेश संख्या 711/प्रशा./स्था./2018 दिनांक 28.03.2018 के आलोक में लिया गया जिसमें डिप्टी रजिस्ट्रार, स्टेनों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर को श्री एच.एन.चौबे, वर्तमान परीक्षा नियंत्रक (प्रभार) और एन.ए.डी. सेल के नोडल ऑफिसर के साथ जोड़ दिया गया। एन.ए.डी. सेल ने यह निर्णय लिया है कि अकादमिक सत्र 2016–17 और 2015–16 के साथ वर्ष 2017–18 में उत्तीर्ण हुए छात्रों की डिग्री/डिप्लोमा/प्रमाण पत्र से संबंधित जानकारी वरीयताक्रम के अनुसार अपलोड किया जाएगा।

7.13 विद्यार्थी शिकायत निवारण प्रकोष्ठ

यूजीसी ऑन लाईन विद्यार्थी शिकायत निवारण प्रकोष्ठ में 01 अप्रैल 2017 से लेकर 31 मार्च 2018 तक पांच शिकायतें प्राप्त हुई। विश्वविद्यालय ने इन शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही की। वर्तमान में एक शिकायत का निवारण कर दिया गया है, शेष पर कार्यवाही चल रही है।

7.14 कौशल विकास

विश्वविद्यालय अपने छात्रों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कार्यरत् है। यह आज के उभरते आर्थिक वातावरण के अनुरूप कौशल विकास के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने में सहायक हो सकता है।

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम विवरण (01 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018)

क्रं.	प्रशिक्षण	दिनांक	प्रतिभागी की संख्या	आयोजक
1	सर्प बचाने का कौशल विकास प्रशिक्षण	8 अगस्त 2017	400 (छात्र) 100 (शिक्षण एवं कर्मचारीगण)	कौशल विकास प्रकोष्ठ और जीव विज्ञान विभाग समन्वयक डॉ. मोनिका भदौरिया
2	छत्तीसगढ़ औद्योगिकी और तकनीकी कन्सलटेंसी सेन्टर 3 दिवसीय कौशल जागरूकता शिविर	21 से 23 अगस्त 2017	69	कौशल विकास प्रकोष्ठ और जैव प्रौद्योगिकी विभाग समन्वयक डॉ. डी.के.परिहार
3	बोनसाई कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	23 से 25 अगस्त 2017	27	कौशल विकास प्रकोष्ठ और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग समन्वयक डॉ. बी.चौरसिया
4	जैविक खाद और जैव उर्वरक संबंधी कौशल विकास प्रशिक्षण	28 से 30 अगस्त 2017	30	कौशल विकास प्रकोष्ठ और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग समन्वयक डॉ. दिलीप कुमार
5	रद्दी कागज कला संबंधी कौशल विकास प्रशिक्षण	08 से 10 सितम्बर 2017	39	कौशल विकास प्रकोष्ठ और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग समन्वयक श्री संजीव भगत
6	साईबर अपराध और रोकथाम पर कार्यशाला	12 से 13 सितम्बर 2017	170	कौशल विकास प्रकोष्ठ और न्यायालयिक विज्ञान विभाग, समन्वयक डॉ. भारती अहिरवार
7	पौष्टिक औषधीय मसरूम तकनीकी संबंधी व्यवसायिक विकास कार्यशाला	22 से 24 सितम्बर 2017	46	कौशल विकास प्रकोष्ठ और वनस्पति विज्ञान विभाग, समन्वयक डॉ. एस. के.साही
8	रेशम कीड़ों के पालन संबंधी प्रशिक्षण	10 अक्टूबर 2017	56	कौशल विकास प्रक ोष्ठ और जीव विज्ञान विभाग, डॉ.रोहित सेठ
9	साक्षात्कार कौशल संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 से 11 नवम्बर 2017	338	कौशल विकास प्रकोष्ठ समन्यक डॉ0 अमित खासकलम
10	एनिमल सेल कल्चर	18 से 22 जनवरी 2018		जैव प्रौद्योगिकी विभाग और कौशल विकास प्रकोष्ठ, डॉ. धनंजय शुक्ला, डॉ.नवीन कुमार विश्वकर्मा
11	न्यायालयिक विज्ञान में बुनियादी तकनीकी और अवधारणा	30 जनवरी से 03 फरवरी 2018	23	कौशल विकास प्रकोष्ठ और न्यायालयिक विज्ञान विभाग, समन्वयक डॉ.भारती अहिरवार
12	औद्योगिक और अभियांत्रिकी विषय में प्रेरक और समकालीन प्रथाओं वाले व्यवसाय संबंधी मार्गदर्शन	26 से 27 मार्च 2018	119	कौशल विकास प्रकोष्ठ और औद्योगिकीय उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग, समन्वयक श्री गणेश शुक्ला
13	कृमि खाद संबंधी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	23 से 25 मार्च 2018	36	कौशल विकास प्रकोष्ठ और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग समन्वयक डॉ . दिलीप कुमार
14	कूड़े से अभिनव कला संबंधी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 से 26 मार्च 2018	43	कौशल विकास प्रकोष्ठ और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग समन्वयक श्री संजीव भगत
15	थर्माकॉल आर्ट संबंधी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 से 26 मार्च 2018	17	कौशल विकास प्रकोष्ठ और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग समन्वयक श्री संजीव भगत एवं डॉ. भास्कर चौरसिया

7.15 नवाचार क्लब

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय लोगों के बौद्विक, अकादमिक और सांस्कृतिक विकास द्वारा उनके कल्याण और सामाजिक और आर्थिक दशा को सुधारने के लिए प्रतिबद्व है। इस प्रतिबद्वता को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय का नवाचार क्लब अस्तित्व में आया है जिसमें एक नोडल अधिकारी और चार सदस्य शामिल है।

क्लब के सदस्य

प्रो. एस.एस.सिंह–नोडल अधिकारी, वानिकी विभाग

प्रो. शैलेन्द्र कुमार–सदस्य, सिविल अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. अल्पना राम–सदस्य, फार्मेसी विभाग

डॉ. नीलकंठ पाणिग्रही– सदस्य, मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग

डॉ.कल्लूरी वी.एस.रंगनाथन– सदस्य, रसायन विज्ञान विभाग

प्रमुख उपलब्धियाँ

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी जीजीवी के छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में नवाचार क्लब के सदस्यों के सामने दिनांक 26.02.2018 को ड्रोन मॉडयूल का लाइव प्रदर्शन किया, उन्होंनें जीजीवी परिसर में वाहन गति, प्रवासी पक्षियों और भटके पशुओं की गतिविधियों की निगरानी के लिए इसके तकनीकी विवरण और महत्व को समझाया यह विभिन्न उपयोगी डेटा रिकॉर्ड करने में मदद करेगा जो विश्वविद्यालय प्रबंधन के लिये उपयोगी होंगें। इसमें निम्नलिखित छात्र सम्मिलित हुए, जी. विवेक चारी आठवे सेमेस्टर इसीई, सुनंदा बैग आठवें सेमेस्टर, धीराज राज छठवें सेमेस्टर, एसएम केमिकल इंजीनियरिंग दामोदर राव छठवें सेमेस्टर सीएसई।

डॉ. नीलकंठ पाणिग्रही, सह–आचार्य मानव विज्ञान और जनजातीय विकास विभाग और इनोवेशन क्लब के सदस्य गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में 20 से 22 मार्च 2018 के दौरान राष्ट्रपति भवन में आयोजित नव प्रवर्तनकों के साथ नवाचार प्रदर्शनी में भाग लिया। डॉ नीलकंठ पाणिगही ने डॉ. अल्पना राम के साथ संयुक्त रूप में छत्तीसगढ़ में हर्बल ड्रग फार्मूलेशन द्वारा जनजातीय स्वास्थ्य और उपचार पर एक अभिनव विचार पर तैयार एक पोस्टर प्रस्तुत किया। दो दिनों के नवाचार मेले के दौरान गुरू घासीदास विश्वविद्यालय समेत 10 चयनित संगठनों को भारत के माननीय राष्ट्रपति के सचिव के सामने अपने अभिनव विचारों की प्रस्तुति के लिए संक्षिप्त सूचीबद्व किया गया था। डॉ. पाणिग्रही ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों द्वारा लंबे समय से प्रयोग किये जाने वाले हर्बल दवाओं और समाज पर इसके प्रभाव की संभावनाओं पर अपनी बात रखी।

बायोमास को विभिन्न स्त्रोतों जैसे कि सीताफल, पपीता, और अनार के खोल से एकत्र किया गया। 5 एचएमएफ के संश्लेषण में मैगनेटाइड नैनो–कणों की उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए प्रारंभ में चयनित बायोमास ग्लूकोज और फ्रक्टोज को देखने के लिए संधरित किया गया था।

- वानिकी विभाग में 23.11.2017 को 4:30 बजे विभिन्न स्कूलों के शोध विद्वानों के बीच एक दिवसीय बातचीत कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें प्रो. एस.एस.सिंह, नोडल ऑफिसर, प्रो. एस. कुमार और डॉ. एन. पाणिग्रही सदस्यों के विभिन्न विभागों के 27 शोध विद्वानों ने बातचीत में भाग लिया।
- शोध विद्वानों के सभी सदस्यों द्वारा अभिनव क्लब के फोकस पर अवगत कराया गया। खुली चर्चा के दौरान शोध विद्वानों ने अपने अभिनव विचार दिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि पीएच.डी. छात्रों के बीच एक महीने मे एक बार कुछ नवीन अवधारणाओं को प्रस्तुत करने के लिए मंच बनाया जा सकता है प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय में संभावित कार्यवाही के बारे में कुछ विचार दिए जिन्हें अनुसंधान विद्वानों की भागीदारी के साथ अपनाया जा सकता है। उन्होनें विद्वानों से ग्रामीण जनता द्वारा संभावित उपयोग के लिए अभिनव मॉडयूल विकसित करने का अनुरोध किया ।

7.16 उन्नत भारत अभियान

विद्यार्थियों में फलदार पौधों का वितरण करते हुए

उन्नत भारत के अंतर्गत कृषक प्रशिक्षण

उन्नत भारत अभियान, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गाँवों के उत्थान हेतु संचालित एक महत्वाकांक्षी योजना है। यह योजना देश के विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में प्रवाहित ज्ञान के समुचित उपयोग द्वारा ग्रामीण भारत के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना से प्रेरित है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र दिनांक 24 अगस्त 2015 एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्रांक डी.ओं.न.एफ 13–13–2015 (सी.यू.) दिनांक 4 सितंबर 2015 के द्वारा उन्नत भारत अभियान के लिए दिये गये नये दिशा निर्देशों के अनुपालन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता ने सबसे पहले शुरूआत करते हुए डॉ. के.के.चंद्रा, सह–आचार्य, वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग को इस योजना का नोडल अधिकारी तथा 04 अन्य डॉ. एस. के. शाही वनस्पति विज्ञान, डॉ. डी. के पटेल, ग्रामीण एवं प्रौद्योगिकी, डॉ. सुबल दास, मानव शास्त्र विज्ञान एवं डॉ. रमेश गोहे, हिंदी विभाग को सदस्य के रूप में नियुक्ति प्रदान की।

जी.जी.वी. के विद्यार्थियों द्वारा गोद लिये ग्राम में शैक्षणिक गतिविधि

इस योजनांतर्गत विश्वविद्यालय ने कोटा विकास खंड के आदिवासी बाहुल्य 04 ग्राम पंचायत पूडु, रिंगवार, तेंदुभाटा एवं उमरिया दादर एवं उसकी सभी आश्रित 09 ग्रामों को गोद लिया है जिसकी जानकारी निम्नवत है।

क्रं.	ग्राम पंचायत का नाम	जनसंख्या	अनुसूचित जनजाति
1	पुडू	2100	72.90
2	रिंगवार	1950	85.00
3	तेंदुभाठा	2286	76.00
4	उमरियादादर	2441	84.00
	योग/औसत	**8777**	**79.47**

उन्नत भारत अभियान योजना के लिए ग्राम पंचायतों के चयन के पश्चात् से ही विश्वविद्यालय द्वारा नामित 5 सदस्यीय शिक्षकों की टीम प्रत्येक शुक्रवार को इन ग्रामों का भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी लेती है साथ ही चयनित ग्राम पंचायतों को आदर्श ग्राम पंचायत बनाने के उद्वेश्य से गाँव की मुख्य समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु, टीम के सदस्य लगातार जिले के अधिकारियों से मिलकर भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयास करते है। इस प्रकार उन्नत भारत अभियान की टीम ग्रामीण एवं जिले के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने का काम कर रही है।

उपलब्धियाँ

वर्ष 2017–18 के दौरान उन्नत भारत अभियान के तहत निम्न कार्य किये गये

- ''जैविक खेती'' के लिये किसानों को प्रेरित करने हेतु दिनांक 7–8 जून 2017 को ग्राम पंचायत रिंगवार में एक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 45 चयनित कृषकों को आधुनिक खेती एवं जैविक खेती के लाभ एवं तकनीकी की जानकारी से लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से ट्राइकोडर्मा एवं स्यूडोमोनास जैविक कल्चर के प्रयोग को प्रदर्शित किया गया।
- बी.एस.सी. ग्रामीण प्रौद्योगिकी के छात्रों द्वारा रिंगवार ग्राम पंचायत के पिपरापारा गांव का भ्रमण कर लोगो के जीवनचर्या एवं उनकी समस्याओं की जानकारी एकत्रित कर अध्ययन किया गया।
- इन ग्राम पंचायतों को खुले में शौच मुक्त ग्राम बनाने के लिए टीम के सदस्यों ने लगातार प्रयासकर, प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत अभियान ग्रामीण के अंतर्गत लोगों के घरों में टायलेट बनाने हेतु प्रेरित किया गया जिसके फलस्वरूप आज दो ग्राम पंचायत ग्राम रिंगवार एवं तेदुंभाटा पूर्ण रूप से खुले में शौच मुक्त घोषित हो चुके है जबकि अन्य सभी ग्राम पंचायतों में भी टायलेट बनाने का 90 प्रतिशत कार्य हो चुका है।
- हाई स्कूल के छात्राओं को सेनेटरी शिक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक प्रशिक्षण पुडू एवं उमरिया दादर हाई–स्कूल में दिनांक 15 सितंबर को आयोजित किया गया । उक्त प्रशिक्षण में 132 छात्राओं ने भाग लिया।
- दस दिवसीय कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 20 सितंबर से 6 अक्टूबर में हाई स्कूल पुडू एवं उमरिया दादर में किया गया ताकि छात्र छात्राओं को कम्प्यूटर के प्रयोग के लिए जागरूक किया जा सके।
- विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं उक्त सभी गतिविधियों का बुलेटिन प्रकाशित कर उसकी प्रतियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली के अलावा जिले के सभी अधिकारियों एवं संस्थानों को भेजा गया है ताकि वे भी विश्वविद्यालय के प्रयासों से अवगत हो सके। इस बुलेटिन को UBA के नेशनल समन्वयक आई.आई.टी दिल्ली को भी भेजा गया था जिसकी प्रशंसा करते हुए उन्होंने इसे उन्नत भारत अभियान के वेबसाइट पर प्रदर्शित कराया है ताकि देश के अन्य शिक्षण संस्थान भी इसी अनुसार आगे की गतिविधियाँ संपादित कर सकें।
- विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाइयां उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत गोद ग्रामों में कैंप लगाकर ग्रामीणों के लिए सामाजिक कार्य एवं सेवा का कार्य करती है। इसी क्रम में दिनांक 11 नवंबर को 50 छात्रों ने उमरिया दादर ग्राम में एक दिवसीय कार्यक्रम कर ग्रामीणों को स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए जागरूक किया साथ ही लोगों को टॉयलेट के उपयोग हेतु प्रेरित किया गया।
- उन्नत भारत अभियान टीम के सदस्यों द्वारा समुदाय विकास पाठ्यक्रम पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया गया और एनसीआरआई हैदराबाद तथा जीजीवी के मध्यम एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये।
- इन गावों मे उज्ज्वला योजना को प्रोत्साहित किया गया तथा 410 परिवारों को निशुल्क एलपीजी गैस उपलब्ध करायी गई।
- उन्नत भारत अभियान के समन्वयक आईआईटी दिल्ली और गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ जिसके तहत आईआईटी दिल्ली में उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत 1.75 लाख रूपये गांवों के निरीक्षण और गांव विकास योजना के निर्माण के लिये दिये।
- विश्वविद्यालय के सभी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के द्वारा सात दिवसीय कैंप इन ग्राम पंचायतों में लगाया गया जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 264 स्वयं सेवकों ने भाग लिया। प्रथम सात दिवसीय कैंप दिनांक 23 फरवरी से 1 मार्च 2018 में ग्राम तेंदुभाठा में आयोजित किया गया जिसमें इंजीनियरिंग विभाग एवं यू.टी.डी के 65 विद्यार्थियों ने भाग लिया दूसरा एवं तीसरा कैंप दिनांक 10–16 मार्च को पचरा एवं उमरिया दादर ग्राम में आयाजित किया जिसमें प्राकृतिक संसाधन इकाई, कला अध्ययनशाला इकाई भौतिक एवं शारीरिक विज्ञान अध्ययनशला इकाई,

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्यागिकी इकाई, प्रबंधन और वाणिज्य इकाई (65 छात्र), और जीवन विज्ञान इकाई और कला संकाय तथा यूटीडी के महिला विंग (75 छात्र) विद्यार्थियों ने भाग लिया इसी क्रम में अंतिम कैंप 22–28 मार्च को ग्राम पुडू में आयोजित कर फार्मेसी एवं विधि विज्ञान के 52 स्वयं सेवकों ने सड़क मरम्मत, तालाब खुदाई एवं लोगो को स्वास्थ्य, टॉयलेट के प्रयोग के लाभ एवं बालिका शिक्षा के लिए प्रेरित एवं जागरूक करने का कार्य किया।

7.17 युवा संसद

विश्व में सर्वाधिक युवा जनसंख्या के साथ भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसलिए देश की लोकतांत्रिक और संसदीय

प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और उनमें नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए प्रतिवर्ष संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, यह विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के लिए राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता का 14 वां संस्करण था जिसे 6 सितंबर, 2017 को गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया।

इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और अध्ययनशालाओं से चुने गए छात्रों ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता के संरक्षण और शिक्षक समन्वयक डॉ. राजेन्द्र मेहता के मार्गदर्शन में संसदीय प्रक्रिया की पटकथा का निर्माण किया और उनकी प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में छात्रों ने भारतीय संसद के कार्यो जैसे शपथ ग्रहण, श्रद्वांजलि, प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, रिपोर्ट्स पेश करना, नए कानून के निर्माण के लिए बिल पेश करना और अविश्वास प्रस्ताव का प्रदर्शन किया ।

प्रतिभागियों द्वारा प्रश्नकाल मे उठाए गए प्रमुख विषयों में शिक्षा, रक्षा, मानव स्वास्थ्य, विकास, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महिला एवं बाल विकास, पर्यटन, आंतरिक सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दे शामिल रहे सरकार और विपक्षी दल के सदस्यों ने सभी विषयों पर चर्चा की। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में समेकित कर प्रणाली से हो रही समस्याओं को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरने का प्रयास किया तत्पश्चात् देशद्रोह जैसे अति महत्वपूर्ण मुद्दे पर सरकार की ओर से कानून और न्याय मंत्री द्वारा एक बिल पेश किया गया यह कानून के उल्लघंन के गंभीर अपराध पर बेहतर कानून बनाने के योग्य था।

अंत में विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया, जिसमें विपक्ष ने सरकार पर आरोप लगाए, सरकार द्वारा सभी मुद्वों पर अपना बचाव किया गया। प्रधानमंत्री पर कृषि नीति मुद्रास्फीति आंतरिक सुरक्षा और कमजोर सरकारी नीतियों को लेकर हमला किया गया था, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अविश्वास प्रस्ताव को गिराने में सरकार सफल रही।

तीन महीनों से अधिक समय के निरंतर अभ्यास और प्रयासों से सभी प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन क्रिया स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का बढ़ावा देने के उद्वेश्य से विश्वविद्यालय परिसर में समय पर स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय में युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता के संरक्षण में किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायकों के रूप में प्रहलाद माने समूह समन्वयक, माननीय सांसद श्री बंशीलाल महतो और आईआईएम रायपुर के निदेशक, शिक्षाविद प्रो. भारत भास्कर उपस्थित रहे। निर्णायकों ने छात्रों को संबोधित किया कार्यक्रम के समापन पर प्रो. बी.एन.तिवारी

कुलसचिव ने आभार व्यक्त किया।

विजेता छात्रों का नाम समूह समन्वयक द्वारा घोषित किया गया जिसमें मुग्धा दुबे, स्पीकर के रूप में शैलेश कुमार पाण्डेय, प्रधानमंत्री की भूमिका में कानून और न्याय मंत्री रूप में प्रांजल सिंह एवं संसद सदस्य के रूप में प्रणय गौतम ने स्थान हासिल किया। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का चयन राष्ट्रीय स्तर पर अप्रैल 2018 में होने वाली प्रतियोगिता के लिये हुआ।

7.18 केन्द्रीय विश्वविद्यालय एकीकृत पोर्टल

केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय में समन्वय स्थापित करने के अलावा केन्द्रीय विश्वविद्यालयों मे चल रहे विभिन्न योजनाओं, वित्तीय मामलों में समन्वय एक मुख्यतः एवं बिना पेपर के लेन–देन को बढ़ावा के उद्देश्य से केन्द्रीय विश्वविद्यालय एकीकृत पोर्टल का शुभांरभ किया गया है। श्री एच.एन.चौबे संयुक्त कुलसचिव को दिनांक 14 अगस्त 2017 को इसका नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

नोडल अधिकारी प्रति माह विश्वविद्यालय को अन्य विभागों से जानकारी एकत्रित कर केन्द्रीय विश्वविद्यालय पोर्टल पर जानकारियां अपलोड की जाती है। यह पोर्टल प्रतिमाह 01 से 10 तारीख के बीच खुला रहता है एवं प्रतिमाह विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की जानकारियां पोर्टल पर उपलब्ध फार्मेट में अपलोड किया जाता है। इससे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय को विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारियाँ सुगमता से उपलब्ध कराता है। नोडल अधिकारी द्वारा अगस्त 2017 से मार्च 2018 तक केन्द्रीय विश्वविद्यालय पोर्टल के फार्मेट में विश्वविद्यालय की जानकारियाँ निर्धारित समय–सीमा पर अपलोड की गई है।

भाग–2 परिशिष्ट

सांविधिक निकाय
अधिकारीगण
शिक्षकगण
शैक्षणिक योगदान
विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा –25 के अंतर्गत भारत के माननीय राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष हैं।

परिशिष्ट –I

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय

(अ) विश्वविद्यालय की सभा

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के प्रथम सभा का गठन 'उच्च शिक्षा' एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के सेक्शन 44 (सी) के अंतर्गत (विश्वविद्यालय अधिसूचना क्रमांक 310/बैठक प्रकोष्ट/2014 बिलासपुर, दिनांक 08 फरवरी, 2014) को किया गया।

सभा के सदस्यगण

विश्वविद्यालय सभा का गठन प्रक्रियाधीन है।

(ब) कार्यपरिषद्

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद् का गठन केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 21 (2) के अंतर्गत किया गया।

सदस्य कार्यपरिषद्

1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018

01.	11(1)(i)	**कुलपति**		
		i)	प्रो. अंजिला गुप्ता	01-04-2017to 31-03-2018
02.	11(1)(ii)	**सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार या उसका नामित प्रतिनिधि**		
		i)	श्री एस.के. घिलडियाल, उप–सचिव मानव संसाधन मंत्रालय	01-04-2017 to 31-03-2018
03.	11(1)(iii)	**अध्यक्ष, यूजीसी या उसके प्रतिनिधि, जो संयुक्त सचिव के पद से निम्न न हो**		
04.	11(1)(iv)	**राज्य शासन के मुख्य सचिव, या उसके प्रतिनिधि, प्राथमिकता में उच्च शिक्षा के मामले से संबंधित, जो सचिव के पद से निम्न पद का न हो**		
		i)	श्री सुनील कुमार कुजूर, आईएएस (मुख्य सचिव का प्रतिनिधि)	25-04-2017 to 31-03-2018
05.	11(1)(v)	**समकुलपति**		रिक्त
06.	11(1) (vi)	**अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाताओं में से दो सदस्य जो कुलपति द्वारा नामित हो**		
		i)	प्रो. पी.के. बाजपेयी, आचार्य	01-04-2017 to 24-04-2017
			प्रो. मनीष श्रीवास्तव, आचार्य	25-04-2017 to 31-03-2018
		ii)	प्रो. व्ही.एस. राठौड़, आचार्य	01-04-2017 to 31-03-2018
07.	11(1)(vii)	**कुलपति द्वारा नामित एक प्रोफेसर जो अधिष्ठाता न हो**		
		i)	प्रो. शैलेन्द्र कुमार, आचार्य	01-04-2017 to 31-03-2018
08.	11(1)(viii)	**कुलपति द्वारा नामित एक सह आचार्य**		
		i)	डॉ. के.के. चंद्रा, सह आचार्य	01-04-2017 to 31-03-2018
09.	11(1)(ix)	**कुलपति द्वारा नामित एक सहायक प्राध्यापक**		
		i)	डॉ. राकेश पांडेय, सहायक प्राध्यापक	01-04-2017 to 31-03-2018
10.	11(1)(x)	कुलाध्यक्ष (राष्ट्रपति) द्वारा नामित विश्वविद्यालय सभा (कोर्ट) के दो सदस्य जिनमें से कोई भी विश्वविद्यालय या विश्वविद्यालय से संबद्ध या मान्यता प्राप्त का छात्र या कर्मचारी न हो		
		i)	रिक्त	
		ii)	रिक्त	

11.	11(1)(xi)	कुलाध्यक्ष (राष्ट्रपति) द्वारा नामित 04 ऐसे व्यक्ति जो, शैक्षणिक एवं सार्वजनिक जीवन में ख्याति प्राप्त हो i) डॉ. विद्या गुप्ता, सीनियर साइंटीस्ट CSIR — 01-04-2017 to 31-03-2018 ii) प्रो. जोयंती सुतया फेलो, नेशनल एकेडमी ऑफ साईंसेस — 01-04-2017 to 31-03-2018 iii) सुश्री जे. मंजुला डायरेक्टर जनरल (ईसीएस), डीआरडीओ — 01-04-2017 to 31-03-2018 iv) श्री राम वीर सुतर (पद्म भूषण विजेता 2016) — 01-04-2017 to 31-03-2018
12.		सचिव i) प्रो. बी.एन.तिवारी, कुलसचिव (कार्यवाहक) — 01-04-2017 to 31-03-2018

(स) विद्यापरिषद के सदस्य

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की विद्यापरिषद् का गठन केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 22 (2) के अंतर्गत किया गया।

सदस्य विद्यापरिषद्
1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018

1	**13(1)(i)**	**कुलपति** प्रो. अंजिला गुप्ता	अध्यक्ष 01-04-17 से 31-03-18
2	13(1)(ii)	**समकुलपति** रिक्त	सदस्य
3	13(1)(iii)	**अध्ययनशालाओं के अधिष्ठातागण**	सदस्य
		1) कला प्रो. मनीष श्रीवास्तव, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		2) अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी प्रो. एम.के. सिंह, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		3) विधि प्रो. वी.एस. राठौड़, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	01-04-17 से 31-03-18
		4) जीव विज्ञान डॉ. रेणु भट्ट, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		5) प्रबंध एवं वाणिज्य प्रो. वी.एस. राठौड़, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		6) गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान प्रो. ए.एस. रणदिवे, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		7) प्राकृतिक संसाधन प्रो. वी.डी. रंगारी, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		8) भौतिकी विज्ञान प्रो. पी.के. वाजपेयी, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		9) सामाजिक विज्ञान डॉ. अनुपमा सक्सेना, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
4	**13(1)(iv)**	**विभिन्न विभाग/केन्द्र के विभागाध्यक्ष**	सदस्य
		1) मानवशास्त्र - डॉ. नीलकंठ पाणीग्रही, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18

		2) वाणिज्य रिक्त	
		3) जैव प्रौद्योगिकी डॉ. रेणु भट्ट, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		4) संगणक एवं सूचना विज्ञान रिक्त	
		5) वानिकी डॉ. एस.एस. धुरिया, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		6) शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित डॉ. पी.पी. मूर्ति, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		7) शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी डॉ. एच.एस. तिवारी, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		8) ग्रामीण प्रौद्योगिकी डॉ. पुष्पराज सिंह, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		9) प्रबंध अध्ययन डॉ. बी.डी. मिश्रा, सह आचार्य.	01-04-17 से 31-03-18
		10) इतिहास रिक्त	
		11) शारीरिक शिक्षा प्रो. वी. एस. राठौड़, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		12) समाज कार्य रिक्त	
		13) ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान डॉ. ब्रजेश तिवारी, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		14) पत्रकारिता एवं जनसंचार डॉ. गोपा बागची, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		15) फार्मेसी डॉ. वी.डी. रंगारी, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		16) अर्थशास्त्र प्रो. मनीषा दुबे, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		17) अंग्रेजी रिक्त	
		18) शिक्षा विभाग डॉ. सी.एस. वजलवार, सह आचार्य	01-04-17 से 10-10-17
		19) राजनीति शास्त्र डॉ. ए. पांडा, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		20) हिन्दी रिक्त	
		21) रसायन डॉ. (सुश्री) चारू अरोरा, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		22) वनस्पति विज्ञान डॉ. सुशील कुमार शाही, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		23) जन्तु विज्ञान डॉ. मोनिका भदौरिया, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		24) विधि	

		डॉ. एस.एस. सिंह, आचार्य प्रभार	08-09-17 से 09-10-17
		25) केमिकल इंजी	
		डॉ. एस.एन. साहा, आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		26) कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजी.	
		रिक्त	
		27) इंफार्मेशन टेक्नालॉजी इंजी.	
		रिक्त	
		28) इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजी.	
		रिक्त	
		29) मेकेनिकल इंजी.	
		डॉ. राजेश भूषण, सह आचार्य	01-04-17 से 31-03-18
		30) इंडस्ट्रीयल एण्ड प्रोड्क्शन इंजी.	
		रिक्त	
		31) सिविल इंजी.	
		प्रो. शैलेन्द्र कुमार, आचार्य	01-04-17 से 07-09-17
		डॉ. सी.आर. मीसला, सह आचार्य	08-09-17 से 31-03-18
		32) फोरेंसिक साइंस	
		डॉ. भारती अहिरवार, सह आचार्य, प्रभार	08-09-17 से 31-03-18
5	13(1)(v)	**विभिन्न अध्ययनशालाओं को प्रतिनिधित्व देते हुए कुलपति द्वारा नामित 05 आचार्य (जो अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाता या विभाग/केन्द्र के अध्यक्ष न हो)**	सदस्य
		1) प्रो. हरीश कुमार	01-04-17 से 31-03-18
		2) प्रो. प्रदीप शुक्ला	01-04-17 से 31-03-18
		3) प्रो. एल.पी. पटेरिया	01-04-17 से 31-03-18
		4) प्रो. जी.के. पात्रा	01-04-17 से 31-03-18
		5) प्रो. एस.एस. सिंह	01-04-17 से 07-09-17
		6)प्रो. शैलेन्द्र कुमार	08-09-17 से 31-03-18
6	13(1)(vi)	**कुलपति द्वारा नामित 5 सह आचार्य, जो शैक्षणिक विभाग के अध्यक्ष न हो**	सदस्य
		1) डॉ. एच.एस. बोड़खे	01-04-17 से 31-03-18
		2) डॉ. सी.आर मीसला	01-04-17 से 07-09-17
		डॉ. रोहित सेठ	08-09-17 से 31-03-18
		3) डॉ. एम.एन. त्रिपाठी	01-04-17 से 31-03-18
		4) डॉ. रत्नेश सिंह	01-04-17 से 31-03-18
		5) डॉ. के.पी. नामदेव	01-04-17 से 31-03-18
7	13(1)(vii)	**कुलपति द्वारा नामित 5 सहायक प्राध्यापक**	सदस्य
		1) डॉ. घनश्याम दुबे	01-04-17 से 31-03-18
		2) डॉ. राकेश पांडेय	01-04-17 से 31-03-18
		3) डॉ. बॉबी ब्रम्हे पांडेय	01-04-17 से 31-03-18
		4) श्रीमती शालिनी मेनन	01-04-17 से 31-03-18
		5) श्री निशांत बेहार	01-04-17 से 31-03-18
8	13(1)(viii)	**ग्रंथपाल**	पदेन ग्रंथपाल
9	13(1)(ix)	**विद्यापरिषद् द्वारा सहयोजित शैक्षणिक प्रगति एवं विकास का विशेष ज्ञान रखने जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हो**	05 सदस्य
		1) डॉ. जोराम बेगी अरूणाचल प्रदेश	01-04-17 से 31-03-18
		2) डॉ. एस.बी. कोनाल, मैसूर	01-04-17 से 31-03-18

		3) श्री प्रदीप देशपांडे, बिलासपुर 4) श्री सत्यनारायण अग्रवाल, रायपुर 5) प्रो. अरूण कमल, पटना यूर्निवसिटी	01-04-17 से 31-03-18 01-04-17 से 31-03-18 01-04-17 से 31-03-18
10	13(2)	**अधिष्ठाता, छात्रकल्याण एवं कुलानुशासक**	**पदेन**
11	**सचिव**	प्रो. बी.एन. तिवारी, कुलसचिव (कार्यवाहक)	01-04-17 से 31-03-18

(द) वित्त समिति

क.	**नाम**	**पद**	**विवरण**	**परिनियम**	**नामित करने की तिथि**	**अवधि पूर्ण होने की तिथि**
1	प्रो.अंजिला गुप्ता कुलपति गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	अध्यक्ष	पदेन	17 (1) (i)		
2	सम–कुलपति	**रिक्त**	पदेन	17 (1)(ii)		
3	सभा नामित	**रिक्त**		17 (1) (iii)		
4	डॉ. यू.एस.रावत, कुलपति, श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाहीटोल, टिहरी, उत्तराखण्ड (कार्यालय) 01376254065 फैक्स 01376254065,109 (मो.) 9411335555 ई–मेल sdsuv123@gmail.com	सदस्य	कार्यपरिषद नामित (कार्यपरिषद सदस्य)	17 (1) (iv)	27/01/2016	26/01/2019
5	प्रो. शैलेंद्र कुमार, आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य	कार्यपरिषद नामित (कार्यपरिाद सदस्य)	17 (1) (iv)	11/11/2016	12/04/2019
6	श्री ए.जेना, वित्ताधिकारी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.)	सदस्य	कार्यपरिषद नामित	17 (1) (iv)	13/04/2016	12/04/2019
7	संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य	पदेन (कुलाधिपति द्वारा नामित)	17 (1) (v)	31/03/2014	
8	संयुक्त सचिव (सीयू), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली– 110002	सदस्य	पदेन (कुलाधिपति द्वारा नामित)	17 (1) (v)	31/03/2014	
9	संयुक्त सचिव (सीयू एवं एल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य	पदेन (कुलाधिपति द्वारा नामित)	17 (1) (v)	31/03/2014	
10	प्रो. एम.एस.सिंह, वित्ताधिकारी (कार्यवाहक)	सचिव	पदेन	7(5)		

	गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)					

(ई) सत्र (01-04-2015से 31-03-2016) के दौरान आहूत बैठकें

कार्यपरिषद्

स.क्र	दिनांक	
01.	28-04-2017	कार्यपरिषद की 19वीं बैठक
02.	15-11-2017	कार्यपरिषद की आपात बैठक
03.	14-12-2017	कार्य परिषद की 20वीं बैठक

विद्यापरिषद

क्रमांक	दिनांक	
01.	14-10-2017	12वीं बैठक

विद्यापरिषद की स्थायी समिति की बैठकें

क्रमांक	दिनांक
01.	07-04-2017
02.	20-07-2017
03.	12-09-2017
04.	02-11-2017
05.	12-12-2017
06.	14-02-2018
07.	09-03-2018

परिशिष्ट –II

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

(अ) विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

क्र.	पद	नाम
1	कुलाधिपति	रिक्त
2	कुलपति	प्रो. अंजिला गुप्ता
3	सम–कुलपति	रिक्त
4	कुलसचिव	रिक्त प्रो. बी.एन.तिवारी, (कार्यवाहक)
5	वित्ताधिकारी	रिक्त डॉ. आर.के.सोनी (कार्यवाहक) प्रो. एस.एस.सिंह (कार्यवाहक)
6	परीक्षा नियंत्रक	रिक्त प्रो. ए.एस.रणदिवे (कार्यवाहक) श्री हरिनारयण चौबे (कार्यवाहक)
7	ग्रंथपाल	रिक्त डॉ. यू.एन.सिंह

(ब) अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाता

क.	अध्ययनशाला	नाम	अवधि	कार्यकाल
1	अध्ययनशाला कला	प्रो. मनीष श्रीवास्तव	25.05.2016 से 24.05.2019 तक	3वर्ष
2	अध्ययनशाला अभियांत्रिकी एवं तकनीकी	प्रो. मुकेश कुमार सिंह	01.05.2015 से 02.05.2018 तक	3वर्ष
3	अध्ययनशाला विधि	प्रो. विशन सिंह राठौड़	25.05.2016 से आगामी आदेश तक	आगामी आदेश तक
4	अध्ययनशाला जीव विज्ञान	डॉ. रेणु भट्ट	01.08.2016 से 07.02.2019 तक	07.02.2019 तक
5	अध्ययनशाला प्रबंध एवं वाणिज्य	प्रो. विशन सिंह राठौड़	29.02.2016 से आगामी आदेश तक	आगामी आदेश तक
6	अध्ययनशाला गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान	प्रो. ए.एस. रणदिवे	15.09.2015 से 14.09.2018 तक	3वर्ष
7	अध्ययनशाला प्राकृतिक संसाधन	प्रो. वी.डी. रंगारी	11.03.2017 से 29.02.2020 तक	3वर्ष
8	अध्ययनशाला भौतिकीय विज्ञान	प्रो. पी.के. बाजपेयी	07.12.2015 से 06.12.2018 तक	3वर्ष
9	अध्ययनशाला समाज विज्ञान	प्रो. अनुपमा सक्सेना	24.11.2015 से 23.11.2018 तक	3वर्ष

(स) विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीगण

क्रं	नाम	पदनाम
1	डॉ. वी.एस.राठौड़	कुलानुशासक
2	डॉ. माधवेन्द्र नाथ त्रिपाठी	अधिष्ठाता छात्रकल्याण
3	श्री हरिनारायण चौबे	संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन विभाग)
4	डॉ. सम्पूर्णानंद झा	उप–कुलसचिव (विकास विभाग)

5	श्री सूरज कुमार मेहर	उप–कुलसचिव (कुलपति कार्यालय)
6	श्री संतोष कुमार त्रिपाठी	सहायक कुलसचिव (भण्डार विभाग एवं आंतरिक अंकेक्षण विभाग)
7	श्री अभिदीप तिवारी	सहायक कुलसचिव (प्रशासन,विधि एवं सूचना प्रकोष्ठ)
8	श्री टिकेन्द्र प्रकाश सिंह	सहायक कुलसचिव (अकादमी, गोपनीय एवं परीक्षा विभाग)
9	श्री सुधाकर लोनारे	सहायक कुलसचिव (प्रौद्योगिकी संस्थान)
10	श्री श्रीकांत करडेकर	सहायक कुलसचिव (वित्त विभाग)

(द)विश्वविद्यालय के शैक्षणिक निकायों के विभागाध्यक्ष (31.03.2017 की स्थिति में)

क्र.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष का नाम	पद	दूरभाष/मोबाइल नंबर
1	मानवशास्त्र एवं आदिवासी विकास	डॉ. नीलकंठ पाणीग्रही	सह आचार्य	09630922710
2	वाणिज्य	डॉ. विनीत सिंह	सहायक प्राध्यापक	08463869696
3	बायोटेक्नोलॉजी	डॉ. रेणु भट्ट	सह आचार्य	07389457727
4	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	श्रीमती पुष्पलता पुजारी	सहायक प्राध्यापक	09425262192
5	वानिकी	डॉ. एस.एस.धूरिया	सह आचार्य	09827994408
6	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	डॉ. पी.पी.मूर्ति	सह आचार्य	0924168930
7	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	डॉ. एच.एस.तिवारी	सह आचार्य	09424160587
8	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास	डॉ. पुष्पराज सिंह	सह आचार्य	09406433396
9	प्रबंध अध्ययन	डॉ. बी.डी. मिश्रा	सह आचार्य	0989325802
10	इतिहास	डॉ. सीमा पाण्डेय	सहायक प्राध्यापक	09424143403
11	शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद	डॉ. विशन सिंह राठौड़	प्रा.यापक	08269325282
12	समाज कार्य	श्री विक्रम सिंह	सहायक प्राध्यापक	07587412240
13	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	डॉ. ब्रजेश तिवारी	सह आचार्य	09425227690
14	पत्रकारिता एवं जनसंचार	डॉ. गोपा बागची	सह आचार्य	9425222316
15	फार्मेसी	प्रो. व्ही.डी. रंगारी	प्राध्यापक	9893939894
16	अर्थशास्त्र	प्रो. मनीषा दुबे	प्राध्यापक	09827403395
17	अंग्रेजी एवं आंग्ल भाषा	डॉ. अनुराग चौहान	सहायक प्राध्यापक	09425536308
18	शिक्षा	डॉ. चन्द्रशेखर वझलवार	सह आचार्य	9425223875
19	राजनीति एवं लोक प्रशासन	डॉ. अच्युतानंद पंडा	सह आचार्य	9407691805
20	हिन्दी	श्री मुरली मनोहर सिंह	सहायक प्राध्यापक	9437535050
21	रसायन	डॉ. चारू अरोरा	सह आचार्य	7587709551
22	वनस्पति शास्त्र	डॉ. सुनील कुमार शाही	सह आचार्य	9479230418
23	प्राणीशास्त्र	डॉ. मोनिका भदौरिया	सहायक प्राध्यापक	09407567647
24	विधि	डॉ0 एम.के.सिंह	सहायक प्राध्यापक	
25	फोरेंसिक साइंस	डॉ. भारती अहिरवार	सह आचार्य	9425222614
26	रसायन अभियांत्रिकीय	प्रो. एस.एन.साहा	प्रा.यापक	9755063637
27	कम्प्यूटर साइंस एवं अभियांत्रिकीय	श्री निशांत बेहार	सहायक प्राध्यापक	9827179525
28	सूचना प्रौद्योगिकी	डॉ. संतोष सोनी	सहायक प्राध्यापक	9425409391
29	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन अभियांत्रिकीय	श्री निपुण मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	9893367625
30	मेकेनिकल अभियांत्रिकीय	डॉ. राजेश भूषण	सह आचार्य	08602403633
31	इंडस्ट्रियल एण्ड प्रोडक्शन अभियांत्रिकीय	डॉ. अर्पिता राय चौ.री	सहायक प्राध्यापक	9407974600 9685127370
32	सिविल अभियांत्रिकीय	डॉ0 सी.आर. मिसला	सह आचार्य	

परिशिष्ट –III

विश्वविद्यालय के शिक्षक (नियमित एवं अस्थायी)

(31.03.2018 की स्थिति में)

क्र	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
1.	डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सह आचार्य	सोशल एन्थ्रोपॉलोजी
2.	श्री बलराम उरांव	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सहायक प्राध्यापक	सोशल एन्थ्रोपॉलोजी
3.	डॉ. सुबल दास	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सहायक प्राध्यापक	फिजिकल/बॉयोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी
4.	डॉ. सुचिता त्रिपाठी	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
5.	श्री शुभेन्दु पात्रा	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
6.	डॉ. रजनीश कुमार सिंह	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
7.	प्रो. भूपेन्द्र नाथ तिवारी	जैव प्रौद्योगिकी	आचार्य	माइक्रोबियल बायोटेक
8.	डॉ. रेनु भटट्	जैव प्रौद्योगिकी	सह आचार्य	नैनोटेक्नालॉजी एण्ड कैंसर
9.	डॉ. हरित झा	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	बायोकेमेस्ट्री, माइक्रोबियल बायोटेक
10.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार परिहार	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	माइक्रोबियल एंजाइम एण्ड फरमेंटेशन टेक्नालॉजी
11.	सुश्री अलका एक्का	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	माइक्रोबायालॉजी
12.	डॉ. धनंजय शुक्ला	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	
13.	डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	
14.	डॉ. अर्चना भास्कर	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
15.	डॉ. अरविंद कुमार	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
16.	श्री विकास चंद्रा	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
17.	डॉ. अर्चना कुमारी	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
18.	डॉ. अश्विनी कुमार दीक्षित	वनस्पति शास्त्र	सह आचार्य	फॉर्माकोग्नॉजी बायो नैनोटेक्नालॉजी एण्ड मेडिकल बॉटनी
19.	डॉ. सुशील कुमार शाही	वनस्पति शास्त्र	सह आचार्य	
20.	डॉ. सुधीर कुमार पाण्डे	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक	इन्वायरमेंट केमिस्ट्री एण्ड पाल्यूशन इकोलॉजी
21.	डॉ. संतोष कुमार प्रजापति	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक	एयर पाल्यूशन एण्ड स्ट्रेस इकोलॉजी
22.	डॉ. विभयनाथ त्रिपाठी	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक	होस्ट पेथोजन इंटरेक्शन
23.	डॉ. डी. पाण्डेय	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
24.	श्री रोशन कुमार	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
25.	डॉ. ज्योति पाण्डेय	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
26.	श्री अमर अभिषेक	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
27.	प्रो. समरेन्द्र नाथ साहा	रसायन अभियांत्रिकी	आचार्य	फ्लूइडाजेशन इंजीनियरिंग
28.	श्री नीरज चंद्राकर	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	केमिकल प्रॉसेस डिजाइन
29.	श्री अमित जैन	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	थर्मल

30.	डॉ. अनिल चंद्राकर	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कैटालिसिस
31.	श्रीमती अनुराधा नानेवार जोशी	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इन्वायरमेंटल मैनेजमेंट
32.	श्री सौरभ मेश्राम	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	केमिकल प्रॉसेस डिजाइन
33.	डॉ. राघवेंद्र सिंह ठाकुर	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	एडजॉर्प्शन
34.	श्री गौतम प्रसाद देवांगन	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कम्प्यूटर एडेड प्रॉसेस एण्ड इक्विपमेंट डिजाइन
35.	श्री विष्णु प्रसाद यादव	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	केटेलिसिस
36.	सतरूपा साहू	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
37.	डॉ. घनश्याम वर्मन	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
38.	डॉ. सुनीता कुमारी		सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
39.	प्रो. गौतम कुमार पात्रा	रसायनशास्त्र	आचार्य	इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, मेटल ऑर्गेनिक, फ्रेमवर्क, क्रिस्टल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री
40.	डॉ. सुनील कुमार सिंह	रसायनशास्त्र	सह आचार्य	
41.	डॉ. चारु अरोरा	रसायनशास्त्र	सह आचार्य	फिजिकल केमिस्ट्री काइनेटिक
42.	डॉ. भास्कर शर्मा	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
43.	डॉ. संतोष सिह ठाकुर	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, कैटेलिसिस, चिरल केमेस्टील्ड हाइड्रोलिसिस
44.	डॉ आरती श्रीवास्तव	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	फिजिकल केमिस्ट्री एण्ड पॉलिमर केमिस्ट्री
45.	डॉ. सुभाष बनर्जी	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	ऑर्गेनिक केमिस्ट्री एण्ड नैनोकैटालिसिस एण्ड ग्रीन सिंथेसिस
46.	डॉ. विजय कुमार राय	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
47.	सुश्री मनोरमा	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
48.	डॉ. सुदिप्त महापात्र	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
49.	डॉ. अरविंद कुमार साहू	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
50.	सुश्री हेमा आर.टंडन	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
51.	डॉ. पी.के.चतुर्वेदी	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
52.	डॉ. नीना राय	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
53.	डॉ. पथिक माझी	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
54.	डॉ. श्याम कुमार बंजारे	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
55.	प्रो. शैलेंद्र कुमार	सिविल अभियांत्रिकी	आचार्य	स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
56.	डॉ. मिस्ला चक्रधर राव	सिविल अभियांत्रिकी	सह आचार्य	स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
57.	श्री राजेन्द्र कुमार चौबे	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग
58.	श्री निखिल कुमार वर्मा	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कंस्ट्रक्शन प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट
59.	श्री आशीष कुमार पाराशर	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	वाटर रिसोर्सेज इंजीनियरिंग
60.	डॉ. वी वी एस के दादी	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	स्ट्रक्चरल डायनॉमिक्स इंजीनियंरिंग
61.	श्री अंकित जैन	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक अध्यापक अस्थायी	
62.	श्री रोचक पाण्डेय	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक अध्यापक अस्थायी	
63.	डॉ. अमित मंगलानी	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	फाइनेंस

64.	डॉ. बुद्धेश्वर प्रसाद सिंगरौल	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	एकाउंटिंग एण्ड फाइनांस
65.	डॉ. विनीत सिंह	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	मार्केटिंग
66.	डॉ. अनामिका तिवारी	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
67.	श्री मुकेश अग्रवाल	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	मार्केटिंग
68.	डॉ. शैलेश द्विवेदी	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
69.	श्री कुमार आदित्य	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
70.	श्री अनुप कुमार राय	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
71.	श्री उत्कर्ष कुमार	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
72.	श्री गोशाल राजू	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
73.	श्री सौरभ कुमार	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
74.	सुश्री अल्का पाण्डेय	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
75.	डॉ. संजय माझी	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
76.	श्री विवेक शर्मा	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
77.	सुश्री दीपिका दर्शन	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
78.	सुश्री कल्पना कंवर	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
79.	किरण कौर राणा	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
80.	श्री चौधरी साकेत कुमार	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
81.	श्री प्रदीप राम	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
82.	डॉ. मनीष श्रीवास्तव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	नेटवर्क सिक्युरिटी
83.	श्री देवेन्द्र कुमार सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कम्प्यूटर सिक्युरिटी,
84.	श्री निशांत बेहार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	नेटवर्क सिक्युरिटी, डिजिटल एविडेंस
85.	श्री वैभवकांत सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	डाटामाइनिंग
86.	सुश्री निशी यादव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	मोबाईल एड–हॉक नेटवर्क
87.	सुश्री रक्षा शर्मा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	ग्रीड कम्प्यूटिंग
88.	श्री अमित सिंह बघेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	मोबाईल एड–हॉक नेटवर्क
89.	श्री सतीश कुमार नेगी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	वेहीकुलर एड हॉक नेटवर्क
90.	श्री पुष्पेंद्र कुमार चंद्रा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	ऑप्टिकल नेटवर्क
91.	श्री मंजीत जायसवाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	पैरलल कम्प्यूटिंग
92.	प्रो. अमित कुमार सक्सेना	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	आचार्य	सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, डाटा माइनिंग,
93.	श्रीमती पुष्पलता पुजारी	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	साफ्ट कम्प्यूटिंग क्लासीफिकेशन
94.	श्री रजवंत सिंह राव	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	टी.ओ.सी., आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स

95.	श्री अमितेश कुमार झा	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	
96.	डॉ. बबिता मांझी	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	डाटा माइनिंग, सिग्नल प्रोसेसिंग
97.	सुश्री सुषमा जायसवाल	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	डिजिटल इमेज प्रॉसेसिंग
98.	सुश्री सृष्टि माथुर	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
99.	सुश्री किरण साहू	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
100.	श्री सुमन लाहा	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
101.	श्री प्रवीण सिंह यादव	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
102.	डॉ. मनीषा दुबे	अर्थशास्त्र	आचार्य	पब्लिक फाइनेंस, गांधीयन इकोनॉमिक्स
103.	डॉ. नमिता शर्मा	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	माइक्रो इकोनॉमिक्स, इंडियन इकोनॉमी मनी एण्ड बैंकिंग
104.	डॉ. सिराफिनूस किस्पोट्टा	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	माइक्रो इकोनॉमिक्स, स्टेट्स्टिक, डेमोग्राफी, इंडस्ट्रीयल इकोनॉमिक्स
105.	श्री दिलीप झा	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	मोनेटरी इकोनॉमिक्स, इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स, क्वानटेटीव टेक्नीक्स, बैंकिंग
106.	श्री ठाकुरराम रात्रे	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	पब्लिक फाइनेंस, माइक्रोइकोनॉमिक्स, इकोनॉमिक डेवलपमेंट एण्ड प्लांनिंग
107.	श्री रवीन्द्र कुमार शर्मा	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स, इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स
108.	डॉ. राजभानू पटेल	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
109.	डॉ. सी.एस. वझलवार	शिक्षाशास्त्र	सह–आचार्य	एडमिनिस्ट्रेशन सुपरविजन एण्ड मैनेजमेंट एजुकेशनल सायकोलॉजी, टीचिंग ऑफ इंग्लिश
110.	डॉ सुजीत कुमार	शिक्षाशास्त्र	सह–आचार्य	रिसर्च मेथडोलॉजी, लर्नर एण्ड लर्निंग प्रॉसेस, एजुकेशनल गाइडेंस एण्ड काउंसिलिंग, एजुकेशनल असेंसमेंट एण्ड इवैल्युएशन, टीचिंग ऑफ हिस्ट्री
111.	डॉ. संबित कुमार पाढ़ी	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड एवाल्यूशन, रिसर्च मैथडोलॉजी एण्ड स्टेटिक्स
112.	डॉ. सुनील कुमार सेन	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल टेक्नालॉजी, एजुकेशनल सोशियोलॉजी, एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड इवैलुएशन, टीचिंग ऑफ मैथेमेटिक्स एण्ड सिविक्स
113.	डॉ. विंदेश्वरी पवार	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	गाइडेंस एण्ड काउंसिलिंग, एजुकेशनल टेक्नालॉजी, टीचिंग ऑफ सोशल साइंस
114.	डॉ. सोनिया स्थापक	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	एलिमेंट्री टीचर एजुकेशन, एजुकेशनल साइकोलॉजी, अर्ली चाइल्डहुड केयर एण्ड एजुकेशन, मेथड्स ऑफ टीचिंग साइंस
115.	डॉ0 सुधीर सुदाम कांवरे	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल टेक्नालॉजी, एजुकेशनल सिशियोलॉजी, टीचिंग ऑफ इंग्लिश एण्ड सिविक्स

116.	डॉ. पायल बनर्जी	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल टेक्नालॉजी, एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड इवैल्युएशन, साइंस एजुकेशन, करिकुलम स्टडीज, स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन, एजुकेशनल साइकोलॉजी
117.	डॉ. मुकेश कुमार चन्द्राकर	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
118.	श्री अजय समीर कुजूर	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
119.	श्रद्धा सिंह	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
120.	सुश्री मीना कुमारी	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
121.	डॉ. राकेश कुमार	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
122.	पूजा श्रीवास्तव	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
123.	डॉ. ज्योति वर्मा	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
124.	श्री बंसत कुमार	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
125.	डॉ. जय प्रकाश सिंह	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
126.	श्री शिव कुमार	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
127.	मनीषा विजयवर्गीय	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
128.	श्री कृष्ण कुमार पाठक	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
129.	श्रीमती अनिता खन्ना	इलेक्ट्रीकल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
130.	श्री सुमीत कुमार गुप्ता	इलेक्ट्रीकल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
131.	श्री तुकेश कुमार साहू	इलेक्ट्रीकल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
132.	श्रीमती भावना शुक्ला	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कम्यूनिकेशन
133.	श्री पी.एस. श्रीवास्तव	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	माइक्रोवेव कम्यूनिकेशन
134.	श्रीमती ब्युला नाथ	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन
135.	सुश्री प्रगति पठारिया	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	ऑप्टो–इलेक्ट्रॉनिक्स
136.	श्री दीपक राठौर	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कम्यूनिकेशन
137.	श्री एस.के. पटेल	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकॉम इंजीनियरिंग
138.	श्री निपुण कुमार मिश्रा	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कम्यूनिकेशन
139.	डॉ. सोमा दास	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	मैटेरियल्स, थिन फिल्म मल्टीफेरोइक्स, एक्सपेरिमेंटल फिजिक्स
140.	श्री राहुल सिंह रजावंत	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
141.	सुश्री सुगंधा यादव	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
142.	डॉ. मनीष श्रीवास्तव	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	आचार्य	ब्रिटिश फिक्शन

143.	डॉ. अनुराग चौहान	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक	कैनेडियन फिक्शन, ब्रिटिश लिट्रेचर
144.	डॉ. शबाना यास्मिन खान	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक	
145.	डॉ. प्रसेनजीत पण्डा	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक	लिटररी थियरीज
146.	डॉ. अर्चना कुमारी	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक	लिंग्विस्टिक्स
147.	डॉ. आशुतोष सिंह	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक	
148.	श्री देवाशीष मित्रा	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
149.	श्री मलय कुमार महाकाल	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
150.	डॉ. मोमिता सिन्हा	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
151.	श्रीमती सुषमा उपा.याय	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
152.	श्री शिवम चौरसिया	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
153.	डॉ. प्रीतिका चटर्जी	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
154.	सुश्री मंजू साहू	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
155.	डॉ. आई. अर्जून राव	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
156.	डॉ. सुधीर यादव	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
157.	प्रो. श्याम सुंदर सिंह	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	आचार्य	फॉरेस्ट ट्रीज इम्प्रूवमेंट एण्ड ट्री म्यूटोजेनेसिस
158.	डॉ. रश्मि अग्रवाल	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सह आचार्य	फॉरेस्ट पैथोलॉजी एण्ड रीस्टोरेशन इकोलॉजी
159.	डॉ. एस.एस .ुरिया	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सह आचार्य	ट्री इम्प्रूवमेंट एण्ड बायोसिस्टमेटिक्स
160.	डॉ. एस.सी. तिवारी	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सह आचार्य	स्वायल साइंस एण्ड इथनोफॉरेस्ट्री
161.	डा. के.के. चंद्रा	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सह आचार्य	फारेस्ट्री एक्सटेंशन एण्ड एग्रोफॉरेस्ट्री
162.	डॉ. गरिमा तिवारी	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फॉरेस्ट मैनेजमेंट
163.	सुश्री गुंजन पाटिल	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	इनवायरमेंटल साइंस
164.	डॉ. भावना दीक्षित	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फॉरेस्ट पैथोलॉजी
165.	डॉ. अरविंद प्रजापति	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
166.	डॉ. अजय कुमार सिंह	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
167.	डॉ. अशोक विजय मिंज	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
168.	श्री आलोक कुमार चन्द्राकर	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
169.	डॉ उलमान यश्मिता नीतिन	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
170.	श्री मुरली मनोहर सिंह	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक	
171.	डॉ. रमेश कुमार गोहे	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक	
172.	डॉ. राजेश मिश्र	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	

173.	ड्रॉ. शोभा बिसेन	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
174.	श्री रविश कुमार सिंह	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
175.	डॉ. आदित्य विक्रम सिंह	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
176.	श्री कालू लाल कुल्मी	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
177.	कादम्बिनी मिश्रा	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
178.	डॉ. कृष्ण कुमार पासवान	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
179.	प्रो. प्रदीप शुक्ला	इतिहास	आचार्य	म.यकालीन भारत का इतिहास
180.	डॉ. सीमा पांडेय	इतिहास	सहायक प्राध्यापक	आ.ुनिक भारत का सामाजिक इतिहास एवं सामाजिक इतिहास
181.	डॉ. घनश्याम दुबे	इतिहास	सहायक प्राध्यापक	मार्डन इंडियन हिस्ट्री एण्ड डेवलपमेंट स्टडीज
182.	डा. महेश कुमार शुक्ला	इतिहास	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	म.यकालीन भारत का इतिहास
183.	श्री अतुल कुमार मिश्रा	इतिहास	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
184.	डॉ. विपिन तिर्की	इतिहास	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
185.	डॉ. मुकेश कुमार सिंह	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	आचार्य	सीएडी/सीएएम/रोबोटिक्स
186.	श्री सी पी देवांगन	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सह आचार्य	इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग एण्ड मैंनेजमेंट
187.	श्रीमती अर्पिता रायचौ.री	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग
188.	श्री अतुल साहु	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग
189.	गणेश प्रसाद शुक्ला	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट
190.	सुश्री दिशा देवांगन	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
191.	श्री लीलाधर राजपूत	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
192.	श्री नितिन कुमार साहू	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
193.	श्री अशोक कुमार	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
194.	श्री भुपेन्द्र चौधरी	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
195.	डॉ. अमित खासकलम	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	एम्बेडेड सिस्टम एण्ड मटेरियल साइंस, डाटा माइनिंग
196.	श्री राजेश माहुले	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	डाटा माइनिंग
197.	श्री संतोष सोनी	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	डब्ल्यू एस एन
198.	श्री अभिषेक जैन	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	जीआईएस
199.	श्री अग्निवेश पाण्डे	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी
200.	श्री पंकज चंद्रा	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	वायरलेस सेंसर नेटवर्क
201.	श्री सुहेल अहमद	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी
202.	श्री दीपककांत नेताम	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	क्रिप्टोग्राफी
203.	श्री आनंद प्रकाश रावल	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी
204.	सुश्री आकांक्षा गुप्ता	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	मोबाइल एड–हॉक नेटवर्क

205.	डॉ. गोपा बागची	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सह आचार्य	–
206.	श्रीमती अमिता	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सहायक प्रा.यापक	
207.	डॉ. गुरुसरन लाल	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, कम्युनिकेशन थ्योरी
208.	डॉ. उमा के. साहू	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
209.	श्री योगेश वैष्णव	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
210.	श्री तेलाराम मेहर	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
211.	श्री कुमार प्रियतम	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
212.	श्री प्रवेश दलेई	विधि	सहायक प्राध्यापक	बिजनेस लॉ
213.	श्री मुकेश के. घोष	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
214.	डॉ. अजय सिंह	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
215.	सुश्री विधि सामलकर	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
216.	श्रीमती एम.वी. राजकुमारी	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
217.	दिशा अत्री	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
218.	सुश्री सोनल दास	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
219.	श्री मुकेश कुमार	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
220.	श्री सुधीर सिंह गौर	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
221.	श्री ब्रजेश कुमार सिंह	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
222.	डॉ. राजीव कुमार भारती	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
223.	डॉ. विनोद कुमार	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
224.	श्री महेन्द्र कुमार	विधि	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
225.	डॉ. ब्रजेश तिवारी	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान	सह आचार्य	रिसर्च मेथड्स, नॉलेज आर्गनाइजेशन
226.	श्री जितेन्द्र कुमार गौतम	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	इम्फार्मेशन रिट्राइवल एण्ड इनफार्मेशन प्रोसेसिंग
227.	सुश्री स्वाती तिवारी	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
228.	श्री घनश्याम साहू	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
229.	प्रो. हरीश कुमार	प्रबंध अध्ययन	आचार्य	ह्यूमन रिर्सोस मैनेजमेंट, आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर
230.	प्रो. एल.पी. पटैरिया	प्रबंध अध्ययन	आचार्य	क्वान्टिटेटिव टेक्नीक्स एण्ड आपरेशन रिसर्च, मार्केटिंग ओ. आर. क्यूटी मैनेजमेंट, बिजनेस लॉ
231.	डॉ. बी.डी. मिश्रा	प्रबंध अध्ययन	सह आचार्य	फाइनेंसियल मैनेजमेंट, बिजनेस पॉलिसी, स्ट्रेजिक्स मैनेजमेंट
232.	डॉ. बाबी बी. पाण्डेय	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्रा.यापक	बिजनेस इकोनॉमिक्स, मार्केटिंग मैनेजमेंट

233.	कु. हर्षा साहू	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
234.	श्री तेजू कुजूर	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
235.	श्री गायत्री बेहरा	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
236.	सुश्री पूजा केरकेट्टा	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
237.	डॉ. राजेश कुमार भूषण	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	
238.	श्रीमती जसिन्ता पूनम एक्का	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	एनर्जी इंजीनियरिंग
239.	प्रशांत जांगड़े	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	थर्मल इंजीनियरिंग
240.	सुश्री श्वेता सिंह	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	मैनुफैक्चरिंग
241.	सुश्री रश्मि कांत	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
242.	श्री सरफराज अहमद	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
243.	श्री राजीव कुमार पॉल	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
244.	श्री नीरज तिवारी	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
245.	श्री अमित कुमार थवाईत	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
246.	श्री दीपक कुमार साहू	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
247.	श्री कैलाश कुमार बोरकर	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
248.	प्रो. विशन सिंह राठौड़	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	आचार्य	स्पोर्ट्स मेडिसीन, बॉलीबाल
249.	डॉ. संजीत सरदार	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सह–प्राध्यापक	मेजरमेंट एण्ड इवैल्यूएशन, फुटबाल
250.	डॉ. रत्नेश सिंह	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सह–प्राध्यापक	
251.	डॉ. भोजराम रावटे	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, कबड्डी
252.	सुश्री शालिनी मेनन	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	एक्सरसाइज सायकोलॉजी एण्ड बैडमिंटन
253.	डॉ. महेश सिंह धपोला	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	रिसर्च मेथडोलॉजी, क्रिकेट
254.	डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी, बॉस्केटबॉल
255.	श्री ओमप्रकाश गंगे	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
256.	श्री तिलकराज मीना	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
257.	डॉ भारती रजक	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	एक्सरसाइज फिजियोलॉजी कबड्डी
258.	श्री कुंवर सिंह	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
259.	श्री अजय कुमार पाण्डेय	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
260.	डॉ. अनुपमा सक्सेना	राजनीति विज्ञान	आचार्य	पॉलिसी स्टडीज, जेंडर स्टडीज्
261.	डॉ. ए.एन. पण्डा	राजनीति विज्ञान	सह आचार्य	इंडियन–गवर्नमेंट एण्ड पॉलिटिक्स, पॉलिटिकल सोशियोलॉजी

262.	डॉ. सांत्वना पांडे	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	इंडियन गवर्नमेंट एण्ड पॉलिटिक्स, रिजनल पॉलिटिक्स
263.	श्री अमित कुमार गुप्ता	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
264.	श्री रामबाबू	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
265.	डॉ. सुधीर सिंह गौर	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
266.	प्रो. ए.एस रणदिवे	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	आचार्य	मैथमेटिक्स ऑफ फजी सेट
267.	डॉ. पी.पी. मूर्ति	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सह आचार्य	नान–लिनियर फंक्शनल एनालिसिस (फिक्सड् प्वांइट थ्योरी)
268.	डॉ. संदीप सिंह	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	
269.	डॉ. बी.बी. चतुर्वेदी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	डिफरेंशियल ज्योमेट्री ऑफ मेनीफोल्डस
270.	श्री चन्द्र प्रकाश ़ुरी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	
271.	डॉ. एम.के. गुप्ता	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	फिन्सलर जियोमेट्री
272.	डॉ. के.एन.वी.वी वी प्रसाद	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	नान–लिनियर फक्शनल एनालसिस (फिक्स्ड प्वाइंट थियरी)
273.	डॉ. दमयंती पटेल	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	फिन्सलर जियोमेट्री
274.	श्री चिरंजीव कुमार	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	अलजेबरा
275.	डॉ. उमादेवी पटेल	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
276.	श्री अनिल कुमार गुप्ता	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
277.	प्रो. पी.के. बाजपेयी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	आचार्य	एक्सपेरिमेंटल कंडेस्ड मैटर फिजिक्स, मैटेरियल साइंस एण्ड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी
278.	डॉ. एच.एस. तिवारी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सह–आचार्य	मेटेरियल साइंस, नैनो साइंस एण्ड टेक्नॉलॉजी
279.	डॉ. माधवेन्द्र नाथ त्रिपाठी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सह–आचार्य	कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स/कम्प्यूटेशनल मैटेरियल साइंस
280.	डॉ. पारिजात ठाकुर	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सह–आचार्य	
281.	डॉ. राकेश पाण्डे	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	
282.	डॉ. महावीर प्रसाद शर्मा	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	
283.	डॉ. ए. के. गुप्ता	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेंरिमेंट कंडेस्ट मैटर फिजिक्स एण्ड लो टेम्परेचर फिजिक्स
284.	डॉ. आर.पी. प्रजापति	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	स्टैबिलिटी, एनालिसिस इन डस्टी प्लाज्मा, क्वांटम प्लाज्मा, स्ट्रांगली कपल्ड एण्ड फ्यूजन थ्योरी
285.	डॉ. गोवर्धन रेड्डी तुरपु	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरिमेंटल कंडेस्ट मैटर फिजिक्स एण्ड लो टेक्परेचर फिजिक्स
286.	श्री पचनीला राम बाबू	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	नैनोस्ट्रक्चर्स
287.	डॉ. प्रदीप दास	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरीमेण्टल कान्डेन्सेड मैटर फिजिक्स

288.	डॉ. तारकेश्वर त्रिवेदी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरिमेंटल न्यूक्लियर फीजिक्स इन बीम गामा रे–स्पेक्ट्रोस्कोपी, न्यूक्लियर रिएक्शन, न्यूक्लियर इन्स्ट्रूमेंटेशन
289.	डॉ. शिवपूजन पटेल	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरिमेण्टल मैटेरियल फीजिक्स
290.	सुश्री शैल बाला मौर्य	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
291.	श्री सत्यप्रकाश त्रिवेदी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
292.	श्री अरुण कुमार सिंह	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
293.	अल्का सिंह	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
294.	श्री दिनेश उथरा	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
295.	श्री एम.जेड खान	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
296.	डॉ. राजेन्द्र मेहता	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सह आचार्य	माइक्रोबॉयल बायोटेक्नालॉजी एण्ड मेडिसिनल प्लांट
297.	डॉ. पुष्पराज सिंह	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सह आचार्य	एग्रीकल्चर एक्सटेंशन
298.	डॉ. एस. के निराला	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	अप्लायड टॉक्सिकोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी
299.	डॉ. देवेंद्र कुमार पटेल	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	प्लांट इकोलॉजी
300.	डॉ. भास्कर चौरसिया	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	प्लांट पैथोलॉजी, माइकोरिजल बायोटेक्नालॉजी, प्लांट माइक्रोव इंटरैक्शन
301.	डॉ. अल्का मिश्रा	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	
302.	श्री दिलीप कुमार	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	
303.	श्री कोमल सिंह सुमन	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
304.	डॉ. संजीव कुमार भगत	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
305.	श्री प्रसून सोनी	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
306.	डॉ. विनोद डी रंगारी	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	आचार्य	फार्माकोग्नॉजी
307.	डॉ. अल्पना राम	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सह आचार्य	फार्मास्युटिक्स
308.	डॉ सन्मति के. जैन	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सह आचार्य	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
309.	डॉ. भारती अहिरवार	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सह आचार्य	फार्माकोगोनॉजी
310.	डॉ. के.पी. नामदेव	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सह आचार्य	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
311.	डॉ. एस.एच बोड़खे	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सह आचार्य	फार्माकोलॉजी
312.	डॉ. दिलीप पॉल	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सह आचार्य	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
313.	डॉ. नीलि रोज बेक	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोगोनॉजी
314.	डॉ. एस.के. लांझियाना	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
315.	डॉ. प्रदीप सामल	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोलॉजी
316.	डॉ. के.पी. मीना	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
317.	डा. मनोज कुमार	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
318.	डॉ. हरीश रजक	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
319.	डॉ. रविशंकर पांडे	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मा बायोटेक
320.	सुश्री मीनाक्षी जायसवाल	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
321.	डॉ. एस. जैन	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
322.	डॉ. जगदीश सिंह	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
323.	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
324.	डॉ. अर्जुन पात्रा	एसएलटी भेषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोगोनॉजी

325.	डॉ. वी. मंडल	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोगोनॉजी
326.	डॉ. पार्थ प्रतीम राय	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
327.	डॉ. के केशवन	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
328.	डॉ. एस. भारती	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
329.	डॉ. सुरेश थरेजा	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
330.	डॉ. एन. एस जैन	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोलॉजी
331.	डॉ. ए. जैन	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
332.	श्री राजेश चौधरी	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
333.	सुश्री पूजा तिवारी	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
334.	श्री अरविन्द्र कुमार	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
335.	सुश्री उज्जवला मिंज	एसएलटी भैषजिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
336.	प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा	समाजकार्य	आचार्य	लेबर वेलफेयर एण्ड ह्यूमैन रिलेशन्स, वूमैन एम्पावरमेंट/जेण्डर स्टडीज एजूकेशन, रिसर्च मेथड्स, वर्किंग विथ एल्डरली, कम्युनिटी डेवलपमेंट, रूरल डेवलपमेंट, सोशल वर्क प्रैक्टिस स्किल डेवलपमेंट, हेल्थ सेक्टर
337.	श्री विक्रम सिंह	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक	सोशल डेवलपमेंट, सोशल एक्सक्लूजन एण्ड गवर्नेन्स
338.	डॉ. अर्चना यादव	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक	कम्युनिटी डेवलपमेंट, डिजास्टर मैनेजमेंट, एनजीओ मैनेजमेंट एण्ड सस्टनेबल रूरल डेवलपमेंट
339.	डॉ. संज्ञा त्रिपाठी	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक	फैमिली एण्ड चाइल्ड वेलफेयर
340.	श्री पार्थ सारथी देवरी	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
341.	श्री प्रभात कुमार गुप्ता	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	
342.	डॉ. रोहित सेठ	प्राणीशास्त्र विभाग	सह आचार्य	
343.	डॉ. सीमा राय	प्राणी विज्ञान	सह–आचार्य	पिनियल –मेलाटोनिनफिजियोलॉजी, न्यूरो इण्डोक्रोनोलॉजी एण्ड इम्यूनोलॉजी
344.	डॉ. मोनिका भदौरिया	प्राणी विज्ञान	सह–आचार्य	टॉक्सीकोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी
345.	डॉ.सुशांत कुमार वर्मा	प्राणी विज्ञान	सहायक प्रा.यापक	फि बायोलॉजी एण्ड बायोडायर्सिटी
346.	डॉ. संतोष सिंह	प्राणी विज्ञान	सहायक प्रा.यापक	बॉयोकेमेस्ट्री माल्यूकुलर बॉयोलाजी एण्ड फि बायोलॉजी
347.	डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी	प्राणी विज्ञान	सहायक प्रा.यापक	इम्यूनो–इण्डोक्रोनोलॉजी एण्ड फि बायोलॉजी
348.	डॉ. नरेश अग्रवाल	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	–
349.	डॉ. विनीत प्रकाश सिंह	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	–
350.	श्री मुकेश सिंह मेवाड	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	–
351.	श्री अनुप कुमार श्रीवास्तव	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक अस्थायी	–
352.	श्री प्रेमनाथ कमलेश	ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट प्रकोष्ठ	ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट आफिसर (सहायक प्राध्यापक पद के विरूद्ध)	–
353.	श्री आर.के. गुप्ता	एक्सलेरेटर सेंटर	रेडियेशन आफिसर (सह आचार्य पद के विरूद्ध)	–

परिशिष्ट –IV

शिक्षकों का अकादमिक योगदान

अ.प्रकाशन

क्र.	संस्थान/अध्ययनशाला/ विभाग का नाम	शोध पत्र		लेख		पुस्तक अ.याय	पुस्तक	मोनो ग्राफ	पुस्तिकायें/ अन्य
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय				
1.	कला अध्ययनशाला								
1.1	आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग								
	डॉ. प्रसेनजीत पण्डा	-	-	02	-	-	-	-	-
	डॉ. अर्चना कुमारी	-	-	01	-	-	-	-	-
	डॉ. आशुतोष सिंह	-	-	01	-	01	-	-	-
1.2	हिंदी विभाग								
1.	डॉ. राजेश मिश्रा	01	-	-	-	-	-	-	-
2.	डॉ. कालूलाल कुलमी	-	-	-	02	-	-	-	-
3.	श्रीमती कादम्बिनी मिश्रा	-	01	-	-	-	-	-	-
4.	उमेश कुमार चरपे	-	01	-	-	-	-	-	-
1.3	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग								
	डॉ. गोपा बागची	-	-	-	03	01	-	-	-
	डॉ. अमिता	-	05	-	-	-	-	-	-
	डॉ. गुरूसरण लाल	-	01	-	-	03	-	-	-
	डॉ. उमा के. शाह	-	01	-	01	-	-	-	-
	श्री योगेश वैष्णव	-	01	-	-	-	-	-	-
1.4	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग								
	डॉ. ब्रजेश तिवारी	-	03	01	04	-	-	-	-
1.5	शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग								
	डॉ. वी.एस.राठौर	05	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. संजीत सरदार	06	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. रत्नेश सिंह	06	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. बी.आर.रावटे	01	02	-	-	-	-	-	-
	सुश्री शालिनी मेनन	02	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. एम.एस.धपोला	08	-	-	-	-	01	-	-
	डॉ. एम.के.सिंह	05	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. तिलक राज मीना	02	-	-	-	-	-	-	-
	श्री ओम प्रकाश गंगे	01	02	-	-	-	-	-	-
	श्री कुवर सिंह	06	-	-	-	-	-	-	-
	श्री अजय कुमार पाण्डेय	06	01	-	-	-	-	-	-
	सुश्री भारती रजक	-	01	-	-	-	-	-	-
2.	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला								
2.1	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग								
	प्रो. एस. एन. साहा	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्री अमित जैन	04	-	-	-	-	-	-	-
	श्री विष्णु प्रसाद यादव	01	-	-	-	-	-	-	-
2.2	सिविल अभियांत्रिकी विभाग								
	डॉ. शैलेन्द्र कुमार	02	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. एम.सी.राव	02	-	-	-	-	-	-	-
	श्री आर.के.चौबे	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्री निखिल कुमार वर्मा	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्री आशीष कुमार पाराशर	03	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. वी.वी.एस.सूर्यकुमार दादी	-	01	-	-	-	-	-	-
	श्री रोचक पाण्डेय	02	-	-	-	-	-	-	-
	श्री अंकित जैन	02	-	-	-	-	-	-	-

2.3	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग								
	डॉ. निशांत बेहार	01	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. मनीष श्रीवास्तव	14	-	-	-	02	-	-	-
	देवेन्द्र के. सिंह	03	01	-	-	-	-	-	-
	वैभवकांत सिंह	04	-	-	-	-	-	-	-
	निशी यादव	03	-	-	-	-	-	-	-
	राकेश पाण्डेय	03	-	-	-	-	-	-	-
	अमित कुमार बघेल	-	-	-	-	-	-	-	-
	सतीश कुमार नेगी	02	-	-	-	-	-	-	-
	पुष्पेन्द्र कुमार चन्द्रा	02	-	-	-	-	-	-	-
	मंजीत जायसवाल	04	-	-	-	-	-	-	-
2.4	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग								
	श्री निपुन कुमार मिश्रा	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. सोमा दास	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्री श्रवण कुमार पटेल	02	-	-	-	-	-	-	-
	श्री सुमित गुप्ता	03	-	-	-	-	-	-	-
2.5	औद्योगिकी एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग								
	श्री अब्दुल कुमार साहू	02	-	-	-	-	-	-	-
	श्री नितिन कुमार साहू	02	-	-	-	-	-	-	-
	श्री गणेश कुमार शुक्ला	02	-	-	-	-	-	-	-
2.6	सूचना प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग								
	श्री संतोष सोनी	05	-	-	-	02	-	-	-
	श्री अग्निवेश पाण्डेय	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्री पंकज चन्द्रा	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्री दीपक कांत नेताम	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्रीमती आकांक्षा गुप्ता	02	-	-	-	-	-	-	-
2.7	यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग								
	डॉ. राजेश कुमार भूषण	03	-	-	-	-	-	-	-
	प्रशांत कुमार जांगड़े	03	-	-	-	-	-	-	-
3.	विधि अध्ययनशाला								
3.1	विधि विभाग								
	डॉ. विनोद कुमार	-	-	05	-	-	-	-	-
	श्री बृजेश सिंह	-	-	05	-	-	-	-	-
	श्री महेन्द्र कुमार	-	-	03	-	-	-	-	-
4.	जीव विज्ञान अध्ययनशाला								
4.1	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग								
	डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही	-	02	-	-	02	-	-	-
	डॉ. सुबल दास	02	01	-	-	03	-	-	-
	डॉ. सुचिता त्रिपाठी	01	02	-	-	01	-	-	-
	श्री शुभेन्दु पात्रा	-	-	-	-	-	-	-	-
4.2	जैव प्रौद्योगिकी विभाग								
	प्रो. बी.एन.तिवारी	03	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. रेणु भट्ट	04	-	-	-	-	-	-	01
	डॉ. हरित झा	02	-	-	-	-	-	-	-
	अल्का एक्का	-	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. नवीन विश्वकर्मा	-	-	-	-	-	-	-	01
	डॉ. धनंजय शुक्ला	-	-	-	-	-	-	-	01
4.3	वनस्पति शास्त्र विभाग								
	डॉ. अश्वनी कुमार दीक्षित	03	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. एस.के.शाही	06	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. एस.के.पाण्डेय	-	-	-	-	02	-	-	-
	श्री अमर अभिषेक	01	-	-	-	-	-	-	-

4.4	न्यायालयिक विज्ञान विभाग								
	डॉ. मोमिता सिन्हा	07	-	05	-	01	-	-	-
	डॉ. आई.अर्जुन राव	05	-	04	-	01	-	-	-
	डॉ. सुधीर यादव	01	-	08	-	-	-	-	-
	डॉ. प्रीतिका चटर्जी	-	-	-	-	-	-	-	-
	श्रीमती मंजू साहू	02	-	03	-	-	-	-	-
	श्रीमती सुषमा उपा.याय	04	-	07	-	-	-	-	-
	श्री शिवम चौरसिया	02	-	-	-	-	-	-	-
4.5	प्राणी शास्त्र विभाग								
	डॉ. रोहित सेठ	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. सीमा राय	06	05	-	-	-	-	-	-
5	प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला								
5.1	वाणिज्य विभाग								
	डॉ. अमित मंगलानी	-	03	-	-	-	01	-	-
	डॉ. बुद्धेश्वर प्रसाद सिंगरौल	10	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. अनामिका तिवारी	-	02	-	-	-	-	-	-
	श्री कुमार आदित्य	01	-	-	-	-	-	-	-
5.2	प्रबंध अध्ययन विभाग								
	प्रो. हरीश कुमार	-	-	01	03	-	-	-	-
	डॉ. बी.डी.मिश्रा	02	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. बी.बी. पाण्डेय	04	01	-	-	-	-	-	-
	तेजु कुजुर	01	-	-	-	-	-	-	-
	हर्षा साहू	02	01	-	-	-	-	-	-
	श्री जी.आर.बेहार	01	-	-	-	-	-	-	-
6	गणितीय अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला								
6.1	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग								
	प्रो. अमित कुमार सक्सेना	03	-	-	-	-	-	-	-
	पुष्पलता पुजारी	02	-	-	-	01	-	-	-
	डॉ. बबीता माझी	07	05	-	-	02	01	-	-
	डॉ. सुषमा जायसवाल	-	02	-	-	-	-	-	-
	श्री अमितेश झा	-	01	-	-	-	-	-	-
6.2	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग								
	प्रो. ए.एस.रणदिवे	02	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. पी.पी.मूर्ति	09	-	-	-	-	-	-	-
.	डॉ. एम.के.गुप्ता	05	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ.बी.बी.चतुर्वेदी	05	-	-	-	-	-	-	-
7	प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला								
7.1	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग								
	प्रो. एस.एस.सिंह	02	02	-	-	-	-	-	-
	डॉ. एस.सी.तिवारी	-	-	-	-	01	-	-	-
	डॉ. एस.एस.धुरिया	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. के.के.चन्द्रा	04	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. गरिमा तिवारी	01	01	-	-	02	-	-	-
	डॉ. गुंजन पाटिल	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. अजय कुमार सिंह	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्री आलोक चन्द्राकर	03	-	-	-	-	-	-	-
7.2	भैषजिक विज्ञान विभाग								
	प्रो. वी.डी.रंगारी	01	-	-	-	03	-	-	-
	डॉ. अल्पना राम	-	01	-	-	-	-	-	-

	डॉ. संमति के. जैन	-	02	-	-	-	-	-	-
	डॉ. भारती अहिरवार	03	-	01	-	-	-	-	-
	डॉ. के.पी.नामदेव	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. एस.एच.बोड़खे	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. दिलीप कुमार पाल	01	03	01	03	-	-	-	-
	डॉ. नीली रोज बेक	02	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. के.पी.मीना	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. हरीश रजक	04	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. रविशंकर पाण्डे	05	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. सुनील कुमार जैन	02	-	-	-	01	-	-	-
	डॉ. जगदीश सिंह	03	02	-	-	-	-	-	-
	डॉ. अर्जुन पात्रा	02	--	-	-	-	-	-	-
	डॉ. पी.पी.राय	03	02	-	-	-	-	-	-
	डॉ. के.केसवन	05	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. निशांत के.जैन	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	03	-	-	01	-	-	-	-
	डॉ. अखिलेश के.जैन	02	-	-	01	01	-	-	-
	डॉ. सुरेश थरेजा	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. बी.मण्डल	01	-	-	-	-	-	-	-
7.3	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग								
	डॉ. आर. मेहता	02	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ.डी. के. पटेल	07	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. अल्का मिश्रा	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ.दिलीप कुमार	02	-	-	-	-	-	-	-
	श्री कोमल सिंह सुमन	-	01	-	-	-	-	-	-
8	भौतिकीय विज्ञान अध्ययनशाला								
8.1	रसायन शास्त्र विभाग								
	प्रो. जी.के.पात्रा	08	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. चारू अरोरा	02	-	-	-	04	-	-	-
	डॉ. सुनील कुमार सिंह	03	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. सुभाष बेनर्जी	07	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. विजय के.राय	08	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. संतोष सिंह ठाकुर	02	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. आरती श्रीवास्तव	03	-	-	-	-	-	-	-
8.2	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग								
	डॉ. पी.के.बाजपेयी	13	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. एच.एस.तिवारी	08	02	-	-	-	-	-	-
	डॉ. माधवेन्द्र नाथ त्रिपाठी	01	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. पारिजात ठाकुर	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. गोवर्धन रेड्डी	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. आर.पी.प्रजापति	05	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. प्रदीप दास	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. तारकेश्वर त्रिवेदी	04	07	-	-	-	-	-	-
	डॉ. शिवपूजन पटेल	04	-	-	-	-	-	-	-
9	सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला								
9.1	अर्थशास्त्र विभाग								
	प्रो. मनीषा दुबे	02	02	-	-	-	-	-	-
	डॉ. नमिता शर्मा	-	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. एस.किस्पोट्टा	02	-	-	-	-	-	-	-

	श्री दिलीप कुमार झा	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्री टी.आर.रात्रे	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. आर.के.शर्मा	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. राजभानू पटेल	-	02	-	-	-	-	-	-
9.2	शिक्षा विभाग								
	डॉ. सी.एस.वझलवार	01	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. सुजीत मिश्रा	03	01	-	-	01	-	-	-
	डॉ. एस.के.पाढ़ी	-	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. विंदेश्वरी पवार	-	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. एस.के.सेन	-	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. सोनिया स्थापक	-	01	-		01	-	-	-
	डॉ. एस.एस.कावरे	01	-	02	-	-	-	-	-
	डॉ. पी.बेनर्जी	03	-	-	-	01	-	-	-
	डॉ. एम.चन्द्राकर	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्री अजय समीर कुजूर	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्री बसंत कुमार	-	01	-	-	-	-	-	-
	सुश्री श्रद्धा सिंह	-	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. ज्योति वर्मा	03	-	-	-	01	-	-	-
	डॉ. जय प्रकाश सिंह	01	-	-	-	-	-	-	-
	श्रीमती मनीषा विजयवर्गीय	03	-	-	-	-	-	-	-
	मीना कुमारी	01	-	-	-	-	-	-	-
9.3	इतिहास विभाग								
	डॉ. सीमा पाण्डेय	-	01	-	-	-	-	-	-
	डॉ. घनश्याम दूबे	-	01	-	-	01	-	-	-
	डॉ. महेश शुक्ला	-	-	-	01	-	-	-	-
	श्री अतुल मिश्रा	01	-	-	-	-	-	-	-
9.4	राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग								
	डॉ. अनुपमा सक्सेना	-	-	-	-	01	-	-	-
	डॉ. ए.एन.पाण्डा	-	02	-	-	-	-	-	-
	डॉ. सान्तवना पाण्डेय	-	01	-	-	-	-	-	-
	श्री राम बाबू	-	02	01	-	-	-	-	-
9.5	समाज कार्य विभाग								
	श्री विक्रम सिंह	-	-	01	01	01	02	-	-
	डॉ. अर्चना यादव	-	-	-	-	05	01	-	-
	पार्थ सारथी दूबे	01	01	-	-	-	-	-	-

ब. राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशालाओं में शिक्षकों की सहभागिता

क्र.	अध्ययनशाला / शिक्षक / विभाग का नाम	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	राष्ट्रीय संगोष्ठी	कार्यशाला
1	कला अध्ययनशाला			
1.1	आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग			
	डॉ. मनीष श्रीवास्तव	01	02	-
	डॉ. अनुराग चौहान	-	01	-
	डॉ. प्रसेनजीत पण्डा	03	01	-
	डॉ. अर्चना कुमारी	02	01	-
	डॉ. शबाना यास्मीन खान	-	01	-
	डॉ. आशुतोष सिंह	02	02	-
	श्री देवाशीष मिश्रा	01	01	-

	श्री मलय कुमार महाकाल	01	01	-
1.2	हिंदी विभाग			
	श्री मुरली मनोहर सिंह	-	03	-
	डॉ. रमेश कुमार गोहे	03	01	-
	डॉ. राजेश मिश्रा	01	01	-
	डॉ. शोभा बिसेन	-	01	-
	श्रीमती कादम्बिनी मिश्रा	02	03	-
1.3	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग			
	डॉ. गोपा बागची	01	08	-
	डॉ. गुरुसरण लाल	01	07	-
	श्री तेलाराम मेहरे	03	08	-
	डॉ. शिव कृपा मिश्रा	01	-	-
	रूखसार परवीन	-	01	-
	श्री सुधीर कुमार	01	06	-
1.4	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग			
	श्री जितेन्द्र कुमार गौतम	-	01	-
1.5	शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग			
	डॉ. वी.एस.राठौर	01	05	-
	डॉ. संजीत सरदार	02	-	-
	डॉ. रत्नेश सिंह	-	04	-
	डॉ. बी.आर.रावटे	01	-	-
	सुश्री शालिनी मेनन	01	-	-
	डॉ. एम.एस.धपोला		02	-
	डॉ. एम.के.सिंह	01	08	-
	डॉ. जसवंत सिंह ठाकुर	-	01	-
	डॉ. तिलकराज मीणा	-	01	-
	श्री मुकेश कुमार मिश्रा	-	02	-
	श्री कुंवर सिंह	-	04	-
2.	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला			
2.1	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग			
	प्रो. एस. एन. साहा	01	-	-
	श्री अमित जैन	01	-	01
	श्री सौरभ मेश्राम	01	01	-
	श्री विष्णु प्रसाद यादव	01	-	-
	श्री गौतम प्रसाद देवांगन	-	-	01
2.2	सिविल अभियांत्रिकी विभाग			
	श्री आर.के.चौबे	-	-	02
	श्री निकिल कुमार वर्मा	-	-	02
	श्री आशीष कुमार परासर	-	-	03
	डॉ. वी.वी.एस.सूर्यकुमार दादी	-	-	03
2.3	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग			
	डॉ. निशांत बेहार	01	01	-
	डॉ. मनीष श्रीवास्तव	01	01	-
	देवेन्द्र के. सिंह	03	-	-
	वैभव कांत सिंह	02	-	-
	निशी यादव	03	-	-
	राकेश पाण्डेय	-	-	-
	अमित कुमार बघेल	01	-	-
	सतीश कुमार नेगी	02	-	-
	पुष्पेन्द्र कुमार चन्द्रा	02	-	-
2.4	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग			
	श्रीमती अनिता खन्ना	02	-	-
	श्रीमती प्रगति प्रधान	01	-	-

	श्री निपुन कुमार मिश्रा	01	-	-
2.5	औद्योगिकी एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग			
	श्री गणेश प्रसाद शुक्ला	01	-	-
2.6	सूचना प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग			
	श्री संतोष सोनी	05	02	01
	श्री अग्निवेश पाण्डेय	01	01	-
	श्री अभिषेक जैन	-	02	-
	श्री पंकज चन्द्रा	01	-	-
	श्री दीपक कांत नेताम	01	01	-
	श्री आनंद प्रकाश रावल	-	01	-
	श्रीमती आकांक्षा गुप्ता	02	01	-
3.	विधि अध्ययनशाला			
3.1	विधि विभाग			
	डॉ. विनोद कुमार	-	02	-
	डॉ. राजीव भारती	-	02	-
	डॉ. दिशा आरती	02	-	-
	सुश्री विधि साम्भरकर	02	01	-
	सुश्री एम.व्ही. राजकुमारी	-	01	-
	श्री बृजेश सिंह	01	-	-
	श्री एम.के.घोष	-	01	-
4	जीव विज्ञान अध्ययनशाला			
4.1	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग			
	डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही	01	01	-
	डॉ. सुबल दास	-	-	01
	डॉ. सुचिता त्रिपाठी	01	02	-
	श्री शुभेन्दु पात्रा	-	04	01
4.2	जैव प्रौद्योगिकी विभाग			
	डॉ. रेणु भट्ट	02	01	03
	डॉ. डी.के.परिहार	01	-	01
	अल्का एक्का	-	02	-
	डॉ. नवीन विश्वकर्मा	-	-	01
	डॉ. धनंजय शुक्ला	-	-	01
4.3	वनस्पति शास्त्र विभाग			
	डॉ. एस.के.शाही	-	04	02
	डॉ. एस.के.पाण्डेय	-	01	-
	डॉ. सत्य शीला सिंह	01	01	-
	डॉ. ज्योति पाण्डेय	-	01	-
	डॉ. पंकज कुमार साहू	-	01	-
	श्री अमर अभिषेक	-	01	-
4.4	न्यायालयिक विज्ञान विभाग			
	डॉ. मोनिता सिन्हा	02	03	-
	डॉ. आई.अर्जुन राव	02	05	-
	डॉ. सुधीर यादव	04	08	02
	डॉ. प्रीतिका चटर्जी	-	03	02
	श्रीमती मंजू साहू	04	08	-
	श्रीमती सुषमा उपा.याय	05	08	02
	श्री शिवम चौरसिया	01	-	-
4.5	प्राणी शास्त्र विभाग			
	डॉ. रोहित सेठ	-	01	-
	डॉ. सीमा राय	01	01	-
	डॉ. मोनिका भदौरिया	01	01	-
	डॉ. सुशांत के.वर्मा	01	01	-
	डॉ. संतोष सिंह	01	01	-

	डॉ. मनीष के. त्रिपाठी	02	-	-
5	प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला			
5.1	वाणिज्य विभाग			
	डॉ. अमित मंगलानी	03	04	01
	डॉ. बुद्धेश्वर प्रसाद सिंगरौल	02	06	-
	डॉ. अनामिका तिवारी	02	02	-
	श्री कुमार आदित्य	-	-	01
	श्री घोषाल राजू	-	-	01
	श्री चौधरी साकेत कुमार	04	04	-
	सुश्री अल्का पाण्डेय	01	03	-
	डॉ. संजय माझी	-	01	-
	श्री सौरभ कुमार	-	02	-
5.2	प्रबंध अध्ययन विभाग			
	प्रो.डॉ. हरीश कुमार	01	01	01
	प्रो.डॉ. एल.पी.पटेरिया	01	01	-
	डॉ. बी.डी.मिश्रा	03	02	-
	डॉ. बी.बी. पाण्डेय	02	07	-
	तेजु कुजुर	02	05	-
	हर्षा साहू	03	12	-
	श्री जी.आर.बेहार	02	08	-
6	गणितीय अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला			
6.1	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग			
	डॉ. बबीता माझी	01	-	-
	पुष्पलता पुजारी	01	03	-
	डॉ. सुषमा जायसवाल	-	02	-
	श्री अमितेश झा	-	02	-
6.2	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग			
	डॉ. पी.पी.मूर्ति	01	03	-
	डॉ. एम.के.गुप्ता	01	-	-
	डॉ.बी.बी.चतुर्वेदी	01	-	-
	डॉ. के.एन.वी.वी.प्रसाद	-	02	-
	डॉ. डी.एस.सिंह	01	-	01
7	प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला			
7.1	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग			
	प्रो. एस.एस.सिंह	01	-	-
	डॉ. रश्मि अग्रवाल	01	-	-
	डॉ. एस.एस.धुरिया	02	-	-
	डॉ. एस.सी.तिवारी	01	01	-
	डॉ. के.के.चन्द्रा	01	02	01
	डॉ. गरिमा तिवारी	02	01	-
	डॉ. गुंजन पाटिल	01	02	-
	डॉ. भावना दीक्षित	01	02	-
	डॉ. अजय कुमार सिंह	03	01	02
	डॉ. अशोक कुमार मिंज	02	02	-
	डॉ. अरविंद प्रजापति	01	01	01
	श्री आलोक चन्द्राकर	04	02	01
7.2	भेषजिक विज्ञान विभाग			
	प्रो. वी.डी.रंगारी	-	03	-
	डॉ. अल्पना राम	01	04	-
	डॉ. संमति के. जैन	-	03	-
	डॉ. भारती अहिरवार	02	01	-
	डॉ. के.पी.नामदेव	01	01	-
	डॉ. एस.एच.बोड़खे	01	01	-

	डॉ. दिलीप कुमार पॉल	-	04	-
	डॉ. नीली रोज बेक	01	03	-
	डॉ. के.पी.मीना	-	03	-
	डॉ. हरीश रजक	-	01	-
	डॉ. रविशंकर पाण्डे	-	02	-
	डॉ. सुनील कुमार जैन	-	02	-
	डॉ. मनोज कुमार	-	02	-
	डॉ. अर्जुन पात्रा	02	-	-
	डॉ. पी.पी.राय	01	-	-
	डॉ. के.केसवन	01	-	-
	डॉ. प्रदीप कुमार	-	02	-
	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	-	04	-
	डॉ. अखिलेश के.जैन	-	01	-
	डॉ. सुरेश थरेजा	01	-	-
	डॉ. व्ही. मण्डल	01	-	-
	डॉ. एम. जायसवाल	-	02	-
	डॉ. संजय लांझियाना	-	02	-
	डॉ. संजय के.भारती	-	02	-
7.3	ग्रामीण प्रौद्योगिकी सामाजिक विज्ञान विभाग			
	डॉ. पी. आर.सिंह	03	02	-
	डॉ. एस. के. निराला	02	02	-
	डॉ.डी. के. पटेल	01	02	01
	डॉ.भास्कर चौरसिया	01	02	-
	डॉ. अल्का मिश्रा	02	01	01
	डॉ.दिलीप कुमार	03	-	-
	श्री कोमल सिंह सुमन	03	02	-
	प्रसून सोनी	-	01	01
	संजीव कुमार भगत	03	01	-
	राजकुमार	02	01	01
	नरेश कुमार साहु	02	01	01
	पियूष शुक्ला	01	02	01
	दुर्गेश डिक्सेना	02	04	-
	हेमन्त साहू	-	01	-
	नोमेश कुमार तिवारी	02	01	-
	कमल कुमार सेन	01	02	01
8	भौतिक विज्ञान अध्ययनशाला			
8.1	रसायन शास्त्र विभाग			
	प्रो. जी.के.पात्रा	01	04	01
	डॉ. चारू अरोरा	02	03	01
	डॉ. सुनील कुमार सिंह	01	02	01
	डॉ. सुभाष बनर्जी	01	02	01
	डॉ. विजय के.राय	02	01	01
	डॉ. संतोष सिंह ठाकुर	01	02	01
	डॉ. आरती श्रीवास्तव	01	-	01
8.2	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग			
	डॉ. पी.के.बाजपेयी	02	04	-
	डॉ. एच.एस.तिवारी	-	01	-
	डॉ. माधवेंद्र नाथ त्रिपाठी	01	01	02
	डॉ. आर.के.पाण्डे	01	-	-
	डॉ. गोवर्धन रेड्डी	-	01	-
	डॉ. आर.पी.प्रजापति	02	01	-
	डॉ. ए.के.गुप्ता	02	01	-
	डॉ. तारकेश्वर त्रिवेदी	01	-	02

	डॉ. शिवपूजन पटेल	01	01	-
	डॉ. एम.पी.शर्मा	-	01	-
9	सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला			
9.1	अर्थशास्त्र विभाग			
	प्रो. मनीषा दुबे	01	01	01
	डॉ. नमिता शर्मा	01	01	-
	डॉ. एस.किस्पोट्टा	01	01	-
	श्री दिलीप कुमार झा	01	-	-
	श्री टी.आर.रात्रे	01	01	-
	डॉ. आर.के.शर्मा	02	03	01
	डॉ. राजभानू पटेल	01	02	-
9.2	शिक्षा विभाग			
	डॉ. सी.एस.वझलवार	01	01	-
	डॉ. सुजीत मिश्रा	02	03	03
	डॉ. एस.के.पाढ़ी	01	03	02
	डॉ. वी.पवार	01	03	01
	डॉ. एस.के.सेन	01	01	-
	डॉ. एस.स्थापक	02	02	01
	डॉ. एस.एस.कांवरे	01	01	-
	डॉ. पी.बनर्जी	04	02	-
	डॉ. एम.चन्द्राकर	01	01	-
	श्री अजय समीर कुजूर	-	02	-
	श्री बसंत कुमार	-	01	01
	सुश्री श्रद्धा सिंह	02	03	01
	डॉ. ज्योति वर्मा	02	03	-
	श्री कृष्ण कुमार पाठक	-	02	-
	श्री शिव कुमार	-	01	-
	डॉ. जय प्रकाश सिंह	02	02	-
	श्रीमती मनीषा विजयवर्गीय	02	08	01
9.3	इतिहास विभाग			
	डॉ. सीमा पाण्डेय	02	06	-
	डॉ. घनश्याम दुबे	01	04	-
	डॉ. महेश शुक्ला	02	10	01
	श्री अतुल मिश्रा	02	10	-
	श्री विपिन तिर्की	02	06	-
9.4	राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग			
	डॉ. ए.एन.पाण्डा	-	02	01
	डॉ. सान्तवना पाण्डेय	02	02	02
	श्री राम बाबू	02	01	01
9.5	समाज कार्य विभाग			
	श्री विक्रम सिंह	02	04	-
	डॉ. अर्चना यादव	04	05	-
	डॉ. संज्ञा त्रिपाठी	02	04	-
	पार्थ सारथी दुबे	02	04	-
	प्रभात कुमार मिश्रा	01	04	-

स. शोध परियोजनाएँ

(i) संचालित शोध परियोजनाएँ 01.04.2017 से 31.03.2018 तक

क्र.	योजना का शीर्षक	मुख्य शोधकर्ता	अनुदान संस्था	वित्तीय संस्था	परियोजना का प्रकार	स्वीकृत राशि (लाख में)	स्वीकृति पत्र क्रमांक (तिथि सहित)	परियोजना अवधि	प्राप्त अनुदान राशि (लाख में)
1.	सस्टेनेबल एण्ड कास्ट इफेक्टिव हाउसिंग यूजिंग रिसाइकिल्ड एग्रीगेड बेस्ड कांक्रीट	डॉ. शैलेन्द्र कुमार (को.पी.)आई.सैनसंण्ड एट डिपार्टमेंट ऑफ सिविल इंजी.आई.आई.टी. खड़गपुर		एमएच आरडी (उच्च शिक्षा विभाग)		50.12	आई.आई.टी. / एस.आर.आई.सी. / सीई / ए.एच.यू / 2013.14 / 253 रिवाइस्ड दिनांक 28.04.2018	4 वर्ष	
2.	फोलियर ट्रॉसफार्म ऑफ एयरबोर्न टॉक्सिक –मेनेजमेंट	डॉ. एस.के. पाण्डेय		यू.जी. सी.	एमआरपी	14.70	एफ नं. 43–311 / 2014 (एसआर)	03	निरंक
3.	न्यूरोबायोलॉजी ऑफ ओबेसिटी रेग्युलेशन एण्ड थेराप्यूटिक इंटरवेनशन	डॉ. रोहित सेठ		एसई आरबी	मेजर	70	फाइल नं. इएमआर / 2017 / 003855 दिनांक 10.01.2015	3 वर्ष	निरंक
4.	मोलिक्यूलर इवाल्यूशन ऑफ ग्लूटामेट–नं. सीजीएपी कासकेड्स माडूलेट बाय एनएमडीए एएड एएमपीए रिसेप्टर्सइन ब्रेन ऑफ रेट्स विथ एक्यूट लीवर फेल्यूर	डॉ. संतोष सिंह		एसई आरबी	स्टार्ट–अप	25.20	फाइल नं. वाईएसएस / 2014 / 000073 दिनांक 21.12.2015	3 वर्ष	निरंक
5.	एप्लीकेशन ऑफ आरएस एण्ड जीआईएस फॉर इंटीग्रेटेड मेनेजमेंट ऑफ हसदो रिवर वाटरसेड (ए ट्राइबूटरी ऑफ महानदी रिवर) इन छत्तीसगढ़	प्रो. एस.एस. सिंह		एमओइ एफसी, नई दिल्ली		50.03		3 वर्ष, 1 वर्ष एक्सटेंशन	20 लाख
6.	स्टडी ऑफ स्ट्रक्चर एण्ड फंक्शन ऑफ डिफरेन्ट एग्रोफारेस्ट्री प्रेक्टीस एक्साइटिंगइन छत्तीसगढ़ प्लेन जोन	डॉ. के.के. चन्द्रा	सीसीओए सटी, रायपुर, छत्तीसगढ़		छत्तीसगढ़एफ नं.	4.90	एफ. 20–25(3) / 2012बी एसआर दिनांक 30 मार्च 2013	3 वर्ष	
7.	अनएक्सपेक्टेड मेडिसीनल प्लॉन्ट्स फार काटारेक्ट	डॉ.एस.एच. बोडखे	स्पासंर्ड	आयुष	मेजर	27	Z.28015-107	3 वर्ष	17 लाख
8.	हर्बल एंटी – काटारेक्ट ड्रग्स	डॉ.एस.एच. बोडखे	स्पासंर्ड	सीजीसी ओएस टी	मेजर	1.5	1093 / एमआरपी	3 वर्ष	1.5 लाख
9.	सिन्थेसिस ऑफ एंटी–हाइपरटेन्सिव ड्रग्स	डॉ. के.पी. नामदेव	स्पासंर्ड	यू.जी. सी.	मेजर	13	पीएचएआर–10573	3 वर्ष	10.5 लाख
10	हर्बल हेप्टोप्रोटेक्टिव ड्रग्स	डॉ. भारती अहिरवार	स्पासंर्ड	एसई आरबी	मेजर	05	लाख एसबी / इएमइक्यू 515 / 2014.21.03.16	01 वर्ष	05 लाख

12	कूरमिंग पेस्ट मेनेस इन पेडी	डॉ. व्ही.मण्डल	स्पासंर्ड	एनएचडी एमएस	मेजर	9.85	एनएचडीएमएस / एससी / एसटी / 16 / 016	01 वर्ष	6.5 लाख
13	डेवलपमेंट ऑफ टारगेटेड नेनोवेक्टर सिस्टम (एस) फॉर इन्ट्रासेल्यूलर डेलीवरी ऑफ साइटोटाक्सिक एजेन्ट्स	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	एसई आरबी	डीएसटी	स्टार्ट–अप रिसर्च ग्राण्ट (यंग साइंटिस्ट)	28	एसबी / वायएस / एलएस–333 / 2013, दिनांक 05 अगस्त 2014	3 वर्ष	2.0 लाख
14	डिजाइन एण्ड सिन्थेसिस इफ नोवेल हिटोन्स डिएसेन्टिलाइस एक्टिविटिस	डॉ. हरित रजक	स्पासंर्ड	एसई आरबी	मेजर	25.53	एसइआरबी / एलएस385 / 20 / 13 दिनांक 20 .09 2013	3.5 वर्ष	1 वर्ष
15	अन्डरस्टेडिंग द रोल ऑफ हिप्पोकेमल हिस्टामिनरजिक ट्रांसमिशन इन इथानोज विड्राल इनड्यूस्ड बिहेबिहरल डिप्रेशन एसोसियेटे विथ एल्कोहलिज्म	डॉ. निशांत एस.जैन	स्पासंर्ड	एसई आरबी–इएमआर	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट इएमआर	40,10,135 .00	इएमआर / 2016 / 005051,दिनांक 28.07. 2017	3 वर्ष	26.14.00.00
16	इवाल्यूशन ऑफ इथोमेडिकल प्लान्ट्स ऑफ छत्तीसगढ़ अगेन्स्ट ब्रेस्ट कैंसर	डॉ. भारती अहिरवार	स्पासंर्ड	सीसीओ एसटी	रिसर्च	2.00	इएनडीटी.नं. 1098 / सीसीओएसटी / एमआरपी / 2015,04.09.2015	2 वर्ष	01
17	आइसोलेशन ऑफ सेकण्डरी मेटामोबाइल्स एण्ड इवाल्यूशन ऑफ एन्टीस्टीरियाआइडोगेनिक एक्टिविटीज ऑफ सम पोटेन्टियल इण्डिय मेडिसीनल प्लान्ट्स आब्टेन्टस लोकली फ्राम छत्तीसगढ़ स्टेज	डॉ. दिलीप कुमार पाल	स्पासंर्ड	यू.जी. सी.		13.24 लाख	एफ नं. 42–694 / 2013(एसआर)दिनांक 27 / 05 / 2016	04 वर्ष	
18	टु स्टडी द इमपैक्ट आफ मनरेगा आन लाइवलीहुड सेक्योरिटी एण्ड अरेस्ट डिस्ट्रेस माइग्रेशन इन ड्राउट अफेक्टेड डिस्ट्रीक्टस आफ छत्तीसगढ स्टेट	डॉ. पी. आर. सिंह एवं डा. दिलीप कुमार	मनरेगा राज्य इकाई	3.71	पत्र क्रमांक 80 / 651 / ट.7 / मनरेगा / तकनीक / 2017 ए रायपुर दिनांक 9 / 01 / 2017	नौ माह प्रस्तुतीकरण दिनांक 03 / 11 / 2017	300000.00	1.90	
19	टेक्नीकल क्वालिटी एण्ड द इकोनोमिक असेसमेंट आफ डग वेल एण्ड फार्म पॉण्ड अन्डर मनरेगा एण्ड देयर इमपेक्ट आन इमप्रुविंग द स्टेटस आफ द बेनिफिसिअस हाउसहोल्ड इन छत्तीसगढ स्टेट	डॉ. पी. आर. सिंह एवं डा. दिलीप कुमार	मनरेगा राज्य इकाई	3.76	पत्र क्रमांक 80 / 651 / ट.7 / मनरेगा / तकनीक / 2017 ए रायपुर दिनांक 9 / 01 / 2017	नौ माह प्रस्तुतीकरण दिनांक 03 / 11 / 2017	300000.00		...

20	डेव्लपमेंट आफ राइस हस्क फीड स्टॉक सर्पोटेड नेनोमटेरियल्स फॉर द सिंथेसिस ऑ प्रिविलिजेड मेडिसिनल स्कफोल्स	डॉ. सुभाष बेनर्जी	स्पोन्सर्ड	सीसीओ एसटी /रायपुर	मेजर	4.85 लाख	इएनडीटी/2096. सीसीओएसटीटी/एम आरपी.2017	2 वर्ष	2.85 लाख
21	नेनोस्ट्रक्चरर्ड आर्गेनो फक्शनलाइज्ड मेजो पोरससिलिका मटेरियल्स सिंथेसिस एण्उ केटलेटिक एप्लीकेशन्स	डॉ. संतोष सिंह ठाकुर	स्पोन्सर्ड	सीसीओ एसटी /रायपुर	मेजर	5.0 लाख	नं. 2235 - सीसीओएसटी/एम आरपी/ दिनॉक 23.12.2015	2 वर्ष	2.40
22	इनवेटिगेटिंग क्लोसिंग एक्स्ट्रा सोलर प्लांट थ्रो फोटोमेट्रिक	डॉ. पारिजात ठाकुर	यूजीसी	यूजीसी	मेजर	10.02	Sanction letter (FD Diary No. 5814 Dated 17.10.2017) dated 28, Oct 2017	2015. 2018	1.8
23	हाइड्रोमेगनेटिक इंस्टाबेलेटिक्स इन स्ट्रांगली कप्लर्ड काम्पलेक्स Plasmas" F.No.- 43 514-2014(SR)	डॉ. आर पी. प्रजापति	यूजीसी	यूजीसी	मेजर	15.00	Sanction letter (FD Diary No.5822 Dated 20.10.2017) dated 28, Oct 2017	2015. 2018	2.4
24	सीस्टमेटिक इनवेस्टिगेसनस ऑफ एक्यूपल को रिलेशनस 151-154 Eu N=87 -90 Nuclei	डॉ. तारकेश्वर त्रिवेदी	आईयूएसी	आईयूए सी नई दिल्ली	प्रोजेक्ट नं. यूएफआर. 55313	5.79		2014.19	1.21
25	मेटल इनडक्ट क्रिस्टलाईजेशन ऑफ एमआरफोस सेमी कन्डक्टरर्स	डॉ. शिवपूजन पटेल	स्पान्सर्ड	आईयूए सी नई दिल्ली	मेजर	6.03	आईयूएसी-XIII.7- यूएफआर.58308	2017.18	1.85038
26	फब्रीकेशन एण्ड केरेटराईजेशन रिड्यूस्ड ग्राफेन ऑक्साईड फिल्ड इफेक्ट ट्रांनसेस्टर्सआरजीओ–(एफइटी) फॉर सेंसर एप्लीकेसन्स	डॉ. टी.जी रेड्डी	स्पान्सर्ड	यूजीसी, नई दिल्ली	मेजर	10.20	43.407/2014 एसआर	3 वर्ष	
27	स्टडी ऑफ लेटिक डायनेमिक इन फी डोपेड ओ 2 थ्रो मोसबर इस्पेक्ट्रोसकॉपी	डॉ. टी.जी रेड्डी	स्पान्सर्ड	यूजीसी डीएई सीएसआर इंदौर	मेजर	6.35	सीएसआर–आईसी/सीआरएस–87/2014–15/594	4 वर्ष	2.1969
28	न्यूट्रान डायफरकेशन स्टडीज इन टू स्ट्रक्चरल चेंजेस एण्ड मेग्नेटिक इन्सट्रक्सन्स इन Fe1-xMxVO4 (M = Cr, In and Al) सालिड सालूशन्स	डॉ. टी.जी रेड्डी	स्पान्सर्ड	यूजीसी डीएई सीएसआर मुम्बई	मेजर		यूडीसीएसआर/एमयूएम/सीडी/सीआरएस–एम–263/2017/551	3 वर्ष	1.69740
29	टीचिंग लर्निंग इन इण्डियन हायर एजुकेशन	डॉ. सी.एस. वझलवार	एनयूइपीए दिल्ली	एनयूइपीए दिल्ली	माइनर	4,42,200	नं.एफ.एनयूईपीए (सीपीआरएचई) 26 टीच लर्न एचई/2015 16 अक्टूबर, 2015	02 वर्ष	

30	बूस्ट इंटरडिसिप्लेनरी एजुकेशन एण्ड रिसर्च इन स्कूल ऑफ लाईफ साइंसेस	प्रो. बी.एन. तिवारी	स्पान्सर्ड	डीबीटी	रिसर्च	369	बीटी / पीआर7020 / आईएनएफ / 22 / 172 / 2012	05 वर्ष	81.00
31	यूजीसी स्पेशल असिस्टेन्स प्रोग्राम	प्रो. बी.एन. तिवारी	स्पान्सर्ड	यूजीसी	रिसर्च	87.50	एसएपी डीआरएस–1(एफ. 3–14 / 2016 / डीआरएस–1(एसएपी–II)	05 वर्ष	
32	फोटोकेमिकल इनवेस्टिगेसन ऑफ मोरिंगा ओलिफेरा प्लांट एक्सट्रेक्ट इन प्रोटेक्टिव रोल इन सिसप्लेटिन इनडयूस्ड नेफ्रोटोक्सिसिटी	डॉ. रेणु भट्ट	स्पान्सर्ड	सीकास्ट	रिसर्च	4.6	1110 / सीकास्ट / एमआरपी / 2015	02 वर्ष	1.90
33	लिगनोसेलूलोसिक–पोली (लेक्टिक एसिड) बेस्ड कंपोसाईट फॉर मल्टीफेक्टेड एप्लीकेशन (पीआई)	डॉ. हरित झा	स्पान्सर्ड	सीकास्ट	रिसर्च	5.00	(2142 / सीकास्ट / एमआरपी / 2015)	02 वर्ष	
34	अन एक्सप्लोर्ड मेडिसिन प्लांट केटरेंक्ट	डॉ.एच.एस. बोड़खे	स्पान्सर्ड	आयूश	मेजर	27	जेड.28015 / 160	03 वर्ष	17 लाख
35	हर्बल एंटी केटारेक्ट ड्रग्स	डॉ.एच.एस. बोड़खे	स्पांसर्ड	सी.जी. सी.ओ. एस.टी.	मेजर	1.5	1093 / एमआरपी	3वर्ष	1.5 लाख
36	सेंथेसिस ऑफ एंटी . हाइपरटेंसिव ड्रग्स	डॉ. के.पी. नामदेव	स्पांसर्ड	यू.जी. सी	मेजर	13	पी.एच.ए.आर 10573	3 वर्ष	10.5 लाख
37	हर्बल हेप्टो प्रोटेक्टीव ड्रग्स	डॉ. भारती अहिरवार	स्पांसर्ड	एस.ई. आर.बी.	मेजर	5	एस.बी. / ई.एम.ई.क्यू. – 515 / 2014, 21. 03.2016	01 वर्ष	5.00 लाख
38	एन्वारमेटली एनड्यूड ऑक्सीडेटीव स्ट्रेस इन प्लांट्स	डॉ. वी.मण्डल	स्पांसर्ड	एस.इ. आर.बी.	मेजर	40	ई.ई. क्यू / 2016 / 6777	03 वर्ष	24.5 लाख
39	कर्बिन पेस्ट मेनेस इन पौडी	डॉ. वी.मण्डल	स्पांसर्ड	एम.आर. डी.एम. एस	मेजर	9.85	एन.आर.डी.एम. एस / एस.सी. / एस. टी. / 16 / 016	03 वर्ष	6.5 लाख
40	डब्लप्मेंट ऑफ टारगेटेड नानोवेक्टर सिस्टम (एस.) फॉर इंटर सेलुलर डेलिवरी ऑफ साईटोटॉक्सीक एजेंटस	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	एस.ई.आर. बी.	डी.एस. टी.	स्टार्ट अप रिसर्च ग्रांट (यंग साईटिस्टस)	28	एस.बी. / वाई.एस. / एस. एल–333 / 2013, दिनांक 5 अगस्त 2014	03 वर्ष	2.00 लाख
41	डिजाइन एण्ड सेंथेसिस इफ नॉवेल्स हिटोन्ज डीएसेटलीलेज इनहेबिटेटर्स फॉर देयर पोटेंसियल एनटीनेप्लास्टीक एक्टीविटिज	डॉ. हरीश रजक	स्पांसर्ड	एस.ई. आर.बी.	मेजर	25.53	एस.ई.आर.बी. / एल. एस. 385 / 20 / 13 दिनांक 25 सितम्बर 2013	3.5 वर्ष	1.00 लाख
42	अंडरस्टेंडिग द रोल ऑफ हिपोकैम्पल हिस्टामैर्नाजिक ट्रांसनिशन इन इथेलान विड्रावल इन्डयूड विहेविरल डिप्रेशन एसोसियेटेट विथ एल्कोहलीज्म	डॉ. निशांत एस.जैन	स्पांसर्ड	एस.ई. आर.बी. –ई.एम. आर.	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट ई. एम.आर.	40.10	ई.एम.आर. / 2016 / 005051 दिनांक 28.07.2017	03 वर्ष	26.14लाख

43	इवाल्यूशन ऑफ इथनोमेडिसीनल प्लंटस ऑफ छत्तीसगढ़ एगेन्सट ब्रेस्ट कैंसर	डॉ. भारती अहिरवार	स्पांसर्ड	सी.सी. ओ.एस. टी.	रिसर्च	2.00	ई.एन.डी.टी.नं0. 1098/सी.सी.ओ.एस. टी./एम.आर.पी. /2015, 4/09/2015	02 वर्ष	01 लाख
44	आईसोलेशन ऑफ सेंकेन्डरी नेटावालिटीज एण्ड इवाल्यूशन ऑफ एंटीस्टेरियोडोजेनिक एक्टीविटिज ऑफ सन पोटेंसियल इंडियन मेडिसिनल प्लांटस ऑवटेंड लोकली फोम छत्तीसगढ़ स्टेट	डॉ. दिलीप कुमार पाल/प्रो.वी. डी.रंगारी	स्पांसर्ड	यू.जी. सी.		13.24	एफ.नं0. 42–694/2013 (एस.आर.) दिनांक 27.05.2016	04 वर्ष	

(ii) स्वीकृत शोध परियोजनायें 01.04.2017 से 31.03.2018 तक

क्र.	योजना का शीर्षक	मुख्य शोधकर्ता	स्पांसर्ड / कन्सलटेंसी	अनुदान संस्था	स्वीकृत राशि (लाख में)	स्वीकृति पत्र कमांक (तिथि सहित)	परियोजना अवधि	प्राप्त अनुदान राशि (लाख में)
1.	बायोएक्टिव मेटाबोलिटिस (एस) सिन्थेसिस थ्रु माइकोबाइन्ट कल्चर ऑफ लाइचेन्स फ्राम छत्तीसगढ़ रिजन एण्ड देयर मेटाबोलिटिस प्रोफाइलिंग एज पोटेन्टियल सोर्स फॉर बायोप्रोसपेक्शन	डॉ. एस.के. शाही	स्पांसर्ड	डीएसटी, नई दिल्ली	33.09. 680	इएमआर/2016/003688 इज 21.08. 2017	3 वर्ष	16,03226
2.	न्यूरोबायोलॉजी ऑफ ओबेसिटी रेग्यूलेशन एण्ड थेराप्यूटिक इंटरवेनशन	डॉ. रोहित सेठ		एसई आरबी	70	फाइल नं. इएमआर/2017/003855 दिनांक 10.01. 2015	3 वर्ष	निरंक
3.	ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन प्लांट्स	डॉ.वी. मंडल	स्पांसर्ड	एसइआरबी	40	इइक्यू/2016/67–77	3 वर्ष	24.5 लाख
4.	पेस्ट प्रोटेक्शन इन पैडी	डॉ.वी. मंडल	स्पांसर्ड	एनआरडीएमएस	9.85	एनआरडीएमएस/एससी/एसटी/16/016	3 वर्ष	6.5 लाख
5.	डिजाइन सिंथेसिस ऑक्सेडाइजोल्स डेरिवेटिव क्लब्ड विथ आइसो इनडोलाइन 1, 3डी वन	डॉ. जगदीश सिंह	स्पांसर्ड	मेजर इक्यू	32 लाख	इइक्यू/2017/000197 दिनॉक 19.03.18	3 वर्ष	निरंक
6.	डेवलपमेंट ऑफ राइस–हस्क फीडस्टॉक सपोर्टेड नेनोमटेरियल्स फॉर द सिन्थेसिस ऑफ प्रिविलेग्जड मेडिसीनल स्काफफोल्ड्स	डॉ. सुभाष बेनर्जी	स्पांसर्ड	सीसीओएसटी /रायपुर	4.85 लाख	इएनडीटी. 2096/सीसीओएसटी /एमआरपी/2017	2 वर्ष	2.85 लाख
7.	इनवेस्टीगेशन ऑफ इंटरप्ले ऑफ कलेक्टिव एण्ड मेगेनेटिक रोटेशन इन मीडियन मॉस इन स्टोपेस	डॉ. तारकेश्वर त्रिवेदी	स्पांसर्ड	आईयूएसी, नई दिल्ली	6.03	आईयूएसी/XIII 3A दिनॉक 12 .01.2018	3 वर्ष	25,000 अकास्मिक . धनराशि मंजूर
8.	टेलोरिंग द थर्मोइलेक्ट्रिक प्रापर्टीस ऑफ एसएनटीई नेनो कैस्टलाईन थिन फिल्मस यूजिंग लोन इरेडियशन	डॉ. शिवपूजन पटेल	स्पांसर्ड	आईयूएसी, नई दिल्ली	6.03	आईयूएसी/XIII 3A दिनॉक 11 .08.2017		1,91600
9.	टोपोलॉजिकल इंसूलेटर बेस्ड एनर्जी इफिसिएंट एण्ड थर्मोइलेक्ट्रिक पावर जेनरेशन मटेरियल्स	डॉ.पी.दास	स्पांसर्ड	यूजीसी डीएई सीएसआर, इंदौर	0.45	सीएसआरआईसी–एमएसआरएसआर–22 सीएसआर–230/2017–18/1311 दिनॉक 31.03.2018		0.45
10.	सिंथेसिस एण्ड स्टडी ऑफ स्ट्रक्चरल फेज ट्रांनसन यूजिंग टेम्परेचर डिपेंडेंट रमन एण्ड इंफ्रार्ड स्पेक्ट्रा–स्कोपी ऑफ Ni Cr 204एण्डCo Cr 204एण्ड दियर सॉलिड सोलाअन्स Co 1* Nix Cr 204 (x=0 to 1)	डॉ.अजय कुमार गुप्ता	स्पांसर्ड	यूजीसी डीएई सीएसआर, इंदौर	2.13	सीएसआर–आईसी–253/2017–18/1334 दिनॉक 31.03.2018		

(iii) प्रस्तुत परियोजनायें

क्र.	प्रस्तुती दिनांक	शिक्षक का नाम	परियोजना के प्रकार	संस्थान	प्रस्तावित राशि
1	08–09–2017	डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही	प्रमुख	आई.सी.एस.एस. आर.	सामाजिक अनुसन्धान
2	26–02–2018	डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही	प्रमुख	आई.सी.एस.एस. आर.	सामाजिक अनुसन्धान
3	23–03–2018	डॉ.निपुन कुमार मिश्रा, डॉ.सोमा दास	लघुशोध परियोजना	सी.जी.सी.ओ.एस. टी.	प्रायोजित
4	जुलाई 2017	डॉ.एस.के.शाही	प्रायोजित	डी.एस.टी. नई दिल्ली	49.24.830/–
5	23–11–2017	डॉ.बबीता मांझी	ब्रिक्स मल्टी लैटेरल रिसर्स एण्ड डब्लपमेंट प्रोजेक्ट	डी.एस.टी. नई दिल्ली	17,82 लाख
6	31–11–2017	डॉ.ए.के.जैन	आर.पी.एस.	ए.आई.सी.टी.ई	
7	09–08–2017	डॉ. जगदीश सिंह	अर्लि कैरियर रिसर्च अवार्ड	डी.एस.टी–एस.ई. आर.बी.	
8	30–08–2017	डॉ. निली रोज बेग	एस.ई.आर.बी. ईईक्यू	डी.एस.टी–एस.ई. आर.बी.	
9	31–07–2017	डॉ. पी.पी.राय	एस.ई.आर.बी. ईईक्यू	डी.एस.टी–एस.ई. आर.बी.	
10	10–08–2017	डॉ. पी.पी.राय	एस.ई.आर.बी. ईसीआर	डी.एस.टी–एस.ई. आर.बी.	
11	28–07–2017	डॉ. सुनील कुमार जैन	डीएसटी ईएमआर	डी.एस.टी–एस.ई. आर.बी.	
12	31–11–2017	डॉ. अर्जुन पात्रा	आरपीएस	ए.आई.सी.टी.ई.	
13	नवम्बर 2017	डॉ. अर्जुन पात्रा	एम.आर.पी.	सी.जी.सी.ओ.एस. टी.	
14	31–11–2017	डॉ. सुरेश थरेजा	आर.पी.एस.	ए.आई.सी.टी.ई.	
15	अक्टूबर 2017	डॉ. अल्का मिश्रा एवं डॉ.पी.आर. सिंह	एम.आर.पी.	सी.जी.सी.ओ.एस. टी.	5.00 लाख
16	18 दिसम्बर 2017	डॉ. चारू अरोरा	प्रमुख	बी.आर.एन.एस.	
17	2017–18	डॉ.आर.पी. प्रजापति		इसरो	27.5 लाख
18	2017–18	डॉ.आर.पी. प्रजापति	प्रमुख शोध परियोजनायें	सी.जी.सी.ओ.एस. टी.	4.00 लाख
19	फरवरी 2018	डॉ. रेणु भट्ट	एम.आर.पी.	मेडिसनल प्लांट बोर्ड एवं सी.जी.सी. ओ.एस.टी.	
20	2017	डॉ. हरित झा	शोध परियोजना	डी.एस.टी–एस.ई. आर.बी.	

(द) एकस्व अधिकार का विवरण की अवधि (01 अप्रैल 2017 से 31मार्च 2018)

क्र	फेकल्टी का नाम	पद	वर्ग (अ. जा./अ. ज.जा. /अ.पि.व. /सामान्य)	महिला / पुरूष	कृपया सही (✓) का निशान लगायें				
					एकस्व अधिकार का विवरण	एकस्व अधिकार क्षेत्र	एकस्व अधिकार प्रकाशन	एकस्व अधिकार स्वीकृति की तिथि	एकस्व अधिकार लाईसेंस
भैषेजिक विज्ञान									
1	प्रो. वी. डी. रंगारी	आचार्य	अजा	पुरूष	आईसोलेशन आफ ओलेएनोलिक एसिड क्लोब एण्ड द प्रोसेस देयर आफ पेटेंट ग्रान्टेड आन 17/06/2017,पेटेंट नं. 283354				
2	डॉ वी. मंडल	सहायक प्राध्यापक	अजा	पुरूष	ए माईक्रोबेव एसेसड् प्रोसेस फार एक्सट्रेक्शन आफ टोटल फेनोलिक एण्टीआक्सीडेंट्स फाम फार प्लांट मटेरियल ग्रांटेड आन 60/12/2017 पेटेंट नं.290354				
3	डॉ. सुरेश थरेजा	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	डिस्कवरी आफ नोवेल एन्टीडायबिटिक एजेंट्स एप्लीकेशन नं.201721025305 दिनांक 17/07/2017				

परिशिष्ट –V

छात्रों की उपलब्धियाँ

(अ) परिसर स्थानन विवरण की अवधि (01 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018)

क्र.	छात्र का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग (अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./सामान्य	महिला/पुरूष	संस्था का नाम	स्थापन का दिनांक	वार्षिक आय (लाख में)	अन्य विवरण
	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी							
	रासायनिक अभियांत्रिकी							
1.	उत्तम कुमार उपा.याय	बी. टेक	सामान्य	पुरूष	वाइब्रेंट एकेडमी प्राइवेट लिमि.	12/03/2018	1.80	–
2.	मनीष कुमार	बी. टेक	अ.पि.व.	पुरूष		12/03/2018	1.80	–
3.	रविकांत कुमार	बी. टेक	अ.पि.व.	पुरूष		12/03/2018	1.80	–
4.	अखिल कैरा	बी. टेक	सामान्य	पुरूष		12/03/2018	1.80	–
5.	प्रिया राज	बी. टेक	अ.पि.व.	महिला		12/03/2018	1.80	–
6.	पद्मता मोनिका	बी. टेक	अ.पि.व.	महिला		12/03/2018	1.80	–
7.	उत्तम उपा.याय	बी. टेक	सामान्य	पुरूष		13/03/2018	1.8	–
8.	रविकांत कुमार	बी. टेक	अ.पि.व.	पुरूष		13/03/2018	1.8	–
9.	पप्पू कुमार	बी. टेक	अ.पि.व.	पुरूष	मिड–केम टेक्नोलॉजी मुम्बई	31/03/2018	1.44	–
10	तिनिती आशा	बी. टेक	अ.जा.	महिला		31/03/2018	1.44	–
11	मुकेश करेला	बी. टेक	अ.जा.	पुरूष		31/03/2018	1.44	–
12	सिद्धांत सिंह	बी. टेक	अ.पि.व.	पुरूष		31/03/2018	1.44	–
13	प्रिया राज	बी. टेक	अ.पि.व.	महिला		13/03/2018	1.8	–
14	मनीष कुमार	बी. टेक	अ.जा.	पुरूष		13/03/2018	1.8	–
15.	अखिकारिया	बी. टेक	सामान्य	पुरूष		13/03/2018	1.8	–
16.	पद्मता मोनिका	बी. टेक	अ.पि.व.	महिला		13/03/2018	1.8	–
17.	टी. आशा	बी. टेक	अ.जा.	महिला		31/03/2018	2.4	–
18.	पप्पू कुमार	बी. टेक	अ.पि.व.	पुरूष		31/03/2018	2.4	–
19.	सिद्धांत सिंह	बी. टेक	अ.पि.व.	पुरूष		31/03/2018	2.4	–
20.	मुकेश करेला	बी. टेक	अ.जा.	पुरूष	श्रीराम ट्रांसपोर्ट फायनेंस कंपनी	31/03/2018	2.4	–
21.	अमन कुमार	बी. टेक	सामान्य	पुरूष		10/04/2017	2.4	–
	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी							
22	आशुतोष कुमार गुप्ता	बी. टेक	अ.पि.व.	पुरूष	गोदरेज एवं ब्वायज मेनूफेक्चरिंग लिमि.	05.06.2017	3.0	–
23	रूचि कुमारी	बी. टेक	अ.पि.व.	महिला	एपास्टेक	14/06/2017	4.5	–
24	संजू पाटिदार	बी. टेक	अ.पि.व.	महिला	सरल		2.6	–
25	हिमांशु भागवानी	बी. टेक	सामान्य	पुरूष	कोरियोलिस		4.0	–
26	आशुतोष कुमार गुप्ता	बी. टेक	अ.पि.व.	पुरूष	इ–लिटमस आईडी/हरमन	03.10.2017	4.5	–
27	मयंक कुमार	बी. टेक	सामान्य	पुरूष	जेबी	03.10.2017	4.2	–
	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी							
28	दीपिका अग्रवाल	बी.टेक	सामान्य	महिला	विक्टर इंडिया प्रायवेट लिमिटेड	09.02.2018	3.45	–
	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी							
29	सैजू एस.आर.	बी. टेक	अ.पि.व.	पुरूष	श्रीराम ट्रांसपोर्ट फायनेंस कंपनी	10/04/2017	2.40	–
30	अदिति	बी.टेक	सामान्य	महिला	बीवायजेयू.एस	07.02.2018	9.0	–
	सूचना प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी							
31	आयुशी सिंह	बी. टेक	सामान्य	महिला	हेल्थ ऑन रन	22/02/2018	3.6	–
32	शुभम	बी. टेक	सामान्य	पुरूष	हॉलीडे वेगन	25/03/2018	4.5	–
	जैव प्रौद्योगिकी							
33	अर्पिता मिश्रा	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	सामान्य	महिला	इटिका क्लीन फार्मा प्राइवेट लिमि. रायपुर	18/04/2017	1.80	–
34	दीपा चतुर्वेदी	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	सामान्य	महिला		18/04/2017	1.80	–
	प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला							
	वाणिज्य विभाग							
35	अन्नपूर्णा यादव	एम. कॉम	अ.पि.व.	महिला	करवे		2.5	–

36	डी. कामाक्षी	बी. कॉम	सामान्य	महिला	इटिका क्लीन फार्मा प्राइवेट लिमि. रायपुर	18/04/2017	1.80	–
37	दीपक यदु	बी. कॉम	अ.पि.व.	पुरूष	गोदरेज एण्ड ब्वायज मेनीफेक्चरिंग कंपनी लिमि	05/06/2017	3.00	–
38	रीना कुमारी	बी.कॉम	अ.पि.व.	महिला	आईसीआईसीआई प्रोविडेंसियल	06/03/2018	1.70	–
39	हर्षा सिरमौर	बी.कॉम	अ.पि.व.	महिला		06/03/2018	1.70	–
40	प्रतीक्षा सिंह	बी.कॉम	सामान्य	महिला		06/03/2018	1.70	–
	प्रबंध अध्ययन विभाग							
41	राहिबा समरीन	एमबीए	सामान्य	महिला	कर्वेस्टॉक ब्रोकिंग लिलिटेड	–	2.5	–
42	राहिबा समरीन	एमबीए	सामान्य	महिला	सीकोर टेक्नोलॉजी लखनऊ	–	3.00	–
43	संदीप कोशले	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	वेस 2 केपिटल इंदौर	–	1.46	–
44	समीर कुमार	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	वेस 2 केपिटल इंदौर	–	1.64	
45	टोश कुमार लहरे	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	वेस 2 केपिटल इंदौर	–	1.64	–
46	संदीप कोशले	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	आईसीआईसीआई प्रोविडेंसियल रायपुर	–	2.00	–
47	समीर कुमार	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	आईसीआईसीआई प्रोविडेंसियल रायपुर	–	2.00	–
48	टोश कुमार लहरे	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	आईसीआईसीआई प्रोविडेंसियल रायपुर	–	2.00	–
49	संदीप कोशले	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	गनपत दिल्ली	–	1.35	–
50	टोश कुमार लहरे	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	रेनाल्ट बिलासपुर	–	1.80	–
51	प्रशांत साहू	एमबीए	अ.पि.व.	पुरूष	आईसीआईसीआई लाइफ इन्श्योरेन्स	–	1.70	–
52	प्रीति साहू	एमबीए	अ.पि.व.	महिला	वेस 2 केपिटल इंदौर	–	1.72	–
53	सौरभ कुमार तिवारी	एमबीए	सामान्य	पुरूष	एचडीएफसी बैंक रायपुर	01/05/2017	2.87	–
54	विनय कुमार तिवारी	एमबीए	सामान्य	पुरूष	एचडीएफसी बैंक रायपुर	01/05/2017	2.87	–
55	गीतिका गुलहरे	एमबीए	अ.पि.व.	महिला	वेब्स 2 केपिटल	31/05/2017	2.45	–
56	विद्या भारती शर्मा	एमबीए	सामान्य	महिला	वेब्स 2 केपिटल	31/05/2017	2.45	–
57	अंशुल शुक्ला	एमबीए	सामान्य	पुरूष	वेब्स 2 केपिटल	31/05/2017	2.45	–
58	अनुश्रीकेशरवानी	एमबीए	सामान्य	महिला	वेब्स 2 केपिटल	31/05/2017	2.45	–
59	अर्पूवा पाठक	एमबीए	सामान्य	महिला	वेब्स 2 केपिटल	31/05/2017	2.45	–
60	सुरूचि यादव	एमबीए	सामान्य	महिला	वेब्स 2 केपिटल	31/05/2017	2.45	–
61	सोनम दुबे	एमबीए	सामान्य	पुरूष	वेब्स 2 केपिटल	31/05/2017	2.45	–
62	अभिजीत त्रिवेदी	एमबीए	सामान्य	पुरूष	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
63	अंकिता दुबे	एमबीए	सामान्य	महिला	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
64	अर्णिमा तिवारी	एमबीए	सामान्य	महिला	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
65	आयुषी जायसवाल	एमबीए	सामान्य	महिला	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
66	मो. अब्दुर रहीम	एमबीए	सामान्य	पुरूष	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
67	प्राची गुप्ता	एमबीए	अ.पि.व.	महिला	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
68	राजेश कुमार चंद्रा	एमबीए	अ.पि.व.	पुरूष	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
69	ऋषभ राहुल साव	एमबीए	अ.पि.व.	पुरूष	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
70	रिया विश्वकर्मा	एमबीए	अ.पि.व.	महिला	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
71	सहिबा हरियानी	एमबीए	सामान्य	महिला	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
72	साकेत	एमबीए	सामान्य	पुरूष	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
73	सौरभ भार्गव	एमबीए	सामान्य	पुरूष	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–

74	श्रिया खंडेलवाल	एमबीए	सामान्य	महिला	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
75	विप्पलवी गौतम	एमबीए	अ.जा.	महिला	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
76	योगेश बघेल	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	ग्रीफियो	18/11/2017	3.0	–
77	रहिबा समरीन	एमबीए	सामान्य	महिला	करवी स्टोक ब्रोकिंग लिमि.	16/01/2018	2.5	–
78	अभिजीत त्रिवेदी	एमबीए	सामान्य	पुरूष	वेब्स 2 केपिटल	30/02/2018	3.45	–
79	अमिना तिवारी	एमबीए	सामान्य	महिला	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
80	प्रशांत साहू	एमबीए	अ.पि.व.	पुरूष	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
81	प्रीति साहू	एमबीए	अ.पि.व.	महिला	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
82	रीतू सलूजा	एमबीए	सामान्य	पुरूष	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
83	समीर कुमार	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
84	संदीप भौमिक	एमबीए	सामान्य	पुरूष	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
85	संदीप कोशले	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
86	तोश कुमार लहरे	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
87	रिया विश्वकर्मा	एमबीए	अ.पि.व.	महिला	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
88	अक्षय दुबे	एमबीए	सामान्य		वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
89	सुमन कुम्भकर	एमबीए	सामान्य	महिला	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
90	स्वाति गेडाम	एमबीए	अ.जा.	महिला	वेब्स 2 केपिटल	20/02/2018	3.45	–
91	समीर कुमार	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	आईसीआई प्रूडेन्टियल	06/03/2018	1.7	–
92	प्रशांत साहू	एमबीए	अ.पि.व.	पुरूष	आईसीआई प्रूडेन्टियल	06/03/2018	1.7	–
93	सुमन कुम्भकर	एमबीए	सामान्य	महिला	आईसीआई प्रूडेन्टियल	06/03/2018	1.7	–
94	तोश कुमार लहरे	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	आईसीआई प्रूडेन्टियल	06/03/2018	1.7	–
95	आकाश खत्री	एमबीए	सामान्य	पुरूष	आईसीआई प्रूडेन्टियल	06/03/2018	1.7	–
96	संदीप कोशले	एमबीए	अ.जा.	पुरूष	आईसीआई प्रूडेन्टियल	06/03/2018	1.7	–
	संगणक एवं गणितीय अध्ययनशाला							
	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग							
97	प्रदीप कुमार कौशिक	एम.एस.सी	अ.पि.व.	पुरूष	इंटरबिज कंसल्टिंग	22/12/2017	2.5	–
	प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला							
	भैषजिक विज्ञान विभाग							
98	श्री पम्मी खन्ना	बी.फार्म आठवा सेमे.	अ.जा.	पुरूष	एलिम्बिक फार्मास्यूटिक्स वाडोडरा	01/09/2017	1.60 लाख/एनम	–
99	श्री मो. शनवाज		सामान्य	पुरूष	गुजरात टर्स अहमदाबाद	01/11/2017	1.6 लाख/एनम	–
100	श्री पंकज कुमार		अ.पि.व.	पुरूष	टोरेन फार्मसिटिकल अहमदाबाद	10/08/2017	1.80 लाख/एनम	–
101	श्री रोशनलाल पम्नानी		सामान्य	पुरूष	सेन्चर फार्मसिटिकल मुम्बई	10/08/2017	2.10 लाख/एनम	–
102	श्री ओम प्रकाश		अ.पि.व.	पुरूष	नियान फार्मसिटिकल मुम्बई	01/09/2017	1.80 लाख/एनम	–
103	सुश्री पूजा आनंद		सामान्य	महिला	अरूम लाइफ साइंस अहमदाबाद	01/08/2017	2.10 लाख/एनम	–
104	श्री अभिषेक केशरवानी		सामान्य	पुरूष	सिपला फार्मसिटिकल मुम्बई	01/07/2017	2.00 लाख/एनम	–
105	श्री दीपक कैवर्त		अ.पि.व.	पुरूष	श्रिया फार्मसिटिकल मुम्बई	01/09/2017	2.10 लाख/एनम	–
106	श्री जितेन्द्र मिश्रा		सामान्य	पुरूष	मेकलोड्स फार्मसिटिकल मुम्बई	01/06/2017	2.00 लाख/एनम	–
107	श्री दीपक कश्यप		अ.पि.व.	पुरूष	मेकलोड्स फार्मसिटिकल मुम्बई	01/06/2017	2.00 लाख/एनम	–
108	श्री दुर्गेश पाली		अ.पि.व.	पुरूष	सन फार्मसिटिकल अहमदाबाद	01/11/2017	2.00 लाख/एनम	–

109	श्री रवि चौहान		अ.जा.	पुरूष	माइक्रो लेब्स बेंगलोर	01/07/2017	1.80 लाख/एनम	–
110	सुश्री मेघा डे		सामान्य	महिला	सिपला फार्मेसिटिकल मुम्बई	01/11/2017	2.00 लाख/एनम	–
	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग							
111	ओम प्रकाश सूर्यवंशी	एम.एस.सी	अ.जा.	पुरूष	नेशनल रूरल लाइविलीहुड मिशन छत्तीसगढ़	दिसंबर, 2017	3.60	–
112	शिव कुमार नेताम	एम.एस.सी	अ.ज.जा.	पुरूष	––"––	दिसंबर, 2017	3.60	–
113	योगेश साहू	एम.एस.सी	अ.पि.व.	पुरूष	––"––	दिसंबर, 2017	3.60	–
114	गोपाल जायसवाल	एम.एस.सी	अ.पि.व.	पुरूष	––"––	दिसंबर, 2017	3.60	–
115	अवनीश डिक्सेना	एम.एस.सी	अ.पि.व.	पुरूष	––"––	दिसंबर, 2017	3.60	–
	भौतिकीय विज्ञान अध्ययनशाला							
	रसायन विभाग							
116	ओम प्रकाश	एम.एस.सी		पुरूष				
117	अर्चना घोसले	एम.एस.सी	अ.पि.व.	महिला	शास.महावि., सारंगढ़			सहा. प्राध्यापक
118	हेमंत कश्यप	एम.एस.सी	सामान्य	पुरूष	शास.महावि., मुंगेली			सहा. प्राध्यापक
119	श्री गनेश्वर प्रसाद साहू	एम.एस.सी		पुरूष	––"––			सहा. प्राध्यापक
120	श्री गणेश कुर्रे	एम.एस.सी		पुरूष	––"––			सहा. प्राध्यापक
121	लक्ष्मी प्रसाद घृतलहरे	एम.एस.सी	अ.जा.	पुरूष	सिक्किम गोल्डन क्रास फार्मास्यूटिकल कंपनी			
122	प्रवीण चौहान	एम.एस.सी		पुरूष	सिक्किम गोल्डन क्रास फार्मास्यूटिकल कंपनी			
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग							
123	विश्वप्रताप सिंह	बी.एस.सी.	सामान्य	पुरूष	बालको	24/08/2017	204000/–	
124	रंजीत डे	पीएच.डी.	सामान्य	पुरूष	वेस्ट बंगाल हायर एजुकेशन	जुलाई 2017	–	
	समाज विज्ञान अध्ययनशाला							
	शिक्षा विभाग							
125	नाजिया मोनिर	बी.एड चतुर्थ	अ.पि.व.	महिला	डीपीएस, रायगढ़	मार्च, 2018	–	
126	संध्या सिंह	बी.एड चतुर्थ	सामान्य	महिला	डीपीएस, रायगढ़			
127	मुकेश कुमार साहू	बी.एड चतुर्थ	सामान्य	पुरूष	डीपीएस, रायगढ़			
128	शताब्दी सरकार	बी.एड चतुर्थ	सामान्य	महिला	डीपीएस, रायगढ़			
129	मयुख चौधरी	बी.एड चतुर्थ	सामान्य	पुरूष	केरियर पाइंट बिलासपुर	07.04.2017	3.0	

(ब) विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों की उपलब्धियाँ

क.	छात्र का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग (अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./सामान्य	महिला/पुरूष	कृपया सही (√) का निशान लगायें						
					नेट	गेट	स्लेट	यूपीएससी	पीएससी	उच्च शिक्षा	अन्य कोई
	आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग										
1	मैत्री मिश्रा	शो.ा छात्रा	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में सहभागिता

	हिंदी विभाग										
2	श्री विनोद कुमार जांगड़े	एम.ए.	अ.जा.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
3	किशन जायसवाल	एम.ए.	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग										
4	मदन लाल	एम.लिब	अ.जा.	पुरूष	–	–	–	–	√	–	–
5	मनीष कुमार	एम.लिब	अ.जा.	पुरूष	–	–	–	–	√	–	–
6	रमेश कुमार चौधरी	एम.लिब	अ.पि.व.	पुरूष	–	–	–	–	√	–	–
7	विश्वनाथ	एम.लिब	अ.ज.जा.	पुरूष	–	–	–	–	–	–	–
8	विरेन्द्र कुमार संदयाल	एम.लिब	अ.जा.	पुरूष	–	–	√	–	√	–	–
9	भरत लाल पानिक	एम.लिब	अ.जा.	पुरूष	–	–	–	–	√	–	–
10	अंजली	एम.लिब	अ.जा.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
11	गंगा राम	एम.लिब	अ.जा.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
12	घनश्याम साहू	एम.लिब	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	√	–	–	–	आर एसएमएसएसबी
13	कुंदन झा	एम.लिब	सामान्य	पुरूष	√	–	√	–	–	–	जेआरएफ
14	मोनिका वंदना किस्पोट्टा	एम.लिब	अ.जा.	महिला	√	–	–	–	–	–	–
15	सालिक राम	एम.लिब	अ.जा.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
16	स्वाति तिवारी	एम.लिब	सामान्य	महिला	√	–	–	–	–	–	–
17	बिहारी लाल पटेल	एम.लिब	अ.पि.व.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
18	गजानन कौशिक	एम.लिब	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	√	–	–	–	–
19	धीरज पाण्डे	एम.लिब	सामान्य	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
	शारीरिक शिक्षा विभाग										
20	चेतन श्रीवास	एम.पी.एड	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
21	राहुल मगनानी	एम.पी.एड	सामान्य	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
22	रमाकांत वर्मा	एम.पी.एड	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
23	प्राची गुप्ता	एम.पी.एड	अ.पि.व.	महिला	√	–	–	–	–	–	–
24	कुशमूर्ति जांगड़े	एम.पी.एड	अ.जा.	महिला	√	–	–	–	–	–	–
25	हीरामती साहू	एम.पी.एड	अ.पि.व.	महिला	√	–	–	–	–	–	–
26	अमित मरकाम	एम.पी.एड	अ.ज.जा.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
27	गजराज अमृतेश	एम.पी.एड	सामान्य	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
28	विकास साहू	एम.पी.एड	अ.पि.व.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
29	कोमल प्रसाद साहू	एम.पी.एड	अ.पि.व.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
30	अशोक एक्का	एम.पी.एड	अ.ज.जा.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–

31	कुशमूर्ति जांगड़े	एम.पी.एड	अ.जा.	महिला	–	–	√	–	–	–	–
32	संदीप गुप्ता	बी.पी.एड	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी तीसरा स्थान
	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग										
33	अमन गुप्ता	बी. टेक केमि.	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
34	तान्या मिश्रा	बी. टेक केमि.	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	–	–
35	हिमांशु	बी. टेक केमि.	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
36	विकास कुमार चन्द्रवंशी	बी. टेक केमि.	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
37	काजल कुमारी गुप्ता	बी. टेक केमि.	अ.पि.व.	महिला	–	√	–	–	–	–	–
38	प्रणव कुमार सारासय	बी. टेक केमि.	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
39	मोहम्मद आदिल अंसारी	बी. टेक केमि.	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
40	धर्मेन्द्र कुमार	बी. टेक केमि.	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
41	कुंदन कुमार	बी. टेक केमि.	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
42	पूजा कुमारी	बी. टेक केमि.	अ.पि.व.	महिला	–	√	–	–	–	–	–
43	मो. तबरेज आलम	बी. टेक केमि.	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
44	मुकेश करेला	बी. टेक केमि.	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
	सिविल अभियांत्रिकी विभाग										
45	आशुतोष तिवारी	बी. टेक सिविल	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
46	मो. तहसीन अंसारी	बी. टेक सिविल	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
47	मनीष कुमार मिश्रा	बी. टेक सिविल	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
48	अजीत यादव	बी. टेक सिविल	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
49	के. वामशी कृष्णा	बी. टेक सिविल	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
50	रजनी	बी. टेक सिविल	अ.पि.व.	महिला	–	√	–	–	–	–	–
51	कार्तिक संबेल	बी. टेक सिविल	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
52	टी. स्पंदिता देवी	बी. टेक सिविल	अ.पि.व.	महिला	–	√	–	–	–	–	–
53	आशुतोष शुक्ला	बी. टेक सिविल	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
54	मोनू अग्रवाल	बी. टेक सिविल	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
55	प्रशांत सौरभ	बी. टेक सिविल	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
56	मो. जावेद	बी. टेक सिविल	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
57	राघव राठौर	बी. टेक सिविल	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
58	अनुराग श्रीवास्तव	बी. टेक सिविल	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
59	एस. साई देविका	बी. टेक सिविल	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	–	–

60	कृष्ण कन्हैया	बी. टेक सिविल	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
61	सुजित यादव	बी. टेक सिविल	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी										
62	ऋषभ गुप्ता	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
63	कपिल गुप्ता	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
64	हेमराज रायकवाड़	बी. टेक (सी.एस.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
65	अमन कुमार अंकेश	बी. टेक (सी.एस.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
66	हिमांशु जैन	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
67	शुभम पाण्डे	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
68	साकेत	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
69	बी.एच.जी.एस.प्रनीत	बी. टेक (सी.एस.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
70	सूरज कुमार	बी. टेक (सी.एस.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
71	पूजा सिंह	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	–	–
72	अनुषा	बी. टेक (सी.एस.इ.)	अ.पि.व.	महिला	–	√	–	–	–	–	–
73	सौरभ राय	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
74	प्रतीक कुमार गुप्ता	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
75	सौरभ कुमार चौहान	बी. टेक (सी.एस.इ.)	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
76	मनीषा कुमारी	बी. टेक (सी.एस.इ.)	अ.जा.	महिला	–	√	–	–	–	–	–
77	दीक्षा एक्का	बी. टेक (सी.एस.इ.)	अ.ज.जा.	महिला	–	√	–	–	–	–	–
78	अन्वेश गोदावरी	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	√
79	शिवम कुमार पाण्डे	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	√
80	सार्थक गुप्ता	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	√
81	इति सिंह	बी. टेक (सी.एस.इ.)	सामान्य	महिला	–	–	–	–	–	–	√
	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी										
82	सुष्मिता कविराज	बी. टेक (इ. सी.इ.)	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	–	–
83	मनीष कुमार सिंह	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
84	मनु कश्यप	बी. टेक (इ. सी.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
85	राहुल कुमार	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
86	सुनंदा बेग	बी. टेक (इ. सी.इ.)	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	–	–
87	ए. लावन्या	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.पि.व.	महिला	–	√	–	–	–	–	–
88	मुकेश परिहार	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–

89	भावना शर्मा	बी. टेक (इ. सी.इ.)	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	–	–
90	रजत साह	बी. टेक (इ. सी.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
91	आनंद राज	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
92	वी. कीर्ति	बी. टेक (इ. सी.इ.)	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	–	–
93	एस. मधुरिलाठा	बी. टेक (इ. सी.इ.)	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	–	–
94	आलोक कुमार	बी. टेक (इ. सी.इ.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
95	एम. अर्चना रेड्डी	बी. टेक (इ. सी.इ.)	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	–	–
96	सूरज कुमार वर्मा	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
97	जी. हरीश	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
98	डी. व्ही. अभिनव कुमार	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
99	तरूण शंकर नारायण	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
100	एकलव्य मी ना	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.ज.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
101	बी. शिव विद्या	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.जा.	महिला	–	√	–	–	–	–	–
102	आदित्य कुमार	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
103	बी. बालाजी	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.ज.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
104	जी. विवेक चेरी	बी. टेक (इ. सी.इ.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग										
105	अभिनव जी. पटेल	बी. टेक (आई.पी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
106	मेंदा मीना केतन	बी. टेक (आई.पी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
107	दानिश मंजल	बी. टेक (आई.पी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
108	टी.पी. गुप्ता	बी. टेक (आई.पी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
109	शुभम पाल	बी. टेक (आई.पी.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
110	शोम प्रकाश भूषण	बी. टेक (आई.पी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
111	सुभाष कुमार	बी. टेक (आई.पी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
112	विकास भास्कर	बी. टेक (आई.पी.)	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
113	मेवालाल निषाद	बी. टेक (आई.पी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
114	प्रवीण कुमार	बी. टेक (आई.पी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
115	दिव्या तनु	बी. टेक (आई.पी.)	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	–	–
116	अमन केसरी	बी. टेक (आई.पी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
	सूचना प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग										
117	ए.बी.एस. साई कुमार	बी. टेक (आई.टी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	√	–

118	मधुरेन्द्र पूर्वे	बी. टेक (आई.टी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
119	एन. शैलेन्द्र रितिक	बी. टेक (आई.टी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	√	–
120	ऋषभ खन्ना	बी. टेक (आई.टी.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
121	सुरजीत कुमार	बी. टेक (आई.टी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
122	विपिन दीक्षित	बी. टेक (आई.टी.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
123	अरपितान्शु	बी. टेक (आई.टी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
124	पीयूष कुमार	बी. टेक (आई.टी.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
125	प्रणय रंजन मिश्रा	बी. टेक (आई.टी.)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
126	आदित्य त्यागी	बी. टेक (आई.टी.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	√	–
127	विवेक तिवारी	बी. टेक (आई.टी.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	√	–
	यांत्रिकी अभियांत्रिकी										
128	आशीष कुमार	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
129	अभिषेक पटेल	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
130	अजीत कुमार विश्वकर्मा	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
131	आलोक गिरी	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
132	अवनीश कुमार यादव	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
133	बासव सॉई किशोर	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
134	गौरव कुमार लाल	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
135	अतुल राज	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
136	सुमित कुमार	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
137	जामदादे पृथ्वीराज संजय	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
138	शेखर सुमन	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
139	हिमांशु रंजन	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
140	जंगली सॉई किरण	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
141	पंकज कुमार	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
142	जीजीटी अरविंद रेड्डी	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
143	शुभम कोटरिया	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
144	ललित डगर	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
145	मानवेन्द्र प्रताप सिंह	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
146	गौरव कुमार	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–

147	रामकुमार सिंह	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.ज.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
148	गगन प्रकाश	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
149	राज कुमार	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
150	निश्छल सक्सेना	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
151	नीरज चंद सिंह	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
152	पोडिला विवेक सॉई राम	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
153	प्रभात पासवान	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
154	बासित हमित	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
155	नीरज कुमार पाण्डे	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
156	रामकुमार उत्तम	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
157	सुन्दरम वर्मा	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
158	रावदा रविकुमार	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
159	रविकुमार	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
160	सुवारी सॉई श्रीनिवास राव	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
161	विनयसिंह	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
162	आभाष वर्मा	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
163	प्रेमकुमार साहू	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
164	अमित कुमार	बी. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
165	आर. राहुल भार्गव	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
166	अभिनव कुमार	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	केट
167	दीपक चौधरी	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	केट
168	सर्वेन्द्र कुमार सिंह	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	केट
169	दीपक चौधरी	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	एक्स ए टी
170	दीपक चौधरी	बी. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	आई आई एफ टी
171	सूर्यवंश दुबे	एम. टेक (मेकेनिकल)	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
172	धनेश्वर	एम. टेक (मेकेनिकल)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
173	महेन्द्र प्रधान	एम. टेक (मेकेनिकल)	अ.ज.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग										
174	अमन पारकर	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
	जैव प्रौद्योगिकी विभाग										
175	चुनमुन सिंह	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	सामान्य	महिला	–	–	√	–	–	–	–

176	मिनेश पटेल	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	अ.पि.व.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
177	अविनाश सोनी	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	अ.जा.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
178	विवेक सोनी	पीएच.डी.शो. ार्थी	अ.पि.व.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
179	महेन्द्र साहू	पीएच.डी.शो. ार्थी	अ.पि.व.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
180	सीमा माण्डावी	पीएच.डी.शो. ार्थी	अ.जा.	महिला	–	–	√	–	–	–	–
181	अकांक्षा जैन	पीएच.डी.शो. ार्थी	सामान्य	महिला	–	–	√	–	–	–	–
182	डॉ. खुशबू बान्गे	पीएच.डी. सम्पन्न	अ.पि.व	महिला	–	–	–	–	√	–	सहा. प्राध्यापक,
183	डॉ. केशव राज आदिल	पीएच.डी. सम्पन्न	अ.जा.	पुरूष	–	–	–	–	–	√	पोस्ट डाक्टरल फेलो
184	डॉ. आनंद बारापात्रे	पीएच.डी. सम्पन्न	अ.पि.व	पुरूष	–	–	–	–	–	√	पोस्ट डाक्टरल फेलो
185	डॉ. नेहा पाण्डे	पीएच.डी. सम्पन्न	सामान्य	महिला	–	–	–	–	–	√	पोस्ट डाक्टरल फेलो
	वनस्पति शास्त्र विभाग										
186	पूजा पाचूरेकर	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.									एन एफ एस सी
	प्राणी शास्त्र विभाग										
187	देबाश्री मजूमदार	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे. (उत्तीर्ण)	अ.जा.	महिला	–	√	–	–	–	–	–
188	देवेन्द्र कुमार	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे. (उत्तीर्ण)	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
189	आराग्या मुखर्जी	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
190	विभूति भूषण	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
191	साकेत मण्डल	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
192	कौशिक मण्डल	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	अ.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
193	दीपिका पैकरा	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे.	अ.ज.जा.	महिला	–	–	√	–	–	–	–
194	मुकेश पटेल	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे. (उत्तीर्ण)	अ.पि.व.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
195	श्यामली एस. गुप्ते	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे. (उत्तीर्ण)	सामान्य	महिला	–	–	√	–	–	–	–
196	देवेन्द्र कुमार	एम.एस.सी. चतुर्थ सेमे. (उत्तीर्ण)	अ.जा.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
	न्यायालयिक विज्ञान विभाग (फोरेन्सिक साइंस)										
197	आशीष प्र.ाान	एम.एस.सी. तृतीय	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
198	रामेश्वरी	एम.एस.सी. चतुर्थ	–	महिला	√	–	–	–	–	–	–
	वाणिज्य विभाग										
199	श्रेया अग्रवाल	बी. कॉम	सामान्य	महिला	–	–	–	–	–	–	यूथ कांग्रेस
200	पद्मलोचन चौहान	एम. कॉम	अ.जा.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	सी जी सेट
201	शैलेन्द्र	एम. कॉम	अ.जा.	पुरूष	–	–	–	–	–	–	सी जी सेट

	प्रबंध अध्ययन विभाग										
202	सृष्टि ताम्रकार	एमबीए	अ.पि.व.	महिला	√	–	–	–	–	–	–
203	मसीहरा नाज	एमबीए	अ.पि.व.	महिला	√	–	–	–	–	–	–
204	पंकज अग्रवाल	एमबीए	सामान्य	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी										
205	सृष्टि माथुर	एमसीए	सामान्य	महिला	√	–	–	–	–	–	–
206	शैलजा मिश्रा	एमएससी (सी.एस.)	सामान्य	महिला	–	√	–	–	–	√	–
207	प्रकाश त्रिपाठी	एमसीए	सामान्य	महिला	–	–	–	–	√	–	–
208	गार्गी शुक्ला	एमसीए	सामान्य	महिला	–	–	–	–	√	–	–
209	नीमिषा गुप्ता	एमसीए	सामान्य	महिला	–	–	–	–	–	√	–
210	सुदिष्णा घोषाल	एमसीए	सामान्य	महिला	–	–	–	–	–	√	–
211	ओमशरण शर्मा	एमएससी (सी.एस.)	सामान्य	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
212	पुष्पेश कश्यप	एमसीए	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विभाग विभाग										
213	आशुतोष कुमार माण्डवा	एमएससी (वानिकी)	अ.जा.	पुरूष	–	–	–	–	√	–	फारेस्ट रेंज ऑफिसर सी जी पी एस सी
214	सूर्यप्रकाश अहिरे	एमएससी (वानिकी)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	हॉस्टल वार्डन व्यापम
215	रफी बानी	एमएससी (पीएच.डी.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	√	–	फारेस्ट इन्सपेक्टर जे के पी एस सी
216	मोहम्मद इकबाल	एमएससी (पीएच.डी.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	√	–	फारेस्ट इन्सपेक्टर जे के पी एस सी
217	प्रदीप कुमार	पीएच.डी.	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	जूनियर साइंटिस्ट एम ओ इ एफ सी सी
218	युवराज सिंह	एमएससी (वानिकी)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	√	–	हार्टी कल्वर ऑफिसर सी जी
219	इरशाद अली	एमएससी (वानिकी)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	√	–	असिस्टेंट फायनेंस ऑफिसर जे एण्ड के
220	अल्ताफ अख्तर	एमएससी (वानिकी)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	√	–	असिस्टेंट फायनेंस ऑफिसर जे एण्ड के
221	इस्तियाक मोइनुद्दीन चिश्ती	एमएससी (वानिकी)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	√	–	असिस्टेंट फायनेंस ऑफिसर जे एण्ड के
222	शोभा ठाकुर	एमएससी (वानिकी)	सामान्य	महिला	–	–	–	–	√	–	सेल टेक्स इन्सपेक्टर सी जी पी एस सी
223	धनेश्वर वर्मा	एमएससी (वानिकी)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	पीएच.डी. पांडिचेरी यूनिवर्सिटी
224	मोवाशी देवानी	एमएससी (वानिकी)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	√	–	असिस्टेंट फायनेंस ऑफिसर जे एण्ड के
225	मोहम्मद मुजामिल हमीद जहागीर	एमएससी (वानिकी)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	√	–	असिस्टेंट फायनेंस ऑफिसर जे एण्ड के
	भैषजिक विज्ञान विभाग										
226	आकांक्षा टोप्पो	बी. फार्मा (अष्ठ्म सेमे.)	अ.ज.जा.	महिला	–	–	–	–	–	–	जी पी ए टी
227	प्रीति लकड़ा	बी. फार्मा (अष्ठ्म सेमे.)	अ.ज.जा.	महिला	–	–	–	–	–	–	जी पी ए टी
228	दिलहरण	बी. फार्मा (षष्ठ्म सेमे.)	अ.जा.	पुरूष	–	–	–	–	–	–	जी पी ए टी

229	कामनी मधुकर	बी. फार्मा (अष्ट्म सेमे.)	अ.जा.	महिला	–	–	–	–	–	–	जी पी ए टी
230	सूरज कुमार सिंह	बी. फार्मा (अष्ट्म सेमे.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	जी पी ए टी
231	हर्षवर्धन सिंह	बी. फार्मा (अष्ट्म सेमे.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	जी पी ए टी
232	दिव्या सोनी	बी. फार्मा (अष्ट्म सेमे.)	अ.पि.व.	महिला	–	–	–	–	–	–	जी पी ए टी
233	सौरनाव जाना	बी. फार्मा (अष्ट्म सेमे.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	जी पी ए टी
234	प्रकाश पाण्डे	बी. फार्मा (प्रथम सेमे.)	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	–	जी पी ए टी
235	बलराम पटेल	बी. फार्मा (अष्ट्म सेमे.)	अ.पि.व.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग											
236	मनीषा पुरी गोस्वामी	पीजीडीआर एम	अ.पि.व.	महिला	–	–	–	–	–	√	–
237	प्रदीप टोप्पो	एमएआरडी	अ.ज.जा.	पुरूष	–	–	–	–	–	√	–
238	अरविंद टेकाम	एमएआरडी	अ.ज.जा.	पुरूष	–	–	–	–	–	√	–
	रसायन शास्त्र विभाग											
239	ओमप्रकाश	–	सामान्य	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
240	मेमन साहू	–	अ.पि.व.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
241	ऋषिकेश चन्द्रवंशी	–	–	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
242	अशोक राज पटेल	–	अ.पि.व.	पुरूष	–	–	–	√	–	–	–
243	निधि निर्मलकर	–	अ.पि.व.	महिला	–	–	–	√	–	–	–
244	हेमा आर. टंडन	–	अ.पि.व.	महिला	–	√	–	√	–	–	–
245	सूर्यकांत पाल	–	सामान्य	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
246	पलक पटेल	–	अ.पि.व.	महिला	–	–	–	√	–	–	–
247	शाहीन सिद्दिकी	–	अ.पि.व.	महिला	–	–	–	√	–	–	–
248	सोमेन पायरा	–	सामान्य	महिला	–	–	–	–	–	√	Post Doctoral position at IIT Kanpur
249	संजना एलानी	–	सामान्य	महिला	–	–	–	–	–	–	Summer Fellowship in France
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग											
250	विनीत कुमार मन्नाडे	भौतिकी	अ.जा.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
251	आराध्या मिश्रा	भौतिकी	सामान्य	महिला	–	–	√	–	–	–	–
252	अपानु बेताल	भौतिकी	सामान्य	पुरूष	–	√	√	–	–	–	–
253	हरि कुमार बैगा	भौतिकी	अ.ज.जा.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
254	विक्रम सिंह राजपूत	भौतिकी	सामान्य	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
255	भारतीय भोई	भौतिकी	अ.पि.व.	महिला	–	–	√	–	–	–	–
256	प्रदीप	भौतिकी	अ.ज.जा.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
257	फारूख अब्दुल	भौतिकी	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–

258	प्रकाश त्रिपाठी	भौतिकी	सामान्य	पुरूष	√	–	–	–	–	√	–
259	अतुल सिंह	भौतिकी	सामान्य	पुरूष	–	–	–	–	–	√	–
260	शिवांगी दुबे	भौतिकी	सामान्य	महिला	–	–	–	–	–	√	–
261	रविन्द्र पैकरा	भौतिकी	अ.ज.जा.	पुरूष	–	–	–	–	–	√	–
262	शांतनु भट्टाचार्य	भौतिकी	सामान्य	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
	शिक्षा विभाग										
263	स्मिता कुमारी	एम.एड.	सामान्य	महिला	√	–	–	–	–	–	–
264	सत्यनारायण यादव	एम.एड.	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
265	राहुल यादव	एम.एड.	अ.पि.व.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
266	मोहम्मद गुलाम रसूल	एम.एड.	सामान्य	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
267	बबीता सिंह	एम.एड.	सामान्य	महिला	√	–	–	–	–	–	–
268	किशन कुमार रात्रे	एम.एड.	अ.जा.	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
269	शताब्दी सरकार	एम.एड.	सामान्य	महिला	√	–	–	–	–	–	–
	इतिहास विभाग										
270	अभिषेक अग्रवाल	इतिहास	सामान्य	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
	राजनीति शास्त्र विभाग										
271	हर्षा साहू	एम.ए.	अ.पि.व.	महिला	√	–	–	–	–	–	–
272	अमित कुमार गुप्ता	पीएच.डी. शोधार्थी	सामान्य	पुरूष	√	–	–	–	–	–	–
273	हर्षा साहू	एम.ए.	अ.पि.व.	महिला	–	–	√	–	–	–	–
274	प्रियांश तिर्की	एम.ए.	अ.ज.जा.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
275	बुद्धदेव मण्डल	एम.ए.	अ.जा.	पुरूष	–	–	√	–	–	–	–
	समाज कार्य विभाग										
276	विकास सिंह	समाज कार्य	अ.ज.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
277	राजेन्द्र सिंह टेकाम	समाज कार्य	अ.ज.जा.	पुरूष	–	√	–	–	–	–	–
278	ए.हर्षिता	समाज कार्य	सामान्य	महिला	–	–	–	–	–	–	√

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
उत्कृष्टता की ओर कदम

प्रस्तुत प्रतिवेदन का उद्देश्य गुरु घासीदास विश्वविद्यालय से
संबंधित सूचनाएं प्रदान करना है। विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति के बिना
इस प्रतिवेदन की सामग्री या छायाचित्रों का पुनर्प्रकाशन नहीं किया जा सकता है।

कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) 495009
के द्वारा प्रकाशित
दूरभाष : 07752-260209, फैक्स : 07752-260148
वेबसाईट :- www.ggu.ac.in